



ट्याएं क्रान गतीरा

छा. ताता छाराश्रीत ता-त्रेयान व्याल-त्रुदतश्रती

छा. ताता क्राराश्रीत ता-ऋसान व्याल-भूदतभूती त्रिष्ठ श्रश्नाति





















- अतिकार्य शांत्र क्या
 अतिकार वाणी
 अविकार वाणी
 अविकार वाणायिक एरात अकसान थरा इस थन
 अकितार वाणायिक एरात अकसान थरा इस थन
 अकितार वाणायिक एरात अकसान थरा एस थन
 अकितार वाणायी विकार के असान थरा इस थन
 अकितार वाणायी विकार के अकसान थरा इस थन
 अतिकार न्या प्रक्रित एरात त्र क्या
 अतिकार के अविकार के अनुतार इस थन
 अतिकार के अनुतार इस थन
 अतिकार के अनुतार इस थन



त्रुकिताम श्रकामनानग्र

श्रयञ्च : त्व-न्रिमान त्यामिश रन

১০৮ विडे अविकााचे द्वार (२ रा छवा) छाका-১২०৫

ফোন: 0১৭১১১৮১৬৯

প্রকাশক: नाहिদ শামসেন্তারীজ বেদম গুয়ারসী তামামী সানাই

(সুফিবাদ প্রকাশনালয়-এর পক্ষে)

প্রাম : চুনকুটিয়া, ডাক : গুভাচ্যা

थाना : क्ततानींगञ्ज, क्रला : ঢाका

ফোন: 0১৭১১১৮১৬৯

উৎসর্গ

साउनाउन जाना वावा कान महीक मार मूद्धभ्रही त कन्छा जाहाकारक, विनि मूद्धभ्रही त नयुद्धन सिप हिलन अवः जाधाि जिक उष्ठ जामदा गाँत द्याना विनि ज्यस्म लिथकत वर्ष मा, विनि ज्यस्म लिथकरक जाण्ड द्वार करळन अवः जांत भाषूका सावातक जामारक उपरांत मिद्धाि लन। विनि द्धार्थित करन जामारक वनळन, 'जामात वावात (श्वयः मूद्धभ्रहीत) मूहिमाद्धता कर्ष जामारक कामारक भादा नि। जामात श्वामी भीद्ध कारम मारहनमारह अनि मार मूकि मारह्या लानाम माठना हिम्छि अत्वरक मामभूती मार मारहर्वत मूहित्मता जामारक कामारक कामारक कामारक कामारक वाता कामारक कामारक वाता वाता कामित्य शिना जामित द्यान स्वामात स्वामात स्वामात स्वामात स्वामात वाता वाता कामित्य शिना जामात स्वामात स्

শুনেছি এই সুফি জগতে বলতে গেলে একজন মুরিদই তাঁর আপন পরিকে সবচেয়ে বেশি কাঁদিয়েছিলেন। সেই মুরিদের নাম হজরত আমির খসরু এবং তাঁর পীরের নাম মাহবুবে এলাহি নিজামউদ্দিন আউলিয়া।

भीतित श्राप्त मूर्तिम काँग्ल, अप्राप्त व्याभता कानि। किन्नु मूर्तित्मत कनाछ या भीत काँग्ल अप्रा कि अक्षा व्यवाक कता कथा नग्नः? श्रप्त श्रापिश भत्नभ भूत्मिशा भत्नभ भूक्षनीशा वर्ष्न भा-त कम्भ स्मावातत्क अवः मामूलत उथा वर्ष्न् मामू भाष्ट भूकि छा. भार्षेद्यम शानास स्मानाद्यस स्थानाश्चनी विभिन्न छत्रत्क শतीक, सिक मामू मार पूकि प्रारंखिम शानास स्माक्टाएमत श्रामाशनी िर्मिट अतरक काक्रक, सिक मामू मार पूकि प्रारंखिम शानास सूत्रष्टानिन श्रामाशनी िर्मिट अतरक व्यावतात, क्टूर्य मामू मार पूकि प्रारंखिम शानास स्माष्टाित्तित श्रामाशनी िर्मिट अतरक व्याप्तात (स्प्रानामामा)। श्राट्यक मामूरे व्यासात्क व्ययस करतन, उत्त क्टूर्य मामू, तम् सा व्यासात्क या तक्स सिर कतर्यन व्यानक या तक्स ना रुन्छ काष्ट्राच कात्रि श्रामाशन श्रामा अपने सा व्याप्त कात्रम सा व्याप्त कात्रम आत्रा अपने या स्थन व्याप्त व्याप्त कात्रम सा व्याप्त व्याप्त कात्रम सा व्याप्त व्याप्त व्याप्त कात्रम सा व्याप्त व्याप्त कात्रम सा व्याप्त व्याप

सा (गा! अकि साब पूबत्रज्ञान व्याप्ति, व्यथस निश्वक। व्यात त्राठि (तान। त्वानी गर्क उपल्लात सूत्रनसान स्माद्धात्मत सर्था ১৯২৭ त्रात्नत श्रथस साद्धिक ठूमि। नानू छार व्यावपूत तान्काक रैममत्व पाशि मिकात कतात त्रसद्ध साब ১৫ सिनिटित कना सािटिट नािसद्धिण्टलन : ठूमि, सा, नानू छारद्धात त्रत्म ठिनिष्न कथा वत्ना नि। ऋसा छारेवात पत नानू छारद्धात त्रत्म कथा वत्निष्टल। त्ररे पूब त्रज्ञानि वरे व्यथस निश्वक। रश्चा वसन वक्षिन व्यात्रत त्यिष्त द्यासात प्रतिष्ठूकू एएट पार्ठ त्या सन्य सन्य करात्व।

একটি ঘোষণা

যে কেহ এই বইটি ছাপাইয়া যে কোনো দামে বিক্রি অথবা প্রচার করিতে পারিবেন। ইহাতে লিখক ৪ প্রকাশকের পক্ষ হইতে কোনো প্রকার আপত্তি त्रिं ना अवः शाकित्व ना। कात्रभ, अर्थे वर्षे एत सामिकाना निश्क निक्र **२र्टे**ळ त्रष्टात त्रमथ पृथिवीत या काला फ्रांत मूत्रनमान, रिन्दू, श्लिकान **अवः व्यवः या काला धर्मत व्यवुगाती एततक मधावछा व व्यधिकात हिवात** প্রকাশ্য ঘোষণা করিয়া গেলেন। তা ছাড়া দৈনিক, সাপ্তাহিক, পাক্ষিক, মাসিক, ত্রৈমাসিক এবং যে কোনো সাময়িকীতে এই বইয়ের সম্পূর্ণ অথবা আংশিক লেখকের নামে অথবা যে কোনো কারো নামে ধারাবাহিকভাবে ছাপাইতে পারিবেন। এতে লেখকের বা প্রকাশকের কোনো প্রকার আপত্তি शांकित्व ना। यपि त्कर त्कातापिन वर्रेपित सानिकानात सिथा पारि তোলেন, তাহা হইলে সেই মিখ্যা দাবি সর্বস্থানে, সর্বআদালতে বাতিল বলিয়া গণ্য হইবে। আরগু উল্লেখ থাকে যে, এই বইটি পৃথিবীর যে কোনো দেশের যে কোনো ভাষায় অনুবাদ করিয়া ছাপিতে পারিবেন।

याँ या विश्वास क्षेत्र क्षेत्र कार्र्य क्षेत्र क्षेत्र

প্রথমেই আমি পরম শুদ্ধার সাথে স্মরণ করি পরম পূজনীয় শাহ সুফি সৈয়দ সদর উদ্দিন আহমদ চিশতীকে, যিনি আমার আপন মেজ চাচা। আমি

वाना जाता जाता क्रिया है। क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रिया

আমার একটি খারাপ অভ্যাস ছিল, আর সেই খারাপ অভ্যাসটি হলো, প্রতিদিন দশ-পনের ঘণ্টা লেখাপড়া করতাম। এই জন্য আমাকে আমার বন্ধুরা বইয়ের পোকাগু বলত। আমি প্রচণ্ডভাবে নিরপেক্ষ একজন মানুষ। সত্যসন্ধানের পথে কোনো মতবাদের সাইনবোর্ড আমার কাঁধে তুলতে দেই নাই। তবে যুক্তির পেছনেও যে অনেক বোবা যুক্তি দাঁড়িয়ে হাসতে থাকে, সেটা বিশেষ রহমত ছাড়া জানা যায় না। ইহদি ধর্মের মোল্লা-মুফতিরা তুমি মৃতকে জীবিত করতে পারো; কিছু এবার আমরা তোমাকে শূলীতে চড়িয়েছি এবং আমাদের এই শূলী হতে যদি বেরিয়ে আসতে পারো তবেই ধরে নিব তুমি সত্য নবি। কিন্তু যিশু সেই শূলী হতে বেরিয়ে আসেন নি। এই युक्रिंगिक युक्ति আছে বটে, किन्नु भठागि नारे। क्वन नारे? यिष भठिउरे यिष्ठ मिं भूमी रूक विविद्य वामक्त्रन का रूम मिनार भूममान रूख खिन अवः সবাই মুসলমান হয়ে গেলে আল্লাহপাকের 'তোমাদের পরীক্ষা করার জন্য এই দুনিয়াতে পাঠিয়েছি'– কথাটির সৌন্দর্য আর থাকে না। অথচ যুক্তির

কথাগুলোর বাঁধন বড় শক্ত। এবং এই যুক্তির শক্ত বাঁধনের ফাঁদে পড়ে অনেকেই ইমান হারিয়ে ফেলবে। কিছু এই শক্ত যুক্তির ভেতরে যে বিন্দুমান্ন সত্য নাই, বরং যুক্তির ভুগড়ুগি বাজিয়ে, যুক্তির ভেলকিবাজি দেখিয়ে, যুক্তির জাদু দেখিয়ে হিপনোটাইজ করে ফেলে। পূর্বজন্মের কর্মফলের উপর ভিত্তি করেই তকদিরটি দাঁড়িয়ে আছে। এই তকদির যে স্থানের উপযুক্ত সেখানেই নিয়ে যাবে। এটাই তকদিরে মোবরাম তথা যে তকদিরের আর বদল হয় না।

শাহ সুফি সৈয়দ সদর উদ্দিন আহমদ চিশতীর মতো একজন ইসলাম গবেষক এবং গুরু এই পৃথিবীতে কম্মই পাগুয়া যায়। তাঁর রচিত কোরান-এর তফসির তিন খণ্ডে বাজারে পাগুয়া যায়। তফসিরটির নাম দিয়েছেন কোৱান দর্শন। কত গভীর চিন্তার প্রতিফলন ঘটতে পারে তারই এক বিশ্বয়কর নিদর্শন হলো এই রচনা। আমি অধম তাঁর মুরিদ হই নাই সত্য, কিন্তু উনিই আমার প্রথম শিক্ষাগুরু। শাহ সুফি সদর উদ্দিন আহমদ চিশতী ১৯১৪ সালের ২২ সেপ্টেম্বর জন্মগ্রহণ করেন। তাঁর পিতার নাম সৈয়দ काक्रिस উদ্দিন চিশতी এবং साठा বেগম ইয়ারননেছা। উনি পর্দা গ্রহণ করেন তথা ইন্তেকাল করেন ২০০৬ সালের ২২ সেপ্টেম্বর। আমরা অনেকেই জানি, মহানবির আবির্ভাব ও পর্দাগ্রহণ ১২ রবিউল আউয়াল। साछनाउँन व्याना ताता रेमग्रम कान भतीक भार भूदाश्वतीत कवा ७ ७काठ দিবসটি ২ অগ্রহায়ণ। আমরা জানি, বেগম রোকেয়ার জন্ম এবং মৃত্যুদিবসটি ৯ ডিসেম্বর। কিন্তু চোখের সামনে বাস্তবে দেখতে পেলাম, একই দিনে জনা এবং মৃত্যুর ঘটনাটি ঘটে গেল শাহ সুফি সদর উদ্দিন আহমদ চিশতীর জীবনে।

একটি আবেদন

व्यासता स्माताकावा-स्मामार्रकात छथा धानमाधनात अकि क्रून भूटि नित्रक्ति स्माना नित्रम्त छेथस्मात क्रयनगत रॅडेनियस्त स्नोकाघाँ। आसा महत्व वाश्नाटित्मत काला भीत-कित अ तक्स अकि क्रून थाटिन नित्र वाश्नाटित्मत कित कित वाश्नाटित्मत कित कित वाश्नाटित्मत निक्षें व्यार्थिक माराया कायना कित।

कातान वन्ताम क्षत्रक

हाता, एक शुर्यात, सिल्टिन, किंकिश्गाम अत्र तिह तालतािक श्रिणीं व्यातिति जिन्नाित्रशिल भूगेंग काट्ट (तर्थ भूत मात्रशांल व्यन्ताित ल्यां है। ठांतर नमुना हिमारत मुक्तिवाह व्याव्याभिति हारात अत्र मुक्ति श्रिणीं भर्य अत्र विकास अत्र मुक्ति वाल्यां मुक्ति श्रिणीं भर्य कार्या निक्रस्त व्यन्ताह प्रत प्रत व्याव्या भर्य कर्तां भर्य व्याव्या महात कर्तां भर्य व्याव्या महात कर्तां का अत्र अत्र अत्र श्रिणां का महात व्याव्या कर्तां के प्रत व्याव्या कर्तां क

छा. वावा काराशीत वा-न्यान वाल-नूदाश्वती

৯০ (নকাই) খণ্ডে সমাপ্ত (পুরিবীর সর্ববৃহৎ কোরান-এর তফসির) [বি. দু. আর্থিক সাহায্য ছাড়া একার পক্ষে ছাপানো অসম্ভব।]

আমি স্মরণ করি 🖊 🖇 ৩ <u>যারা সাধনায় প্রাগ্নহী তা</u>দ্ধের প্রতি অনুরোধ / ৫০ সুফিবাদের সর্বশ্রেষ্ঠ দর্শন / ৫১ भीतपुकार वालीरत पुका : मुिक्ताएत मर्ताफ पूर्ववि रक्षत्र वासित शतक्त धर कालाय पुतिस्नात रख कुटी उठाए / ४२ त्रांशिरोतं व्यातिष्ट्तं / दिए त्वातानं व्यनुवाह श्रमत्म विष्टू कथा / ८७ त्रुता नक्षस्त्र व्यनुवाह / ८७ <u>সুরা তোয়াহা / ৬৫</u> नेकुम ३ क्टरतं शार्यका विषया वाद्याद्या / ५० <u> सुर्शात कान ३ रिमनात कात्नत शारीका विष्टा ज्ञालाचना / ५५ </u> <u> भार का अवः भार भ्रता क्ले श्रद्धांकेन / ५०७</u> व्यव्यक्तान कथन्छ धर्म नटर / ১১० श्रीतिपृष्ठ व्याप्नात कान्नांच्यां मन्मद्रक् व्यात्माचना / ১১७ <u> হয়ানের ধারক বাহক কারা? / ১১৮</u> ভাক্ত ব্র ভাক্তর প্রকারভেদ্ন / ১২০ বস্তুর বিজ্ঞান ও আত্মার বিজ্ঞানের স্বরূপ 🖊 ১২৩ गराणात्वत व्यवसान किशास अवश्विणार्तः / ১২৫ व्याणार्थाते एरात सन् भारतश्वक्षणित स्वतं / ১২৯ পবিত্র কোরান-এর সাবজননিতার সাক্ষ্য <u> अञ्चलक्षानएरत भग्जनत अन्र कार्त्रप्र /</u> व्याप्तम ३ मानुरसुत युक्तभू विषया व्यात्माचना / ১৪५ <u> याक्याप्तत प्रारूक जााम ३ जामात वनात तरमा / ५७०</u> क्तान-भ्रतीकष्ट जाशास्त्रत्वश्मावस्मय याश <u>श्वाणाल ख्रुनुवास्त्र, जन्मुप वप्रेलक्ष / ५८६</u> 1 305 হফতার বিষয়ে ক্লাতপয় হ্লাদুস <u>হজরত বারা অট্নার খসুক রটিত কালাম-এর ভাবার্থ, / ১৬৪</u> जिनिए केर्तिजा/ गाँह मुक्ति मोर्डे राष्ट्र साही मुक्ति नॉर्नेसे / ८७৫ जिनिए करिया/ अधायक कामान / ८७५ भार त्रुंकि नक्तेश्राष्ठकित नाक्षेत्रे छानिका 🖊 ५१७

আমি স্মরণ করি

এক. আমি সর্বপ্রথমে স্মরণ করছি পরম শুদ্ধার সাথে মহানবির আস্হাবে সুফ্ফার বিখ্যাত একজন মহান সাহাবা হজরত আবু জর গিফারিকে। যিনি নির্বাসনে যাবার পরে বলেছিলেন যে, আমার লাশ (মোবারক) যেন কোনো রাজনীতির সঙ্গে জড়িত ব্যক্তি স্পর্শ না করেন। সিরিয়ার গভর্নর হিন্দার পুত্র भुशाविशात मत्म मृता वाकातात पूरुमे छेनिम नम्नत आशालित व्याभ्या नित्य मठितिताथ फ्या फ्वात भत रिकात भूव मूग्राविशा भाभत रक्त अभान গনিকে আবু জর ণিফারির বিষয়টি নিয়ে একটি পত্র লেখে। তার কিছুদিন পর हिन्हात ছেলে মুয়াবিয়া আবু জর গিফারিকে খলিফা হজরত গুসমান গনির কাছে পাঠিয়ে দিল। আমার কাছে এই বিষয়টি একটি রাজনৈতিক চालवाकित वञ्चा सत्न रूलं वलक वाधा रुष्टि या, श्रालका रुक्तिक अप्रसान গনি হিন্দার ছেলে মুয়াবিয়ার সঙ্গে একমত (?), অতএব আবু জর গিফারিকে নির্বাসনে পাঠিয়ে দিলেন। অনেক ইসলাম গবেষক এই বিষয়টিকে রাজণ্ডন্ত্রের শ্বপ্ন দেখা বলে মনে করেন। এই বিষয়টি জানবার পর অধম লেখকের মনে একটি ধাক্কা লাগে। তাই আমি এবং আমার পুত্ররা রাজনীতি তো দূরের কথা, ভোট কেন্দ্রে যাগুয়া বন্ধ করে দিয়েছি। গাছটি यिसन कनिए क्या क्रिसनर रख। यातू त्रुकिशान यात रिका नासक शाष्ट यासन सूराविशा नासक व्यस्टात (?) कनिं धदाष्टिन : या सूराविशा মহানবি এবং চার খলিফার আদর্শটিকে কবর দিয়ে রাজতন্ত্র চালু করল। আরগু একটি বেশি কথা বলতে চাই যে, অধম লিখক হাসতে হাসতে জাহান্নামে যেতে রাজি আছি, তবুও হিন্দার ছেলে মুয়াবিয়াকে সাহাবা মনে করব না এবং বিশেষ করে এ বিষয়ে শুদ্ধেয় ইসলাম গবেষক সাইয়েদ व्यातून व्याना सञ्जूषी मार्टितत मार्थ क्षेक्से लाखन कति। व्यानासा रैकवान वलष्ट्रन, फिन ७ शा निभार सुत्रनसा नारि छा कूछ्डी नारि छथा অন্তর এবং দৃষ্টিভঙ্গি যার মুসলমান তথা পরিশুদ্ধ নয়, সে তো মুসলমানই **নয়। (তবে তাকিয়া গ্রহণ করাটি জায়েজ আছে এবং কেন্ট যদি মুয়াবিয়াকে** সাহাবা মনে করেন তো এটা তার গণতান্ত্রিক অধিকার বলে অবশ্যই মনে করতে চাই)।

पूरे. वािक भत्रम भुद्धात मात्य मात्र कति छिलिएत छिलि, भीतएत भीत, ियिन वािक कतात मत्म मत्म कर्ण कर्ण वांचा वािक वांत विद्या मारेल राँछात विभागकत वांचाम, यांत माङाव्यत भक्ष वाःलाएएण मवणारेट उँछू, यांत माङाव्य मान्यत यांचाग्रांच, यांत क्षांचा मूर्ति छ शिलका चिनि विभाग। मानार्व्यत यांचाग्रांच, यांत क्षांचा वांचा क्षांचाक्यत साञ्चान, वांचा वांचा क्षांचाक्यत साञ्चान, वांचा वांचा क्षांचाव क्षांचान, वांचा वांचाव क्षांचान, वांचाव क्षांचान, वांचाव क्षांचान, वांचाव क्षांचान क्षांचान, वांचाव क्षांचान क्षांचान, वांचाव क्षांचान क्षा

শাহ সুফি বাবা আনোয়ার শাহ কলন্দর।। সেই মাগুলাউল আলা, আসরারে খিজির, মুজাররাত বাবা আবু আলি আক্রার শাহ কলন্দরকে (কানদইলার পीत, तूनिशारत) यिनि व्याकानगाष्टि भीत जाय्टरतत क्षधान शनिका। उरत বলে রাখা ভালো যে, আজানগাছি পীর সাহেবের মুরিদদের মধ্যে দুইটি **धाता श्रवरुषान : একটি আচার-অনুঠানপ্রিয় এবং আলুর দম দে**ওয়া পোলাগু খায়, আর অপর দলটির মাঝে আনুষ্ঠানিকতার প্রাধান্য নাই वललर एल अवः नास्रत लाख कलऋत शाक। एत व्यवाक रवात कथािं रला, এই দুই দলের মধ্যে কোনো অগড়াগু নাই, সমালোচনাগু নাই। তবে উভয় দলের অনুসারীদের প্রশ্ন করলে বলেন যে, যার যার মনমতো চলতে **दिव। আ**क्षि अक्ष वावा भार त्रुकि जात्वाग्नात भार कनकत्वत खाग्यन्य মুরিদ ও খলিফা বাবা হানিফ শাহ সাহেবকে পরম শ্রদ্ধা করি। উনি নামের শেষে কলন্দর লেখেন না এবং নিজেকে আড়াল করে রাখতে ভালোবাসেন। वाश्लात সুফিসাধকদের এক প্লাটফর্মে নিয়ে আসার জন্য উনার প্রাণপণ চেষ্টা গু পরিশ্রম সত্যিই বিশ্বয়কর। হতাশা শব্দটি উনার কাছে অচল। নিজেকে ছোট করে বিলিয়ে দিয়ে তিলে তিলে কোরবানি করবার চেতনায় অগ্রসর হবার যোগ্যতাটি অবাক করে। কী করে এত ধৈর্য ধারণ করতে পারেন, কী করে প্রায় প্রতিটি দরবারে গিয়ে আপনার সুন্দরতম হাষ্টিটি একদম ছোট করতে পারেন তারই শিক্ষা অধম লিখক তাঁর নিকট শিখেছি। বয়সে অনেক বড় হতে পারি, কিছু ধৈর্য আর ত্যাগের প্রশ্নে তাঁকে আমার

শিক্ষাগুরু বললেগু খুব বেশি বলা হবে না। সামান্য মোবাইল ফোনে ডাক **फिल्ल रात्रि भुर्थ यिनि अस्त পर्छन, या फ्रियर পार्टे जायर्कता**जून আউলিয়া-র মাঝে। বিখ্যাত গুলি হজরত আবু বকর গুয়াগ্রির কথা মনে পড়ে। বাবা अग्राभित काष्ट अप्न खन्य धर्मत वर भानूष मूतिष रख्या अवः ইসলাম গ্রহণ করেছেন। সুফিবাদের আণ্ডাটি বাংলার বুকে তুলে ধরার সাধনাটি সার্থক হোক। মাগুলা তাঁর এই সাধনা গু পরিশ্রমটির সাথে থাকুন, এই কামনা করছি। আর সেই সাথে রইল অধমের আন্তরিক দোয়া। তিন. আমি শ্বরণ করছি নবীনগর উপজেলার শেষ প্রান্তে অবস্থিত দূবাচাইল গ্রামের পীরে কামেল শাহ সুফি মোখলেছ বাবাজানকে। উনি বাঞ্ছারামপুর উপজেলার বিখ্যাত মজুব পীর বাবা রাহাত আলীর একনিষ্ঠ ভক্ত এবং উনারই গুরুভাই পীরে কামেল বাবা গনি শাহ। বাবা মোখলেছ भार्टित अकसाब खागापुब किकिला-अत खराापक मानू वावा खासारक खठाज ভালোবাসেন। আমিগু পুত্ৰশ্লেহে সুফিবাদের অনেক কিছু তাঁকে বুঝাতে চেষ্টা করি। দুইবার গিয়েছিলাম শ্রাবণের গুরসে। দু'বারেই আমাকে छङ एत अङ निएम किছू वनक रखिष्टन अवः विम कि हुक्रम वनात भत्र क्राष्ठ হয়ে যাই এবং গরমে কাপড় ঘামে ভিজে যায়। মনে মনে একটা ফানটা পান করতে চেয়েছিলাম। মজলিশ থেকে পায়ে হেঁটে যখন সানুদের বাসায় আসলাম, প্রায় নব্বই বছরের বৃদ্ধ বাবা মোখলেছ শাহ একটি গেঞ্চি পরে व्यात्रत तरत वाष्ट्रन वात छङ्ता तिनस्त्रत तरत्र माँछिस्य वाष्ट्र। वाि

হুজুরের ঘরে প্রবেশ করার পর অন্য একটি আসনে আমাকে বসতে দিলেন अवः भूष्ठिक रात्रि रात्रलाव। अकञ्चन छङ्कत्क एउत्क कात्नत काष्ट िकत्रिकत्र করে কী যেন বললেন। একটু পরেই দেখলাম, সেই ভক্ত দুটো ফানটার ताउन अत रक्षुत्रक फिलन। रक्षुत व्याभात राज्य अकिं कानिवात ताउन দিয়ে বললেন, উনার ফানটা খেতে মন চেয়েছে। তাই একটা আমি খাই, আর একটা আপনি খান। একদম প্রচারবিমুখ এই নব্বই বছরের বৃদ্ধ বাবা साथलष्ट मार मारहरवत फिल्क किष्टू ना वल कवन वावात मेळा क्रांस রইলাম। আরগ্র অবাক হলাম, উনার প্রধান আসন ঘরটি আমাকে থাকতে দিয়ে ছোট আসন ঘরে তিনি চলে গেলেন। কত অনুরোধ করলাম, কিছু হাসিমুখে বললেন, 'আপনি মেহমান এক পীর সাহেব। আপনার ইজ্জত দেগুয়াটা নৈতিক কর্তব্য মনে করি।' আমার পুত্রকে মুরিদ করার জন্য সঙ্গে निखिष्टिनाम। किन्नु भूतिम ना करत পूत्रक वनलन, ळामात वावात काष्ट्रहें शाका।

व्याणित मिल भीत मारहरतता अरू-व्यालात मर्म एमारकता-व्यामा-याश्रम कत्राज्ञन, कुछ तक्ष कथावाठी रुळा। व्यात व्याक्ष? मल रस कापूपत द्वर्थ एम्थ्रमा व्याक कता विषय। कतिम उफ्तिन व्याञ्चात यिम अ यूण विष्ठा थाकळन ळा छायरकताळूम व्याउमिया नामक कातिम छामाय तिष्ठा विष्णां अमिएत क्षीवनी श्रष्ट्रित नाम ठाँछात छामाय रयळा मिथळन 'छायरकताळूम भाउँ मूम व्याक्षम व्याम काफिए'। वर्षि अर्थ थाय एम्थ्रम् वष्टत व्याण वाश्मा

ভाষায় অনুবাদ করেছিলেন ভাই গিরিশ চন্দ্র সেন। আর কেউ তা পুনরায় ছাপাল না। ভাই গিরিশ চন্দ্র সেনের কোরান-এর প্রথম বাংলা অনুবাদটি প্রায় শত বছরের কিছু পরে ঢাকার ঝিনুক পাবলিশার্সের মালিক রুহুল আমিন নিযামী ছাপিয়েছিলেন। উনি অনেক কন্টে ও পরিশ্রমে সংগ্রহ করা মূল অনুবাদটির দুর্বল কাগক্তে ছাপাটি আমাকে দেখিয়েছিলেন। কিছু তাযকেরাতুল আউলিয়া নামক বইটির অনুবাদ আর কোনো পুরাতন লাইব্রেরিতে পেলেন না। এমনকি পূর্ব ও পশ্চিমবঙ্গের ব্রাক্ষ সমাক্রের পাঠাগারেও আর পাওয়া গেল না।

পশ্চিম বাংলা হতে অনেক পরে কোরান-এর অনুবাদটি পুনরায় এক প্রকাশক প্রকাশ করলেন। কিছু তায়কেরাতুল আউলিয়া আর ছাপা হলো না। তখনই ক্রন্থল আমিন নিযামীর কথাটির সত্যতা বুঝতে পারলাম। এখন অবশ্য বাজারে একই নামে একাধিক প্রকাশকের প্রকাশিত বইখানা পাপ্তয়া যায়। কিছু সেণ্ডলোর সঙ্গে ফরিদ উদ্দিন আন্তারের লিখার কোনো মিল নাই। বরং সেণ্ডলো পড়লে স্পর্ধার কলেরা রোগে আক্রান্ত হতে হয়। অনুবাদক অনুবাদের নামে যদি নিজেদের কথা চুকিয়ে দেয়, তাদেরকে সমালোচনা করতেও ক্রচিতে বাধে। যেমনটি হয়েছে ইমাম গাজ্ঞালির নামে এহইয়ায়ে উলুম উদ্দিন বইটির খাস্তা অনুবাদ। লিখক এবং অনুবাদকের সঙ্গে মূল বইটির বিষয়ে অমিল থাকতে পারে, কিছু একদম নিরপেক্ষতাই অনুবাদকের নীতি, আদর্শ ও ধর্ম হওয়া কর্তব্য। আমাদের দেশে যা আকাশ-কুসুম কল্পনা মাত্র। অনুবাদের বিষয়টিতে শ্রেষ্ঠত্বের দাবিদার হলো ইউরোপ আর আমেরিকা। অপ্রিয় হলেগু সত্য কথাটি বিবেকের তাড়নায় বলতে বাধ্য হলাম।

हात. व्याप्ति श्रात्य कित भीति कासिन, माठनाउँन व्याना, माराक्रामात्र भाउँत्रून व्याक्षम रक्तत्र वावा क्रियाउँन रक छाञ्चातीत्क। व्यामात निथनीत्रमञ्च भड़ात भत ठाँत मूतिम भाठित्य मित्यिष्टित्नन व्यामात्क अक नक्षत प्रभण्छ। व्याप्ति व्यथम व्यक्ति व्यञ्चलात कात्रप यार्थ यार्थ कत्त्व व्यात याञ्या रत्ना ना। अर्थ मरान अनित तञ्जा सावातत्क व्यामात्क व्यञ्ज अकवात त्यां रूक्ता क्रमा हार्थवात क्रमा।

পাঁচ. আমি শ্বরণ করি ফেনী জেলার দাগনভূঞা উপজেলার জয়লয়্কর নামক স্থানের সামান্য কিছু দূরে অবস্থিত বরহাইগুণী দরবার শরিফের পীর বাবা শাহাপীর চিশতি নিজামি বান্দা নেগুয়াজিকে। আমি উনার প্রাণঢালা দোয়া পেয়েছি এবং বেশ কয়েক বছর প্রতি গুরুসে গুনাকে দর্শন করতে উপস্থিত থাকতাম।

ছয়. আয়ি য়য়ণ করি পীরে কামেল শাহজাদায়ে গাউসুল আজম বাবা শফিউল বশর আল হাসানী আল মাইজভাণ্ডারীর যোগ্যতম পুত্র পীরে কামেল শাহজাদায়ে গাউসুল আজম বাবা মুজিবুল বশর আল হাসানী আল মাইজভাণ্ডারীকে। উনি একদিন হাসতে হাসতে আমাকে দেখে বললেন যে, গুলিদের মাজারে জাঁকজমকপূর্ণ গিলাপ চড়ানো হয়, আর আপনি জীবিত অবস্থায় জাঁকজমকপূর্ণ শেরগুয়ানির গিলাপ পরেছেন। আমি দোয়া করি, আপনার নাম দেশ-বিদেশে একদিন ছড়িয়ে পড়বে, যদিও আপনি প্রচারবিষুখ এবং নিজেকে তাকিয়া নামক ঘোমটায় লুকিয়ে রাখেন। সাত . আমি পরম শুদ্ধার সঙ্গে পরম পূজনীয় শাহ সুফি সৈয়দ ফারুক হসাইন কাদ্রি আবুল উলাইকে শ্বরণ করছি। শ্বরণ করছি ৫৩/১ আলি **तिकी फिउँड़ी लिब, माठत**ॐ शां भाकिञ्चानि व्यासल (ठथन वाःलाफिंग रुग्न नि) व्यानुष्ठानिक ८५ वष्टत व्याएं उनात शानका गतिएक वाश्त्रतिक अतरत्र দাগুয়াত পেতাম। আমি অধম লিখক প্রতিটি গুরুসে এ জন্যই যেতাম যে, উনার দরবারে ফারসি ভাষায় কাগুয়ালি হতো। অধম লিখককে আদর করে পাশে বসাতেন এবং একসঙ্গে বসে কাগুয়ালি গুনতাম। সেই দিনের ফারসি ভাষার বিখ্যাত কাপ্তয়ালের নাম ছিল সাদেক। অনেক সময় উনি राल कैंाभळ शाकळन এবং भिष्ठत यळा कान्नाग्र खळ भড़ळन। अर्हे মোহনীয় স্মৃতি আজগু এই বৃদ্ধ বয়সে মুছে যায় নি। উনি প্রচুর পান খেতেন এবং উনার জ্ঞানের সামনে সামান্য দাঁড়াবার ক্ষমতাটি অধমের ছিল না। উনার বিনয় এবং মার্জিত ভাষা আমাকে আজগু অভিভূত করে। উনারই পুত্রের মুরিদ এক স্কুল-শিক্ষিকা আমার রোগী ছিলেন। নির্দিষ্ট সময়-তারিখ করে তাঁর পুত্রকে দেখতে যাই। উনি যথেষ্ট আদর-যত্ন করলেন এবং व्याभात्क পतिश्वात िनत्य भातत्वन। पूःश अर्थे क्रना त्य, छैनि भर्मा अर्थ করেছেন। অপ্রিয় হলেগু এই কথাটি সত্য যে, আমার মতো অধমকে তাঁদের

व्यात काला व्यवृंशाल व्यक्षाण कात्रण माश्रशाण करतन ना। जर्व वर्णभान भीत प्रास्त मार पूर्कि रिप्राम साराम्मम सारासम कामित व्यावू उनाशीक व्याभात व्याश्रिक श्रस्टम्हा तरेन। व्याभा कित प्रकिवास्त्र उभत किष्टू अकणा द्वारा व्यास्त्र व्यास्त्र भात्रका।

वाहे. वाशि भत्रम मुद्धात मत्म मात्रप कर्तिष्ट क्रमन कार्सामिউहिन्डालम क्रभ व्यव क्लाम्सिक-अत क्रियातम्हान ७ महातिष्ठः छार्टेदाकेत क्रनाव मुरम्भ मिस्रुक्षेत्र मार्ट्यका व्याप्ति अ क्रिन्डे भत्रम मुद्धात मत्म जंदिक मार्ट्यका क्रिम विश्व क्रिक्ट मिस्रुक्ष अक्षि था, विश्व-रेवछत्वत हमक अवः धेतम्बर्धत अकि विश्व क्रिम्ह छेद्धर व्याप्ति माद्य विश्व विश्व विश्व विश्व क्रिम मार्ट्यका अकि क्रिम मार्ट्यका अकि विश्व क्रिम मार्ट्यका अकि विश्व क्रिम मार्ट्यका क्रिम मार्ट्यका मार्ट्यका

সাগরে উত্তাল উর্মির অবস্থানে ব্যক্তিসত্তা কিংকর্তব্যবিমূঢ়। বিত্ত-বৈভবের সাগরে ব্যক্তিসত্তার নোকা প্রায়ই আত্মশাঘার মেকি আভিজাত্যের বেসুরা অংকার তোলে, আমিত্বের কণ্ঠকুনিকায়। বিশ্বেষণের জিক্তাসা এখানে পঙ্গু ৪ স্থবিরতার মূর্তি ধারণ করে। রাহুগ্রাসে চন্দ্র-সূর্য যেভাবে কিছুক্ষণের জন্য আপন সন্তাকে বিবর্ণ করে, তেমনি বিহ্ন-বৈভবের মালিক যারা তাদেরকেণ্ড সেইভাবে কখনগু কখনগু মোহাচ্ছন্ন করে তোলে। বিহুবৈভবের নেশা যখন সম্লাটের সিংহাসনে আরোহণ করে, তখন সমস্ত প্রকার মাদকদুব্যগুলো উজির-নাজিরের মতো কুর্নিশ করে। কিন্তু জগতে এই বিশ্বয়কর বিষয়েও ব্যতিক্রম রেখে দিয়েছেন সর্বশক্তিমান সুষ্টা। খলিফা আবু বকর সিদ্দিক, জুন্নুন্নুরাইন হজরত ওসমান গনি, মর্ত্যে অবস্থানকালে মুর্গের সুসংবাদ পাগুয়া সাহাবা আবদুর রহমান ইবনে আউফ, সম্লাটের সিংহাসন থেকে स्विष्टा स अस्त्र अस्त्र हेत्रारिक्ष याम्हास तन्शि, गार त्रुका त्वसान असान। আল্লামা আবদুর রহমান জামি, মোহাম্মদ ইবনে হাসান (দাতা গঞ্চে বখশ) আর এই একবিংশ শতাব্দীতেও এরই সামান্য দৃষ্টান্ত দেখতে পাই কিছু কিছু ধনাঢ্য ব্যক্তিতে। আশ্চর্য, তারই কি একটি উদ্ধুল দৃষ্টান্তরূপে চিহ্নিত করা याग्र ना त्रनिष्ठ उन्नार त्राख्यकः?

नश्च. व्यक्ति भत्तम भुद्धात मट्ट यात्रण कित व्यामात क्रबामाण क्तानीमक्ष थानात क्षथम अमअ, वि णि, मत्रचम ख्लाल छेष्किन व्याटमम्-अत व्यापन छाडे गाट मूकि मम्त छेष्किन व्याटमम् िमिण अत्रक्ष कालू गाट माख्यका। कित्गात वश्वत्र वावाक्त रात्रावात भत्न थिनि व्यामाक्त वूक्त जूल निख्यक्रन, भिक्रामान करत्वक्रन अवः मूकिवाप्तत प्रत्म कमन कर्त्व व्यथमत रुक्त रश्च त्रहे भिक्राणि मर्वश्रथम जिनिहे मिख्यक्रन। छेनि व्यामात व्याध्याच्यिक छक्त ना रुक्त भारतन, किन्नु व्याध्याच्यिक छक्तत मन्नान श्रम्मन कित। यिन्छ धर्मीश धनमन्मम, क्रानगितिमाয় এবং বংশমর্যাদায় কেরানীগঞ্জ উপক্রেলায় এত উন্নতমানের বংশ আর দ্বিতীয়টি আছে বলে অধম লেখকের জানা নাই। এগারো. পরম শুদ্ধার সঙ্গে শ্বরণ করছি আমার দাদুকে যিনি উত্তর-পশ্চিম সীমায় প্রদেশ হতে আগমন করেছিলেন এবং একজন সুফি সাধক হিসেবে আসামে সুপরিচিত ছিলেন। তাঁর নাম কাজিম উদ্দিন আহমদ। দাদু বলেছিলেন 'আমার বংশের কেহই ঘুষ খেতে পারবে না। অদৃশ্য শক্তি তাকে বাধা দেবে এবং তারই জ্বলয় প্রমাণ দেখতে পাই যখন আমার চাচাতো ভাইবোনেরা কেউ ইঞ্জিনিয়ার, কেউ ইনকামট্যাক্সের দ্রেপুটি কমিশনার, কেউ এফআরসিএস ডাক্লার, কেউ হাইকোর্টের পেশকার ছিলেন। তাঁরা জীবনে একটি টাকায় ঘুষ খেতে পারেন নি। তাঁরা অকপটে আমার কাছে শ্বীকার করেছেন যে, কোনো এক অদৃশ্য শক্তি এই অবৈধ উপার্জন হতে বাধা প্রদান করে।

भिशा भाभाक আभात निখनीত কাছেই রেখে গেলাম (সোবহানাল্লাহ!) এবং প্রিয় পাঠক বাবারা এবং মায়েরা আমার এই মামার দেদীপ্যমান কীর্তিকলাপ পড়বার পর আশা করি সোবহানাল্লাহ পড়বেন।

छा. वावा काराशीत वा-न्यान व्यान-नूदाश्वती

श्राम : চুनकू िया (सरापाड़ा)

छाक्यत : ७७ । छा, शाना : क्त्रानी १३%

क्रमा: ঢाका

याता माधनाग्र व्याथशी जाप्तत श्रीं व्यनूद्वाध

याभता, वावात माधक छङ्गता, कि वनक्क भाति ना त्य, भठ वष्टत रूभक्रत भात्य यात এकि अभन श्रीठिखावान जाराशीत्वत जन्म रत कि?

धानमाधनात এত मरक निয়মে এभिয়ে भिय़ तरमात्नत किष्टू দर्भन করার নিশ্চয়তাটি কি একটি বোবা চ্যালেঞ্চ নয়? এই চ্যালেঞ্চ বাবার वरेळ नारे, আছে नक्तरे मिनिटित क्यूंि অঙিও क्यालटि/त्रििटिट। এरे কথাটি কি কেউ সাহস করে বলতে পারবে যে, 'ধ্যানসাধনা করে যদি কিছু ना পাও তো আমাকে ফেলে অন্য গুরু ধরিও?' এই কথাটি কি গুনেছেন যে. 'क्षीवनछत्र वावा वावा छाकरव व्यथह भारव ना किष्टूर, ठा रटल अर वावा ভাকার সার্থকতা কোথায়?' আমরা শুদ্ধেয় গুহাবি মতবাদে বিশ্বাসীদের এবং শুদ্ধেয় শিয়া মতবাদে বিশ্বাসীদেরকে পর্যন্ত আহ্বান করছি এই ধ্যানসাধনাটি করতে। কেবলমাত্র এই একটি প্রশ্নে আপনার বিবেকটিকে নিরপেক্ষভাবে জিজেস করুন, আর কোখাও কি এ রকম বোবা চ্যালেঞ্চটি একটিবারগু শুনতে পেয়েছেন? আমরা পৃথিবীর যে কোনো ধর্মে বিশ্বাসীদেরকে আহ্বান করছি, আসুন সত্যতা যাচাই করার জন্য। বারুদির भी भी लाकनाथ व्रक्षाचातीत छक्र वावा शक्त गार भूत्रमान रुखाळ कि কোনো দোষ আছে? শ্রী রামকৃষ্ণ পরমহংসদেব-এর গুরু বাবা গেন্দু শাহ रुशाळ कि काला फाष बाष्ट्र । अक नानकित । अक वावा वार्नुन फाना रुशाळ कि काला फाष बाष्ट? वावा रत्नफश्रत छक्र वावा सार्वूत এলাহি নিজাম উদ্দিন আউলিয়া হগুয়াতে কি কোনো দোম? বাবা কবিরের छक्र हिन्दू द्वाञ्चप रछशाळ कि काला फाष আছে? ভক্ত कविशान तसम **ए**न्द्र भीत्वत कि गाउँत्रुव बाक्रम वावा छाञ्चातीत मुतिष रश्याट काता

দোষ আছে? কারণ আধ্যাত্মিক গুরুর কোনো জাত থাকে না। জাত তাদেরই কাছে থাকে যারা ধর্মীয় সাইনবোর্ডে বিশ্বাসী। বাণীপাঠ করিয়ে ধর্ম বদলানো যায়, কিন্তু রক্তের গু-নেগেটিভকে কখনোই গু-পঙ্গিটিভ করা याग्र ना। আমাদের বাবা শিশুর মতো সরল, কোটি টাকা আর বিত্ত-বৈভবের চাকচিক্য লাখি দিয়ে ফেলে দিয়েছেন। লোভ-মোহ যাঁকে বিন্দুমাত্র গ্রাস করতে পারে নি। বাবার গুরু শাহ সুফি মাগুলানা শাহ জালাল নূরী আল সুরেশ্বরী বাবাকে বিনয়ের স্ম্ল্রাট বলতেন এবং বাবার গুরু ভাইয়েরা সবাই বাবাকে ভঙ্চি করেন। বাবা নিজেকে এমনভাবে ছোট করে ফেলেন যে, আমরা অবাক হই এবং অনেক নবাগতের মাঝে সংশয়ের ধুমুজাল তৈরি হতে দেখি। এই যুগে আর কোনো গুরু কি অকপটে বলতে পেরেছেন যে, 'আধ্যাত্মিক দর্শনের প্রশ্নে শত শত গুরু বদলাতে পারো।' यिष व्याक्षारम् त कथाञ्चला व्यापनात वित्वत्कत मत्रकारा व्याघाण रात का আসুন এবং ভক্ত হয়ে সাধনা করতে দোষ কোখায়? এমন কথাটি কি জীবনে শুনেছেন যে, আপনার গুরু তিনটি স্তুর তথা মোকাম পর্যন্ত অবস্থান कदान अवः एतस जात अक शास्त्रन ना अवः गराजानअ शास्त्र नाः एतस পর্যায়ে সাধক নিজেই গুরু, নিজেই শিষ্য এবং এখানেই আনা সুবহানি তথা 'আমিই ভাসমান'। আমাদের এই অনুরোধ কেবলমাত্র ধ্যানসাধনায় যারা আগ্রহী তাদের জন্য। এবং বাবার ভাষণের মাত্র দুটো অভিগ্র ক্যাসেট/সিডি छत्व फ्रिश्नन ना, वावा की वनष्टन?

সুফিবাদের সর্বশ্রেষ্ঠ দর্শন

- ১. সারমাদ্ দার্দী আজব শিকাস্তা কার্দী। এ কোন প্রচণ্ড হৃদয়ের বেদনায় কী অদ্ভূত রূপ আমার সর্বঅঙ্গে ধারণ করিয়েছ, কেবলই তুমি।
- ২. ঈমা বা ফেদায়ে চাশ্মে মাস্তে কার্দী। আমার সব কিছু এমনকি বুদ্ধি-জ্ঞান আর প্রখরতার প্রতিভাগুলো, একদম অকেজো করে দিল কেবলই তোমার তন্ত্রায় আচ্ছন্ন চোখ দুটো।
- ৩. উমরে কে বায়াতো আহাদিস গুজাস্তো। অনস্ত অনাদিকালের গোলাম হয়ে কাটিয়ে দেয়ার দয়া হতে তুমি আমাকে বঞ্চিত করো না।
- ৪. রাফতি গু নেসারে বুত্ পারাশ্তে কার্দী। কারণ, সব কিছু শ্বেচ্ছায় হারিয়ে তুমি আমাকে তো কেবলই পীরপূজারক বানিয়ে দিলে।

হজরত আমির খসক (মাহবুবে এলাহি নিজাম উদ্দিন আউলিয়ার প্রধান খলিফা) পীরপূজাই আল্লাহর পূজা : সুফিবাদের সর্বোচ্চ দর্শনটি হঙ্গরত আমির খসরুর এই কালামে পরিষ্কার হয়ে ফুটে উঠেছে

नेष गार सा गातिवा कुरा छा।

এই গরিবের খুশির ঈদের মাঠটি হলো তোমারই গলিতে (সক্র রাস্তা, চিকন পথ, উঠান, দুয়ার, আঙিনা)।

উমেরে ছাতে দিদে দিদাম কুয়ে তো।

আমার অতি পরিচিত জীবনসাথীকে তাঁর আসল রূপে তোমারই গলিতে দেখলাম।

कावा-ध-सान क्वचारा सान कूरा छा।

আমারই কাবা, আমারই কেবলা তো একমাত্র তোমারই গলিতে।

সেন্দ। शास्त्र सा व्याप्यकाता व्याव् कूछा क्या।

প্রেমিকদের সেজদার একমাত্র স্থানটি তো শুধুমাত্র তোমারই গলিতে।

ष्टम राक्षाता देम-७ क्त्रा नाम्क्नास।

কতশত খুশির ঈদ আর কুরবানি তুচ্ছ হয়ে যায় যখন তোমারই গলিতে অবস্থান করি।

बारा दिलाल सा बाव कुरा द्या।

মারেফতের রহস্যের সদ্য উদিত চাঁদ দেখা পাবার স্থানটি তো তোমারই গলিতে। দাস্তে কুশা জানিবে বেদম পীরে মা আব রিনদানে হিম্নতে মা কুয়ে তো। তোমারই হাতের সোহাগ-মাখা স্পর্শ, গুণো আমার পীর, আমার অন্ধতৃ দূর করে দেয়। আর জীবনটা থেকেগু মৃত্যুর ছোঁয়ায় রহস্যের আলোতে শিহরিত হয়,

ऋण ऋण অজানা জিজাসায় কেঁপে ৪ঠে। যিনি পা হতে মাথা পর্যন্ত নূরে নুরময়, সেই তুমিই তো আমার পীর। তোমারই নুরের সাহসী ধারা অর্জন করতে পেরেছি বলে কেবল তোমারই গলিতে পড়ে থাকি।

हैशा निकास उँिक्त सार्वेद शाहा। अशा निकास उँिक्त, शाहात वक्र। क्रुसना सार्वेदा शानास क्रिय छा। क्रित श्रियो है हैं। क्रित शाहा शाहा है। क्रित शाहा है। क्रित शाहा शाहा है। क्रित शाहा है। क्रित शाहा शाहा है। क्रित शाहा है। क्रित शाहा है। क्रित शाहा है।

<u> भाशास्थात व्यास्त्रिक</u>

সুফিবাদে যারা বিশ্বাসী কেবল তাদেরকে বলতে চাই যে, সুফিবাদের কিছুটা প্রচার হওয়া প্রয়োজন। আমি অকপটে বলছি যে, বাংলাদেশের কোনো পীর-ফকিরের আর্থিক সাহায্য আশা করি না। কারণ আমার

ভালো করেই জানা আছে যে, পীর-ফকিরেরা আহা! উহ! করে সমবেদনা জানাবে বারবার, কিছু সাহায্য চাইতে গেলেই ডেঙ্গু ফুরে আক্রান্ত হয়। দুঃখ कदा वनिष्ट ना, त्रुकिवाप्तत প्रष्ठात अक तकम नार वनत्नर प्रत। याअ কিছুটা আছে তা একান্ত খানকাকেন্দ্রিক। গুহাবিদের প্রবল প্রচার গু চাপের भूत्थ त्रुकिवाप्नत विगान पुरााति व्याद्ध व्याद्ध ठाप्नत प्रथल एटन याटक এবং সেই বিষয়ে কারো হঁশ নেই বললেই চলে। প্রচারেই প্রসার, এই কথা আমরা কমবেশি সবাই ভুলতে বসেছি। কিন্তু বাংলাদেশের পীর-ফকিরেরা একবার ভুলেগু ভুলতে পারেন না যে, কেমন করে মুরিদের সংখ্যা বাড়াতে रत। कान कोमन व्यवनश्वन कतल बाँकि बाँकि सानुस सूतिम रत। विजन **फिरा ताथा किष्टू** क्वांठाशाथि-मार्का साल्ला-स्मोनित निरा कला कला स গুয়াজ মাহফিলের নামে কেমন করে মুরিদ বানাতে হয়, সেই প্রশ্নে ইনারা ঝানু পণ্ডিত এবং ঘাণ্ড বুদ্ধিমান। সুতরাং এদের কাছে আর্থিক সাহায্য **ए। अरा जात अत्रल तक तक राज्या के कार्य के कार्य के कार्य करा।** जासता ভুলতে বসেছি, গুহাবিদের প্রচণ্ড আঘাতের ঝড় আসার আলামত খুব একটা দূরে নয়। তা ছাড়া এক পীরের সঙ্গে আরেক পীরের একমত হওয়াটা যেন সোনার হরিণ দেখার মতো। সবাই বড় পীর, কেউ ছোট পীর হতে চান না। রাজার সঙ্গে রাজার ব্যবহার পাবার তো প্রশ্নুই ৪ঠে না, বরং অন্য পরিকে দেখলে ক্রীতদাসের মতো আচরণের ভাবটি ফুটে উঠতে চায়। হাতেগোনা কয়টি দরবারের পীর সাহেবেরা একতার প্রশ্নে ইচ্ছা করে ছোট

रक्ष भिरा क्षेत्र भ्राविकस्म ज्यानक ना भिरत विषय्चा नामक मानिक द्वारा ভূগতে বাধ্য হচ্ছেন। আমি অধমণ্ড সেই রকম একজন বলতে পারেন। তাই ळा त्रुंकिवाप्त याता विश्वात्री क्ववनक्षाव जाप्ततक उप्पृत्म कदा किष्टू वनळ চাইছি। আমার ডাকে যদি কেউ আসে তো সুফিবাদে বিশ্বাসীরা আসবে বলে বিশ্বাস রেখেই এই আর্থিক সাহায্য চাগুয়ার আহ্বান। এই আহ্বান কোনো পীরের খানকাকে নয়, এই আহ্বান কোনো বড় পীরের দরবারে নয়, বরং আহ্বানটি ভক্তদের কাছে : ভক্তরাই কেবল এগিয়ে আসতে পারে व्यप्त विश्वास्त्र। लाःता প्रितियां शिलात व्यक्त शिलास्त्र भाश्वास क्रिस, भासस्त्र তাব্রিজ, হাফিজ সিরাজি, আমির খসরু, ইবনুল আরাবি, আহমদ রেফায়ি, जानार, **আ**हात, क्षित्रति, ऋाक्षि, वावा कतिष्ठ, वू-खाली भार कलक्तत, राक्षि अभिष्णा । अभिष्ण । अभ रैयारिया युनिति, त्वन्य अयातिम, व्यागताक काराश्रीत, माञ्चत गाकिपृति, নাতেক, ইনশা, জিগার ধুরাদাবাদি, কামার জালালাবাদি, তাবিশ, व्याताशात काताकावाहि, नाका त्यानाभूति, व्याताशात त्वत्वकाक, वृत्यभार, শাহ আবদুল লতিফ ভিটায়ি, মুমিন খান মুমিন, সাকিব, নাদের, কাতিল गाकाशी, वात्रज्ञू मारातानभूती, मुिक कळ्ट व्यानि मार, ज्ञान मतीक मार मूर्तिभूती, शान वाराषुत वारष्टान उन्नार, महत उक्तिन वारमह िमिल, मुफिछ रैय़ात व्याराश्वर थान नन्सी, रेमग्रह साराश्वर रामिस अवः साउनाना क्रिन मार्टितवा राविद्य युक्त तरम्हन। भानाित अराित व्यात भानाित

শিয়া মতবাদ আরও ঘোলাটে, আরও জটিল, আরও বিদ্রান্তি ছড়িয়ে সবাইকে দিশেহারা করে তুলছে। বিশাল পদ্মা নদীতে (ইসলাম বিষয়ক) भारेनक भारेन कुछ वर् कान अरावि प्रतन्ता कल्ला वाशनात शीत-कितरात धत्रा । अथन अरे मुर्ट्य किष्ट्र मानूम राष्ट्र ना, उत्त धता पड़ात व्यमिन त्रश्टकरुपि त्राप्ताना रूलक त्रवार वृवाक त्राहर विवाप विवाप विवाप क्रानि वास्त्र वास्त्र अपिया वानष्ट अतः यथन व्यतन्यानि अपिया वानत्त, তখনই পীর-ফকিরদের নাকি কান্না, নাকি চিৎকার শুরু হয়ে যাবে। व्याभारित भरीकिए भरकारभत मूतारा निभिद्ध वाश्नारित ये करनद्धत অধ্যাপক আছে তাদের প্রত্যেকের হাতে সুফিবাদের উপর রচিত ধর্মীয় গ্রন্থসমূহ তুলে দিতে চাই। আমরা ধরে নিয়েছি, আনুমানিক বিশ হাজার व्यक्षाभक्तत राज्य अकिं करत वर जूल िष्ठ रल विग राक्षात वरस्यत প্রয়োজন। এভাবে উকিল, ম্যাজিস্ট্রেট, ডাক্তার, সাংবাদিক এবং হাই স্কুলের শিক্ষকদের হাতে বই তুলে দিতে হলে এক লক্ষ বইয়ের প্রয়োজন এবং এর আনুমানিক খরচ ধরা হয়েছে মাত্র বারো লক্ষ টাকা। এই প্রচারের ফলে আর কিছু না হোক, কিছু একটা বেশ বড় রকমের चाँकुनि या शात्व ठा रलक करत वला याग्न। यिक व्यर्क्षक लाक धाक्ना शाग्न তো আমাদের পরিশ্রম ৪ প্রচার সার্থক মনে করব। সুফিবাদে বিশ্বাসী বিত্ত-বৈভবের মালিক যিনি কেবল তাকেই অনুরোধ করব। অনুরোধ করব क्षणणात व्यावतपिष्ट भूटा, दिधा-दृत्कृत कूशामा २०० वाषमाश्रुक रुख,

ठ्याणित सिर्माय सिरमाविछ रखा, त्यापिक श्रष्ठादात श्रद्धाक्रनीयछात श्रमूणि मामदा दिखा व्यापित कि क्रिना, क्विनर क्रिना क्षिया व्याप्रदान? व्यापनात प्रिन्नाम-छिकाना श्रिणि वर्षेट्छ शाक्छ मिन। किष्टूणा नय, तदः मार्क्रलत प्रतिक्र मत्यप्रशाबीक वांष्ठिख छून्न। किष्टूणा व्यमतछात रानका क्ष्राया, किष्टूणा पार्ठक्रूलत मदा विश्वय रखा शाक व्यापनात प्रविव्व मान। मःमात माक्रातात व्यापात प्रमक व्यात पित्रम्म क्ष्रिण मिन्न वृद्ध किष्टूमिन व्यवश्वान क्रात थत नाछिक्त काष्ट नित् नित् श्र्णि रखा शाक्रातन। छात द्यायान व्यान व्यान

পীরে সগীর আ'লা সগীর ডা. বাবা জাহাঙ্গীর বা-ঈমান আল-সুরেশ্বরী গ্রাম: চুনকুটিয়া মধ্যপাড়া, ডাকঘর : শুভাঢ্যা, উপজেলা : কেরানীগঞ্জ, ঢাকা।

১১ নভেম্বর ২০০৩ খ্রি, ২৭ কার্তিক ১৪১০ বাংলা, ১৫ রমজান ১৪২৪ হিজরি মঙ্গলবার।

এবং

বে-ঈমান হোমিও হল, ১০৮ নিউ এলিফ্যান্ট রোড, ঢাকা।

क्षान: 05955-52४५७५।

কোৱান অনুবাদ প্রসঙ্গে কিছু কথা

व्यासता क्वातान-अत श्वश् व्यन्वाम कर्सिंग मर्वश्रथम करत छल्छि, व्यामा कित मम्पूर्ण क्वातान-अत व्यन्वामि पूरे-छिन वष्टत्वत मक्ष्य भार्ठक्वत शक्ष्य छूल मिक्क भारत्वा। व्यासता व्यक्षय अ-३ श्वीकात कर्तिष्ठ व्या, क्वातान-अत श्वश् श्वश् व्यन्वाम कर्ति शिया यिम क्वाश वृव्यक्त ना भार्ति, ठा-३ मिक्ष मिव। व्यासता विश्वाम कर्ति, मशान ताक्ष्म व्यामाभित्वत क्वातान-अत मर्वेक व्यामामित्वत क्वातान-अत मिक्क व्यामाम्वत नारे। व्यक्ति पूर्व्य अवर छाताकान श्वस्य अर्थे विश्वर्योत्त मिक्क व्यामाम्वत नारे। व्यक्ति पूर्व्य अवर छाताकान श्वस्य अर्थे विश्वर्योत्त भारते व्यामाम्वत क्वानात्वा याक्ष्य व्या, क्वातान-अत व्यन्वाम क्वाल श्वाल हात्वर क्वाल भारते व्यक्त भारते व्यव्याम व्यक्त श्वाल हात्वर क्वाल श्वाल व्यव्याम कर्वक भारते व्यव्याम कर्वक भारते व्यव्याम कर्वक व्यव्याम कर्वक व्यव्याम व्याम व्यव्याम व्यव्याम

সফল এবং সার্থক হয়েছে তা নির্ণয়ের ভার পাঠকের হাতেই ছেড়ে দিলাম। তবে আমাদের কাছে অনেক অনেক অনুরোধ এসেছে কোরান-এর অনুবাদটি করার জন্য। আমরা এতকাল এ জন্যই ধৈর্য ধারণ করেছি যে, এই কোরান-এর অনুবাদ করতে গেলে কোরান-এর অনেক নতুন-পুরাতন লোগাত (অভিধান) এবং প্রচলিত যত প্রকার আরবি ডিকশনারি পাওয়া याग्र जा त्रभ्थर कतळ रदा। क्विन जार नग्न, व्याभवा कावान-भव व्यावित, कार्त्रिन, छेर्नू, हेश्द्रिक अवश् वाश्ला छकत्रित त्रश्थर कत्रव्छ निद्य विक्रुछ, सिসর, তেহরান, লাহোর, দিল্লি হতে লক্ষ লক্ষ টাকা খরচ করে কোরান-এর তফসির সংগ্রহ করেছি। আমরা তাড়াহড়ো করে অথবা ঝটপট করে কোরান-এর অনুবাদটি পাঠকের হাতে তুলে দিতে চাই না। আমরা দৃষ্টান্ত শ্বরূপ এই বইতে কোরান-এর একটি সূরা 'নজম'-এর অনুবাদটি হবহ তুলে ধরলাম। [বর্তমান সংস্করণে (২০০৮) সূরা 'তোয়াহা'-র অনুবাদণ্ড দেগুয়া **रिता]। পাঠক বাজারে প্রচলিত অন্যান্য অনুবাদের সঙ্গে মিলিয়ে দেখলে** দেখতে পাবেন আমাদের এই প্রয়াস কতটুকু সার্থক হয়েছে এবং সেই সঙ্গে कातान- अत जन्ताप्त या-या श्वाल मन्पूर्ण छेन्छा भान्छा, सनगङ्गा, विक्छ व्यनुवाम कता रखाष्ट (मिछा अष्ठित व्यनुवास्मत मत्म भिनित्य प्रिशात অনুরোধ করছি। আমাদের কথাগুলোতে একটা ইদ্ধত্যের গন্ধ অনেকেই নেগেটিভ দৃষ্টিভঙ্গি নিয়ে খুঁজতে চাইবেন। কিন্তু আমরা জোর গলায় বলতে भाति या, व्याभनाष्ट्रत वित्वत्कत पृष्टिमिक विकातिण रुख व्याभनाष्ट्रत

काष्ट्रं फित्रं व्यात्रित। अत्ते व्यासता व्यक्त प्रिं श्रीकात कत्ते या, व्यासाप्तत अर्थे व्यात्रित अटि प्रांत त्रत्य यि श्रासान्त व्यासाप्तत अर्थे व्यात्रित अटि प्रांत त्रत्य यि श्रासान्त व्यासाप्तत कानित्य िष्टल व्यासता त्रत्य भूक्तात मत्म त्रत्य त्रित्य श्रास्त कर्त्त नित। कात्र्य व्यासता तिश्वाम कित्र, उञ्चासि कत्रात चारेट्ट जूल श्रीकात कर्त्त व्यास्ता व्यासता व्यासता विश्वाम कर्ति, उञ्चासि कर्त्तात चारेट्ट जूल श्रीकात कर्त्त व्यास्ता व्यात्र व्यास्त

त्रुता नक्षस्रत खनूवाम वित्रिमन्नारित तारमानित तारिम

- ১. ওয়ান্ নাজমে ইজা হাওয়া। এবং তারকাসমূহ (ওয়ান্ নাজমে) যখন নিজ প্রবৃত্তির অধীন হয় (ইজা হাওয়া)।
- र. सा फाल्ला जाट्टतूकूस अग्रासा गाअग्रा।

- তোমাদের সাধী (সাহেবুকুম) বিপথগামী নহে (মা দাল্লা) এবং বিদ্রান্তও নহে (ওয়া মা গাওয়া)।
- ৩. अয়ा য়া ইয়ানতেকু আনিল হায়য়া।
 এবং (তিনি) কথা বলেন না (য়য়া য়া ইয়ানতেকু) নিজ প্রবৃত্তি হইতে
 (আনিল হায়য়া)।
- रेन् रहा रेन्ना अहारह्यूर रेडेंश।
 यिष्ठ डेंश (रेनरहा) रक्ष कदा (अहारह्यूर) अरि हाड़ा नहा (रेन्ना रेडेंश)।
- শুরা শাদিদুল কুয়া।
 তাঁহাকে শিক্ষা দেওয়া হয় (আল্লামাহ) অনেক শক্তিশালী (কুয়া)
 শক্তির মাধ্যয়ে (শাদিদ)।
- ৬. জু মেররাতিন, ফাস্তাগুয়া। তিনি নিজেকে দেখিয়াছেন (জু মেররাতিন)। সুতরাং তিনি স্থির হইয়াছেন (ফাস্তাগুয়া)।
- ৭. গ্রয়া হয়া বিলউফুকিল আলা। এবং তিনি ছিলেন সর্বোচ্চ (গ্রয়া হয়াল আলা) আকাশ দিগন্তে (বিলউফুকে)।
- **b.** त्रुक्षा फाना, काठाफाल्ला।

- তারপর (তিনি) নিকটে আসিলেন (সুম্মা দানা) সুতরাং অতি নিকটে (ফাতাদাল্লা)।
- ৯. ফাকানা কাবা কাগুসাইনে আগু আদ্না। সুতরাং (তিনি) ছিলেন (ফাকানা) দুই ধনুকের ব্যবধানে (কাবা কাগুসাইনে) অথবা আরগু নিকটে (আগু আদ্না)।
- ১০. ফাআগুহা ইলা আব্দেহী মা আগুহা। সুতরাং গুহি করিলেন (ফা আগুহা) তাঁহার বান্দার দিকে (ইলা আব্দেহী) যাহা গুহি করিবার (মা আগুহা)।
- ১১. মা কাজাবাল ফুয়াদু মা রাআ।
 তাঁহার অন্তকরণ (ফুয়াদ) অশ্বীকার করে নাই (মা কাজাবা) যাহা
 তিনি দেখিয়াছেন (মা রাআ)।
- ১২. আফাতুমাক্রনাহ আলা মা ইয়ারা। তোমরা কি তাঁহাকে অপবাদ দিবে? (আফাতুমাক্রনাহ) যাহা উপরে (তিনি) দেখিয়াছেন (আলা মা ইয়ারা)।
- ১৩. গ্রয়া লাকাদ রাআহ নাজলাতান উখ্রা।

 এবং অবশ্যই তিনি দেখিয়াছেন (গ্রয়া লাকাদ রাআহ) নাজেল
 (অবতীর্ণ) অবস্থায় (নাজলাতান) দ্বিতীয়বার (উখ্রা)।
- ১৪. এনদা সেদরাতিল মুনতাহা। নিষদ্ধ (মুনতাহা) কুলবৃক্ষের (বরই) নিকটে (এন্দা সেদরাতে)।

- ১৫. এনদা হা জান্নাতুল মাগুয়া। উহা ছিল জান্নাতুল মাগুয়ার নিকটে।
- ১৬. এজ্ ইয়াগশাস সিদরাতা মা ইয়াগ্শা।
 যখন কুলবৃক্ষটি অন্ধকারেই আচ্ছাদিত ছিল (এজ্ ইয়াগ্শাস
 সিদরাতা) যেভাবে অন্ধকারে আচ্ছাদিত হবার (মা ইয়াগ্শা)।
- ১৭. মা জাগাল্ বাসাক্ত গুয়া মা তাগা।
 (তাঁহার) দৃষ্টিশক্তি ঢাকিয়া ছিল না (মা জাগাল্ বাসাক্ত) এবং তিনি
 সীমা অতিক্রমণ্ড করেন নাই (গুয়া মা তাগা)।
- ১৮. লাকাদ রাআ মিন আয়াতে রাব্বেহিল কুবরা। অবশ্যই (তিনি) দেখিয়াছেন (লাকাদ রাআ) তাঁহার রবের (নিকট) হইতে বড় আয়াত (নিদর্শন)। (মিন আয়াতে রাব্বেহিল কুবরা)।
- ১৯. আফারাআইতুমুল লাতা গুয়াল উদ্ধা। তোমরা কি দেখিয়াছ (আফারাইতুম) লাত এবং উদ্ধাকে?
- ২০. গুয়া মানাতাস্ সালেসাতাল উখ্রা। এবং আরগু একটি তৃতীয় মানাতকে?
- ২১. আলাকুমুজ জাকাক গুয়া লাহল উনসা।

 তোমাদের জন্য কি পুরুষ (আলাকুমুজ জাকারু)! এবং তাঁহার জন্য
 কি নারী? (গুয়া লাহল উনসা)।
- **५५.** छिलका रॅंकान क्यां कुन फिका।

- এটাই! (তিলকা) যখন বণ্টন পদ্ধতিটি হয় (ইজান কেসমাতুন) পক্ষপাতদুষ্ট (দিজা)।
- २७. रेन रिय़ा रेन्ना वात्रभाउन त्राम्मारेलुमुरा वानलूम अग्रा व्याताछैकुष क्षा व्यान्कामाम मार तरहा क्षिन त्रूमठानिन, रैन ইয়াতাবেউনা ইল্লাজ জান্না গুয়া মা তাহ্গুয়াল আনফুসু, গুয়া नाकाम कावारम स्मत तास्वरिधून रमा। এইछिन किषुरे नग्न! यथा किष्टू नाम्रममूर (रेनरिग्ना रेन्ना আস্মাউন) যাহাদের নামগুলি তোমরা এবং তোমাদের বাপ-দাদারা রাখিয়াছিল (সাধ্যাইতুষুহা আনতুষ গুয়া আবাউকুষ) আল্লাহ এই বিষয়ে তাঁহার বিধান হইতে কিছুই নাজেল (অবতীর্ণ) করেন নাই। (মা আনজালাল লাহু বেহা মিন সুলতানিন)। তোমরা তাহাই অনুসরণ করো অথচ যাহা তোমাদের ধারণায় আসে (ইন ইয়াগাবেউনা रॅन्नाक कान्ना) अवः यारा ध्यासाफित नक्त्रत्रसृत्रत (क्षवृत्रि) रॅम्हाয় আসে (গ্রয়া মা তাহগ্রয়াল আনফুসু) এবং অবশ্যই তাহাদের নিকট আসিয়াছিল তাহাদের রব হইতে হেদায়েত (পথ নির্দেশ)। (গ্রয়া লাকাদা জা আহম মের রাব্বেহিমুল হদা)।
- ২৪. আম निन् रॅनिंगाल मा जामात्ता।

 सानूर्यत क्रना कि जारा श्ररपाका। (आमनिन् रॅनेंगाल) यारा मि वामा

 करत? (मा जामात्ता)।

- ২৫. ফালিল্লাহিল আখেরাতু গুয়াল উলা। সুতরাং আল্লাহ্র জন্যই শেষ এবং শুরু (আখেরাতু গুয়াল উলা)।
- ২৬. গুয়াকাম মিন মালাকিন ফিস সামাগুয়াতে লা তুগনি শাফাআতুহম শাইয়ান ইল্লা মিন বাআদে আইঁইয়াজানাল্লাহ লেমাই ইয়াশাউ গুয়া ইয়ারদা।
 এবং আকাশের মধ্যে কতক ফেরেস্তা হইতে রহিয়াছে। (গুয়া কাম মিন মালাকিন ফিস সামাগুয়াতে)। তাহারা কেহই কোনো বিষয়েই সুপারিশ করিতে সক্ষম নয় (লা তুগনি শাফা আতুহম শাইয়ান) একমাত্র যতক্ষণ না আলুাহ্ যাহাকে ইচ্ছা হকুম করেন। (ইল্লা মিন বাআদে আইইয়াজানাল্লাহ্) অথবা যাহার উপর তিনি ইচ্ছা করেন এবং সৃত্তুই থাকেন (লেমাই ইয়াশাউ গুয়া ইয়ারদা)।
- २१. हैन्नाल्लािकना ला हैठेसानूना विल আश्विताळ लाहेँछेतात्रुनाल सालािशकाठा ठात्रिसशाठूल छेनेष्टा। निम्छश्रहे याहाता आश्विताळत श्विठ हैसान ताश्व ना (हैन्नाल्लािकना ला हैठेसाने विल आश्विताळ) ठाहाता कात्वशास्त्र कन्य नास ताश्व नातिवाहक नास हहेळा। (लाहेँछेत्रास्सूनाल सालाशिकाठा ठात्रिसशाठूल छेनेष्टा)।
- २४. अशाक्षा लास्म विश्वि भिन अनिभन, दैंस्याहात्वर्धना देल्लाक कान्ना, अशा देन्नाक कान्ना ला देर्धभिन भिनाल रात्क गार्रेशान।

अवः जाशास्त्र काना नार कान रहेळ काला विषयः। (अग्रामा नाश्म विशि मिन अनिमन) जाशाता जनुत्रतम कर्त अक्षात जनुमालतः। (र-रेगांशात्रेना रेन्नाक कान्ना) अवः निक्शरे जनुमान कथने त्रेण रेरेण ते मिनान राक्ष मारेशान)।

- ২৯. ফাআরেদ আনমান তাগুয়াল্লা আন জিক্রিনা গুয়া লাম ইউরেদ ইল্লাল হায়াতাদ দুনিয়া। সুতরাং যাহারা আমাদের জিকির (স্মরণ) হইতে মুখ ফিরাইয়া রাখে (ফা আবেদ আনমান তাগুয়াল্লা আন জিক্রিনা) তাহাদেরকে (আরেদ) এড়াইয়া চলো এবং তাহারা কোনো কিছুই আশা করে না দুনিয়ার জীবন ব্যতীত। (গুয়ালাম ইউরেদ ইল্লাল হায়াতাদ দুনিয়া)।
- ৩০. জালিকা মাব্লাণ্ডহম মিনাল এলমে, ইন্না রাব্বাকা হয়া আলামু বেমান দাল্লা আন্ সাবিলিহি গুয়া হয়া আলামু বেমানিহ তাদা। জ্ঞান বিষয়ে তাহাদের দৌড় ঐ পর্যন্তই। (জালিকা মাবলাণ্ডহম মিনাল এলমে) নিশ্চয়ই তোমার রব ভালোই জানেন কে বিপথগামী তাঁহার পথ হইতে। (ইন্না রাব্বাকা হয়া আলামু বেমান দাল্লা আন্ সাবিলিহি) এবং তিনি ভালোই জানেন কে সু-পথপ্রাপ্ত (গুয়া হয়া আলামু বেমানিহ তাদা)।

७১. अशा निन्नात्व सा िक्य मासाअशाि अशा सा िकन वाद्रारू मिश्राक्षियान नािकता वामाठे तिसा वात्सन् अशा रेशाक्षियान् नािकता वारमान् विनरमता। अवश्वाकात्मत सत्या यारा िकष्टू व्याद्ध अवश्यितीत सत्या यारा िकष्टू व्याद्ध अवश्यितीत सत्या यारा िकष्टू व्याद्ध अवश्याक्षित सत्या यारा िकष्टू व्याद्ध मिल्ला वात्रक्षा वान्तार्थ कर्ना सािक्य मासाअशात्व अशा सािक्य वात्रक्षित वात्रक्षित वात्रक्षित कर्मा वात्रक्षित वात्रक्ष

व्यार्त्रानु विषर्त्रना)।

७२. व्यान्नाकिना ইয়ाয়তানেবুনা কাবাইরাল ইস্মে ওয়াল ফাওয়াহেশা ইল্লাল লামামা, ইন্না রাব্বাকা ওয়াসেউল মাগফেরাতি, হয়া আলামু বেকুম এয়আন্শাআকুম মিনাল আরদে ওয়া এয় আনতুম আজিরাতুন ফি বুতুনে উন্ধাহাতেকুম, ফালা তুয়াক্কু আনফুসাকুম, হয়া আলামু বেমানিত্তাকা। য়াহারা নিজেদেরকে বিরত রাখে বড় বড় পাপ এবং ফাহেশা (অশ্লীল) কর্ম হইতে ছোট পাপ ব্যতীত। (আললাজিনা ইয়ায়াতানেবুনা কাবাইরাল এস্মে ওয়াল ফাওয়াহেশা ইল্লাল্ লামামা)। নিশ্চয়ই তোমার রব ক্ষমা বিষয়ে অপরিসীম (ইন্না রাব্বাকা ওয়াসেউল মাগফেরাতে), তিনি তোমাদের বিষয়ে ভালোই জানেন, যখন

তোমাদেরকে সৃষ্টি করিয়াছেন পৃথিবী হইতে (হয়া আলামু বেকুম এজ্ আনশায়াকুম মিনাল আরদে) এবং যখন তোমাদেরকে তোমাদের মায়ের পেটের মধ্যে দ্রণক্রপে (সৃষ্টি করিয়াছেন)। (গুয়া এজ্ আনতুম আজেন্নাতুন ফি বুতুনে উন্ধাহাতেকুম) সুতরাং তোমরা তোমাদের নফ্সের পবিত্রতা প্রকাশ করিগু না (ফালা তুজাককু আনফুসাকুম) তিনিই ভালো জানেন তোমাদের মধ্যে কে তাকগুয়াকারী (হয়া আলামু বেমানিত্তাকা)।

- ৩৩. আফারা আইতাল্লাজি তাগুয়াল্লা।
 তুমি কি দেখিয়াছ তাঁহাকে! (আফারা আইতাল্লাজি) যে মুখ
 ফিরাইয়া নেয়? (তাগুয়াল্লা)।
- ৩৪. গ্রয়া আতা কালিলান গ্রয়া আক্দা। এবং দান করে সামান্য এবং তাকিদ দেয় (আক্দা)।
- ৩৫. আ-এনদাহ এলমুল গাইবে ফাহয়া ইয়ারা। তাহার নিকট কি গায়েবের (অদৃশ্য) জ্ঞান আছে? সুতরাং সে কি উহা দেখে? (ফাহয়া ইয়ারা)।
- ७७. व्यास्नास रैंछेनात्ता तिसा कि त्रश्टक सूत्रा। जारात्क कि श्वत प्रश्रा रहा नार्रे! यारा व्याष्ट सूत्रात क्लाव-अत सक्षः? (कि त्रश्टक सूत्रा)।
- ৩৭. ওয়া ইব্রাহীমাল্লাজি ওয়াফ্ফা।

- এবং ইব্রাহিম, যিনি (দায়িত্ব) পরিপূর্ণকারী (গ্রয়াফ্ফা)।
- ৩৮. আল্লা তাজেরু গুয়াজেরাতুন বিজরা গুখরা। সাবধান (আল্লা) একে-অপরের বোঝা বহন করিবে না (গুয়াজরাতুন বিজরা গুখরা)।
- ৩৯. ওয়া আল্ লাইসা লিল্ ইনসানে ইল্লা মাসাআ। এবং মানুষের জন্য কিছুই নাই, তাহার প্রচেষ্টা (সাআ) ব্যতীত।
- ৪০. গ্রয়া আন্না সাইয়াহ সাগুফা ইউরা। এবং নিশ্চয়ই তাহার প্রচেষ্টাকেই (সাইয়াহ) অচিরেই (সাগুফা) সে দেখিবে (ইউরা)।
- ৪১. সুন্ধা ইউজ্জাহল জাজাআল আগুফা।
 তারপর তাহাকে পুরস্কৃত করা হইবে (ইউজ্জাহ) একটি পরিপূর্ণ
 পুরস্কার (জাজাআন আগুফা)।
- ৪২. গ্রয়া আন্না ইলা রাব্বিকাল মুনতাহা। এবং নিশ্চয়ই তোমার রবের দিকেই তোমার শেষ পরিণতি (মুনতাহা)।
- ৪৩. গ্রয়া আন্নাহ হয়া আদ্হাকা গ্রয়া আবকা। এবং নিশ্চয়ই তিনিই (তোমাকে) হাসান (আদ্হাকা) এবং (তোমাকে) কাঁদান (আবকা)।
- 88. अञ्चा व्यान्नाच व्याक्षाठा अञ्चा व्याट्टेगा।

- এবং নিশ্চয়ই তিনি (তোমাকে) মৃত্যু (আমাতা) দেন এবং জীবন (আহিয়া) দান করেন।
- ৪৫. গ্রয়া আন্নাহ খালাকাজ জাগুজাইনিজ জাকারা গ্রয়াল উনছা।
 এবং নিশ্চয়ই তিনিই নারী (উনছা) এবং পুরুষ (জাকারা) যুগল
 (জাগুজাইনে) সৃষ্টি করিয়াছেন।
- ৪৬. মিন নুত্ফাতিন ইজা তুমনা। বীৰ্য (নুত্ফাতিন) হইতে যাহা ছিল ঘুমন্ত (তুমনা)।
- 89. গ্রয়া আন্না আলাইহিন্ নাশাতাল উখ্রা। এবং নিশ্চয়ই আমরা চাইব (নাশাতা) আর একবার (উখ্রা) তাহার উপরে (আলাইহে)।
- ৪৮. গ্রয়া আন্নাহ হয়া আগ্না গ্রয়া আক্না।
 এবং নিশ্চয়ই তিনি সম্পদশালী (আগ্না) করেন এবং প্রাচুর্যতা
 (আক্না) দান করেন।
- ৪৯. গ্রয়া আন্নাহু হয়া রাব্বুশ শেরা। এবং নিশ্চয়ই তিনিই শক্তিশালী নক্ষত্রের (শেরা) রব।
- ৫০. গ্রয়া আন্নাহ আহলাকা আদানিল উলা। এবং নিশ্চয়ই তিনিই প্রথম (উলা) আদ জাতিকে ধ্বংস (আহলাকা) করিয়াছেন।
- ৫১. अशा त्राभूमा काभा व्यात्का।

- এবং সামুদ জাতিকে সুতরাং (রহিল না কেহ) অবশিষ্ট (আবকা)।
- ৫২. গ্রয়া কাগুমা নূহিন মিন কাবলি ইন্নাহম কানু হম আজলামা গ্রয়া আত্গা। এবং পূর্ব হইতেই (ছিল) নুহের কাগুম, নিশ্চয়ই তাহারা ছিল অধিক জালেম (আজলামা) এবং অধিক অবাধ্য (আত্গা)।
- ৫৩. গ্রয়াল শ্লোতাফেকাতা আহগুয়া। এবং বস্তিগুলিকে (শ্লোতাফেকাতা) উল্টাইয়া দিলেন (আহগুয়া)।
- ৫৪. ফা গাশ্শাহা, মা গাশ্শা।
 সুতরাং উহাদেরকে অন্ধকারে ঢাকিয়া দিলেন (ফা গাশ্শাহা) যেভাবে
 অন্ধকারে ঢাকার প্রয়োজন ছিল (মা গাশ্শা)।
- ৫৫. ফাবেআইয়ে আলায়ে রাব্বিকা তাতামারা।
 সুতরাং তুমি তোমার রবের কোন নেয়ামতকে (আলায়ে) মিখ্যা
 প্রতিপন্ন করিবে (তাতামারা)?
- ৫৬. হাজা নাজিক্রম মিনান নুজুরিল উলা। এই ভয় প্রদর্শনকারী তো (নাজিক্রম) প্রথম ভয় প্রদর্শনকারীগণ হইতে? (মিন নুজুরিল উলা)।
- ৫৭. আজেফাতিল আজেফাতু। যাহা আসিবার (আজেফাত) তাহা আসিবেই (আজেফাতু)।
- ৫৮. वारॅंगा वारा क्षित पूनिववार कार्यकाठून।

- তাদের জন্য কেহই নাই (লাইসা) আল্লাহ ছাড়া প্রকাশ করার (কাশেফাতুন)।
- ৫৯. আফামিন হাজাল হাদিসে তাজাবূনা। তোমরা কি এই কথা হইতে অবাক হইতেছ (তাজাবুনা)?
- ৬১. গুয়া আনতুম সামেদুনা। এবং তোমরা তো (সবাই) উদাসীন (সামেদুনা)
- ৬২. ফাসজুদু লিল্লাহে গুয়াবুদূ। সুতরাং আল্লাহর জন্য সেজদা করো এবং এবাদত করো।

त्रृता छाग्नाश वित्रक्षिन्नारित तारुषानित तारिष

- ১. তোয়াহা (ইহার অর্থ সিনার এলেমের অধিকারী ব্যক্তির নিকট হইতে জানিয়া লইতে হয়)।
- ২. আমরা নাজেল করি নাই কোরান আপনার উপর কন্ট দিবার জন্য। (মা আনজাল্না আলাইকাল্ কোরআনা লিতাশ্কা)।
- একমাত্র যাহারা ভয় করে (তাহাদের জন্য) উপদেশ।
 (ইল্লা তাজকেরাতাল্ লিয়াই ইয়াখ্শা)।
- ৪. একটি নাজেল তাঁহার (আল্লাহ্) হইতে যিনি সৃষ্টি করিয়াছেন পৃথিবী
 এবং উঁচু আকাশসমূহ।
 (তান্জিলাম্ মিম্ মান্ খালাকাল্ আর্দা গুয়াস্সামাগুয়াতিল্ উলা)।
- उरुमान (ियिन) व्यात्र उपत्र विषया व्याद्धन।
 (व्यात् तारुमान व्यानान व्यात्मिम् ठाउग्रा)।
- ७. ठांंं हातर करा व्याकाममधूर अवः पृथिवीक (व्यात्त व्यर्थ साणिक व्यावाद्या हा अवः सानवप्तर हिप्त व्यावाद्या हा अवः पूरें द्यात सावाधाद्या विष्टू व्याष्ट अवः यारा किष्टू क्रिस्तित निक्क व्याष्ट्या (नार साकिम् मासाउग्राणि उग्रासा किन् व्यात्ति उग्रासा वार्हेनारसा उग्रासा ठार्गाता)।
- ৭. এবং যদি আপনি উঁচু গলায় কথা বলেন সুতরাং নিশ্চয়ই তিনি জানেন গোপন এবং গোপনের গোপন।

- (अग्ना रॅन् ठाळ्रात विन्काउँनि कार्नेन्नार रंग्नामूत्र तित्ता अग्ना व्याथ्का)।
- छिनिर वाल्लार, नार काला रेलार अक्षाव छिनि ছाड़ा, ठाँशातर अन्य पुष्त नामछिल।
 (वाल्लार ना रेलारा रेल्लार नारल वाप्तारमण रम्ना)।
- ৯. এবং আপনার কাছে আসিয়াছে কি মুসার খবর? (গুয়া হাল্ আতাকা হাদিসু মুসা)।
- 50. यथन फिशिएनन आछन (रेक् ताया नातान्) मूठताः विनित्नन ठांशत याशनफत्रक (भित्रवातवर्गक) (फाकाना नि याश्म) क्यासता याभक्रा कर्ता, निक्सरे यासि याछन फिश्सांष्टि, रसका छेरा रहेक यासि क्यासत क्या रहेका यासि क्यासत क्या (कावामून्)। यथवा भारेव याछन रहेका काला भ्रथमर्गक (रुमान्)। (रेक् ताया नातान् काकाना नि याश्मि रेस् कूमू रेन्नि यानामूळ् नातान् ना यान्नि याणिकूस सिन् रा विकावामिन् याछवाकिषू यानान्नाति रुमान्)।
- ১১. সুতরাং যখন আসিলেন আগুনের নিকট, তখন ডাক দেওয়া হইল (নুদিয়া) (অদৃশ্য হইতে), হে মুসা। (ফালাম্মা আতাহা নুদিয়া ইয়া মুসা)।

- ১২. निः সন্দেহে আমি আপনার রব (পালনকর্তা) সুতরাং আপনার জুতা দুইটি খুলিয়া ফেলুন। কেননা আপনি এখন তুয়া নামক পবিত্র উপত্যকায় (গুয়াদিল) অবস্থান করিতেছেন। (ইন্নি আনা রাব্বুকা ফাখলা নালাইকা। ইন্নাকা বিল্ গুয়াদিল্ মুকাদ্দাসি তুয়া)।
- ১৩. এবং আমি আপনাকে মনোনীত করিয়াছি সুতরাং শুনুন যাহা আপনার উপরে গুহি করা হইয়াছে। (গুয়া আনাখ্ তার্তুগা ফাস্তামি লিমা ইউহা)।
- 58. निक्शर वाशिर वालार, नार काला रेलार (कर्ठा, लठा, व्यिकाती, शावूफ) अक्षाव वाशिर, त्रूठताः वाशातर अवाफ्ठ कक्षन अवः त्रालाठ काराश कक्षन क्रिकिरतत (त्रःखाण, खाणाखाण) क्रना। (रेन्नानि वानालार लारेलारा रेल्ला वाना कावूफूनि अशा व्याकिशूत्र त्रालाठा लि क्रिक्ति)।
- ১৫. নিশ্যই সেই সময়টি আসিতেছে (সেই সংঘটন মুহূর্তটি) গোপন রাখিয়া দেই যাহাতে প্রত্যেক নফ্স (জীবাত্মা) পায় আপন আপন (নফ্সের) কর্মের ফল। (ইন্না সাআতা আতিয়াতুন্ আকাদু উখ্ফিহা লিতুজ্জা কুল্লু নাফ্সিন্ বিমাতাস্আ)।

[সুরা তোয়াহার ১৫ নম্বর আয়াতটি গবেষণার দৃষ্টিভঙ্গি নিয়ে এবং নিরপেক্ষভাবে চিন্তা করলে আমরা দেখতে পাই যে 'সাআত' শব্দটি হয়েছে। অন্যভাবে 'সাআত'-কেগু কেয়ামত বলা চলে। কিন্তু কোৱান-কেয়ামত শব্দটি ব্যবহার না করে 'সাআত' শব্দটি ব্যবহার করে প্রত্যেকটি নফ্সের কর্মফলগুলোকে গোপন রেখে আপন আপন नक्সেत कर्म खनुयाशी कलिए फितात कथाएँ छायभा कता रख्छ। अर অর্জিত কর্মফলের চাকায় বারবার পিন্ট হতে হতে নফ্স একদিন সব রকম জঞ্চাল ও ঝুটঝামেলা হতে মুক্তি পাবার আশাটি করতে পারে। আমার মনে হয়, এই রকমই একটি ইঙ্গিতপূর্ণ কথাটিকে গোপন রাখা হয়। কেউ যদি 'সাআত'-কে কেয়ামতগু বলতে চান তাতেগু আমাদের আপত্তি থাকে না। কিছু এখানে লক্ষ করার বিষয়টি হলো, কেবলমাত্র নফ্সের উপরেই 'সাআত'-এর কথাটি বলা হয়েছে। काला পाराष्ट्र-পर्वछ, काला नहीं-नाला-जागदात उँभत 'जाळाछ' नामक घটनाটि घटि यातात कथािं कातान-धत अकि भानिश আমরা পাই না। কেবলমাত্র প্রতিটি নফ্সের উপরে তথা জীবাত্মার উপরে 'সাআত'-এর ঘটনাটি ঘটে যাবার কথাটি কোরান স্পর্ট ঘোষণা করছে।

১৬. সুতরাং তোমার উপর ইমান আনে না, এবং অনুসরণ করে তাহার খেয়ালখুশিমতো, (হাগুয়া হু) তাহা হইলে বিনাশ (ফাতার্দা) অবধারিত।

(काना रॅंग्रा त्रुफ्तान्नाका व्यान्श सान्ना उर्हिसनू विश अग्राञ्जातावा राअग्रा र काजात्रा)।

[(সাআতের উপরে) সুতরাং বিশ্বাস করতে পারে না বলেই যারা নিজেদের খেয়ালখুশিমতো চলে তাদের বিনাশ যে অবধারিত এই क्शां वासता अरे वाशाळ भारे। वाभन शशानभू भिसळा छना छ। र रला रॅमनास व्रक्षाव व्यवज्ञाध। व्यात काला व्यवज्ञाध रॅमनास नार्रे বললেই চলে। কারণ খেয়ালখুশির সঙ্গে খান্নাসরূপী শয়তানের व्यवश्वान व्याष्ट तट्वर स्वःत्र राष्ठ्र याश्वरात छ्या विनाग राख्य याश्वरात সাবধান বাণীটি কোৱান আমাদেরকে জানিয়ে দিল। খেয়ালখুশির সঙ্গেই খান্নাসরূপী শয়তান অবস্থান করে বলেই আল্লাহর দরবারে वना रुखिष्ट अवः अर्थे अकसाब व्यवतासित वित्रास या त्रमुल स्वःत्र रुद्ध याअश्चा उथा विनाम रुद्ध याअश्चा, সেই कथािंग कातान श्रकात्मा ঘোষণা করে দিল। যদি খেয়ালখুশির সঙ্গে খান্নাসরূপী শয়তানের व्यवश्वान ना शाक्य या रत्न व्यापन (शश्वानश्वामाय) ना एनात क्रना কোৱান সাবধান করে দিত না। কেবলমাত্র সাবধান করেই দেওয়া

रला ना, ततः अर्थे (अशालभूमिक्षक्या छला छला अकक्याय व्यापन প্রবৃত্তির অনুসরণ করাটি যে মহাঅপরাধ এবং পরিণামটিগু যে একটি मराध्वःत्र प्ररू त्रञ्जिवाधीि व्यामाप्तृत्वत्व क्रानित्य प्रश्रा रुला। व्याभवा कानि, त्रभञ्ज तक्स भाभभिक्षनठात क्रनकर रहा शानात्रक्षी শয়তান নামক গুরুঠাকুর। কোরান-এর বহু আয়াতে শয়তানের অনুসরণ করতে তথা এতেবা করতে বারবার সাবধান করে দেওয়া रख़िष्ट। कात्रप ऋगळत यछ तक्ष व्याकाश-कूकाश छथा व्यथकर्मधुला এই খান্নাসরূপী শয়তান নামক গুরুঠাকুরই করিয়ে থাকে এবং এর পরিণামণ্ডলো যে কত বড় ভয়াবহ ধ্বংসযক্ত ঘটিয়েছে প্রাচীন ইতিহাস रक्क बाक्र अंत ज्याक्रताणि मर्क्स मर्क्स तूचक भाति। जार कातान বলছে, 'ফাতারদা' তথা তোমার ধ্বংস হয়ে যাবার পরিণতিটি অতি নিকটেই দাঁড়িয়ে আছে। আরেকটু বলতে হয় যে, যারা নিজেদের খেয়ালখুশিমতো চলে তাদেরকে 'নফ্সে আন্ধারা'–র অধিকারী বলা रखिष्ट। 'আন্ধারা' অর্থ হলো খান্নাসরূপী শয়তানযুক্ত নফ্স। এখানে নফ্স অপবিত্র নয়, বরং নফ্স পবিত্র; কিন্তু এই নফ্সের সঙ্গে যখন খান্নাসরূপী শয়তানের অবস্থানটি থাকে তখনই নফ্সটি কলুষিত হয়ে পড়ে। আমি এখানে বারবার নফ্স শব্দটি ব্যবহার করলাম, যদিও वाश्ना ভाষाয় এই नक्त्रिटिक क्रीवाञ्चा वना रहा। क्रीवाञ्चा स्नाटिंर কোনো দোষণীয় ব্যাপার নহে। অনেকেই না-বুঝে না-শুনে

कीवाञ्चािंटकर गािंगांगाक करत, किंद्र कीवाञ्चात मस्य यथन খান্নাসরূপী শয়তানটির অবস্থান ঘটে তখনই জীবাত্মাটি কলুষিত হয়ে পড়ে এবং তখনই এই কলুষিত জীবাত্মাটি আপন খেয়ালখুশিমতো एल **बव** एनक एग्ना हैं हार्क्स व्यावात वाश्ना छाषाग्न व्यक्ति प्रश्किल 'वािक्रपृ' वना रुख शाक्त। व्यत्नक त्रक्षय़ 'व्यरुष्त'-७ वना रुग्न। 'व्यािक्ष' যোগ 'তু' সমান সমান 'আমিতু'। এই 'তু'-টিই হলো খান্নাসরূপী শয়তান। আমি একা, কিছু আমার সঙ্গে তথা আমার প্রাণের সঙ্গে তথা আমার নফ্সের সঙ্গে যখন 'তু'-টি যোগ হয় তখনই বুঝতে হবে যে আমার নফ্সের সঙ্গে খান্নাসরূপী শয়তানটিগু বহাল তবিয়তে অবস্থান করছে। অনেক শ্লোটা বুদ্ধির জ্ঞানীজনেরা খান্নাসরূপী শয়তানের অবস্থানটিকে উল্লেখ না করে, বিশদ ব্যাখ্যা না দিয়ে 'আমি'-টাকেই क्काल प्रमा , उथा नक्पिंटिक रिक्स क्या, उथा नक्पिंटिक धृंधा করতে শেখায়। ইহা নিঃসন্দেহে একটি জঘন্য ভুল। মারাত্মক ভ্রম। व्याभि তथा नक्त्र कालाहिन कालाकाला व्यथित नर्हे अवः कातान- अ अकि शालिश किवसाज नक्त्रित व्यवशानक व्यविज्ञ, কলুষিত বলা হয় নাই। নফ্স একা, নিছক একা। আরবিতে এই নিছক একা নফ্সটিকে বলা হয় 'উদ্উনি'। যেইমাত্র একমাত্র নফ্সটির সঙ্গে খান্নাসরূপী শয়তানটি যুক্ত হয়ে যায়, তখনই দুইজনের व्यवश्वावि दावाता रख थात्क, यात्क वना रय 'उँদुउँना'। ठार

আমরা কোরান-এর সূরা মোমিনের ষাট নম্বর আয়াতে দেখতে পাই या वालार काला मानार तलाष्ट्रन, 'वाभात्न अना जात्ना, जात्नत क्रवाव मत्म मत्म भारत।' यारङ्जू व्याभात नक्मिछित मत्म शान्नामक्भी শয়তाনটি বহাল তবিয়তে অবস্থান করছে তাই আমি তথা আমার নফ্সটি মোটেই একা নয়, বরং দুইজন। দুইজনকে আরবি ভাষায় 'উদ্উনা' বলা হয়। এই দুইজনের অবস্থানটি থাকা অবস্থায় মেজাজি এবাদত-বন্দেগি অনেক করা যায়, কিছু ফলটি শূন্য। সমগ্র কোরান এই একটিমাত্র কথাটিকে বোঝাবার জন্য এত কথা, এত আদেশ, এত উপদেশ, এত সতর্কতা নামক আরগ্ত বহু বিশেষণে বান্দাকে সাবধান করে দিয়েছে। তিরিশ পারা কোরান-এ মাত্র একটি আদেশ, মাত্র **अक्टि उपरम्म, जात मिंट जारम्म ३ उपरम्मि रलाः ए सानुस,** তোমাকে পরীক্ষা করার জন্য এই দুনিয়াতে তোমার সঙ্গে খান্নাসরূপী শয়তানটিকে দেগুয়া হয়েছে। ইহাকে তাড়িয়ে দাগু। তাড়াতে পারলেই চক্ষলতা, অস্থিরতা, অহংকার, গর্ব, ঠাটবাঁট, সব কিছুর অবসান হয়ে নফ্সটি এতমেনান লাভ করে। এই এতমেনান অর্জনকারী নফ্সটিকে জান্নাতে প্রবেশ করার সুসংবাদ দিচ্ছে কোরান]।

১৭. এবং গুইটা কী তোমার ডান হাতে, (বিইয়ামিনিকা), হে মুসা? (গুয়ামা তিল্কা বিইয়ামিনিকা ইয়া মুসা)।

- ১৮. তিনি বলিলেন, ইহা আমার লাঠি (আসাইয়া) ইহার উপরে আমি ভর দেই, এবং পাতা ঝারি, তাহা দিয়া, আমার ছাগলদের উপর (গানামি) এবং আমার আছে তাহার দ্বারা আরগু প্রয়োজনগুলি। (কালা হিয়া আসাইয়া আতাগুয়াক্কাউ আলাইহা গুয়া আহশ্ভ বিহা আলা গানামি গুয়ালিয়া ফিহা মাআরিবু উখ্রা)।
- ১৯. (वाल्लार) विललन, वार्थित रेंश निस्क्रिय करून, ए धूमा। (काला व्यान करा रेंग्रा धूमा)।
- ২০. সুতরাং তিনি নিক্ষেপ করিলেন, সঙ্গে সঙ্গে তাহা সাপ হইয়া চলিতে লাগিল। (ফাআল্কাহা ফাইজা হিয়া হাইয়াতুন্ তাস্য়া)।
- ২১. (আল্লাহ) বলিলেন (কালা) তাহা ধক্রন (খুজ্হা) এবং ভয় করিবেন না (গুয়া লা তাকাফ্), উহাকে আমরা ফিরাইয়া দিব (সানুইদুহা) তাহার আণের অবস্থায় (সিরাতাহাল উলা)।
- ২২. এবং চাপাইয়া ধরুন (গুয়াদ্মুন) আপনার হাত (ইয়াদাকা) আপনার বগলের দিকে (ইলা জানাহিকা) বাহির হইবে (তাখরুজ) সাদা (বাইদোয়াআ) খুঁত ছাড়া (মিন্ গাইরি সুইন্) এবং আরেকটি দৃষ্টান্ত (আয়াতান উখরা)।
- ২৩. আপনাকে যেন আম্বরা দেখাই (লিনুরিইয়াকা) আমাদের বড় বড় (কুব্রা) নিদর্শন হইতে (মিন্ আয়াতিনাল্)

- (निनुतिरंशाका भिन् वाशाछिन् कूत्ता)।
- ২৪. আপনি যান (ইজ্হাব্) ফেরাউনের দিকে (ইলা ফির্আউনা) নিশ্চয়ই সে (ইন্নাহু) সীমালপ্তান করিয়াছে (তোয়াগা)।
- ২৫. (মুসা) বলিলেন (কালা) 'আমার রব (রাব্বি) প্রসারিত করুন (ইশ্রাহ্) আমার জন্য (লি) আমার বুক (সাদ্রি)।
- ২৬. এবং (গুয়া) সহজ করুন (ইয়াস্সির্) আমার জন্য (লি) আমার কাজ (আম্রি)।
- ২৭. এবং খুলিয়া দিন (গুয়াহ্লুল্) আমার তোতলামি (জড়তা) (উক্দাতাম্) আমার জিব্রার (মিল্লিসানি)।
- ২৮. তাহারা বোঝে (ইয়াব্কাহ) আমার কথা (কাউলি)।
- ५৯. এবং বানাইয়া দাও (ঽয়াজ্আল্) আমার জন্য (লি) একজন সাহায্যকারী (ঽয়াজিরাম্) আমার পরিবারের মধ্য হইতে (য়িন্ আহলি)।
- ৩০. হাক্লনকে (হাক্লনা) আমার ভাই (আখি)।
- ৩১. মজবুত (শক্ত, কঠিন) করুন (উশ্দুদ্) তাহাকে দিয়া (বিহি) আমার শক্তি (আজ্রি)।
- ৩২. এবং (গুয়া) তাহাকে শরিক করুন (আশ্রিক্স) আমার কাজের মধ্যে (ফি আম্রি)।

- ৩৩. যেন (কাই) আমরা আপনার গুণকীর্তন করিতে পারি (নুসাব্বিহাকা) বেশি বেশি (কাশিরা)।
- ৩৪. এবং (গুয়া) আমরা আপনার জিকির করিতে পারি (নাজ্কুরুকা) বেশি বেশি (কাশিরা)।
- ৩৫. निশ্বয়ই আপনি (ইন্নাকা) আছেন (কুন্তা) আমাদের উপর (বিনা) দর্শনকারী (বাসিরা)।
- ৩৬. বলিলেন (কালা) নিশ্চয়ই (কাদ্) আপনাকে দেগুয়া হইল (উতিতা) আপনার চাগুয়া (সুলাকা) হে মুসা (ইয়া মুসা)।
- ৩৭. এবং নিশ্চয়ই (গুয়া লাকাদ্) আমরা অনুগ্রহ করিয়াছিলাম (মানান্না) আপনার উপর (আলাইকা) একবার (মার্রাতান) আরগ (উখ্রা)।
- ৩৮. যখন (ইজ্) আমরা গুহি করিয়াছিলাম (আগুহাইনা) দিকে (ইলা) আপনার মাতার (উন্মিকা) যাহা গুহি করা হয় (মা উইহা)।
- ७৯. य (वानि) ठाहात्क किनिया एन (हेक् क्रिकिहि) तिम्हृत्कत मक्षा (किठ्ठावृठि) त्रृठताः ठाहा नित्क्रि कक्षन (काठ्किकिहि) नहीं मक्षा (किन् हॅयाम्मि) त्रृठताः ठाहा छिनिया हित्व (कान् हॅडेन्किहि) नहीं (हॅयाम्मू) ठीत (वित्रत्राहिन) ठाहा ठूनिया नहत्व (हॅया थूकूर) वामात (वान्नार) मक्ष (वाम्डेन्नि) भवः ठाहात (मूत्रा) मक्ष (भ्या वाम्डेन्नार) भवः (भ्या वाम्डेन्नार) भवः वाम्डेन्

- আপনার উপরে (আলাইকা) ভালোবাসা (মাহাব্বাতাম্) আমার পক্ষ হইতে (মিন্নি)। এবং আপনি যেন প্রতিপালিত হন (গ্রয়ালি তুস্না) আমার চোখের উপরে (সামনে) (আলা আইনি)।
- 80. यथन ळामात तान छिनळिष्टिन मूठता विद्याष्टिन ळामाप्तत খবর দিব কি? উপরে তাহাকে কে লালন-পালন করিতে পারে? (रॅंक्जाम्मि उंश्जूका काठाकूनू रान् वापून्नूक्म वाना भारे रैशाक्कृषुर)। युठताः वाभवात्क वाभता (वाष्ट्रार्) कितारेशा िष्णाभ আপনার মায়ের দিকে (ফারাজানাকা ইলা উন্মিকা) তাহার চোখ যেন জুড়ায় (কাই তাকার্রা আইনুহা) এবং দুশ্চিন্তাগ্রন্ত (দুঃখ) না হয় (গুয়ালা তাহজান) এবং আপনি হত্যা করিয়াছিলেন একটি নফ্স (এক ব্যক্তি) সুতরাং আপনাকে আমরা (আল্লাহ) মুক্তি দিয়াছিলাম पूष्टिश रहेळ (अग्राकाणान्णा नाक्त्रान् कानाक्कार्रनाका क्षिनान् গাম্বে) এবং (গুয়া) আপনাকে আমরা (আল্লাহ্) পরীক্ষা করিয়াছি (ফাতান্নাকা) পরীক্ষা (ফুতুনা) (গুয়া ফাতান্নাকা ফুতুনা) সুতরাং আপনি অবস্থান করিয়াছিলেন মাদায়েনের অধিবাসীদের মধ্যে বছর (সিনিনা) (ফালাবিস্তা সিনিনা ফি আহ্লে মাদ্ইয়ান)। তারপর আপনি আসিয়াছেন উপরে (আলা) নির্ধারিত সময়ে (কাদারিন) হে মুসা। (সুম্মা জিতা আলা কাদারি ইয়া মুসা)।

85. এবং আপনাকে আমি তৈরি করিয়াছি আমার নিজের জন্য (গুয়াস্তানাখ্তুকা লি নাফ্সি)।

[এই আয়াতটি হবহ অনুবাদ করলাম সত্য, কিন্তু ইহার অর্থটি একদম वुषाळ भातनाम ना। कातभ अरू जाशाळ रेराठ श्रमाणिठ रटक रा আল্লাহ্রও নফ্স আছে, অথচ আম্ররা জানি আল্লাহ্র নফ্স নাই। আমরা ইহাগ্ত জানি যে আল্লাহ্ রুহকে আদমের মধ্যে ফুৎকার করেছিলেন, কিন্তু আল্লাহর নফ্সকে ফুৎকার করেন নি। 'আমার নিজের জন্য' (লি নফ্সি) তথা 'আল্লাহ্র জন্য' কথাটি মোটেই বুঝতে পারলাম না। সুতরাং পাঠকদের কাছে ক্ষমা চাইলাম এ জন্য যে এই আয়াতের মর্মার্থ ও ব্যাখ্যা দেওয়াটা আমার পক্ষে মোটেই সম্ভবপর নয়। অবশ্য পরে অনেক লোগাত ঘাঁটাঘাঁটি করে জানতে পারলাম যে এই 'निष्क्रत क्रना' (नि नाक्ति) तनक श्रापिक ताबाता रश नि, বরং আল্লাহ্র জন্য বোঝানো হয়েছে। যদিও নফ্স শব্দটি আছে বলেই এই গোলকধাঁধায় পড়েছিলাম। আসলে নফ্স বলতে যে প্রাণ বোঝায় এখানে সেই অর্থে বোঝানো হয় নি, বরং বোঝানো হয়েছে গুধুমাত্র নিজের জন্য। কারণ নফ্সের বাংলা শব্দটি যদি প্রাণ অথবা জীবাত্মা হয় তা হলে আল্লাহ্র সঙ্গে কোনোভাবেই যুক্ত করা যায় না। কারণ नक्त्र मृত्युत श्वाम श्रष्टण करत, किन्नू व्याल्लाह्त रवलाग्न मृত्युत श्वाम श्रष्टण করার প্রশ্নুই উঠতে পারে না। সুতরাং 'লি নাফ্সি' বলতে এখানে

व्याभात कना उथा व्याचार्त कना तावात्ना रखिष्ट, यिन भक्षि अकर तक्ष। व्याति छाषाणि व्यञ्ज भित्र छाषा ठार अकि भक्षि प्राता व्याति तक्ष वर्ष तावार। त्यभन 'मात्र वृन' भक्षि भित्र (भिंदा तावार व्यात व्या

- ৪২. আপনি ও আপনার ভাই যান আমার (আল্লাহর) আয়াতসহ (নিদর্শনসহ) এবং আপনারা দুইজনে অলসতা করিবেন না আমার জিকিরের (সারণ, মনে করা) মধ্যে। (ইজ্হাব্ আন্তা ওয়া আখুকা বিআয়াতি ওয়ালা তানিয়া ফি জিক্রি)।
- ৪৩. দুইজনে যান ফেরাউনের দিকে, সে (ফেরাউন) নিশ্চয়ই সব রকম সীমা লঙ্গন করিয়াছে (তথা) বিদ্রোহী (তোয়াগা)। (ইজ্হাবা ইলা ফির্আউনান্নাহ তোয়ারা)।
- 88. সুতরাং তাহাকে (ফেরাউনকে) দুইজনে বলিবেন ন্মুতার সহিত কথা। সে হয়তো উপদেশ গ্রহণ করিবে অথবা ভয় করিবে। (ফাকুলা লাহু কাউলাল্ লাইয়িনাল্ লা আল্লাহু এতাজাক্কাক্র আউ ইয়াখ্শা)।
- ৪৫. তাহারা দুইজনে বলিলেন, হে আমাদের রব (প্রতিপালক), নিশ্চয়ই আমরা ভয় করি যে, সে (ফেরাউন) বাড়াবাড়ি (দুর্ব্যবহার) করিবে (ইয়াফ্রুতা) আমাদের উপর অথবা সব রকম সীমা লগ্ডান করিবে।

(কালা রাব্বানা ইন্নানা নাখাফু আইইয়াফ্রুতা আলাইনা আউ আই ইয়াত্গা)।

৪৬. (আল্লাহ) विनल्पन, তোমরা ভয় করিও না, নিশ্চয়ই আমি তোমাদের সাথে (মাআকুমা) (আছি)। গুনি (আসমাউ) (আল্লাহ) এবং দেখি (আরা)।

(काला ला ठाशाका रेन्नानि भाव्याकूभा व्याप्रभाउँ ३शा व्याता)।

89. সুতরাং তাহার (ফেরাউন) কাছে দুইজনে যান সুতরাং দুইজনে বলুন, নিশ্চয়ই (আমরা) তোমার রবের দুইজন রসুল। সুতরাং পাঠাগু আমাদের সাথে সুতরাং আমাদের সাথে বনী ইসরাইল(-কে) যাইতে দাও (প্রেরণ করো)।

(फाठिव्याष्ट काकूना रॅन्ना तात्रूना तात्रिका काव्यात्रिन भाव्याना वानि रॅनतारॅन)।

এবং তাহাদেরকে উৎপীড়ন (নিপীড়ন) করিগু না (গুয়া লা তোয়াঙ্গজিব্ভম)।

निक्त रें (कार्) धामात (क्ताउँन) काष्ट बामता बानिशाष्टि (किनाका) निर्म्भनत्रर (विवाशाणिम) धामात तत्वत पक्र रहेळ (मित् ताव्विका)।

(কাদ্ জিনাকা বিআয়াতিম্ মির্ রাব্বিকা)।

এবং শান্তি (গুয়া সালামু) (তাহার) উপর যে অনুসরণ করে সঠিক পথের (হদা)। (গুয়া সালামু আলা মানিত্ তাবাআল হদা)।

- ८৮. निक्शर निक्श (रन्ता काम्) अरि कता ररेशाष्ट (उरिशा) व्यामाप्तत मित्क (रेनारेना) या गाम्नि (अवः) या मिशा मत्न कत्त (मान् कान्त्रावा) (जारात) उपत्त अवः मूथ कितारेशा (नग्न) (जारात)। (रेन्ना काम् उरिशा रेनारेना व्यान्नान् व्यान्नावा व्याना मान् कान्त्रावा अशा जारुशान्ना)।
- ८৯. (क्वताउँन) विनन, छाटा ट्टॅल क्व क्वासाएत पूरॅक्षलत तव (तात्त्र्मा), व्ह सूत्रा? (काना कासात् तात्त्र्मा टॅशा सूत्रा)।
- ৫০. (মুসা) বলিলেন, আমাদের রব, যিনি দিয়াছেন (আতোয়া) প্রত্যেক জিনিসকে তাঁহার সৃষ্টি (খাল্কাহু) তারপর (সুম্মা) পর্য দেখাইয়াছেন (হাদা)। (কালা রাব্বুনাল্লাজি আতোয়া কুল্লা শাইয়িন, খাল্কাহু সুম্মা হাদা)।
- ৫১. (ফেরাউন) বলিল তাহা হইলে (পূর্বের শত শত বছরের) কগুমদের (কুরুনিল) অবস্থা (বালুল) কী? (কালা ফায়া বালুল্ কুরুনিল্ উলা)।

- ৫২. (য়ুসা) বলিলেন তাঁহার জ্ঞান (ইলমুহা) আমার রবের (রাব্বি)
 নিকট (এন্দা) কেতাবের মধ্যে (আছে) আমার রব ভুল করেন না
 (লা ইয়া দিল্লু) এবং ভুলিয়া যান না (এয়া লা ইয়ান্সা)।
 (কালা ইল্মুহা এন্দা রাব্বি ফি কেতাবিন লা ইয়াদিল্লু রাব্বি এয়া
 লা ইয়ান্সা)।
- ৫৩. যিনি (আল্লাহ) তোমাদের জন্য জমিনকে (আর্দা: জমিন, পৃথিবী, মাটি, দেহ) বিছানা (মাহ্দান্: গালিচা, কার্পেট) করিয়াছেন। এবং তোমাদের জন্য চালাইয়া দিয়াছেন (সালাকা) ইহার মধ্যে (ফিহা) রাস্তাসমূহ (সুবুলান) এবং আকাশ (সামাআ) হইতে পানি (মাআ) বর্ষণ করেন (আন্জালা)। (আল্লাজি জাআলা লাকুমূল্ আর্দা মাহ্দাউ গুয়াসালাকা লাকুম্ ফিহা সুবুলাউ গুয়া আন্জালা মিনাস্ সামায়িমা)। সুতরাং আমরা (আল্লাহ্) বাহির করিয়াছি (ফাখ্রাজ্না) তাহা দিয়া (বিহা) জোড়ায় জোড়ায় (আজ্গুয়াজান) বিভিন্ন (শাত্তা) উদ্ভিদ্ হইতে (মিন্নাবাতিন)।
- ৫৪. তামরা খাও (কুলু) এবং তোমরা চড়াও (ওয়ারাও) তোমাদের গবাদিপগুওলিকে (আনামাকুম)। নিশ্চয়ই (ইন্না) ওইটার (জালিকা) মধ্যে (ফি) (রহিয়াছে) নিদর্শনগুলি (লেআয়াতিন) বিবেকের (নুহা) অধিকারীদের জন্য (লিউলিন্)।

[अथात अकि विषय नक्ष कतात मळा जात त्मरे विषयि रत्ना वित्वक्वानफत कथाणि अरे जायाळ वना रखिष्ट। अथात रमानफात, त्मामिन, मूमनमान, मानूष कारात नमानि उत्तर वा कर्त वतः मार्थकनीनछात वना रखिष्ट। क्यांठि-धर्म निर्वित्मर्थ याता मिछारे वित्वक्वान छाफ्त कथाणि अथात मार्थकनीनछात वना रखिष्ट।

- ७७. ठाश श्रेळ (क्षिन्श) आक्षता मृष्टि कित्रशाष्टि ळाक्षाप्तत (श्रानाक्ताकूक्ष) अवः (अशा) श्रेशत क्षत्था (किशा) आक्षता कित्राश्या कित (नूश्रेष्ट्र) ळाक्षाप्ततत्क (क्ष्म) अवः (अशा) श्रेशत क्षया श्रेशळ (क्षिन्श) आक्षता ळाक्षाप्ततत्क वाश्ति कित्रव (नूश्रिक्षूक्ष्) आत्रअ (उश्ता) अकवात (जाताजान्)।
- ৫৬. এবং (গুয়া) निक्षार्थ (लाकाम्) आश्वता छारात्क (रक्षताउँनत्क) म्हणार्थ्याष्ट्रि (आतार्थनार्थ) आश्वारम्ब आग्वाछम् (आग्वाछिना) म्हणार्थ्य (जूल्लाना)। मूछताः स्म शिशार्त्वाभ कतिग्राष्ट्र (काकाळ्ळावा) अवः (श्वा) अशाना कतिग्राष्ट्र (आवा: आतंश अर्थ- अश्वीकांत कता)।
- ৫৭. (ফেরাউন) বলিল (কালা) আমাদের কাছে আসিয়াছ কি (আজিতানা) আমাদের বাহির করার জন্যে (লতুখ্রিজানা) আমাদের দেশ হইতে (মিন্ আর্দিনা) তোমার জাদু লইয়া (বেসিহ্রিকা) হে মুসা (ইয়া মুসা)।

[যদিও আর্দ অর্থ জমিন, মাটি, পৃথিবী, মানবদেহ, কিছু এখানে আর্দ বলতে দেশ শব্দটি ব্যবহার করলাম]।

- ७५. त्रुठताः ध्वामात काष्ट जवगार जामता जानित (कानाना ठिग्नान्नाका) क्रामूर्क (वित्रिशितम्) ठारात जनूत्रभ (मित्र्लिश) त्रुठताः म्हित करता (काक्जान्) जामारम्त मार्य (वार्रेनाना) अवः (अग्ना) ध्वामात मार्य (वार्रेनाका) निर्मिष्ठ त्रमग्न (माठरेमान्) ठारा जामता श्वाभ करित ना (ना नूक्निक्र्) जामता (नार्नू) अवः (अग्ना) जूमिठ ना (ना जान्ठा) त्रमञ्न श्राहर्त (माकानान् त्रुग्नान)।
- ৫৯. (মুসা) বলিলেন (কালা), তোমাদের নির্দিষ্ট সময় (মাওইদুকুম)
 উৎসবের দিন (ইয়াওমুজ জিনাতি) এবং (ওয়া) যে মানুষদেরকে
 সমবেত করা হইবে (আই ইউহশারান্ নাসা) সূর্য ওঠার সাথে
 (দোহান্)।
- ७०. সুতরাং চলিয়া গেল (ফাতাগুয়াল্লা) ফেরাউন (ফির্আউনু)
 সুতরাং জমা করিল (ফাজামা) কৌশলসমূহ (কাইদাহ) তারপর
 আসিল (সুম্মা আতা)।
- ৬১. মুসা তাহাদেরকে বলিলেন (কালা লাহম মুসা), তোমাদের জন্য (রহিয়াছে) দুর্জোগ (গুয়াইলাকুম) তোমরা আরোপ করিগু না (লা তাফ্তাক্র) আল্লাহর উপর মিখ্যা (আলা আল্লাহে কাজিবান্) সুতরাং তোমাদের ধ্বংস করিয়া দিবেন (ফাইউস্ফিতাকুম্) আজাব দিয়া

- (বিআজাবিন)। এবং নিশ্চয়ই (গুয়া কাদ্) ব্যর্থ হইয়াছে (খাবা) যে মিখ্যা রচনা করিয়াছে (মানিফ্তারা)।
- ৬২. তারপর তাহারা মতবিরোধ করিল (ফাতানাজাউ) তাহাদের কাজে (আম্রাহম) তাহাদের মধ্যে (বাইনাহম) এবং গোপনে পরামর্শ করিল (গুয়া আসার্ক্রন নাজ্গুয়া)।
- ৬৩. তাহারা বলিল (কালু) নিশ্চয়ই এই দুইজন (ইন্হাজানি) অবশ্যই দুই জাদুকর (লাসাহিরানে) দুইজনে এরাদা করে (চায়) (ইউরিদানি) যে (আন্) দুইজন তোমাদেরকে বাহির করিয়া দিবে (ইউখ্রিজাকুম) তোমাদের ভূমি হইতে (মিন্ আর্দিকুম্) তাহাদের দুইজনের জাদুর সাহায্যে (বিসিহ্রি হিমা) এবং দুইজনে রহিত করিবে (ওয়া ইয়াঙ্গহাবা) তোমাদের জীবন-ব্যবস্থার (বিতারিকাতিকুম্) আদর্শ (মুস্লা)।
- ৬৪. সুতরাং তোমরা একত্রিত করো (ফাআজ্মিউ) তোমাদের কলাকৌশল (কাইদাকুম) তারপর আসো (সুম্মাহ্তু) কাতারবন্দি হইয়া (সোয়াফ্ফান্) এবং নিশ্চয়ই আজ সফল হইবে (গুয়াকাদ্ আফ্লাহাল্ ইয়াগুমা) যে প্রাধান্য বিস্তার করিবে (মানিস্তালা)।
- ৬৫. (জাদুকরেরা) বলিল, হে মুসা (কালু ইয়া মুসা), হয় নিক্ষেপ করো তুমি (ইম্মা আন্ তুলকি) এবং (না) হয় (গুয়া ইম্মা) আমরা প্রথমে নিক্ষেপ করিব (আন্নাকুনা আউয়ালা মান্ আল্কা)।

- ৬৬. (য়ুসা) বলিলেন, বরং তোমরা নিক্ষেপ করো (কালা বাল্ আল্কু) সুতরাং তখন তাহাদের রশিগুলি (ফাইজা হিবালুহম) এবং তাহাদের লাঠিগুলি (গুয়া ইউসিইউহম) মনে হইল (ইউখাইইয়ালু) তাহার দিকে (দৌড়াইয়া আসিতেছে) (ইলাইহি) তাহাদের জাদু হইতে (মিন্ সিহিরি হিম্) তাহা যেন দৌড়াইতেছে (আন্নাহা তাস্আ)।
- ৬৭. সুতরাং অনুভব করিল (ফাআগুজাসা) তাঁহার নফ্সের মধ্যে (ফি নাফ্সিহি) ভীতি (খিফাতান্) মুসা (মুসা)।
- ७৮. আমরা (আল্লাহ্) বলিলাম (কুল্না), ভয় করিবেন না (লা তাকাফ্) নিশ্চয়ই আপনি (ইন্নাকা) আপনিই উপরে (আন্তাল্ আলা)।
- ৬৯. এবং নিক্ষেপ করুন (গুয়া আল্কি) আপনার ডান হাতের মধ্যে যাহা (আছে) (মা ফি ইয়ামিনিকা) গিলিয়া ফেলিবে (য়াস করিবে) (তাল্কাফ্) যাহা কিছু তাহারা বানাইয়াছে (মা সানাউ)। নিশ্চয়ই যাহা কিছু তাহারা বানাইয়াছে (ইন্নামা সানাউ) (উহা তো কেবলই) জাদুকরদের কলাকৌশল (কাইদুস্ সাহেরিন) এবং জাদুকর (কখনই) সফল হয় না (গুয়া লা ইফ্লিহুস্ সাহেরু) যেখান থেকেই আসুক (না কেন) (হাইসু আতা)।

- १०. त्रुठताः कामूकत्वता त्रिक्रमाয় পिড়য়ा शिन (ফাউन्किয়ात्र त्राचाताळू त्रुक्कामान्)। ठाराता (क्रामूकत्वता) तिनन (कानू) व्यामता रमान व्यानिनाम (व्यामान्ना) तत्वत उपत (त्वतात्वि) राक्रन अवः मुत्रात (राक्रना ७য়ा मुत्रा)।
- ৭১. (ফেরাউন) বলিল (কালা), তোমরা ইমান আনিয়াছ (আমান্তুম্) তাহার উপর (লাহু) পূর্বেই (কাব্লা) যে (আন্) আমি অনুমতি দিবার (আজানা) তোমাদেরকে (লাকুম্)। নিশ্চয়ই সে (মুসা) **ट्यामाफित श्रधान ज्यवगार्ट (ला काविक़कूम्) या (ज्याल्ला**कि) তোমাদেরকে শিখাইয়াছে (আল্লামাকুমুস্) জাদু (সেহ্রা)। সুতরাং অবশ্যই আমি (ফেরাউন) কাটিয়া দিব (ফালা উকাত্তিয়ান্ আন্না) তোমাদের হস্তপ্তলি (আইদিআকুম্) এবং (গুয়া) তোমাদের পদণ্ডলি (আর্জুলাকুম্) বিপরীত দিক হইতে (মিন্ খিলাফিন্) এবং অবশ্যই তোমাদেরকে আমি শূলে চড়াইব (গুয়া লাউসাল্লিবান্নাকুম্) খেজুর গাছের কাণ্ডের মধ্যে (ফি খুজুইন্ নাখলি)। এবং তোমরা নিশ্চয়ই জানিবেই (গ্রয়ালাতালামুন্না) আমাদের মধ্যে কে (দিতে পারে) (আইউনা) কঠিন (আশাদ্দু) আজাব (আজাবাউ) এবং দীর্ঘস্থায়ী (अशा व्यात्का)।
- ৭২. তাহারা বলিয়াছিল (কালু), তোমাকে কখনোই শ্রেঠতা (প্রাধান্য) দিব না (লান্ নুশিরাকা) যাহা আমাদের কাছে আসিয়াছে

(क्षा काव्याना) (उँरात) उँभत (व्याना) मून्भर्ष व्याशाण्मसूर रहेळ (क्षिनान् तार्रेशिनाणि) अवः िर्यान व्यासाद्यत्य मृष्टि कित्रशाष्ट्रन (अशान्नाक्षि काणाताना) मूणताः लूक्षि जारार्रे करता (काक्षि) यारा किष्टू (क्षा) लूक्षि (व्यान्ण) कित्रळ हाछ (काष्ट्रिन्)। निक्शरे लूक्षि कित्रळ भारता (रैन्नासा जाक्षि) अरे पूनिशात (भार्थित) क्रीत्रल (राक्षिरिन् राशाणाम् पूनिशा)।

- ৭৩. निশ্চয়ই আয়রা (ইন্না) ইয়ান আনিয়াছি (আয়ান্না) আয়াদের রবের উপর (বিরাব্বিনা) তিনি যেন য়াফ (ऋয়া) করেন (লিইয়াগ্ফেরা) আয়াদের (লানা) গুনাহগুলি (পাপ) (খাতাইয়ানা) এবং (গুয়া) যাহা (য়া) আয়াদেরকে বাধ্য করিয়াছ (আক্হার্তানা) জাদুর উপর হইতে (আলাইহি য়িনাস্ সিহর)। এবং আল্লাহ্ উয়য় এবং স্থায়ী (গুয়াল্লাহ খাইরু গুয়া আব্কা)।
- 98. তাই নিশ্চয়ই (ইন্নাহ) যে কেহ আসিবে (য়াই ইয়াতি) তাহার রবের কাছে (রাব্বাহু) মুজ্রিম (অপরাধী) হইয়া (মুজরিমান্) সুতরাং নিশ্চয়ই (ফাইন্না) তাহার জন্য (লাহু) জাহার্মাম (দোজখ, নরক) (জাহার্মামা)। সে মরিবে না (লা ইয়া মুতু) তাহার মধ্যে (ফিহা) এবং বাঁচিবেও না (ওয়া লা ইয়াহ্ইয়া)।
 ['সে মরিবে না এবং বাঁচিবেও না' এই রকম জাহান্মামটির পরিচয় জানার পর কিছুটা অবাক হতে হয় বৈকি! যদিও আপাতদৃষ্টিতে মনে

रश रें शकि वाञ्चितिताधी कथा, किंद्र वाञ्चारत कना क्षाण्ठ रें राष्ट्रित वाञ्चितिताधी नश् । श्रम्भ व्याप्रक्त भारत त्य 'मतत्व ना अवः वाष्ट्रत ना' अर्थे कथाणित प्वाता की तकम अकिण व्याक्षत भिर्तिष्ठित वर्णना कता रखिष्ट्रः कात्रप मानूम क्रात्न त्य, रश् माता यात्व, ना रश् क्रीविक थाक्त, किंद्र रेंरात मावामाचि व्यवश्वानि त्य निःप्रत्मत्र अकिण खाःकत व्यवश्वाने रेंरा व्यामाप्तत क्रूम् क्रान्त धात्रप कत्रक्क भारत ना अर्थे तकम वाष्ट्रक व्यवश्वानि व्यामाप्तत क्रूम् क्रान्त धात्रप कत्रक भारत विक्रानी भुद्रािक्षात्वत क्ष्विक विक्रान्ति क्षात्वत क्षाित्व क्षाित्व क्षाित्व व्यवश्वान नार्थे, व्यावात व्यवश्वान व्याष्ट क्षा गिरुत्वण नार्थे।

१८. अवः या ठाँ शां (वाल्ला श्वां) काष्ट व्यामित (अशा भाँ रेशां ि) स्माभित रहेशा (भूभितान्) निक्यारे त्र व्याभत्न मात्नरा कतिशाष्ट (काम् व्याप्मनाम् त्राशात्मराणि) मूठताः अरेमत त्नाक (काउँ नारेका) जारात्मत क्रना तरिशाष्ट (नारभूम) मर्ताष्ठ भर्यामामभूर (माताकाणून उँना)।

- अत ১৯ नश्वत आग्नाट्यत त्मर्स तमा रखाट, 'श्रग्ना आन्नाम्मारा साआम् सासिनना' अधिकाश्म कात्रान-अत अनुतामक अवश्य उक्षितकात्रकता 'आसानू' अवश्व 'स्नासिन'-क सत्नत अकार्ष्ठ अक कर्तत छारेल-छाउँ सि शिष्टु शि भाकिर्य कर्णन। अवग्र अर्थ मृक्ष्म पृष्टिङ शिक्ष आम्नार्व मान। मूठताश्वाद किष्टु शाकि ना]।
- ৭৬. বসবাস (করবে) জান্নাতে (জান্নাতু আদ্নিন্) প্রবাহিত হয় (তাজ্রি) তাহার নিচ হইতে (মিন্ তাহ্তিহাল্) নহরসমূহ (নদী, জলধারা, খাল, নালা, স্লোতশ্বিনী) (আন্হাক্র) ইহার মধ্যে (তাহারা) চিরকাল থাকিবে (খালেদিনা ফিহা) এবং গুইটাই পুরস্কার (গুয়া জালিকা জাজাউ) যে পবিত্র হইবে (মান্ তাজাক্কা)।
- 99. अवः निक्शं व्याभता अशि कितशाष्टिनाभ भूमात फिट्क (अशा नाकाफ व्याअशार्यना हेना भूमा) या, व्याभात वान्हाएकतम् ताट्य याद्या करून (व्यान व्याम्ति हेवािफ) मूछताः वानान (काफ्ति) छाशाएकत क्रना (नाहभ) अथ (छातिकान्) मागद्यत भएए (किन वाह्द्व) छञ्ज (हेशावामान्) छश्च कित्रदन ना (ना छाशाकू) भता अछिवात (फाताकाउं) अवः छश्च कित्रदन ना (अशा ना छाश्मा)।
- ৭৮. সুতরাং ফেরাউন তাহার সৈন্যবাহিনীসহ তাহাদের পিছনে ধাপ্তয়া করিল (ফাআত্বাআহম্ ফির্আউনু বিজুনুদিহি) সুতরাং তাহাদেরকে

- ঢাকিয়া দিল (ফাগাশিইয়াহম্) সাগর হইতে (মিনাল্ ইয়াম্মি) যাহা তাহাদেরকে নিমজ্জিত করিয়াছিল (মাগাশিয়াহম্)।
- ৭৯. এবং ফেরাউন পথন্রস্ট করিয়াছিল তাহার কগুমকে (জাতি) (গুয়া আদাল্লা ফেরআউনু কাউমাহ) এবং হেদায়েত করে নাই (গুয়া মা হাদা)।
- ७०. व्ह इंत्रताहेलत त्रष्ठानगप (हेशा वानि हेत्रताहेन), निक्शहे वामता (वालाह) व्यामाप्ततक छेम्नात कित्रशाहिलाम (काम वान्महोहनाकूम) व्यामाप्तत मक्क हहेव्य (मिन् वापूछेहेकूम) अवः व्यामाप्ततक व्यामता त्रमश मिशाहि (अशा अशाव्याम्नाकूम) जूत भाराव्यक्त मिम्नप भारम (क्रानिवाज् जूतिल वाहेमाना) अवः व्यामता नाव्यल कित्रशाहि (अशा नाक्काल्ना) व्यामाप्तत छेभत (व्यालाहेकूमूल) मान्ना अवः नात्यशा (मान्ना अशान्ता)।
- ৮১. তামরা খাও (কুলু) পবিত্র জিনিসসমূহ (তাইয়েবাত) হইতে (মিন) যাহা (মা) তোমাদেরকে আমরা (আল্লাহ্) রেজেক দিয়াছি (রাজাক্নাকুম) এবং (ওয়া) বাড়াবাড়ি করিও না (লা তাদ্গাও) তাহার মধ্যে (ফিহি) সুতরাং পড়িবে (ফাইয়াহিল্লা) তোমাদের উপর (আলাইকুম) আমার গজব (ধ্বংস)(গাদাবি) এবং যাহার (উপরে) পড়িবে (ওয়া মাই ইয়াহিল) আমার গজব (গাদাবি) তাহার উপরে

- (व्यानार्हेटि) मूठताः निक्तग्रर्हे (काकाम्) (स्न) स्वःम रहेगा गार्हेत्व (राअग्रा)।
- ৮২. এবং (ওয়া) निশ্চয়ই আমি (ইন্নি) অবশ্যই ক্ষমাকারী (লা গাফ্ফারুল) (তাহার) জন্য যে (লিমান) তওবা করিল (তাবা)। এবং ইমান আনিল (ওয়া আমানা) এবং আমলে সালেহা (নেকির কাজ) করিল (ওয়া আমেলাস্ সোয়ালেহান্) তারপর সং পথে থাকে (সুম্মাহ্ তাদা)।
- ৮৩. এবং কীসে আপনাকে তাড়াহড়া করাইল (গুয়া মা আহজালাকা) আপনার কগুম (জাতি) হইতে (আন্ কগুমিকা), হে মুসা (ইয়া মুসা)।
- ৮৪. (মুসা) বলিলেন (কালা), গুই তো তাহারা (হম্ উলায়ি) উপরে (আলা।। [বাক্যের সঙ্গে এই শব্দটির মিল পেলাম না অথবা ইহার অর্থ বুঅতে পারলাম না] আমার পিছনে (আসারি)। এবং আমি তাড়াতাড়ি করিয়াছি (গুয়া আজিল্তু) আপনার দিকে (ইলাইকা) হে আমার রব (রাব্বি), আপনি যেন খুশি হন (লিতার্দোয়া)।
- ৮৫. (আল্লাহ্) বলিলেন (কালা), সুতরাং নিশ্চয়ই আমরা (আল্লাহ্) (ফাইন্না), পরীক্ষায় ফেলিয়াছি (ফাতান্না) নিশ্চয়ই (কাদ), আপনার কগুমকে (কাগুমাকা) আপনার পরে (মিম্ বাদিকা) এবং

তাহাদেরকে পথন্রফ করিয়াছে (গুয়া আদাল্লাহমুস্) সামেরি (সামিরি)।

- ৮৬. সুতরাং ফিরিয়া আসিলেন মুসা (ফারাজা মুসা) তাহার কগুমের দিকে (ইলা কগুমিছি) গোশ্বা হইয়া (রাগানিত হইয়া) (গাদ্বানা) (এবং) আফ্সোসকারী (আসিফান্)। (মুসা) বলিলেন (কালা), হে আমার কগুম, (ইয়া কাগুমি) তোমাদের কি গুয়াদা দেন নাই (আলাম ইয়াইদুকুম) তোমাদের রব (রাব্বুকুম) সুন্দর গুয়াদা (গুয়াদান্ হাসানা)? তবে কি লগ্বা হইয়াছে (আফা তোয়ালা) তোমাদের উপর (আলাই-কুমুল) নির্বারিত সময় (আহ্দু) অথবা (আম্ব) তোমরা চাহিয়াছ (আরাত্তুম) যে তোমাদের উপর গজব পড়িবে (আই ইয়াহিল্লা আলাইকুম গাদাবুন) তোমাদের রবের পক্ষ হইতে (মির্ রাব্বিকুম) সুতরাং তোমরা ভঙ্গ করিয়াছ (ফাআখ্লাফ্তুম) আমার সাথে গুয়াদা (মাগু ইদি)।'
- ৮৭. তाराता विनन (कानू), 'আমরা छऋ कित नार (सा आश्नाक्ना) वासाफित रेष्टा आपनात माथ उग्रामा (साउरेमाका विसान्किना) कित्रू (उग्रानािकन्ना) वासाफित उपत वावाछिन गिपाता ररेग्राष्टिन (रस्सिन्ना आउज्ञातास) कठासत वानस्त ररेळ (सिन् किनािकन् काउसि) मूठता वासता निक्ति किति (काकाज्ञाक्नारा), मूठता

- গুইরপে (ফাকাজালিকা) নিক্ষেপ করিল (আল্কাস) সামেরিগ্র (সামেরি)।
- ৮৮. সুতরাং বাহির করিল (ফাআখ্রাজা) তাহাদের জন্য (লাহম) একটি বাছুরের (ইজলান্) আকৃতি (জাসাদাল্) তাহার মধ্যে (লাহ) হাম্বা ডাক (খুআরুন) (ছিল) সুতরাং তাহারা বলিল (ফাকালু) এইটা (হাজা) তোমাদের ইলাহ (খোদা) (ইলাহকুম) এবং মুসারও ইলাহ (ইলাহ মুসা), সুতরাং (মুসা) ভুলিয়া গিয়াছিল (ফানাসিয়া)।
- ৮৯. সুতরাং তাহারা দেখে নাই কি (আফালা ইয়ারাগুনা) তাহাদের দিকে (ইলাইহিম্) কথার (কাগুলান্) (উত্তর দেয় না) ফিরিয়াগু আসে না যে (আল্লা ইয়ার্জিউ) এবং ক্ষমতা রাখে না (গুয়া লা ইয়াম্লিকু) তাহাদের (লাহম) ক্ষতি (দর্বাউ) এবং না উপকার (গুয়া লা নাফান্)।
- ৯০. এবং নিশ্চয়ই (গ্রয়া লাকাদ্) হাক্রন তাহাদেরকে বলিয়াছিলেন (কালা লাহম হাক্রনু) পূর্বেই (মিন্ কাব্লু), নিশ্চয়ই তাহার দ্বারা তোমাদের ফেত্নায় ফেলা হইয়াছে (পুতিন্তুম্বিহি) এবং তোমাদের রব নিশ্চয়ই রহমান (দয়ালু) (গ্রয়া ইন্না রাব্বাকুমুর রাহমান) আমার আদেশের তোমরা আনুগত্য করো এবং সুতরাং তোমরা আমাকে অনুসরণ করো (ফাত্তাবিউনি গ্রয়া আতিউ আম্রি)।

- ৯১. তাহারা বলিয়াছিল (কালু), 'কখনোই না (লান্) আমরা বিরত হইব (নাব্রাহা) কাহার কাছে (আলাইহি) লাগিয়া থাকিব (বাছুর পূজা করা হইতে) (আখিফিনা) যতক্ষণ না (হাত্তা) ফিরিয়া আসিবে (ইয়ার্জিয়া) আমাদের নিকটে (ইলাইনা) মুসা (মুসা)।'
- ৯২. (भूत्रा) विनित्नन (काना), 'ट्र शक्तन (हैंग्रा शक्तनू), कित्र (भ्रा) त्यामात्क वात्रन कित्रन (भ्रानाका) यथन (हैंक) ठाशत्मत्रत्क ठूमि त्रिथित (त्राव्याहेंठाश्म) अथञ्च हहेंग्राट्ट (शामता हहेंग्राट्ट) (त्राग्रान्तू)।
- ৯৩. 'আমার (আদেশের) অনুসরণ করিলে না যে (আল্লা তাত্তাবিয়ানি) তুমি কি তবে অমান্য করিয়াছ (আফাআসাইতা) আমার হকুম (আম্রি)?'
- ১৪. তিনি (हाक्रन) विनलেন (কালা), 'হে আমার মায়ের ছেলে (ভাই) (ইয়াব্না উম্মা) আমার দাড়ি ধরিবেন না (লা তাখুজ্ বিলিহ্ইয়াতি) এবং না আমার মাথার (চুল) (গুয়া লা বিরাসি) নিশ্চয়ই আমি (ইন্নি) আশংকা করিয়াছি (খাশিতু) যে আপনি বলিবেন (আন্তাকুলা) তুমি ফারাক করিয়াছ (বিভেদ সৃষ্টি করিয়াছ) (ফার্রাক্তা) মধ্যে (বাইনা) ইসরাইলের সন্তানদের (বনি ইসরাইলা) এবং তুমি দাম দেগু নাই আমার কথায় (গুয়া লাম্ তার্কুব্ কাউলি)।'

- ৯৫. (মুসা) বলিলেন (কালা), 'তাহা হইলে তোমার ব্যাপার কী, হে সামেরি (হামা খাদ্বুকা ইয়া সামেরিউ) ?'
- ৯৬. (সামেরি) বলিল (কালা), 'আমি দেখিয়াছি (বাসুতু) এই বিষয়ে যাহা (বিমা) তাহারা দেখে নাই (লাম্ ইয়াফ্সুরু) সেই সম্পর্কে (বিহি) সুতরাং আমি মুন্টিতে লইয়াছি (ফাকাবাত্তু) এক মুন্টি (কাব্দোয়াতান্) রসুলের পদচিক্ত হইতে (মিন্ আসারিল রাসুলি)। সুতরাং তাহা আমি নিক্ষেপ করিয়াছি (ফানাবাস্তুহা) এবং (এয়া) এই রূপেই (কাজালিকা) জাগরিত করিয়াছিল (সাউয়ারাত্) আমার নফ্সের জন্য (লি নাফ্সি)।'
- ৯৭. (য়ুসা) বলিলেন (কালা), 'সুতরাং তুমি যাও (ফাজ্হাব্) নিশ্চয়ই এখন (ফাইন্না) তোমার জন্য (লাকা) জীবনের মধ্যে আছে (ফিল্ হায়াতি) যে তুমি বলিবে (আন্তাকুলা) (আমাকে) স্পর্শ করিবে না (লা মেসাসা)। এবং নিশ্চয়ই (আছে) তোমার জন্য (ওয়া ইন্না লাকা) নির্দিউ সময় (মাওইদাল্) কখনোই ইহার ব্যতিক্রম করা হইবে না (লান্ তোখলাফাহু)। এবং দেখো তোমার ইলার দিকে (ওয়া উন্জুর ইলাহিকাল্) যাহা তাহার কাছে তুমি হইয়াছিলে পূজারি (আল্লাজি জাল্তা আলাইহি আকিফান)। নিশ্চয়ই আমরাই জ্বালাইব উহাকে (লানুহার্রিকান্নাহু) ইহার পর তাহাকে আমরা নিশ্চয়ই

- এলোমেলোভাবে ছড়াইব (সুম্মা লানান্সিফান্নাহ) নদীর মধ্যে (ফিল্ ইয়াম্মে) এলোমেলো করিয়া (নাস্ফান্)।
- ৯৮. তোমাদের ইলাহ কেবলই আল্লাহ (ইন্নামা ইলাহ হকুমউল্লাহ), যিনি (আল্লাজি) নাই (লা) কোনো ইলাহ (ইলাহা) তিনি ছাড়া (ইল্লাহ)। সব কিছু পরিবেন্টিত (আল্লাহর) জ্ঞানে (গুয়াসিয়া কুল্লু শাইয়িন ইল্মান্)।
- ৯৯. এই রূপে (কাজালিকা) বর্ণনা করিয়াছি আমরা (নাকুস্সু) তোমাদের কাছে (আলাইকা) খবরসমূহ (খবরাদি) হইতে (মিন্ আম্বায়ি) যাহা নিশ্চয়ই অতীত হইয়াছে (মা কাদ্ সাবাকা)। এবং নিশ্চয়ই আমরা তোমাকে দিয়াছি (এয়া কাদ্ আতাইনাকা) আমাদের নিকট হইতে (মিল্লাদুন্না) জিকির (উপদেশ) (জিক্রান্)।
- ১০০. যে কেন্থ মুখ ফিরাইবে (মান্ আরাদা) তানা ন্থতে (আন্ন্থ) সূতরাং নিশ্চয়ই সে (ফাইন্নান্থ) সূতরাং নিশ্চয়ই সে (ফাইন্নান্থ) বহন করিবে (ইয়াহমেলু) কেয়ামতের দিনে (ইয়াগুমাল কেয়ামাতি) বোঝা (উইজরান্)।
- ১০১. বাস করিবে (খালিদিনা) ইহার মধ্যে (ফিহি) এবং তাহাদের জন্য কত মন্দ (গুয়া সায়ালাহম) কেয়ামতের দিনে (ইয়াগুমাল্ কেয়ামাতি) বোঝা (হিমলান)।

- ১০২. যেই দিন (ইয়াগুমা) ফুঁ দেগুয়া হইবে (ইউন্ফাকু) সিঙ্গার মধ্যে (ফিস্সুরি) এবং আমরা (আল্লাহ) সমবেত করিব মুজরিম (অপরাধী)-দেরকে (গুয়া নাহশুরুল মুজরিমিনা) আপসা দৃষ্টিগুয়ালা অবস্থায় সেই দিন (ইয়াগুমাইদিন জুর্কান)।
- ১০৩. তাহারা নিজেরা নিজেদের মধ্যে চুপিচুপি বলিবে (ইয়াতাখাফাতুনা বাইনাহম), না তোমরা অবস্থান করিয়াছিলে (ইল্লা বিস্তুম) কেবলমাত্র (ইল্লা) দশ (দিন) (আশ্রান্)।
- ১০৪. আমরা ভালো জানি (নাহনু আলামু) গুই বিষয়ে যাহা তাহারা বলিবে (বিমা ইয়াকুলুনা), যখন বলিবে (ইজ ইয়াকুলু) তাহাদের মধ্যে অপেক্ষাকৃত উত্তম ব্যক্তিই (আম্শালুহম), বুদ্ধিমতায় (তারিকাতান্) না তোমরা অবস্থান করিয়াছিলে (ইল্লা বিশ্তুম) একমাত্র একদিন (ইল্লা ইয়াগ্তমান্)।
- ১০৫. এবং আপনাকে তাহারা প্রশ্ন করে (গুয়া ইয়াস্আলুনাকা)
 পর্বতসমূহ সম্পর্কে (আনিল্ জিবালি) সুতরাং বলুন তাহা উড়াইয়া
 দিবেন ধুলা করিয়া (ফাকুল্ ইয়ান্সিফুহা) আমার রব উড়াইয়া
 দিতে পারেন (রাব্বি নাস্ফান্)।
- ১০৬. সুতরাং তাহা পরিণত করিবেন (ফাইয়া জারুহা) সমতল (কাআন্) রুক্ষ-ধূসর মাঠে (সফ্সফান্)।

- ১০৭. তুমি দেখিবে না (লা তারা) ইহার মধ্যে (ফি হা) বক্রতা (ইউয়াজাউ) এবং না অসমান (গুয়া লা আম্তান্)।
- ১০৮. সেই দিন তাহারা অনুসরণ করিবে (ইয়াগুমাইদি ইয়াগ্রাবিউনাদ্) এক আহ্বানকারীকে (দাইয়াহ) না (থাকিবে) তাহার বক্রতা (লা ইউয়াজা লাহু) এবং আগুয়াজসমূহ ऋषि হইবে (গুয়া খাশাআতিল্ আস্গুয়াতু) রহমানের জন্য (লির্ রাহ্মানি), সুতরাং তুমি গুনিবে না (ফালাতাস্মাউ) একমাত্র মৃদু শব্দ (ছাড়া) (ইল্লা হাম্সান্)।
- ১০৯. সেই দিন (ইয়াগুমাইজিল্) উপকার দিবে না (লা তান্ফাউশ্) সুপারিশ (শাফায়াতু), একমাত্র যাহাকে (ইল্লা মান্) অনুমতি দিবেন (আজিনা) তাহার জন্য (লাহর) রহমান (রাহ্মান)। এবং রাজি হইবেন তাহার কথায় (গুয়া রাদিয়া লাহু কাগুলান্)।
- ১১০. তিনি জানেন (ইয়ালামু) যাহা কিছু তাহাদের সামনে (আছে) (মা বাইনা আইদিহিম), এবং যাহা কিছু তাহাদের পিছনে (আছে) (গুয়া মা খাল্ফাহু) এবং ইহাকে তাহারা জ্ঞান (দিয়া) আয়ত্ত করিতে পারে না (গুয়া লা ইউহিতুনা বিহি ইল্মান্)।
- ১১১. এবং অবনত করা হইবে (গুয়া আনাতিল্) চেহারাণ্ডলি (মুখমণ্ডল) (উজুহ) অক্ষয় (চিরস্থায়ী) (এবং) অমরের (চিরপ্ণীব)

- কাছে (निन् रार्हिशन कार्डेअ)। এবং নিশ্চয়ই বিফল (ব্যর্থ) হইবে (গুয়া কাদ্ খাবা) যে বহন করিবে জুলুম (মান্ হামালা জুল্মান্)।
- ১১২. এবং যে আমল করিবে সালেহা (একি) হইতে (গুয়ামাই ইয়ামাল্ মিনাস্সোয়ালিহাতি) এবং সে মোমিন (গুয়া হয়া মুমিনুন্) সুতরাং ভয় নাই (ফালা ইয়াখাফু) জুলুমের (জুলমান্) এবং না ऋতি (গুয়া লা হাদ্মান্)।

[तित्मिष कर्त सानूत्यत रक नक्षे कतात तिना अर्थ 'राष्ट्रसान' मक्षि ज्या ऋणि मक्षि व्यवरात कता रश। कात्रम सानूत्यत रक नक्षे कतत्म व्यान्नार ऋसा कतात कात्मा व्यार्थन तात्थन नि अवः वाक्षात अर्थ रक नक्षे कतात फलनर व्यक्षिकाःम सानूष निताम रत ज्या छारात्वात्सत फित्क अभित्य यात्व। व्यक्ष व्यक्षिकाःम सानूष रेंरा वृत्वि वृत्व वृत्व हारा ना।।

১১৩. এবং গুইরূপে আমরা অবতীর্ণ করিয়াছি (গুয়া কাজালিকা আন্জাল্নাহু) কোরান-কে আরবিতে (কোরানান আরাবিয়ান)। এবং আমরা বিস্তারিত (বিশদভাবে) বর্ণনা করিয়াছি ইহার মধ্যে (গুয়া সার্রাফ্না ফিহি) সতর্কবাণী হইতে (মিনাল্ গুয়াইদি) যাহাতে তাহারা (লাআল্লাহম) তাক্গুয়া গ্রহণ (অবলম্বন) করে (ইয়াত্তাকুনা) অথবা সৃষ্টি করিবে (আগু ইউহ্দিসু) তাহাদের জন্য জিকির (লাহম্ জিকরান্)।

[এখানে ভালো করে লক্ষ করে দেখুন যে কোরান-কে আরবি ভাষায় नाक्रम कतात कथािं वमा रखिष्ट। खिराञ्च राकिकि कातान कािन-क्लक्ष-कागक আत ছाপात व्यक्रदा व्यवश्वान कदा ना, वतः राकिकि কোরান হলো আল্লাহ্র জাতনূর। কাগজ-কালিতে যে নূরি কোরান-টি ছাপার অক্ষরে দেখতে পাই ইহা হলো মেজাঙ্গি কোরান। এই মেজাজি কোরান-কে সবাই স্পর্শ করতে পারে, কিন্তু হাকিকি কোরান-কে পবিত্র না হয়ে স্পর্শ করার কোনো ক্ষমতাই নাই। (লা रैशा भात्रताश रेन्नान् भूठ्ठाराक्षन)। क्यात्मताश वाघ-त्रिश्टत एवि ळानाि प्रभल यामन त्रवार वाघ बात निःश्र वनत्व, किन्न रेश रला **स्रकांकि वाघ-त्रिश्ट। राकिकि वा**घ-त्रिश्ट फ्रंथक চाইल চিড়িয়াখানায় যাগুয়া ছাড়া অসম্ভব। সেই রকম হাকিকি কোরান-এর সন্ধান যদি কেউ করার ইচ্ছা পোষণ করে তা হলে তাকে জাবালুন নুর পর্বতের হেরাগুহার মতো নির্জন স্থানে কমপক্ষে দশ-পনেরটি বছর ধ্যানসাধনা করতে হবে। অন্যথায় কতগুলো সুন্দর সুন্দর কথা জানতে পারা যায় এবং সেই কথা দিয়ে চমকিয়ে দেওয়া যায়, সেই कथा फिर्स अर्फ कता याश, कि वृति कातान-अत श्रद्ध अकफ्स ज्ञान। रसाप्त भाक्षानित भीत जातू जानि कात्रमारि रसाप्त গাজ্জালিকে বলেছিলেন এই বলে যে, তুমি কালি-কলম দিয়ে ঘষে घर्ष जलक काश्र वर्ष्ट कर्त्वष्ट जात जािक जान्नात कलर्वत उँभत

व्यान्नार्त क्रिकित फिर्स अकिंगा वष्टत्तत भत वष्टत घरवि। जत रेंश व्यक्षित राम अव्यक्त अकिंग वि क्षित कांगि क्षित केंगि क्षित कांगि क्षित केंगि क्षित कांगि कांगि केंगि कांगि कांगि

- ১১৪. সুতরাং আল্লাহ্ মহান (ফাতাআলাল্লাহ্ন) সত্যিকার মালিক (মালিকুল্ হাক্কু) এবং তাড়াহুড়া করিবেন না (গুয়া লা তাজ্আল্) কোরান-এর জন্য (বিল্ কোরআনি) পূর্ব হইতে (মিন কাব্লি) যাহা সম্পূর্ণ করা হয় (আই ইউক্দা) আপনার দিকে (ইলাইকা) তাহার গৃহি (গুয়াহুইউহু) এবং বলুন (গুয়া কুর্) হে আমার রব (রাব্বি) আমাকে অধিক দান্ত (জিদ্নি) জ্ঞান (ইল্মান্)।
- ১১৫. এবং নিশ্চয়ই আমরা (আল্লাহ্) নির্দেশ দিয়াছিলাম (গুয়া লাকাদ্ আহিদ্না) আদমের দিকে (ইলা আদামা) পূর্ব হইতে (মিন্ কাব্লু) সুতরাং তিনি কিছু ভুলিয়া যান (ফানাসিয়া) এবং আমরা পাই নাই

(ওয়া লাম্ নাজিদ্) তাহার মধ্যে (লাহু) দৃঢ়তা (শক্ত, অটল, মজবুত) (আজ্মান)।

১১৬. এবং যখন আমরা (আল্লাহ্) বলিয়াছিলাম (গুয়া ইজ কুল্না) ফেরেশতাদেরকে (লিল্ মালাইকাতিস্) তোমরা সেজদা করো (যদু) আদমের জন্য (লি আদামা) সুতরাং তাহারা সেজদা করিল (ফাসাজাদু) একমাত্র ইবলিস (করিল না) (ইল্লা ইবলিস)। সে অমান্য করিল (আবা)।

[रेविन क्रिनक्राित्ररे धक्रन। यत ताथळ रद य या यानवकाि धवः জিনজাতিকেই সামান্য স্বাধীন ইচ্ছাশক্তিটি দান করা **হয়েছে। আ**র काला मुर्चिकीवक्ट बाल्लार्भाक এर निर्मिच याधीन रेष्टामिकिए দান করেন নি। যেহেতু ইবলিসের সীমিত স্বাধীন ইচ্ছাশক্তিটি দেওয়া হয়েছে সেই হেতু ইবলিস তার ভালো-মন্দ বিচার করার অধিকারটি (পয়েছিল। আর তাই ইবলিস আদমকে সেজদা দিতে অশ্বীকার করল। কিন্তু ফেরেশতাদেরকে কোনো প্রকার স্বাধীনতা দেগুয়াই হয় নি। তাই ফেরেশতারা আদম্বকে সেজদা করবেই, কারণ আল্লাহ্র एकुम व्यमाना कतात व्यधिकाति एकद्मणाएततक एए अया रय नि, **अशाल खवाक रवात किष्ट्रहें नारे। कात्रंग एक्तिगठाएमत खान्नार्**त কোনো হকুম অমান্য করার প্রশ্নুই ৪ঠে না। আরগু মনে রাখতে হবে

- করেন নি। সুতরাং এককথায় বলতে গেলে ফেরেশতারা হলো আল্লাহর আজ্ঞাবহ]।
- ১১৭. সুতরাং আমরা (আল্লাহ) বলিলাম (ফাকুল্না,) হে আদম (ইয়া আদামু), নিশ্চয়ই এইটা আপনার জন্য শক্র (ইন্না হাজা আদুউল্লাকা) এবং আপনার স্থ্রীর জন্য (গুয়া লিজাউজিকা) সুতরাং আপনাদের দুইজনকে যেন বাহির করিয়া না দেয় (ফালা ইউখ্রিজান্নাকুমা) জান্নাত হইতে (মিনাল্ জান্নাতি) সুতরাং আপনি কন্টে পড়িবেন (ফাতাশ্কা)।
- ১১৮. निশ্চয়ই আপনার জন্যে (ইন্না লাকা) তাহার মধ্যে (জান্নাত) আপনি ক্ষুধার্ত হইবেন না (আল্লা তাজুয়া ফিহা) এবং আপনি উলঙ্গ হইবেন না (গুয়া লা তায়ারা)।
- ১১৯. এবং আপনি ইহার মধ্যে পিপাসার্ত হইবেন না (গ্রয়া আন্নাকা লা তাজ্মাউ ফিহা) এবং রেদ্রিতপ্ত হইবেন না (গ্রয়ালা তাদ্হা)।
- ১২০. সুতরাং গুয়াস্গুয়াসা (কুমন্ত্রণা) দিল শয়তান তাহাকে (ফাগুয়াস্গুয়াসা ইলাইহিস্ শায়তোয়ানু) সে (শয়তান) বলিল, 'হে আদম, (কালা ইয়া আদামু), আমি (শয়তান) কি তোমাকে বলিয়া দিব (হাল্ আদুল্লুকা) চিরন্তন জীবনের এই গাছের (বৃক্ষ) উপরে (আলা শাহজারাতিল্ খুল্তি) এবং অবিনশ্বর রাজত্বের ক্ষয় হয় না (য়হা) (গুয়া মুল্কিল্লা ইয়াব্লা)।'

১২১. मूठताः पूरेकत शारेलन (काळाकाला) छेरा रहेळ (क्षिन्रा) সুতরাং প্রকাশ হইল (আবাদাত) দুইজনের কাছে (লাহমা) দুইজনের लक्षाञ्चान (माअग्राजूरुमा) এবং দুইজনে শুরু করিলেন (अग्रा তোয়াফিকা) দুইজনে ঢাকিতে (ইয়াখ্সিফানি) দুইজনের উপর (আলাইহিমা) পাতা হইতে (মিউ ওয়ারাকিল্) জান্নাতে (জান্নাতি) এবং অমান্য করিলেন আদম (গুয়া আসা আদামু) তাঁহার রবকে (রাব্বাহু) সুতরাং তিনি ম্রমে (পতিত) হইলেন (ফাগাগুয়া)। [विश्वविश्वाञ साञ्चलाना ऋालाल उँिकृत क्रिसित श्रीत रुक्रत्रञ वावा শামসে তাব্রিজ অবশ্য এই বিষয়টিতে অন্যরকম কথা বলেছেন। তিনি বলেছেন, সত্যদ্রেন্টা আদমের ভেতর নুরে মোহাম্বদি রূপে স্বয়ং আল্লাহ, যেখানে মগুজুদ আছেন সেখানে বিদ্রান্ত হবার প্রশ্নুই আসে না, বরং হজরত আদম (আঃ) জেনেগুনে ইচ্ছা করে খাইলেন। তিনি জানতেন যে যদি উহা ভক্ষণ না করি তাহা হইলে আল্লাহর সৌন্দর্য একটি স্থানে এসে স্থবির হয়ে দণ্ডায়মান হয়। সুতরাং আপাতদৃষ্টিতে হজরত আদম (আঃ)-কে যদিগু দোষী সাব্যস্ত করতে হয়, কিন্তু তিনি মোটেই কোনো দোষের কাজ করেন নি। যাহা কিছু করেছেন উহা ক্রেনেন্ডনেই করেছেন এবং ক্রেনেন্ডনে করাটিকে অন্যায় না বলে আদা বলাই ভালো। কারণ প্রত্যেক নবি মাসুম। গুনাহ করাটা অসম্ভব। কোনো নবিই গুনাহ করতে আসেন নি, বরং তাদের উন্মতদেরকে

- শिक्रा फिरात छना रेष्टाक्छ छून (?) कदात्टन। रेरारे वार्त मुत्तापून काभाळत वाकिमा।
- ১২২. ইহার পরে (সুম্মাজ) তাঁহাকে (আদমকে) বাছাই করিলেন তাঁহার রব (ইস্তাবাহ রাব্বাহ) সুতরাং মাফ (ক্ষমা) করিলেন (ফাতাবা) তাহাকে (আলাইহি) এবং রাম্ভা দেখাইলেন (গুয়া হাদা)।
- ১২৩. (আল্লাহ) বলিলেন (কালাহ), দুইজনে নামিয়া যাও (বিতা) ইহা হইতে (মিন্হা) একসাথে (জামিয়াম) তোমরা একে-অপরের জন্য শক্র (বাদুকুম্ লিবাদিল আদুবুন)। সুতরাং যখন (ফাইম্মা) তোমাদের কাছে আসিবে (ইয়াতিয়ান্নাকুম্) আমার হইতে (মিন্নি) হেদায়েত (হদান্)। সুতরাং যে অনুসরণ করিবে (ফামানিত্তাবা) আমার হেদায়েত (হদাইয়া) সুতরাং বিল্লান্ত হইবে না (ফালা ইয়াদিল্লু) এবং কন্ট পাইবে না (গ্রয়া লা ইয়াশ্কা)।
- ১২৪. এবং যে (গুয়া মান্) বিমুখ হইবে (আহ্লাদা) আমার জিকির হইতে (আন্ জিক্রি) সুতরাং নিশ্চয় (ফাইন্না) তাহার জন্য (লাহ) জীবনযাপন (মাইশাতান্) সংকুচিত (দান্কাউ) এবং আমরা তাহাকে উঠাইব (গুয়া নাহশুরুছ) কেয়ামতের দিনে (ইয়াগুমাল্ কেয়ামাতি) অন্ধ অবস্থায় (আমা)।

- ১২৫. সে বলিবে (কালা), ছে আমার রব (রাব্বি), কেন (লিমা) আমাকে উঠাইলেন (হাশার্তানি) অন্ধ অবস্থায় (আমা) এবং নিশ্চয়ই (গ্রয়া কাদ্) আমি ছিলাম (কুন্তু) চক্ষুম্মান (বাসিরান্)।
- ১২৬. তিনি বলিবেন (কালা), গুইভাবেই (কাজালিকা) তোমার কাছে আসিয়াছিল (আতাক্কা) আমাদের আয়াতসমূহ (আয়াতুনা) সুতরাং তুমি তখন ভুলিয়া গিয়াছিলে (ফানাসিতাহা) এবং গুইভাবেই (গুয়া কাজালিকাল্) আজ (ইয়াগুমা) তোমাকে ভুলিয়া যাইব (তুন্শা)।
- ১২৭. আর গুই রূপেই (গুয়া কাজালিকা) আমরা প্রতিফল দেই (নাজ্জি) যে বাড়াবাড়ি করে (মান্ আস্রাফা) এবং ইমান আনে না (গুয়া লাম ইউমিম্) তাহার রবের আয়াতসমূহতে (বেআয়াতি রাব্বিহি)। এবং আখেরাতের শাস্তি অবশ্যই (গুয়া লা আজাবুল্ আখিরাতি) কঠোর এবং অধিক স্থায়ী (আশাদ্দু গুয়া আব্কা)।
- ১২৮. তবে কি তাহাদেরকে রাম্রা (পথ) দেখায় নাই (আফালাম্
 ইয়াহদি লাহম্) ? কতই না আমরা (আল্লাহ্) ধ্বংস করিয়াছি (কাম্
 আহলাক্না) তাহাদের পূর্বে (কাব্লাহম) অনেক কপ্তমের মধ্য হইতে
 (মিনাল্ কুরুনি) তাহারা চলিতেছে (ইয়াম্গুনা) মধ্য দিয়া (ফি)
 তাহাদের বাসস্থানসমূহে (মাসাকিলিহিম্)। নিশ্চয়ই উহার মধ্যে
 (ইন্না ফি জালিকা) (রহিয়াছে) অবশ্যই আয়াতসমূহ (লা
 আয়াতিল্) বুদ্ধি-বিবেকের অধিকারীদের জন্য (লিউলিন্ নুহা)।

- ১২৯. এবং যদি ना একটি কালিয়া (বাণী) (গ্রয়া লাগু লা কালিয়াতুন্)
 পূর্বে নির্দিষ্ট হইয়া থাকিত (সাবাকাত্) আপনার রবের পক্ষ হইতে
 (য়ির রাব্বিকা) অবশ্যই হইত (শাম্তি) (লাকানা) (এবং) অবশ্যম্ভাবী
 (লিজায়াগু) এবং একটি নির্দিষ্ট সয়য় (আজালুয় য়ুসায়য়ান্) (যদি না
 থাকিত)।
- ১৩০. সুতরাং সবর করুন (ফাস্বির) তাহারা যাহা বলে (উহার) উপর (আলা মা ইয়াকুলুনা) এবং তসবিহ করুন (মহিমা ঘোষণা করুন) (গুয়া সাব্বিহ) প্রশংসার সহিত (বেহাম্দি) আপনার রবের (রাব্বিকা), সূর্য উদয়ের আগে (কাব্লা তুলুয়িস্ শাম্সি) এবং ডুবিয়া যাইবার আগে (গুয়া কাব্লা গুরুবিহা)। এবং রাতের কিছু অংশ হইতে (গুয়া মিন্ আনাইল্ লাইলি) সুতরাং তসবিহ পাঠ করুন (মহিমা ঘোষণা করুন) (ফাসাব্বিহ্) এবং দিনের অংশসমূহে (গুয়া আত্রাফান্ নাহারি) যাহাতে আপনি সমুষ্ট হন (লাআল্লাকা তার্দি)।
- ১৩১. এবং আপনার চোখ দুইটি প্রসারিত করিবেন না (গুয়া লা তামুদান্না আইনাইকা) আমরা উপকরণ দিয়াছি যাহার প্রতি (ইলা মা মাত্তানা) সেই সম্পর্কে (বিহি) তাহাদের মধ্যকার বিভিন্ন শ্রেণীকে (আজ্গুয়াজাম মিন্ হম্) জাঁকজমক (জাহারাতাল্) দুনিয়ার জীবনে (হায়াতিদ্ দুনিয়া)। ইহার মধ্যে আমরা যেন তাহাদের

- পরীক্ষা করি (লিনাফ্তিনাহম ফিহি)। এবং আপনার রবের রেজেকই উত্তম (গুয়া রিজ্কু রাব্বিকা খাইক্র) এবং স্থায়ী (গুয়া আব্কা)।
- ১৩২. এবং নির্দেশ দেন (গুয়া মুর্) আপনার পরিবারকে (আহলাকা) সালাতের সহিত (বিস্সালাতি) এবং দৃঢ় থাকুন (গুয়াস্তাবির্) ইহার উপর (আলাইহা)। আমরা (আল্লাহ) আপনার কাছে চাই না (লা নাস্আলুকা) রেজেক (রিজ্কান্) আমরাই (নাহনু) আপনাকে রেজেক দেই (নার্জুকুকা)। এবং (শুভ) পরিণাম (গুয়াল্ আকিবাতু) মুগ্রাকিদের জন্য (লিত্তাকুয়া)।
- ১৩৩. এবং তাহারা বলে (গুয়া কালু), আমাদের কাছে আনে না কেন (লাগুলা ইয়াতিনা) তাহার রবের নিকট হইতে একটি আয়াত (বিআয়াতিম্ মির্ রাব্বিহি)। তাহাদের কাছে আসে নাই কি (আগুয়া লাম্ তাহতিহিম) সুস্পউ প্রমাণ (বাইয়িনাতু) যাহা আছে আগের দিনের সহিফাগুলির মধ্যে (মা ফিস্ সুহুফিল্ উলা)। [আমাদের কাছে বিশেষ করে মুসলিম সম্পুদায়ের কাছে চারটি সহিফার নাম জানা আছে। যেমন কোরান, ইঞ্জিল, জাবুর এবং তাগুরাত। ইহার পূর্বেগু যে অনেক সহিফা পাঠানো হয়েছিল তারই জ্বলন্ত প্রমাণ হলো এই আয়াতটি। সেই অনেক পূর্ববর্তী সহিফাগুলোর নাম কী কী হতে পারে তার উল্লেখ আমরা কোরান-এ পাই না। কেউ হয়তো এমনগু প্রম্ব করতে পারে যে, সব রকম সহিফাই কি

संध्याका **পाठां**का रख्या विभाग विश्व छात्रक कि अक्टिंश त्रहिका দেগুয়া হয় নি? কারণ প্রত্যেক কগুমের হেদায়েতের জন্য আল্লাহ্পাক রপুল পাঠিয়েছেন। ইহা কোরান-এরই ঘোষণা। তা হলে অখণ্ড ভারতে অনেক কপ্তমের আগমন ঘটেছে, কিন্তু তাদের সহিফাণ্ডলো वर्णभान शाकला धभीय मार्चनतार्छ काँ एस यूनावात एकन व्यतिकर तिक, भीठा, उपनिषक- अत नामछत्ना निक्र हारा ना। धर्सत नात्म अ রকম সংকীর্ণতার গণ্ডির দেয়ালকে মানবজাতি কবে ভেঙে ফেলতে পারবে? অধম লিখক মুসলমানের ঘরে জন্মগ্রহণ করেছি বলেই कातान-राष्ट्रित कान वर्कतात कना गत्वस्थाय सत्नानित्वम कति, কিন্তু খোদা না খাস্তা আজ যদি হিন্দুর ঘরে জন্ম নিতাম তা হলে কি কোরান-হাদিসের জ্ঞান অর্জন করার এ রকম আগ্রহটি থাকত? তা হলে কি বেদ-গীতা-উপনিষদ-এর উপর জ্ঞান-গবেষণায় ডুবে থাকতাম? তা হলে বুকে হাত রেখে আপন বিবেকটিকে একদম नित्रात्रक दात्थ अर्थे कथाधलात छिडिक्क कि वनक शांति ना या, আমার জন্মটাই আমার আজন্ম আশীর্বাদ অথবা অভিশাপ?]

১৩৪. এবং যদি (গুয়া লাগু) যে আমরা (আন্না) তাহাদের ধ্বংস করিয়া দিতাম আমরা (আহ্লাক্নাহুম্) আজাব দিয়া (বিআজাবিম্) তাহার পূর্ব হইতে (মিন্ কাব্লিহি) তাহারা নিশ্চয়ই বলিত (লাকালু) হে আমাদের রব (রাব্বানা), কেননা (লাগুলা) তুমি পাঠাইয়াছিলে (वातत्रान्ठा) वाक्षाप्तत फिट्क (हैनाहैना) ट्वाटना तत्रून (तात्रूनान्) व्यावता याहाळ व्यनूत्रत्व कतिठाव (काठ्ठाविशा) ट्यावत व्याशाठत्रवृह (व्याशाठिका) ठाहात पूर्ट्व (विन कार्वनि) नाक्ष्ठिं हहें ठाव व्यावता (व्यान् नाक्षिन्ना) व्रवः व्यावता व्यववानिठ हहें ठाव (श्रा नाश्का)।

১৩৫. বলুন (কুল্) প্রত্যেকেই (কুল্লুন) অপেক্ষাকারী (মোতারাব্বিসুন্) সূতরাং তোমরা অপেক্ষা করো (ফাতারাব্বাসু), সূতরাং তোমরা তাড়াতাড়ি জানিবে (ফাসাতালামুনা) কাহারা (মান্) অধিকারী (আস্হাবুস্) পথের (সিরাতিস্) সঠিক (সাগুউয়ি) এবং (গুয়া) কে (মানিহ্) হেদায়েতপ্রাপ্ত (তাদাহ্)।

নফ্স গু রুহের পার্থক্য বিষয়ে আলোচনা

वावा कतिष छेष्टिन १८४१ मकत (वावा स्थ कतिष्ठ)-अत िष्ठशान-अत कार्तिन छाषा ७ मक्छला वृत्ति, यिष्ठ भूतात्ना कार्तिन छाषाग्र तिष्ठ। यिष्ट पू- छात्रिंग मक् वृत्तात्व ना भाति त्या रात्यत काट्य ताथा छिन-छात्रिंग कार्तिन व्यक्तिम थूनत्य रहा। कार्त्रम अपन भक्ष भाष्ठशा याग्र, यात व्यविष्ट अकिंग

অভিধানে পেলাম ना। उখन रुठाम रुख उँर्दू অভিধান খুলি। একবার বাবা শামসে তাব্রিজের দিপ্তয়ান-এর একটি ফারসি শব্দ বুঝতে না পেরে অভিধান খুলে ना পেয়ে হতাশ হলাম। আমার ভক্ত মাগুলানা মাহতাব উদ্দিন (ডবল টাইটেল) অবশেষে একটি পুরানো অভিধানে পেল। শব্দটি হলো 'কেচ্কুলা'। অর্থটি হলো, নতুন কাপড় পরিধান করার পর আয়নায় শরীরটি দেখে স্টাইলটা হাত দিয়ে ঠিক করে নেগুয়া। বাক্যের সঙ্গে অর্থটির মিল পাচ্ছিলাম না। অবশেষে ফারসি ভাষায় ডক্টরেট জামাল উদ্দিন (বাঙালি নয়) বিষয়টি বুঝিয়ে দেবার পর আনক্ষ পেলাম এবং অবাক হলাম বাক্য গঠনের শৈলী দেখে। অথচ বাবা শামসে তাব্রিজ নিরক্ষর ছিলেন। উনি ভাবে তন্ময় হয়ে বলতেন আর মুরিদ মাওলানা लालतित भक्ता। अक्नातारा भान भार्टेकन चात छङ्गता मक्ट मक्ट लिए। রাখতেন। শুনেছি বহু গান লিখার অভাবে হারিয়ে গেছে। কিন্তু বাবা শেখ ফরিদের একটি বাক্য অতি সহজ্ঞ ফারসিতে লিখা এবং শাব্দিক অর্থটি সহক্রেই করা যায়। কিছু ভেতরের অর্থটি আজগু বুঝতে পারলাম না। वाकाणित व्यनुवाम रला, 'भृशिवीत भव सानूत्यत क्रीवनछला व्याप्ति, वृद्धिष्ठला व्यक्ति अवः प्लरुष्ठलाञ्च व्यक्ति।' अत व्याश्या की निश्व ट्यात शास्त्र ना। তবে भ्रनक्ष ভाলा नाभा कात्र विभान सानवज्ञावास्त्र पूर्मन वत्न सत्न হলো। ভেতরের অর্থটি উদ্ধার করার মতো শক্তি নেই বলে এটাই মনে করে

निक्छ वाधा रलाम। তবে এটুকু বুঝতে চেষ্টা করলাম যে, এই কথাগুলো মাথার জ্ঞান নয়, বরং সিনার জ্ঞান! সিনার জ্ঞানটিকে আমরা মাথার জ্ঞান **फिर्सि तूबिक क्रमा कित। ठार्डे खात्रम क्शिरि तूबिक क्में रहा। वावा** कतिएत व्यापन ভागिना वावा व्यानाउँ फिन कानियात पारवितत कथा व्यातश বুঝা যায় না। যেমন তিনি বলছেন, 'ইউপুফের রূপ বাজারে বিক্রি করতে शिख गामि क्रम कतन, जारे मुनारेशा जात निष्मत क्रम निष्मरे किल निलन।' व्यनाज तलएहन, 'तल फाछ फित्तित मान की।। এখानে मृठ, আবার একই সময়ে অন্যত্র হেঁটে চলছেন।' এটা না হয় আমরা অনেকেই জানি যে, বাবা বাকি বিল্লাহ্র জানাজা তিনি নিজেই পড়েছেন, অতএব বিষয়টা জানার মতো কিছুটা বুঝতে পারলাম। কিন্তু সিনার এলেমের বিষয়গুলো মাথার জ্ঞান দিয়ে প্রায়ই বোঝা যায় না। কেবল ধোঁয়াই দেখে यেळ रहा। আछनেत সন্ধान পাগুहा याहा ना। এটুকু বুঝতে পারলাম যে, **এ**छट्ना तूचाटा रटन स्माताकावा-स्मामाट्यमा उथा ध्यानमाधनात साध्यस ष्टाङ्ग ताचा यात्व ना। वावा त्मश कतिष वत्तव्हन, नृत्व भान षात ठाःश नाभि णान्सद्धा, व्याक्णाक्षात् क्षात्रता- ब त्रभन ना व्याम। व्यामात प्रविधि प्रत्थ আমার ভেতরের নুর খুঁচ্ছে কোনো লাভ নাই। কারণ রহস্যলোকের যে সূর্যটি আমার ভেতরে আছে তা মষ্টিষ্কপ্রসূত বিদ্যা ও জ্ঞান দিয়ে কিছুই বুঝতে পারবে না। বাবা ফরিদের ভাষায়, কলবের জ্ঞানটি মাথার বুদ্ধি গ্র জ্ঞান দিয়ে বোঝাটা শ্লোটেই সম্ভবপর নয়। কারণ মাথার বুদ্ধি গু জ্ঞান

দুনিয়ার প্রতিষ্ঠা চায়। মাথার জ্ঞান-বুদ্ধির এ রকম চাপ্তয়াটাই ধর্ম। সুতরাং মোটামুটি একটা সাধারণ জ্ঞানেও দেখতে পাই যে, মাথার জ্ঞান-বুদ্ধি শক্তির পূজা করে, প্রতিযোগিতার পূজা করে, সমাজ-সংসারে মাতব্বর হওয়ার পূজা করে এবং আরও কত কী! আদর্শের বাঁধ দিয়ে, প্রেমের দেগুয়াল দাঁড় করিয়ে, শক্তির পূজারককে প্রেম-ভালোবাসার মোকামে ঢোকানোই যায় না। জোর করে ঢোকাতে গেলেই প্রেমের পূজারিরা বুঝতে পারে যে, এরা প্রেমের অভিনয় করতে এসেছে, নিখুঁত অভিনয়। ধরার কোনো ক্লু পাওয়া কন্টকর। এরাই সুফিবাদের ক্লাসে ঢুকে সুফিবাদের গলায়, নাকে, কানে আর হাতে শাম্বের নানা রকম অলংকার পরিয়ে দেয়। তাই সুফিবাদের উপর গবেষণা করতে গেলে প্রায় স্থানে দেখতে পাই লেজে-গোবরের করুণ দৃশ্যটি। সাধারণ মানুষ হতে দুনিয়াবি বিজ্ঞজনেরা এত উঁচু सार्भित क्याछला तूबाळ भारत ना अवः ना भाताछार अकान ग्राजािवक। মাথার জ্ঞানীদের মাঝে কলবের জ্ঞানীদের অনেককেই কিছুটা সমীহ করে, আবার অনেকে সমীহ করা তো দূরে থাক, বরং মিটিমিটি হাসে। হাসার कात्रपि रला, कनत्वत्र ङानिएक काला ङानर भल कत्रक गाय ना। ভাবখানা অনেকটা এ রকম, মরার পর কী হবে সেটা ভেবে কোনো লাভ बार्ट। या रुवात ठा ळा रुतरे। माम्रित व्यात माम्रित क्यांग ध्रता छावळ চায় না। অনেকে ভাবে, কিছু ভাবনার সঙ্গে একখানা এবাদত করার ছক तिर्ध (त्र्यः। अवाम्रक्षत्र मिकिंग्रिक स्मत्न एमलिं रला। अवाम्रक्षत्र एकिंग्र

থাকে কেবল সুখ ও ভোগ। দুনিয়ার সুখ ও ভোগের ধারণাটি দিয়ে পরকালের সুখভোগটি বানিয়ে নেয়। এদের কথা ও কাজে কেবল ভোগ আর ভোগ। ভোগটিগু যে এক ধরনের বন্ধন এটা মানতে চায় না। ভোগের সামগ্রী সংগ্রহ করতে যেমন দুনিয়াতে পরিশ্রম করতে হয়, তেমনটি কিছু পরকালের ভোগে থাকে না। কেবল শুয়ে-বসে খাদ্য, পানীয় আর রূপসীর রূপসুধা ভোগ করতে হবে। ভোগ ছাড়া জড়দেহটিকে টিকিয়ে রাখা যায় না। কিন্তু শ্বর্গে ভোগ ছাড়াগু দেহটিকে তো টিকিয়ে রাখা যায়। তবে ভোগের এত লোভনীয় আয়োজন কেন? নফ্স (জীবাত্মা) ভোগ ছাড়া অন্য কিছুই বুঝতে চায় না। পরিতৃপ্ত নফ্সকেই (নফ্সে শ্লোত্মায়েন্না) তো জান্নাতে আগমন করার শ্বাগতম জানানো হয়। তা হলে পরিতৃপ্ত নফ্সের তো অতৃপ্তি থাকার কথা নয়! যে নফ্স তৃপ্ত তাকে আবার কেমন করে তৃপ্ত रुक्त रुत् । जिश्रा-भाउशा द्याग-विनाम रुक्त या नक्म मन्पूर्व भुक्त अवः সম্পূর্ণ তৃপ্ত তাকেই তো নফ্সে মোত্মায়েন্না বলা হয়। তা হলে পরিতৃপ্ত नक्पिंटिक व्यावात क्रुधार्व ऋत्य किन एश्वर खाग ष्टामा कि नक्पिं টিকতে পারে না? ভোগ ছাড়া কি নফ্সটি বাঁচতে পারে না? জান্নাতে তো भृठ्य नारे, तूत्का रक्ष रत ना। एगतम यूतत्कत भक्षा शाकक रत। জান্নাতে কোনো প্রকার কাজ ছাড়া কেবল সুখভোগ করাটাও তো একটি সূক্ষ্ম বন্ধন বলে মনে হতে চায়। তবে এ রকম সুখভোগটিকে নির্মল পবিত্র सरावन्ह तना याग्न अतः अठाञ्ज अकिं शात्र तरस्य। अठात्क व्यश्वीकात कता

याग्र ना। व्यश्वीकात यात्रा करत, ठाताञ्च नीठिरीन नीठित वष्टन श्वनिरा আনন্দ পায়। সংস্কারের জটিল অংক বানিয়ে নেগেটিভ দর্শনটি প্রচার করে পণ্ডিত সাজতে চায়। সব স্থানে সব বিষয়ে পণ্ডিতি চলে না। অনেক স্থানে व्यतन পরিবেশে মনের অপছক্টিকে মেনে নিতে হয়। সুতরাং বেহেশ্তে অবশ্যই সুখ ৪ ভোগ আছে। আর আছে ভোগের অকল্পনীয় সব রকম ব্যবস্থা। নফ্স যতই পরিশুদ্ধ হোক না কেন, যতই পরিতৃপ্ত হোক না কেন, জান্নাতে আসবার সুসংবাদটি এ জন্যই জানানো হচ্ছে যে, নফ্সের ধর্মই ভোগ। সেই ভোগটি যতই মার্জিত হোক না কেন, তবুগু ভোগের জন্যই নফ্সের সৃষ্টি। ভোগই নফ্সের তকদির। আন্ধারা নফ্সের ভোগটি দুঃখের। সুতরাং জাহান্নামে গিয়ে অকল্পনীয় দুঃখ ভোগ করতেই হবে। নফ্সে লাগুয়ামার ভোগটি মিশ্রিত। দুঃখ এবং সুখ দুটোই ভোগ করতে হবে। তবে প্রথমে এক বোঝা দুঃখ ভোগ করার পর সুখ-সাগরের ভোগ। ভোগের क्रवारे वावात्वा रखए वक्त्रिंटिक। किन्नु क्रर छशा প्रवसाञ्चा छाग कर्त्व वा। ভোগ না করাটাই রুহের তথা পরমাত্মার তকদির। রুহ তথা পরমাত্মাটি এক এবং অখণ্ড। ক্লহ তথা পরমাত্মাটির বহুবচন নাই। 'অনেক ক্লহ' কোরান বলে নি। কোরান রুহকে সর্বস্থানে একবচনে ব্যবহার করেছে। রুহ বিষয়টি কোরান-এ মাত্র সতের বার উল্লেখ করা হয়েছে এবং সর্বস্থানেই একবচনে রুহকে পাই। বহুবচনের প্রশ্নুই গুঠে না। পক্ষান্তরে নফ্সকে একবচনে পাগুয়া যায় না, বহুবচনে পাগুয়া যায়। প্রতিটি নফ্সকে মৃত্যুর

শ্বাদ তথা মজা গ্রহণ করতেই হবে। কিন্তু ক্রহের মৃত্যুর শ্বাদ তথা মজা গ্রহণ করার কথাটি কোরান-এ নাই। নফ্স জন্ম-মৃত্যুর অধীন। নফ্স সুখ-मुः रशत यथीन। नक्त्र পति भ्रम ७ विभायत यथीन। नक्त्र एक्न, फिर्मराता, হা-হতাশ আর হাসি-ঠাট্টার অধীন। নফ্স প্রশ্ন, জিজাসা, উত্তর আর অতৃস্তির অধীন। নফ্স নতুন নতুন ভোগ-লালসার অধীন, তাই কল্পনা গ্ৰ গবেষণার অধীন। ফুলের মালা আর ফাঁসির মালা দুটোই নফ্সকে পরতে হয়। নফ্স হিংসু, তাই হিংসুকেই সন্ধান করে। তাই হিংসু সিংহকে বনের ताका वानाश। वाएरत नाभिंग निष्कत नात्मत व्याण-निष्क फिट्म गर्वताध कदा। कात्रप नक्त्र वश्क्षभी। नक्त्र तिश्रमा। नक्त्रत कार्यकमाभ अद्कक স্থানে একেক রকম। কোখাও ভোগী, কোখাও ত্যাগী। কোখাও শক্তির পূজায় বিভোর আবার কোথাগু প্রেমের পূজায় মশগুল। কোথাগু রাঙ্গসিংহাসন পাবার আশায় চক্রান্তের জটিলতা পাকায়, আবার কোখাও সিংহাসন ফেলে স্বেচ্ছায় ফকিরির মলিন বসন পরিধান করে। নফ্সের এ तकम উन्টाপान्টा চतिब्रिंग ना शाकल पूनिशात त्थनां एत्य रुख याश। কিন্তু রুহ তথা পরমাত্মার কোনো কাজ থাকে না। রুহ তথা পরমাত্মার প্রত্যক্ষ অবস্থানটি কেবলমাত্র দুইটি প্রাণীর মধ্যে অবস্থান করে। একটি मानुष अवः व्यवहर्षि किन। (व्यवगः व्यामात काना मळ, कातप व्यनः अरह यिन জীব থাকে?) রুহ তথা পরমাত্মাটি সৃষ্টির আর কোথাগু নাই। তাই सानुषट्य वासता सूनि-श्वित, अनि-वाउँनिया, वावमान-वातिक, त्रमून

এবং নবিরূপে দেখতে পাই। ক্রন্থ তথা পরমাত্মাটি যখন জীবাত্মার খোলস नास्रत छिम्र रूळ व्वतित्य व्याप्त, ठथन क्रीवाज्यात त्थानप्रि क्विवनर वारुतत स्विका भावन करत। वारुन प्रश्वि मञ्ह ना शाकल कुर उथा পরমাত্মার পরিচয় পাগুয়া যায় না। কারণ ক্রন্থ নিরাকার। আকার যার আছে সে নিরাকারটিকে বুঝতে পারে না। তাই রুহ মানব আকারের মধ্যে প্রকাশিত হয়। ক্রন্থ-এর কখনোই জান্নাতের সুখড়োগ এবং জাহান্নামের দুঃখভোগ করার প্রশ্নই ৪ঠে না। কারণ ভোগের উর্ধের রুহের তকদির। তবে ক্লহের তকদির অসীম। নফ্স ভোগ করে, কিছু অনেকেই ভুল করে নফ্সের ञ्चल क़रुक छिल व्याल। कात्रप नक्त्र व्यात क़रुत उँभत भित्रश्वात धात्रपािं ना থাকলে এমনটি হতে বাধ্য। তাই অনেক সময় মুখ ফস্কে বলে ফেলি যে, যারা নফ্স আর রুহের পার্থক্যটি করতে পারে না, তারা আবার क्सिन करत त्रुंकि अवः रेत्रनाभ-गतिषक रशः? क्रर याभन ज्यागित छैर्स्त, তেমনি সৃষ্টি-জগতেরগু উর্ম্বে। তাই রুহ সেখানে প্রকাশিত হবে যেখানে ফেরেশতাদের আগমন অবধারিত। ক্রন্থ জন্মগ্রহণ করে না এবং জন্ম দেয়ঙ না। ক্লহ ডোবেগু না উদিতগু হয় না। ক্লহ সব সময় ভাসমান (সোবহান)। তাই ক্লহের বিষয়টি ভাষায় প্রকাশ করা কঠিন। মোরাকাবা-মোশাহেদার भाषास्य ज्या धानत्राधनात भाषास्य तीक्रत्मभी क्रश्टक क्रांगिर्य क्रांना याग्न। धानमाधनात निरामधला जापन छक्न क्रानित्रा फरत। छक्तत जाफ्म जनूमात्त धानत्राधना कतात পत यि वार्थ रहा क्या खना छक्र धता कत्र । खवगा সবার জন্য নয়। কারণ সবাই ধ্যানসাধনা করে না। যারা সাধক কেবল তাদেরকেই কথাটা বলছি। সাধক, গুরুর পর গুরু বদলাতে পারবে। গুরু यिष विश्वकात रूक वालात वर्षि प्रशास्त्र ना वादान, का क्या विश्व छक्? সাধকের জন্য এ রকম গুরুকে বর্জন করা অবশ্যকর্তব্য। এক বস্তা কথা আর বই পড়ে সত্য পাগুয়া যায় না। পাগুয়া যায় ধ্যানসাধনার মাধ্যমে। এই विষয়টाই মহানবি হাতে আছুল দিয়ে বুঝিয়ে দিয়েছেন হেরা গুহায় নির্জন धानत्राधना कर्ता। सरानित । तक्ष धानत्राधनात वर छेरध्व। कात्र श्रथस मानव व्याप्तम यथन काषामािष्टिक ठथन७ छिनि मरानवि। मरानवि निक्र আগে হেরাগুহায় ধ্যানসাধনাটি করে আমাদেরকে বুঝিয়ে দিলেন। কেউ तात्वा, व्यावात त्करू तात्वा ना। जत अ विषश्चि जात्ना कत्त द्धाता त्राशा छाट्ना या, याप्नत धानमाधनात পर्य अभित्य यातात व्याश्रह शाकरत ना তাদের গুরু পরিত্যাগ করা মোটেই সমীচীন নয় বলে মনে করি। কারণ এতে হিতে বিপরীত হয়। কারণ গুরু ধরা এবং গুরু পরিত্যাগ করাটা আগুন নিয়ে খেলা করা। কারণ এটা স্কুল-কলেজের গুরু নয় যে মাথার জ্ঞান শিক্ষা **एति। जारें** जा वू व्यानि गार कनकत ठांत भूतिम्प्ततक स्नाताकावात **धानत्राधना** कि ततात कना वातवात वलाष्ट्रन। छेनि क्या व्यतनका छात्नक षूँ ए फिराइ एवं। तल एवं, वासात क्यासळा सात्र छिनिए छिन्न फिलत साताकावा करत यि अनस नामूनित नामाना পतिएशपूर्क ना भाअ, का मूरे राळ पूषि भाषत निरा वामात माकात पूँछ स्मरत फिरा तत्न फिरा,

कलकत सिथुरक। कलकत वावा फितिएत सूतिए ३ थिलिका। वावा फितिए वावा कूठूव छेकिन वकिशात काकीत सूतिए ३ थिलिका। वावा कूठूव छेकिन मूलठानूल हिक्र थाका भितव व्याख्यत सूतिए ३ थिलिका। िमिठिशा रूळ क्याकि भाथा वितिख्य । ठात सक्षा मावितिशा ३ कलकतिशा पूर्टे ि व्याउपस श्रथान भाथा। कलकतिता व्याठात-व्याकृत्वत क्ष्मन अकर्ण छक्र्य एन ना। आताकावात थान-माथनाि व्यावक श्रकात। अक्कर छक्रत थानमाथन भक्षि अक्कर तक्स। घाट व्यावक, भूकूत अक्टारें। ठारें वावा कानमतीक भार मूद्यभती आताकावात थान-माथनात क्ष्में तकस भक्षिठ लिथि हिख्य हिन।

क्वित स्वातालावात स्वावालावात स्वावालावालावात स्वावालावात स्वावालावालावात स्वावालावात स्वावालावालावात स्वावालावात स्वावालावालावात स्वावालावात स्वावालावात स्वावालावात स्वावालावात स्वावालावात स्वावालावात स्वावाल

কোরান নফ্সকে জীবাত্মা বলে নি, নফ্সকে নফ্সই বলেছে। আমরা নফ্সকে আমাদের বুঝবার সুবিধার জন্য জীবাত্মা বলি। সব জীবের মধ্যে নফ্স আছে, কিছু রুহ নাই। রুহ কেবলমাত্র জিন ৪ মানবকে দান করা रुखाए। कुर मञ्ह ना शाकल नक्म माधातप क्रीति भतिपछ रहा। এ क्रना भानूष क्षीत रुखि या कतळ भादा खना काता क्षीत जा कतळ भादा ना। তার মানে হলো, অন্য কোনো জীবের মধ্যে ক্লন্থ নাই এবং এই না থাকার দরুন সব জীব সাধারণ। সাধক জীবের মধ্যে সুষ্টার পরিচয় খোঁজে, কিছু আসল পরিচয়টি মানুষ ছাড়া পাগুয়া সম্ভব নয়। ক্লন্থ মানুষ এবং জিন নামক জীবের মধ্যে আছে বলেই শয়তানকে সঙ্গে রাখা হয়েছে। শয়তান সঙ্গে আছে বলেই পৃথিবীতে জাগতিক সভ্যতার প্রসার ঘটছে দিনের পর দিন, ধাপে ধাপে বিবর্তনের রূপটি ধারণ করে। শয়তান মানবসভ্যতা বিস্তারে সহায়কের ভূমিকা রাখে। শয়তানের কাঠমিম্লি, মণি-মুক্তা সংগ্রহকারী এবং ভুবুরির ভূমিকা পালন করার কথাটি কোরান-এর ৩৮ নম্বর সূরা সোয়াদের ৩৭ নম্বর আয়াতে পাই। নবি দাউদ গু সোলায়মান শয়তানদের দ্বারা অনেক মানবসভ্যতার কাজ করিয়ে নিয়েছেন। দ্বান্ধিক দর্শনের মতো শয়তানের ভূমিকা। মানবসভ্যতা বিস্তারের ভূমিকায় শয়তান সহায়ক, কিন্তু क्रश्रक निष्मत सक्षा काथण कतात श्रम् गराणन छात्रणत मद्भा । अ क्रनार्ट শয়তানের ভূমিকাটি এতই জটিল এবং সূক্ষ্ম যে, যে কোনো বিষয়ের সিদ্ধান্ত টানতে গেলেই লেজে-গোবরে অবস্থাটি দেখা দেয়। তালগোল পाकिय़ फिलि। क्थने फिल्क पर्भ यत करत राज निरं, वावात कथने সর্পকে দড়ি মনে করে হাতে নিই। হাতে না নেগুয়া পর্যন্ত দড়ি আর সর্পের পার্থক্যটি বুঝতে কন্ট হয়। শয়তানই বারবার ধরণীতে পাঠিয়ে দেবার

वावशायबि शिक्ष पूर्ण एस। अर श्रेष्ठ यिन गानी गारणातत तकसमकस ियिन सत-श्राप पतळ पातन िनिर धानमाधनार पूर एन। कासिराव श्रिक पातलर सूकि। सूकिळ वागसन पातक ना। रेष्टाक्छ वागसन सुक सानव। सरापूरुष। सूकित श्रेष्ठात कत्त यान। कि तात्व, कि तात्व ना। त्वावाणिश ठकित, ना त्वावाणिश ठकित।

रक्रत्र वाक्राकिल एस कािं वष्ट्र वाल्लार्त ध्रमान गारेलन। এक लक्ष বছর কেবল 'আল্লাহ' জিকির করলেন। তারপর এক লক্ষ বছর 'সোবহানাল্লাহ' জিকির করলেন। তারপর এক 'আলহামদুলিল্লাহ' পড়লেন। তারপর এক লক্ষ বছর ধরে কেবল 'আল্লাহ জাল্লাশানাহ' পড়লেন। এভাবে আল্লাহ্র একেকটি গুণবাচক নাম ধরে পড়লেন। এতে আল্লাহ এতই খুশি হলেন যে, क्रिन क्रांठि হতে আগত আবুল गाछित्तत प्टल वाकािकलत्न, त्रम्पूर्व छित्त काि याप्ततत्न छाला-सन्ह দিয়ে তৈরি না করে কেবল ভালো গুণ দিয়ে তৈরি করেছেন, সেই ফেরেশতাদের সর্দার বানিয়ে দিলেন। মানুষের মতো জিনদেরকেগু ভালো এবং মন্দের সংমিশ্রণে তৈরি করা হয়েছে। সুতরাং নির্বাচন করার স্বাধীন रैष्णानिक श्रद्धान कतात मीक्षिण ऋषणा प्रभुष्ठा रद्धाष्ट्र। किन्नु अर्थे श्वाधीन रिष्णां कि जि तातान सक्य जात काराकि एर अशा रश नि, अकसाब सानव अवः क्रिन ष्टामा वाल्लार् जाला कदार कानळन ख, ळल वात कल কোনোদিন মিল খাবে না। তবুগু জেনে-শুনেই ফেরেশতাদের সর্দার বানিয়ে

দিলেন আজাজিলকে। আজাজিল খুবই খুশি, কারণ এত বড় সন্ধান আর रेकुठ পाउराएँ। চার্টিখানি কথা নয়। তেলে আর জলে যে কখনোই মিল शारत ना अणा किष्टुिमन भरतन् धता भरक् शान। अतः अक नारक मन्नात्नत আকাশ হতে আজাজিল মাটিতে পড়ে গেল। কারণটি কী? মাত্র একটি कार्त्रपा আদমকে সেজদা করতে বললেন আল্লাহ। সবাই সেজদা করেছিল, কিন্তু আজাজিল করে নি। এই না করার কারণটি ছিল : মাটি এবং আগুন কখনপ্ত এক নয় বলে সে ঘোষণা করল এবং আগুন মাটি হতে উত্তম বলে ঘোষণা করল। ফেরেশতাদের স্বাধীনতা নেই, কারণ তাদেরকে স্বাধীনতা **(५७३।। है जिल्ला कार्य कि अपने कार्य कि अपने कार्य कि अपने कि** व्यामस्यत व्यानुगठा श्ररण कतला अर वल ख, व्यामसक ख विगान छान দান করা হয়েছে, সেই জ্ঞানের বিন্দু-বিসর্গন্ত তাদের জানা নাই। আদমের মাধ্যম ছাড়া আল্লাহকে পাগুয়া যাবে না জানবার পরগু আজাজিল সেজদা করতে অশ্বীকার করে অহংকার করল। অহংকারটিকে কোরান-এর ভাষায় 'বালাসা' বলে। আর যে অহংকার করে তাকে কোরান-এর ভাষায় ইবলিস বলা হয়। ইবলিস সোজাসুজি আল্লাহকে ডাকে। মাধ্যম মানে না এবং মাধ্যম निक्छ घृगा ताथ करत। व्यामभत्क स्नक्षमा कत्रक उशा व्यानुगठा श्रञ्ग कत्रक তথা পূজা করতে অশ্বীকার করল। কারণ ইবলিসের মতে আদমপূজা रॅमनास्मक्र नारे। भूमा निवत मभग्न नाकाक्षत क्रना रेवनिमक्त व्याप्रसात साकात পূका कतळ वना रखिष्टन, किन्नु रैवनिम সোका वल फिन ख,

আদমপূজা-মাজারপূজা ইসলামেতে নাই। এই বিষয়টি সুন্দর করে তুলে ধরেছেন হজরত আমির খসরু তাঁর রচিত কুল্লিয়াতে আমির খসরুতে। सार्वेत वनारि निकासङैिकन वाङैनिया वर् भाका गतित जिश्राक-वत পीत शाका उनमान राक्रीन अवः वाःलात वाउँ लम्साएँ लालन फक्तित अक्स्स সোজা ভাষায় বলে গেছেন। তবে মাহবুবে এলাহি নিজামউদ্দিন আউলিয়ার कथाछट्या व्यक्ति एस९कात अवः विश्वायकत अवः विटम्स ङानीटम्त ङ्गन প্রহণযোগ্য। হজরত আমির খসক্রর ভাষায় তাঁর পীর মাহবুবে এলাহি নিজামউদ্দিন আউলিয়া বলেছেন যে, তোমরা ভালো করে দেখো তো, উসুজুদুর পর তাহিয়া অথবা তাজিমি শব্দটি কোরান-এ ব্যবহার করা रदाए कि-ना। त्रक्रमात मत्म मन्नान मन्नि साथात क्रानीता नाभिदा जन **अवः व्यत्नक तक्य कथात यात्रकां फिर्स मरुक-मत्रन विषश्चिरक क्रिन,** घालाएँ कदा ळालन। ठारे नाधातप सानुष साथात छानीएत सात्रनाँ एउत মধ্যে ঘুরপাক খেয়ে চলে এবং উলঙ্গ সত্যটিকে তখন আর বুঝবার তাদের জো থাকে না। মন্ধার জাহেরি কাবাটিকে তোয়াফ ও সেজদা করার বিধান শরিয়তে দেগুয়া হয়েছে। তা ছাড়া মক্কায় জাহেরি তিনটি শয়তান আছে। একটি বড় শয়তান, একটি মাঝারি শয়তান এবং একটি ছোট শয়তান। राक्रिता अरे काररित गराणानर्क कक्षत षूँछ भारत अवः या-कक्षत षूँछ भारत সেইটাও জাহেরি কঙ্কর। বাতেনি শয়তান বাহিরে থাকে না। উহা থাকে প্রতিটি মানুষের অন্তরে। মানুষ এবং জিনের অন্তর ছাড়া শয়তানের থাকার

আর কোনো স্থান সৃষ্টিজগতে নাই, ইহা কোরান-এর প্রকাশ্য ঘোষণা। বাতেনি শয়তানের পরিচয় জানার জন্য বাহিরের শয়তানের প্রয়োজন। বাহিরের শয়তানকে জীবনভর কঙ্কর ছুঁড়ে মারলেগু ভেতরের শয়তানটিকে সরিয়ে দেগুয়া যাবে না। কারণ বাহিরের তিনটি জাহেরি শয়তানকে পাথর দিয়ে বানানো হয়েছে। সেই পাষরও তৌহিদে বাস করে। কারণ সৃষ্টিজগৎ তৌহিদে বাস করে, ইহা কোরান-এর প্রকাশ্য ঘোষণা। সুতরাং হাজিদের হাতের কন্ধর নামক পাখরের টুকরাগুলোগু তৌহিদে বাস করে। জাহেরি কাবা-তোয়াফ করাটাগু জাহেরি তোয়াফ এবং শরিয়তে সামর্থ্যবানদের জন্য ফরজ করে দেগুয়া হয়েছে। কিন্তু বাতেনি কাবাটি যে মোমিনের काल्व, আक्षानुत काल्व नग्न, हेनमात्नत काल्व नग्न এवः আलवात्वत काल्व নয়। যিনি মোমিন তার কাল্বই বাতেনি কাবা। বাতেনি কাবার তোয়াফ বাতেনিতে করতে হয়। বাতেনির সঙ্গে জাহেরকে জড়ানো যায় না। সুতরাং বাতেনি কাবার তোয়াফ গু সেন্ধদা বাতেনিতে ফরন্স। মক্কার জাহেরি তিনটি শয়তান যেমন আসল তথা বাতেনি শয়তান নয়, বরং একদম জাহেরি এবং জাহের-পরশ্তদের জন্য কঙ্কর নিক্ষেপ করা ফরজ। সেই রকম জাহেরি কাবার জাহেরি তোয়াফ করাটি জাহের-পরস্তদের জন্য ফরজ। তাই তো দিল্লির বিখ্যাত গুলি হজরত সারমাস্ত বলতেন যে, আমার কামেল গুরু বাবা হারে ভারেই আমার আসল কাবা, আর মন্ধার কাবাতে গিয়ে দেখো, দেখতে পাবে একটা খালি ঘর। খাজা গরিবে নেগুয়াজের পীর খাজা

উসমান राक्रीन क्या अक्षम स्थानासिना तल्हें किल्लाइन ख, व्याप्ति कत्रक এবাদত করার চেয়ে আপন গুরু হাজি শরিফ জিন্দানাকে সেজদা করতে বেশি আগ্রহী। (ফারসি ভাষায় রচিত কথাণ্ডলোর অনুবাদ আরগু উলঙ্গ, व्यात्रञ्ज स्थानास्मना। जारे किषूषा जाकना हित्य त्नथनाम्)। व्यावात বাউলস্ম্লাট লালন ফকির তো একদম সোজা বলেই ফেলেছেন, আদমকে এ জন্যই সেজদা করতে হকুম দেগুয়া হয়েছে যে, আল্লাহ্ শ্বয়ং আদমের মধ্যে নুরে মোহাম্মদিরূপে বিরাজ করছেন। সুতরাং যারা বলে যে, আদমপূজা, মাজারপূজা ইসলামেতে নাই, তাদের এবাদত-বন্দেণির সঙ্গে আজাজিলের এবাদত-বন্দেগির কত চমৎকার মিল পাগুয়া যায়। আপনাদের গবেষণা করার অধিকার আছে। আর আছে যুক্তি প্রদর্শন করার श्वाधीनछा। किन्नु ज्यनाता गत्वस्या अवः युक्ति श्रम्भन कत्रलहे कन गान्नमार रशः कासिन धक्रक वानुभळात स्निक्षाि व्यवगारं कतळ रत। नजूवा किष्ट्रहें भावात व्यामा कता याग्र ना। क्राप्टिति स्निक्षमा कताएँ। अथाप्त सूथा নয়। অনেকে করেন, অনেকে করেন না। কারণ জাহেরি সেজদা করার পর মুখ ফিরিয়ে নেগুয়া যায় এবং অনেকে নেয়। কিছু আনুগত্যের সেজদাটি বাতেনি এবং মুখ ফিরিয়ে নেবার প্রশ্নুই ৪ঠে না। তাই বিশ্বের সর্বশ্রেষ্ঠ क्रामानि भीत वावा व्यामाउँ फिन कामिय़ात मारवित ठाँत এक छङरक वलिष्टिलन এই वल या, फिर्शा वावा, जीवन फिश्रा ये त्रहक, छात छिछा বহু গুণে কঠিন হৃদয় দেগুয়া।

साथात छान ७ त्रिनात छात्नत भार्यका विषया जात्नाहना

उराविफ्त वर्णभाव ताका प्रोपि व्यातव की मुक्त वृद्धि कदा भूमिष জাহানের প্রতিটি মাদ্রাসা হতে ফারসি ভাষাটিকে বাদ দেওয়ার ব্যবস্থা कदाए अवः फिराएए। जात्र पृःत्थत विषय या, देतालत माञ्जाषा कात्रि रुशा प्रदृष्ठ ठाता निशा एकतकात सूप्रनसान। निशा एकतकात सूप्रनसात्नता গুহাবিদের মতোই সুফিবাদ মানে না। এ যেন টাকার এপিঠ আর গুপিঠ। व्यात यि रेतानि भिशा फत्रकात युगमभात्नता गुिकवाम्रक श्रर्थ करत निळन, ठा रटल अलि-बाल्लारफत तिछ राक्षात राक्षात सराधृणावान বইগুলো আজ আমরা অনায়াসে পেতাম। বাংলাদেশের পীর সাহেবেরা প্রত্যেকেই নিজেকে গাউসুল আজম বলে ঘোষণা করেন। জাঁকজমকপূর্ণ क्रांच यान्यात्वा अत्रय भानव कर्त्वव श्री विष्ठ वष्ट्रत अवः अत्र ऋवा काणि काणि টাকা খরচ করেন। এই টাকার একটি ভগ্নাংশগু যদি প্রচারের জন্য ব্যয় করা হতো, তা হলে গুহাবি মতবাদের ভিন্তি ভূমিকম্পের মতো থরথর করে

কেঁপে উঠত। কিন্তু আফ্সোস! আমার এই কথা, আমার এই ফরিয়াদ, আমার এই বিলাপ, বাংলার আকাশে-বাতাসে কেবলই বোবা প্রতিধ্বনি क्तरत। অধম निश्क আরগ্ত বলতে চাই যে, গ্রহাবি মতবাদের প্রচার গ্ প্রসার এমন ব্যাপক আকার ধারণ করেছে যে, একদিন আমাদের ভবিষ্যৎ প্রজন্ম সুফিবাদকে হয়তো ভুলে যেতে পারে। এমনকি প্রতিটি টেলিভিশনের চ্যানেলেও আজ ওহাবি মতবাদের প্রকাশ্য প্রচার চলছে। অথচ আহলে সুন্নাতুল জামাতের অনুসারীদের একটিও টেলিভিশন চ্যানেল নাই। শুনলে व्यवाक रखन ख, काि ग्रानिएत भक्षा अकिए वािल क्वतकात निक्रम টেলিভিশনের চ্যানেল আছে এবং সেই টেলিভিশনের চ্যানেলে দিবারাত্রি কাদিয়ানিদের মতবাদ প্রচার করা হয়। এমন একদিন হয়তো আসতে পারে যে, সুফিবাদে বিশ্বাসী পীর-ফকিরদের গাট্টিবোঁচকা হাতে নিয়ে বিদায় নিতে হবে অথবা নাকি কান্নায় গুহাবিদের কাছে আত্মসমর্পণ করে বর্ণচোরা পীর-ফকির সেজে থাকতে হবে। অধম লেখকের মনে হয়, আমার क्याछला छिङ्क, किञ्च खक्षिय मछा। खार्ल मूत्ताळून क्रामाळत क्षणाछ अवः পরম শ্রদ্ধেয় সুফিবাদের ধারক গু বাহক মুফ্তি ইয়ার আহম্মদ খান নইমির উনিশ খণ্ডে উর্দু ভাষায় রচিত কোরান-এর তফসিরটি বাংলায় অনুবাদ করে প্রচার করলে গুহাবি মতবাদের ভিন্তি দুর্বল হয়ে পড়তে বাধ্য। আমরা আশা করবো বাংলাদেশের ইসলামিক ফাউন্ডেশন এই তফসিরটি অনুবাদ করবেন।

व्याम्रस्तत साध्यस ष्टाष्ट्रा यिसन व्याचार्त तैनक्छ लाख कता याग्न ना, त्रितक्स्छात्व व्याचार् प्रवंगिष्टिसान रवात भत्न त्कातान, रिक्षिल, कावूत अवर ठाउताठ भाठाळ भिरस पूरें सिस्यस अरण करताष्ट्रन : अकि त्र क्र व्यासन अवर व्याप्त वित्र व्यासना अर्थ काति व्यासना अर्थ काति व्याप्त व

আজाজिলের ছয় কোটি বছরের এবাদতের সঙ্গে আমাদের এবাদতটি যেন মিলেমিশে একাকার না হয়ে যায়, সে দিকটা ভালো করে লক্ষ রাখতে হবে। আজাজিল মাধ্যম মানে নি। আর আমরাগু যদি আজাজিলের মতো মাধ্যমটিকে অশ্বীকার করি, তা হলে আমাদের এবাদতের পার্থকাটি কোখায় রইল? আজাজিল খান্নাসরূপ ধারণ করে মানুষের ভিতর চুকবার অনুমতি পেয়েছিল, সেই খান্নাসটি কি সরাতে পেরেছি? না পারলে উভয়ের এবাদতের মাঝে মিল পাগুয়াটাই শ্বাভাবিক। আর তাই যদি হয়, তো যত আখেরি মোনাজাত, যত শানদার মোনাজাত, যত জালালি মোনাজাতই করা হোক না কেন, যেমনকার কপাল তেমনই থেকে যাবে। বদলাবার

लक्षपि य দেখতে পাই না। কিছু ভীতু আহলে সুন্নাতুল জামাতের আলেমেরা রথগু দেখতে চায়, আবার কলাগু বেচতে চায়। যেন হাত বাড়ালেই অনেক মনগড়া বানোয়াট কথাবার্তার আবর্জনার স্থুপ দেখতে পাই। এই আবর্জনার স্থুপ সরাতে গিয়ে দু-চারটে ভুল করলেগু ভালো, জেনেশুনে ভগুমি করার চাইতে।

মক্কায় হজ করতে গিয়ে আমরা যে তিনটি শয়তান দেখতে পাই, তা পাথর **দিয়ে বানানো। তিন-তিনটি শয়তান তিন-তিনটি স্থানের মধ্যে সীমাবদ্ধ।** এই সীমাবদ্ধ স্থানে দাঁড়িয়ে–থাকা তিনটি শয়তানকে কঙ্কর ছুঁড়ে মারতেই रत। कात्रप राज्य कार्षि नियसित भात्य अप्राप्त अक्रि नियम। किन् আসলেই কি এই পাথর দিয়ে বানানো শয়তান তিনটি আসল শয়তান? नांकि श्रेटीकी मश्चान? नांकि कांत्रिति मश्चान? कांत्रम, कांत्रान मळ, শয়তান বাস করে কেবলমাত্র মানবের আর জিনের অন্তরে তথা দিলে। দিলের শয়তানটিকে কয়বার জীবনে পাথর ছুঁড়ে মারতে পেরেছি তা নিজেকেই নিজে প্রশ্ন করুন। কারণ যে নিজেকে নিজে প্রশ্ন করতে পারে না त्र का तरमाताका कालाहिन श्रवम कतक भाव ना। जा त्र छिश्रिधाती যত বড় মাথার জ্ঞানী হোক না কেন। সাঁতার না জ্ঞানলে যেমন অথৈ জলে ভুবে মরতে হয়, সে রকম সিনার এলেম হাসিল করতে না পারলে বারবার ভবনদীতে ডুবে মরতে হয়।। যাকে পুনর্জনা, পুনরুখান, কেয়ামত অথবা যে नासिर वना टाक ना कन। रसाधुन वाउँनिया वावा वादािक प्रवाशिष

মুরিদদেরকে উপদেশ দিতেন এই বলে যে, দেখো বাবা, মাথার জ্ঞান-গবেষণা যতদিন তোমার ভেতর থাকবে, ততদিন সিনার এলেমের দর্শন भारत ना। क्तरन भर्छ्रे यारत। जात राषिन अनस नाषुनि रात्रिन कत्ररू পারবে, সেদিন দেখাপড়া থাকবে না। কারণ তখন দর্শন লাভ করবে। তাই লেখাপড়ায় পণ্ডিত হতে পারবে, কিন্তু দর্শন পাবে না। আর যেদিন এলমে लापूनि रात्रिल करत पर्मन लाख कतरत, সেদিন শিশুর মতো বোকা বনে यात्व। रुक्षाञ्चल रॅमलास रसास भाक्षालि अलस लापूनि रामिल कतात भत আর কলমই ধরেন নি। অনেকটা মজুবের, গালবাতের হালতে থাকতেন উলুমুদ্বিন এবং কিমিয়ায়ে সাদাত ইমাম গাজ্ঞালির সাধনরাজ্যে গমন করার আগের রচনা। তাই কথায় বলে, কথার যেখানে শেষ, প্রেমের শুরুটা সেখান থেকেই। বাবা জান শরীফ শাহ সুরেশ্বরী নূরে হক গঞ্চে নূর নামক কেতাবে পুঁথির ভাষায় লিখেছেন:

শয়তান এলেম যে সাগর প্রবল

श्रीवीत व्याप्तमभभ अक विकू कल ॥

কিন্তু সে (শয়তান) কাতর আছে এশ্কের বিদ্যায়।

আশেক মাগুক ভেদ পাইবে কোখায় ॥

মাথার জ্ঞান অর্জন করতে হলে প্রচুর পড়াগুনা করতে হয় এবং প্রচুর জ্ঞান গবেষণা করতে হয় এই জ্ঞান গবেষণার মধ্য দিয়েই ধীরে ধীরে বিজ্ঞানের সভ্যতা বিশ্বার লাভ করে। এই জ্ঞান গবেষণার মাধ্যমে মানুষ অনেক দূর এগিয়ে গেছে এবং মনে হয় এই এগিয়ে যাবার শেষ নাই। কিছু সিনার এলেম হাসিল করতে হলে নির্জন ধ্যানসাধনা ছাড়া সম্ভব হয় না। মাথার জ্ঞান চোখ খুলে অর্জন করতে হয়। অথচ সিনার এলেম হাসিল করতে হলে চোখ বুক্তে ধ্যানসাধনায় ভুবে থাকতে হয়। খুব কম করে হলেও মাত্র একটানা চার মাস। বাবা জান শরীফ শাহ সুরেশ্বরী নুরে হক গঞ্চে নুর নামক কেতাবে পুঁথির ভাষায় লিখে গেছেন:

श्रम भिशाय विष्ठा निर्वाशया प्रश्र। स्मार्त्मफ करवन वाशू एक्कू यूप्ट श्वक ॥ एक्कू वक्क विष्ठा अर्थे शूनित्न कि रुवि। श्रामा क्रन अर्थे एक कर्जू नारि शावा॥

मूजताः व्यावात वनिष्ट जास्त्रत्वरुष्ट याता मूकिवास्त छूव िस्ळ व्याश्रशी: वूक्त हाज द्वार्थ वनून ळा! सक्तात अर्हे जिनिष्ट भाषादात वानाता मराजानछला कि व्यास्त्री मराजानः? नाकि श्रजीकी मराजानः? कास्टित मराजानः? व्यान्ता घतिष्टिक ळाग्राक कता हरा, उँहा कि व्यास्त्री कावाः? नाकि श्रजीकी कावाः? नाकि कास्टित कावाः? व्यासता क्वत कावा घति उँभामना कित ना, वतः कावा घद्वत यिनि सानिक स्मर्हे व्यान्नाह ताक्तून व्यान व्याक्षिनक स्मर्हे घद्व हाक्रित-नाक्रित क्रान्तह उँभामना कित। व्यासता व्यासता व्यान्नाह नाकि क्रास्टित कावाः व्यान्नाह नाक्रित क्रान्तह क्रान्तह व्यान्नाह नाक्रित क्रान्तह क्रान्तह व्यान्नाह नाकि श्रजीकी कावात क्रान्नह नाकि क्रास्टित

তোয়াফ? তাই তো বাবা শামসে তাব্রিজ, হাফিজ সিরাজি এবং বু-আলি गार कलकत वलाष्ट्रन, व्यापन भीत कावारक क्ववना करत छाशाक खिरन कत्रक भात्रत स्निष्वर तरमात्ना पूर्वे भात्रत। श्रे विविधि শয়তান মক্কাতেই অবস্থান করে। সুতরাং কন্ধর মারতে হলে সেখানেই যেতে रत। আর যদি নিজের ভেতরের শয়তানটিকে কঙ্কর মারতে চাগু তো याशाल व्याष्ट, प्रशालर मात्रक भात्रत। একটি বিশেষ, व्यभत्रि সার্বজনীন। একটি কেবল ধনীদের জন্য, অপরটি সবার জন্য। বাহির এবং ভেতর দুটোর মিলনের নামই ইসলাম। ভেতরটিকে বাদ দেবার প্রশ্নই ৪ঠে ना। कात्रप विषय्ि उथन श्रापरीन फ़रहत मरा रख याय। जावात फ़र नामक त्थानमिटिक वाम मिल विमूर्क भित्रपठ रहा। सामित्नत सम्दर्भ আল্লাহর অবস্থান। তাই মোমিনের জন্য সুনিশ্চিত বিজয়, বলেছে কোরান। भाव राज्यभावा जिन्मज याउँकन साभिन : ताका भौतभाविक नियमिज প্রশিক্ষণপ্রাপ্ত প্রায় চল্লিশ হাজার সৈন্যসহ যুদ্ধ করে সম্পূর্ণ পরাজয় বরণ করে আণ্ডনের ফুলন্ত শিখায় ঝাঁপ দিয়ে আত্মহত্যা করেছিল। চারশতের किष्टू विभि सामिन : भत्रञ्जतास्मत मळा প्रजाभगानी ताका वर श्रिमक्रभश्राश्च সৈন্য নিয়ে শাহ সুলতান বলখিয়া ক্লমির মতো সাধকের কাছে পরাজয়বরণ করে আত্মহত্যা করেছিল। এ রকমভাবে বহু মোমিনের সুনিশ্চিত বিজয়ের ब्रें छिरांत्रिक घर्षेनाञ्चला छूल धता याग्न : शाक्रा शतित्व जिश्राक्र, शत्रू দেরাজ, খানজাহান আলী, আবুল হোসেন খেরকানি এবং নুর মোহাম্বদ

फातविष्तत मट्टा। स्मिमित्वत क्रमा त्रुविष्टि विक्रश्च — त्यातान- श्रत श्रेट्ट स्मित्वा प्राप्त थाका त्रद्ध व्याक त्या मृत्र म्यान स्वात श्रेत व्याक मित्र व्यात माद्वत त्र मात श्रित व्यात माद्वत त्र मात श्रित व्यात म्यान व्यात हिए व्यात माद्वत त्र मात श्रित व्यात व्यात क्ष्मान व्यात व्यात क्ष्मान व्यात व्यात व्यात क्ष्मान व्यात व्यात

वितिमात्मत भीति कासिन मार मूकि वावा मासमूक्ति एउशातित अविणि किविण भार्रक कर्ना जूटन धतनाम। कातम छिनि अथस्म मितिश्रक्णत विताएँ व्यात्मस हित्नन अवः भरत छिनि भानवाळत रानळ थाकळन। व्यत्नक एँ। सक्कृत्वत मळा। छिनि नित्थक्ष्मन, त्थामात मिमात यिम छाउ मन, छक्र व्यात्म स्मितित हतम, मानूस तञ्न कत यञ्न, हिनळ यिम छाउ व्याभन। भीत-स्मार्त्मम क्वन। मानूस तञ्न कत यञ्न, हिनळ यिम छाउ व्याभन। भीत-स्मार्त्मम क्वन। मार्ट्यताळ मिमा कावा, राक्तिकळ रश्न मानूस कावा, विश्वाम कत स्माताकावा-स्मामात्ममा रश्न मिन। स्मामित्नत कनत्व त्थामा, विश्वाम कत स्माताकावा-स्मामात्ममा रश्न व्या त्यामा, विश्वाम कत स्मित्न कर्ता क्रन-

अनिष्ठान। আगে তুমি आर्मिष्ट सार्त्मिष्ट साता, ठातभदाळ निष्ठिक हिता, कातान-राष्ट्रिम आसन कत, त्यामा तय गाभन। ष्टि राष्ट्रिम कदा वयान, अक्षन शाँछि सूमनसान सका कावा रहेळ छँछस, ममाय कत ठारात ग्रातम। खर्काती प्रसाक ष्टाष्ट्रा, क्रायमा हिनिया त्मक्रमा करता, আगে नियं हिक कित्या न्य, सानुष ष्टाष्ट्रा त्यामा नारे।

त्रुकिवाप्तत भूल अवः अकसाञ्च लक्कािंग राला अलास लापूनि रात्रिल कता। अनस नामुनि कनत्व थात्क, त्रिनाय थात्क। साथाय थात्क ना। साथात জ্ঞানের মূল্য যদিগু অনেক বেশি, তবে মাথার জ্ঞান দিয়ে এলমে লাদুনি रांत्रिल कता याग्र ना। सानवत्रछाठात विकाশ घटात्ना याग्र साथात छान **फिरा। पृथिवीं त्क अभिरा निरा ठलए साथात छान। साथात छान फिराई** বিজ্ঞানের অনেক রকম চমক দেখে চলছি এবং এই দেখার শেষ হতে পারে भातमापिक युদ्ध त्वस्य भारत। त्रुलताः कात्ना विषयात्रहे स्पष त्रिम्बाइि **ए** छिशा याश ना। छत्त भाषात छानि छाईन कता अनुसा नामूनि रात्रिन করার চেয়ে অনেক সহজ। কারণ এ যুগে সব রকম সাধনপদ্ধতি জেনে একটানা নির্মন সাধনাটি করতে খুব কম লোকই এগিয়ে আসে। তার উপর এই নির্জন সাধনায় দুনিয়াবি চাকচিক্য পাগুয়া তো দূরে থাক, বরং সব किषूरे राताळ रया। धनमन्नम उपार्कन, ऋभणात कर्पधात रथया, ज्ञाणिक মানসন্ধান অৰ্জন ইত্যাদিতে প্ৰায় সব মানুষই কমবেশি ডুবে যেতে চায়। তাই এলমে লাদুনি হাসিল করার সাধনাটি করতে চায় না। তবে অনেকে

রথগু দেখতে চায়, আবার কলাগু বেচতে চায়। এই প্রকার মানুষণ্ডলো যখন সুফিবাদে আসে তখনই সুফিবাদে কমবেশি ভেজাল ঢুকতে শুক্ত করে দেয়। এই রকম মানুষগুলো সুফিবাদের দুয়ারে পায়খানা- পেশাব করে দেয়। সুফিবাদের শরীরে ধর্মীয় শাষ্ত্রকথার এত জমকালো অলঙ্কার পরাতে शात्क या, व्यवस्थित व्यात्रन त्रुकिवामि व्यात शूँ एक शाश्या याय ना। उथन সুফিবাদের নামে নানা রকম ধর্মীয় শাস্ত্র কথার দোহাই দিতে দেখা যায়। এই সেদিন বাংলাদেশের এক বিখ্যাত গুলির মাজারে বাৎসরিক গুরুসে व्याभारक निर्ध याश्र्या रला। नाभि रेटम्ह कर्तर लाभन ताथर हारे। কারণ সুফিবাদের উপর সেই বিখ্যাত গুলির মহামূল্যবান কয়টি বই পড়েছিলাম। তিনি তাঁর রচিত একটি বইতে লিখেছেন যে, আমার পীর সাহেবের দরবারে সব সময় কাগুয়ালির সামা মাহফিল হতো। ভালো ভালো কাগুয়াল আসত। সেই কাগুয়ালি শুনে জজবায়ে আত্মহারা হতাম। কখনগু বেঁহুশ হয়ে পড়তাম। সঙ্গীত যে আধ্যাত্মিক জগতে প্রবেশ করতে এত প্রচণ্ড ভূমিকা রাখতে পারে তা যারা সঙ্গীত শোনেন না অথবা नाकाराक तत्न कळाशा ५ स्थ, जाता भूनाश्चन कतळ भात्रत ना। कात्रभ **धर्मीं या अक्षान या भाषात कान २०० व्याग्छ। भाषात कान फिर्स भाउनाना** হওয়া যায়, মোফাচ্ছেরে কোরান (কোরান ব্যাখ্যাকারী) হওয়া যায়, गाराभूल राफिन रखरा यारा, भूकिठ रखरा यारा, अक्रमा-किरान-उनूरलत বিরাট আলেম হওয়া যায়, ইসলামের ইতিহাস-জানা বিরাট পণ্ডিত হওয়া

याय, किन्नु अनस्य नामूनि, अनस्य कान्त, अनस्य साद्यक्छ, अनस्य जानतात रात्रिल कता याग्र ना। कात्रप अलस्य लापूनि स्य याथात छान नग्न, रेंरा त्रिनात ङान। আর সিনার ङान रात्रिल করতে হলে নির্জনবাসের মধ্য দিয়ে সাধনা করে অর্জন করতে হয়, যা মহানবি তাঁর নিজের জীবনে করে দেখিয়ে शिष्ट्व। कार्त्रप ळोहिप्तर भिक्रािंग हिला, व्याश निष्क्र विधि शावात অভ্যাসটি পরিহার করতে শিখো, তারপর অপরকে উপদেশ দাও। অথচ গুনে অবাক হবেন বাংলার এই বিখ্যাত গুলি সম্ভবত আঠারো শত ष्ट्रतानकार नात्म पर्मन गास्त्र अस्र भान करत्रष्टन। व्यासारक शिनि निर्स शिखिष्टिलन छिनि वनलन या, यिष्ठ व्यासात श्रीत সाट्टव काउग्रानि **७**नळन, किंडू व्यामात साम्ना भीत**डा**हेस्रता काश्रशामि नाकास्रक कळाश्रा **फि**र्स अक्ष क्स कर्त फिर्स्सष्टन। व्याप्ति एट्टिंग वननाम, अर्चे विक्राप्तित यूट्ण এই ফতোয়াটিকে আর কতদিন টিকিয়ে রাখতে পারবেন? আপনাদের ঘরে জায়েজ, আর গুরসে নাজায়েজ! এই তো আপন পীরকে অনুসরণ করার চমৎকার নমুনা। অবশ্য বিজ্ঞানের দাপটে এই নমুনাটিগু পদ্মার মাটি ভাঙার মতো বিজ্ঞানের পদ্মায় একদিন তলিয়ে যাবে। व्याभता व्यत्नक नभग्न निनात अल्यम अवः भाषात अल्यमत विताए भार्यकाि করতে পারি না অথবা মনের অজান্তে দুটোকে এক করে ফেলি। অবশ্য এ तक्ष कताण अकष्य श्वाञाविक। कात्र याता भार्यका कत्र आद्वन ना তারাপ্ত তো মাথার এলেম অর্জন করেই পার্থক্য করেন। এটা একদম একটি

পরিষ্কার বিষয় যে, ইসলামের বিরাট ঐতিহাসিক, ইসলামিক স্টাডিজের আন্তর্জাতিক মানের অধ্যাপক তথা শিক্ষক, অনেক কোরান-তফসির জানা আনু মোফাচ্ছেরে কোরান (কোরান-ব্যাখ্যাদানকারী), অনেক হাদিস গ্রন্থ পড়ুয়া আনু শায়খুল হাদিস কেবলমাত্র মাথার জ্ঞানী। এদের মাথার জ্ঞানের **लशा तरुत फ्रिंश सानुस मिनात अल्लस रामिल कतात खामा कदा। खत्रमास** কতগুলো সুন্দর সুন্দর পাঁ্যাচমারা কথাই শেখে। সিনার এলেমের বিষয়টি না পেয়ে বাকি জীবনটা বোবা হতাশায় কাটিয়ে দেয়। মাথার এলেম যে त्रिनात अलाम रात्रिन कतात পথে विताएँ फिछशान रुख পড़ে, अकथािए सरानित ऋषे कदा ऋानिया फियाष्ट्रनः व्यान-धनसून एऋावून व्याक्वत। অবশ্য মাথার জ্ঞানীরাপ্ত অনেক সময় পীর সেজে বসেন এবং পীরালি করেন अवः भाषात क्रानीता अप्मत्रत्क भीत हिप्मत्व नूत्क जन अवः भूतिम रन। কারণ তারা মাথার জ্ঞানে উচ্চ শিক্ষিত, বাকপটু এবং কথার নিখুঁত মারপাঁচে জানা আনু গুস্তাদ। আর যারা যান তারাগু মাথার জ্ঞানে শিক্ষিত। সুতরাং খাপে খাপে মিলে যায় এবং মুরিদ হয়ে যান। এই জাতীয় পীরেরা अवः भूतिएता भूकिवामिटिक शानकशांशा मिख्य मूर्वन कदा रकलन। यात भीत সাহেব साशात छानी, ना त्रिनात छानी, এটা পার্থক্য করাটাগু সহজ কথা নয়। এখানেই তকদিরটি দাঁড়িয়ে থাকে। আপনি যেমনটি চান, সে तक्षरे का भावन। गरे का भरानित वलएन, कामात समग्र-(भग्नानाग्न यে तक्स পानि আছে, সে तक्सिणें छा जानक পात्रत। আत याद्यू

বেশিরভাগ মানুষ শক্তির পূজারি তাই ঝক্মক্টাই বেশি পছন্দ করেন এবং মুরিদের সংখ্যা দিয়ে পীর যাচাই করেন। সাধক-ভক্তদের এসব বিষয়ণ্ডল नाक-कान খाড़ा कदा प्रत्थ जिवात रिश्व भातन कत्रक रहा। व्यासात এक वहू वानु साउनानात्क क्रिटक्रम कतनास, त्नाचारा सूतिम रुद्यात्थन? वसू वनतनन, विताएँ भूकि-भ-वाकस्मत (नाभिं भाभन कत्रक रला) काष्ट भूतिम रियाणि। तललन, अठ अलासित फितिया या एमक यात्वन। तक्किंगिक किष्टूर तलनाभ ना अ ऋत्ना या, ठिनि भाषात अलभ जात त्रिनात अलस्मत पार्चका করার বিষয়টিতে একদম অজ্ঞ। বাংলাদেশের আবদুহু বাবা সোলায়মান गार लाश्टें। या त्रिनात अलायात त्रभुष्ट्र अक्शांटि किसन कदत तूचात? जात वूबाक्र शला या वूबक्र भात्रत्वन जा मता रतना ना वतन 'त्वम जातना' वल চুপ করে রইলাম। মাছ যেমন কারেণ্ট জাল দেখতে না পেয়ে আটকে याग्र সে রকম অনেকেই সিনার জ্ঞানী মনে করে মাথার জ্ঞানীর ফাঁদে আটকে যায়। এখানেও তকদির। তকদিরের লিখনটি খণ্ডাবার বিধান অধম লিখকের জানা নাই। আমার আর এক বন্ধু হাজি। বার চারেক হজ कदाष्ट्रन। वनलन, रक्ष कत्रक भिरा छिन भग्नछानक रैम्हाभछ कहत মেরেছি। তাতেও মনে শান্তি না পেয়ে পায়ের জুতো দুটো ছুঁড়ে মেরেছি। वननाम, मामि जूळा मूळा मूळा मूळ, मातलन? वनलन, वामातण का मामाना, কত হাজিরা দামি দামি জুতো ছুঁড়ে মারছে। জুতার ঢিবি হয়ে যায়। আবার च्रुंग्चिक प्रांत्रा पर्क कर राष्ट्रि भाता भिरत्र स्नाका कान्नाक प्रत्न यात्र।

वक्क् व्यात्र विनिष्टि गराणानिक भाषत षूँछ स्नात्त व्यनाविन गानि भाषि भाषा व्याप्त व्याप्त व्याप्त स्वर्णिकी गराणानित वर्षानिष्टि कत्रक शिनास ना। कात्र वक्क्षत सत्तत वाक्रात्त विक्रिना रूक्षत भारत सत्त जावास, रारा व्यामार्! एकिस्तित भारत कण एसक।

भाउनाना ज्ञानान उँिफ्न कृषि श्रथस गाम्रा ठाविक्र क भाषात अलभ िन स्थ যাচাই করতে গিয়ে নিজের ভুলটি বুঝতে পেরে মুরিদ হয়েছিলেন। যখন त्रिवात अलक्ष एय त्रम्थूर्ण अकिं छिन्न विषय वर्ल পतिश्वात धात्रपा कत्रक পারলেন, তখনই পীরের দেওয়া সাধনায় ডুব দিলেন। সিনার এলেমের त्ररुपि तूवातात भत्ररे छिनि अभनित भित्रक त्रष्ठना कत्रत्नन। पूरािं नू राकात वाएँगे छैनबिंग १४कित विताएँ श्रष्ट समनवि। सानुत्यत तिएठ कार्ति छाषात कार्तान वर्ष धाष्या फिलन अवः वन्तिन या, कार्तान-अत भूल विषश्चि जूटल निर्ध छक्ता राष्ट्र छटला कूकूतरम्त क्रना द्वरूथ मिलाभ। क्रिक्षित कार्ति ভाষाয় वर्पनाणि चवच ठूटन हिलास, सान व्याक द्यातव्यान माकाता वतमाञ्चाम, अत्रक्त थाश्रशा प्राप्त नौर्ण व्यान्माथलाम। 'व्यामि कातालत भगक वारित करत निराष्ट्रि यात कूकूतरमत कना रास्प्रिधला ফেলে রেখেছি।' মাওলানা জালালউদ্দিন রুমি অন্যত্র সিনার এলেমের গুরুত্ব **फिल्ट भिखा तलाष्ट्रन, एफ किलाता एफ अग्राताक फत नादा कून, भिनाता** আজ নূরে হক গোলজারে কুন। অর্থাৎ 'শত কেতাব এবং শত পৃঠা আণ্ডনের सक्षा निक्कि करता। क्यां क्षात जिनारक (शीरतत धान द्वाता) मे जुत दिख

कुल वाशात পतिपछ करता।' साञ्जलाना क्रिस ऋषि क्रानित्य फिलन या, शीरतत शानामि ना कतरन मिनात अरनम रामिन कता महत नग्न। कातप त्रिनात अल्लासत तरमापि व्याकािकलात काना हिल ना। व्याकािकल साथात এলেমের ঝানু মহাপণ্ডিত। আর মাখার এলেমে থাকে প্রতিযোগিতা, অহংকার করা গাধার চিৎকার, আর হিংসার কূটনীতির বিষমাখা মার্জিত ভাষা। এর ছোবলে বিবেকের প্রায় মৃত্যু ঘটে। আবার বৈষয়িক सानवत्रञ्जातञ्ज क्रनक रला साथात क्रान, फर व्यात सनिं साथात क्रान অর্জন করাটাকেই একমাত্র জ্ঞান বলে মনে করে। এই মনে করাটাই साताञ्चक ञ्रुल। ञ्रवना त्रवात कात्थ धता পড़ात कथा नग्न। याप्नत कात्र কিছুটা হলেও ধরা পড়ে তারা কমবেশি সিনার এলেম বিষয়টি নিয়ে ভাবে। তারপর কিছু লোক সুফিবাদের দিকে ঝুঁকে পড়ে। তাই রুমির মসনবির निরপেক্ষ অনুবাদটি খুবই প্রয়োজন। সাইনবোর্ডের চাপটি ফেলে মসনবি-র অনুবাদটি আজগু করা হয় নি। দু-একটা যাগু বাজারে পাগুয়া যায়, তাগু সাইনবোর্ডের উগ্র গন্ধে নিজেদের কথা ঢুকিয়ে দেবার দরুন আসল विষয়টিকে আর খুঁজে পাগুয়া যায় না। তবে আমাদের জন্য সুফিবাদের **धात्र**पाणि व्यर्क्त कतात क्रना वाश्नात क्रिक्ष वाउँनम्याण वावा नानन क्रित्र हैं यर्थि मत्न कति। नानत्नत भीत मार्ट्य वावा मित्राक्र माँहै नित्रऋत ছিলেন। লালন নিরক্ষর ছিলেন বলেই তাঁর অনেক মূল্যবান গান হারিয়ে গেছে। একটা ভাষা শেখা, আর জ্ঞান অর্জন করা মোটেই এক বিষয় নয়, তা সেই জ্ঞানটি মাথারই হোক আর সিনারই হোক। যে কোরান লাগুহে মাহফুক্তে সংরক্ষিত আছে সেটা কোনো ভাষার মাঝে সীমাবদ্ধ নয়। বিদ্যুৎ তথা ইলেকট্রিসিটির কোনো নিজম্ব রং নাই। যে- বাল্বের রংটি যেমন, প্রকাশটিও সে রকম। প্রকাশটি বাল্বের বিভিন্ন রং-এর কারণে ভিন্ন ভিন্ন দেখায়, কিন্তু বিদ্যুৎ মূলে এক। ভাল ভাঙার পাথুরে যাঁতাকলের কেন্দ্রে **अकिए जान** जाहरत ना। या विक्त किन्नु तिन् ज्या या विक्त का चिक् কখনোই ঝড় থাকে না। এ জন্যই কেন্দ্রে অবস্থানকারীর গুরু ধরতে হয় না। নবিরা কেন্দ্রে অবস্থান করেন বলে তাঁদের গুরু ধরতে হয় না। কেন্দ্রের सारामणि त्नन्त्रहै। यूणताः छक्त श्रस्माक्षन नाहै। त्नस्त्रत वाहित्व याता, আঘাতটি শুধুমাত্র তাদেরই খেতে হয়। যারা আঘাতে জর্জরিত, তাদেরকেই छक्र **४**तळ रहा। छक्र **ছा**ড़ा १ठि ७ **११ भाउ**हा याह्य ना। সूठता १ छक्र छक्रता এই কথাণ্ডলো লুফে নেবে। আবার গুরু যারা মানে না তারাই এই कथाञ्चलाक विष वल প্रতিवाদ कत्रत्व। छकिरत्वत की ज्ञशूर्व प्राक्तिक দर्भतित वाला-वाँधाति शिला। यिष धति तिर या, वाष्म शक्स शिला नाः व्यावात यि धरत लहें, वाङाङिन वाष्ट्रभरक स्ट्राङ्ग कतन।। ठा रतन की व्यवश्वािं फाँज़ाठ? फर्मत्वत त्मस कथािं यथन नान मानू काभऊ भत्त वाउँन দোতারায় গেয়ে ৪ঠে, যেমনে নাচাও তেমনি নাচি পুতুলের কী দোষ? তখন एसत्क उठि! व्यवाक रुख जाकिया शाकि। छावि वि अज पर्मनगाञ्च व्यक्षायन করে অবশেষে দর্শনের শেষ কথাটি বাউলের ঠোঁটে পাব। এই সহজ-সরল

পীর কী এবং পীর ধরা কেন প্রয়োজন

बक्छा क्या भित्रक्षात कद्ध वर्ष्ण त्राधा छाला, ण ना कत्सल माधक छङ्ता (माधातम छङ्जता नय़) विषय् छि भित्रक्षात वूट्य छँछ्छ भात्रत्व ना। जात मिर्च विषय् छि एला अर्ड त्या, भीत धद्धा। छक्षत छङ्घ रछ। कथाछला वात्रवात वलि । मिर्च भीद्धित ज्ववसानि की बवः कणिन भीत्रत्क धद्ध ताध्छ रत्वः भीद्धित ज्ववसानि माधिक ज्या किष्टूमित्नत क्रनः। श्रम् जाम्छ भाद्ध त्या, भीत कणिन मूर्तित्मत मत्म याकत्वनः। भीत माद्ध जिनि स्माकाम ज्या जिनि घत भर्येष्ठ थाकत्वन। मिर्च जिनि स्माकाम ज्या चत्रछलात नाम रला, स्माकास नामूण, स्माकास मानाकूण अवः स्माकास क्रावक्रण। माधक मूर्तिम यथन धानमाधनात मृता अर्ड जिनि स्माकाम ज्ञितम कत्रत्व भात्रत्व राम्य त्याकास ज्ञावक्रण। माधक स्मातिम यथन धानमाधनात मृता अर्ड जिनि स्माकाम ज्ञाविस भा ताथात मत्म राम्य राम्य स्माकास ज्ञावस भावान क्रावत्व। नास्य स्माकास भात्रा प्रात्व माव्य स्माकास भावान क्रावत्व। नास्य स्माकास भा ताथात मत्म

मत्म छान फिक फिर्स व्यापन भीत रातिस्य गास्तन व्यात ताम फिक फिर्स খান্নাসরূপী শয়তান পালিয়ে যাবে। সাধক মুরিদ লাহত মোকামে গিয়ে দেখতে পান যে, তাঁর পীরগু তিনি এবং তাঁর মুরিদগু তিনি। এক ছাড়া দুই দেখার অবসান হয় লাহত মোকামে। এই মোকামে আঁকা তথা প্রভুগ্ত शात्कन ना, शानासञ्ज शात्क ना। अशात त्करनसाञ 'व्याना' छशा व्याप्ति हि থাকে। তাই বাবা জানশরীফ শাহ সুরেশ্বরী এই মোকামে ঢুকে আর তাঁর পীর বাবা ফতেহ আলি শাহকে না দেখে নিজেকেই লাহতের আয়নায় **रिक्षात क्यां** हिं ह्यां स्वाप्त क्रा हिं । वह अनि अहे क्यां हिं वर्लाह्म , उत्व বিভিন্ন ভাষার স্টাইলে। সুতরাং আপন পীরের অবস্থানটি কেবলমাত্র তিনটি মোকাম পর্যন্ত। সুতরাং পীরের মুরিদ হওয়াটা আপেক্ষিক তথা কিছুদিনের জন্য। মোটেই সার্বজনীন নয় তথা সব সময়ের জন্য নয়। অনেকেই মনে করেন যে, আপন পরিকে সারাটি জীবন গলার কান্দা বানিয়ে রাখতে रत। তবে সাধারণ মুরিদকে তা-ই করতে হবে। কারণ সাধনার কোনো **धात সে धातुळ हारा ना। व्याभात अर्हे कथारा व्यत्नक रहाळा हमक यातिन।** কিছু যতই চমকান না কেন, যে কথাটি বললাম ইহা অপ্লিয় এবং তিজ भठा क्यां विनास। भारक सूतिम यथन स्नाकारस नाष्ट्रक पूकरवन, उन्नूनि আমার কথাগুলো যে বর্ণে বর্ণে সত্য কথা সেটা বুঝতে পারবেন। এর আগে সংশয়, প্রশ্ন, জিজ্ঞাসা ইত্যাদি মনের মাঝে উঁকিঝুঁকি মারবে। শক্তির পূজা করাটা প্রতিটি মানুষের সঙ্গে বেঁধে দেগুয়া হয়। সাধকের চৈতন্য বিষয়টি

যখন চোখে আঙুল দিয়ে বুঝিয়ে দেয় তখনই বুঝতে পারে এবং মনে মনে লজ্জা পায়। কারণ শক্তির পূজারক দুনিয়াতে কিছু পেতে চায়, আর প্রেমের পূজातिक व्यत्नक किष्टू स्विष्टा य राताः रहा। यक्तित পূজातकत व्यत्नक রকম কন্তিশন (শর্ত) থাকে, কিন্তু প্রেমের পূজারির কোনো কন্তিশন তথা শর্ত থাকে না। প্রেমের পূজারি যত সামনে এগিয়ে যেতে থাকে বৈষয়িক মোহ-মায়ার জাল ততই ছিন্ন হতে থাকে। মুরিদেরা যদি গুরুকে বৈষয়িক ঠমকের চমকানো ধনরত্বে সুশোভিত করে, তো সমাজ দেখতে পায়। না रल भवात जकारा श्रम भूवाभ ष्टिष्ट्रा रातिरा याम। जाभन भीतरक সমাজের বুকে তুলে ধরার দায়িত্বটি মুরিদের এবং মুরিদেরা প্রাণপণ চেষ্টা কমবেশি করে যান। বহু মজুব গুলিকে ভক্তরা সমাজের কাছে তুলে ধরতে श्रापथप फर्फा कदाष्ट्रन अवः कदान। रय्या अ उपारतपि ना जूनला সবাই কমবেশি বুঝতে পারেন। অনেক মজুব গুলি জীবনে একটিগু মুরিদ করে যান নি, কিন্তু ভক্তরা অপূর্ব সাজে তাঁর মাজারটি সাজিয়েছেন এবং প্রতিবছর দু-একবার গুরসের আয়োজনটি বেশ ধুমধাম করেই করে যাচ্ছে। যারা আজাজিলের মতো আদমের মাধ্যমটিকে অশ্বীকার করে, এ রকম कर्मकाछ তाদের গাত্রদাহ শুরু হয়ে যায় এবং সমাজটিকে নানা প্রকার দোহাই গু ভুয়া দলিল দেখিয়ে বিদ্রান্ত করতে চায়। কিছু বিদ্রান্ত হয় এবং व्याकाकित्वत भक्ता साधासिकिक व्यश्वीकात करत भवात व्यकास उराविक

পরিণত হয়। কেয়ামতের কর্মফল যে ভোগ করতেই হবে, কারণ কেয়ামত নির্দিষ্ট তকদিরটি দিয়ে ধরাধামে পাঠিয়ে দেয়।

व्याभता अकिं विषयः वितार्षे छून करत वित्र व्यात स्मिरा रता, विक्रान अ এলমে লাদুনিকে এক করে ফেলি। মনে করি দুটো একই বিষয়। কিছু व्यात्रल पूर्णा विषय त्रम्पूर्य वालामा। कातान व्यतनकवात अकथाणि আমাদেরকে মনে করিয়ে দেবার পরও ভুলটি করে বসি। সূরা বাকারার একশত চৌষট্টি নম্বর আয়াতটি ভালো করে বারবার পড়ে দেখুন তাে! <u> फ्रिंग्स्ट भारतन প्रिटिंग् विषयुर्क व्यानामा करत फ्रिंग्सना रखिष्ट अवः वना</u> रख्र छानी (एत क्रना निप्तर्भन तुख्य ए। विक्रान विषय् प्रिंटिक व्यतन छाए। ভাগ করা যায়। প্রতিটি ভাগের জ্ঞান অর্জন করাটা বিশেষ জ্ঞানীর প্রয়োজন। চিকিৎসাবিজ্ঞান একটি বিষয়, আবার চিকিৎসাবিজ্ঞানের অনেক শাখাপ্রশাখা আছে। প্রতিটি শাখাপ্রশাখার জন্য রয়েছে বিশেষ জ্ঞানী। এ রকমভাবে দুনিয়াতে কত যে বিষয় আছে আর আছে সেই বিষয়টির শাখাপ্রশাখা। প্রতিটি বিভাগের জন্য রয়েছে বিশেষ জ্ঞানী। এত কিছু कानवात পत्र वाभता अनस नामूनित मस्य विक्रात्नत राकात्र विषया राक्रात्र गांचाश्रमाचात विভागध्रातात्क अक कद्त किन। अपे। य अक्पे। साताञ्चक ञून कता रुष्ट, जा व्याप्तता रुष्टा कद्वर वूचळ हार ना। अनस लाषूनित काष्ट व्यासता क्षितिकान तिषश्चि कानळ চाই। व्यासता कानळ চাই খেজুর গাছের ফলন কেম্বন করে বেশি ফলানো যায়। এটা এলমে

लाषुनित विষয় नয়। হারুত-মারুত, লবিদ আর ডেভিড কপার ফিল্ডের জাদুবিদ্যাটি এলমে লাদুনির বিষয় নয়। তবু আমরা জানতে চাই। এ জন্যই 'ফালাক' আর 'নাস' নামে আল্লাহ্ কালাম পাঠান। তবুও চাই। তাই শুক্ रुख याग्र त्रुकिवाप्टत नात्म খनकाति, ठाविक निशा अवः व्यात्र अठा-त्रिछा। এদের দেগুয়া চুন খেয়ে ভয়ে অনেকের সুফিবাদের উপর বিশ্বাসটি হালকা হতে শুরু করে। আফ্রিকার রাক্ষুসে মাণ্ডর মাছকে মরাপচা খেতে দেখে ঘৃণায় শরীরটা রি রি করে গুঠে। তারপর দেশি মাণ্ডর মাছ জানা সত্ত্বেগু আর খেতে পারে না। রুচিতে বিশ্রী শ্বৃতিটা ভেসে গুঠে। কারণ রুচির সবুজ সংকেত না পাগুয়া পর্যন্ত মানুষ কোনো কিছুই খেতে চায় না। এলমে লাদুনি যিনি হাসিল করেছেন তার কাছে জানতে চাই, পৃথিবী হতে সূর্য কত দূরে। জানতে চাই, সাগরে লবণ এলো কেম্বন করে। সূর্যকে কেন্দ্র করে পৃথিবী धात्त, ना शृथिवीत्क त्कञ्च कत्त त्रृयं धात्त। ভূমিকষ্প হয় কেমন করে। মেঘ-বৃষ্টি হয় কেমন করে। ইত্যাদি। এগুলো যে সুফিবাদের বিষয় মোটেই नश्च, তা আম্বরা ভাবতে চাই না।

ण हाम िनात अलम भूवर मरक-मतल। व्यत्नक्षा भिष्ठत मता। णारात काता श्रकात भँगारुखार थात्क ना। जत जिल्ला व्यवभार थात्क अवश्याकता। जार रेमा निव वन्ति वन्ति त्याकता। जत्व मत्या ना रत्य वान्नार तिरम्ति श्रवण क्राक्षत मता। व्यव माथात क्रानीता यज्य मार्किज उद्घ रहाक ना तिन्न, श्रित्याभिजात किष्टू ना किष्टू जारात्मत मत्या थाकत्व । व्यर्शकात

কিছু না কিছু থাকবেই। সুতরাং শয়তান খান্নাসরূপ ধারণ করে কমবেশি অবস্থান করবেই। তাই বলছি, মানব সভ্যতার জাগতিক রূপটি যা দেখতে পাই তা শয়তানের অবদান। আমার এই কথায় কিছু লোক চমকে উঠবেন। किञ्च गछीदा शिखा द्छत प्रभून क्या, कथाछला तर्प तर्प मठा कि-ना? পৃথিবীটাকে কত রূপে সাজিয়ে তোলার প্রতিযোগিতা, কত কিছু অবাক कता व्याविश्वात, कल पूर्वम পথে জीवन वाकि द्वर्थ व्यथनत रवात व्यवसा অভিলাষ। যেমন সব কিছু ছুটে চলছে সামনের দিকে। কোখায় এর শেষ, **रिक्शात क्षर क्रमा। निष्क एष राय याय, व्याकाश्रका** कें छिखा राज। ভবের নাটক এভাবেই চলবে। তবে এটা সত্য যে, একমাত্র বিজ্ঞান বিষয়টির গবেষণার কোনো শেষ নাই। বিজ্ঞান রিপিট (বারবার একই বিষয়) জানে না। রিপিটেশন বিজ্ঞানের ধর্ম নয়। ছুটে চলাটাই বিজ্ঞানের धर्म। रामन बाल्लार् निष्करक कूल कालाल तरलष्टन, कूल कालाल कथाि व्यपूर्व। जूनकानान-अत व्यर्शि रता, अक प्रात्कत्छ पृथिवीत्व काणि काणि যে রূপটি ফুটে গুঠে তা আর পরের সেকেন্ডে কোনোদিন দেখানো হয় না। নতুন নতুন রূপ, শৈলী, পরিবর্তন আর বিবর্তনের মধ্য দিয়ে ছুটে চলছে। ज्यरा द्वियात देंछिरात्र भाव स्थान शृंशाय निशा याय तनत्न ज्यत्नक तना रश। पूनिशात व्यर्वनीि ताक्रनीि छला भाव वाएँ पृष्ठाश निशा याश तनल व्यक्तक तिभ तेना रहा। कथाधला या करुशानि व्यक्षिश मेरा करा अपा ভাবুকেরাই বুঝতে পারে। ফিল্ম তৈরি করার হাতেগোনা কয়টি ছক থাকে।

এই ছকের বাহিরে ফিল্ম বানানো সম্ভব নয়। সংগীতের হাতেগোনা কয়েকটি মাত্রা থাকে। এই মাত্রার বাইরে সংগীত থাকতে পারে না। ভাষা শেখার হাতেগোনা কিছু অক্ষর বা বর্ণ থাকে। সেই অক্ষর বা বর্ণগুলো বাদ **फिर्सि (अर्थे छाषा** हि कथने छिं कता यास ना। रात्रि-कान्ना पूर्णा मस्क्रे চাগুয়া-পাগুয়ার কথাটি ফুটে গুঠে। তারপর? স্ট্যাম্প সাইজের ছোট ছবিটাকে আম্বরা বড় করতে থাকি, কলমের খোঁচায়, ভাষার জাদুতে ष्टिकिंग्टिक वर्ष रक्क विद्यापे अवश विद्यापे रक्क विभाग कदा किन। शास्त्रत कल, कलप्त्रत कल, পুকুরের कल, খালের कल, नদীর कल, তারপর সাগরের জল। ছোট হতে একটু বড়, তারপর বিরাট হতে বিশাল। আল্লাহ্ রুহ-রূপে (নফ্স-রূপে নয়) প্রতিটি মানুষ ও জিনের ভেতর অণুরূপে বিরাজ করছেন, अर्थे व्यवुत्तन्न कानिया जूनक तल्छन। अर्थे कानिया कानात नामर्थे **अवाम्छ। वाकिछला त्थान्य। ऋाित्य ठूनळ शावल्ट त्य प्रत्थ या, प्रा**र्ख তিন হাত সীমাবদ্ধ দেহটির মাঝে যা আছে ঐ বিশাল সাগরেগু তাই আছে। 'সোহহং সোহিম' এবং 'আনাল হক' এ শব্দণ্ডলো তখন সাড়ে তিন হাত দেহের মধ্য হতে বেরিয়ে আসে। যাদের দেহগুলোকে অন্ধকার দিয়ে ঢাকা আছে, যাদের দেহগুলো আচার-অনুষ্ঠানের লেবাসে ঢেকে আছে, যাদের **ए** एंड एक स्थान শব্দটিকে বরণ করে নিতে পারে না। বরং বিদ্রোহ করে। ঘৃণায় শ্রেষ ছড়িয়ে দেয়। निर्सस ফতোয়ায় निर्सस শাস্তি চায়। তাই তো শূলে চড়েও মহাপুরুষ

ऋभात वापीं ि त्यानाश्च। वत्यन, अता की कत्रष्ट ठा निक्रताञ्च ऋति ना। বলেন, কন্যা, মানুষরপৌ অসুরেরা কোনোদিন কোনো কালে দেবতাকে প্রহণ করে না, তাই চলে যাচ্ছি। ঘোর বস্তুর পূজারিরা বস্তুকেই সব কিছু सत करत **बात निक्र**क सत सत विताएँ छानी सत करत চाপा **जर्श्कादात थुगवु काँठांनि छाँभा कृत्नत मटा नुकिया द्वरथ पुकिवास्त्र** উপর রচিত বইণ্ডলোকে দেখে হিহি করে হাসে এবং অন্যকে হাসাতে চেন্টা করে। যারা শক্তির পূজারি (পূজারি শব্দটি ফারসি শব্দ, হিন্দি নয়) তারা रात्रित त्ररयाशी रुख याग्न। त्रतन-त्ररक काँ हाशना स्मास्मत मुळा नान नानू কাপড় পরে দোতারা হাতে যখন পেয়ে ৪ঠে, তুমি যেমনি নাচাও তেমনি वाि उथव अठ फर्मविष्ण अकष्म तकात त्रश्च कति वता मता रहा। यात মনে হয় সুরা নজমের তেতাল্লিশ নম্বর আয়াতটি ঐ সরল বাউলের জানা ष्टिल ना।

व्यवृष्टान कथन अर्थ नरह

অনুষ্ঠানের শয়তান তিনটিকে অনুষ্ঠানের পাথর মারা যায়। আপন দেহের মাঝে যে শয়তানটি ছড়িয়ে-ছিটিয়ে বসে আছে তাকে পাথর মারব কেমনে? আমরা জানি, ঐ তিনটি শয়তান হলো অনুষ্ঠানের শয়তান। কিছু আপন দেহে বাস করা শয়তানটি তো মোটেই অনুষ্ঠানের শয়তান নয়। তা হলে দেহে বাস করা শয়তানটিকে কোন ধরনের পাথর ছুঁড়ে মারব? এ রকম শিক্ষা যিনি দেবেন, তাকেই গুরু বলা হয়। অনুষ্ঠান পরিচালনার धक्र**िंक जा**त्रन धक्र भत्न कत्त जाभता जात्नक्ट विताएँ छून कत्त किन। অনুষ্ঠানের গুরু কেতাদুরস্ত। মুখে খই ফোটে। মনে হয় কত কিছু জানে, আসলে কিছুই জানে না। অনুষ্ঠানের গুরুর কাছে কথার বাক্য পাগুয়া যায়। त्रिंगित्क (फिक्कि) त्राप्त सत्व कर्त्व वात्रवात राज्य नित्य यून कित। सक्वात छिनिए শয়তানকে যেমন প্রতীকী শয়তান, অনুষ্ঠানের শয়তান বলে জানি, সে রকম सकात कावा घत्रिष्ठ श्रजीकी कावा, खनुष्ठात्नत कावा। कावा रुला মোমিনের (আমানুর নয়) কাল্ব। সুতরাং প্রতীকী কাবার তোয়াফটিঙ প্রতীকী। ভেতরের কাবার তোয়াফটিও ভেতরের বিষয়। সুতরাং প্রতিটি বিষয়ের দুটো দিক থাকে : একটি প্রতীকী, অপরটি ভেতরের। একটি অনুষ্ঠান, অপরটি অভ্যন্তরীণ। একটি দেখা যায়, অপরটি দেখা যায় না। একটি মূর্ত, অপরটি বিমূর্ত। প্রথমটি চোখে ধরা পড়ে, কিছু পরেরটি ধরা পড়ে ना। প্রথমটি হাত বাড়িয়ে লুফে নিতে পারি, অপরটির মাথামুত্ত্ব বুঝতে কন্ট হয়। আসলে যে কোনো বিষয়ের ভেতরটি ধরতে গু বুঝতে কন্ট হয়।

যে ব্যক্তি সবচাইতে তাড়াতাড়ি ইফতার করতে পারেন সেই ব্যক্তিটি আল্লাহর কাছে সবচেয়ে প্রিয়। এই কথাটির দ্বারা প্রতীকী ইফতার তথা व्यानुष्ठानिक रेंकठातिएक स्नाएँरे ताबाला रग्न नि अवः काला অবস্থাতেই গোঁজামিল দিয়েও বোঝানো যায় না এবং যাবে না। তা হলে এই ইফতারের রহস্যটি কী? তা হলে এই ইফতার বলতে কোন ইফতারটিকে বোঝানো হয়েছে? আজানের সঙ্গে সঙ্গে হালকা পানীয় গ্রহণের ইফতারটিকে এই ইফতারের সঙ্গে তুলনাই করা যায় না। আর আজানের त्रत्य त्राप्य थाना छिति कदा दाछि शाकलार कि श्रिय वान्ता रहा यायः? व्याकातित मन्ह मन्ह थाना थार्टलर कि श्रिय वान्हा रुग्या यायः? जा रत তো অলিম্পিকের দৌড় প্রতিযোগিতার মতো কান খাড়া করে থাকতে হয়। আসলে প্রতীকী ইফতারটির মাধ্যমে আসল ইফতারটি বুঝতে হবে। একটি ना शाकल व्यथति विचाया याश ना। এ জनार्ट रेकठात, त्राङा, नामाङ, হজ, জাকাত, কোরবানি ইত্যাদি প্রতিটি বিষয়ের দুইটি দিক থাকে : একটি জাহেরি, অপরটি বাতেনি। জাহেরিটিকে ভালো করে বুঝতে পারলেই বাতেনিটি ধরা পড়ে যায়। ইফতারের মতো চোখে না পড়ার বিষয়টিতেগু যে বাতেনি ইফতারটি লুকিয়ে আছে মহানবির এই হাদিসটি আমাদের চোখ দুটো খুলে দেয়। যদি বাতেনি ইফতারটির কথা মহানবির राफिट्म পाश्रया ना यिछ, छा रटल खासता तूचळिं भातछास ना या, ইফতারের মতো বিষয়টিতেও বাতেনি ইফতার বলে কিছু থাকতে পারে। অধম লিখক এই হাদিসটি জানবার আগেই খাজা বাবার রচিত মাকতুবাত হতে বাতেনি ইফতারের বিষয়টি পড়েছিলাম। খাজা বাবা তাঁর মুরিদ গু খলিফা বাবা কুতুবউদ্দিন বখতিয়ার কাকিকে উপদেশের ভাষায় বলছেন যে, বাবা কুতুব উদ্দিন, প্রথমে ইফতার করতে শেখার আপ্রাণ চেষ্টা চালিয়ে যাগু তারপর দেখতে পাবে রোজা এবং তারপর তো রোজাই द्वाका। **এখা** द्वाका वनक वर्कि वित्यम प्रमस्यत क्रना पानारात रक বিরত থাকতে হয়। সে রকম আসল রোজাটি হাসিল করতে পারলে দুনিয়ার সর্বপ্রকার লোভ-মোহ হতে মুক্তি লাভ করা যায়। রোজার জাহেরি এবং বাতেনি বিষয়গুলো কোৱান এবং হাদিসের দলিল দিয়ে বিস্তারিত व्याभ्या फिर्स वृत्रिस्य फिरस्टाष्ट्रन वाश्लात विभ्याण हैमलास भरवस्क अवश त्रुिक नाधक रक्षत्र निष्ठ के किन वारम किनि के ति ति निर्धाम पर्मन নামক বইটিতে। এই সিয়াম দর্শন বইটি ধর্মীয় গবেষকদের পড়া উচিত বলে মনে করতে চাই। কারণ তিনি ইফতার ৪ রোজার বিষয়টি কোরান এবং হাদিস হতে বিস্তারিত ব্যাখ্যাসহ ফুটিয়ে তুলেছেন। কোরবানির বিষয়টিও একই রকম। পশু কোরবানি এবং আমিফুের কোরবানি। পশু काরবানির মধ্য দিয়েই আমিত্বের কোরবানিটি যে আসল এবং মূল কোরবানি, ইহা পরিষ্কার বোঝা যায়। তাই অনুষ্ঠানের প্রয়োজন আছে। পশু কোরবানির মতো যদি কোনো অনুষ্ঠান না থাকত, তাহলে আমিফ্বের কোরবানি করার বিষয়টি হয়ে পড়ত সম্পূর্ণ বিমূর্ত। কোরবানির

विষয়টিকোরান-হাদিসের দলিলসহ বিস্তারিত ব্যাখ্যাসহ লিখেছেন বাংলার বিখ্যাত ইসলাম গবেষক হজরত শাহ সুফি সদর উদ্দিন আহমদ চিশতি। বইটির নাম কোরবানী।

र्हें सान विषय् हिं निर्वेश विश्वादिक निशा याय। करवे व्यक्ति प्रश्कित वनक शिल, भरत्यकभभ रसानरक करापि छाभ विछक्त करत एरिएएएन। रमनास গবেষকদের মধ্যে কেউ তিন ভাগ, কেউ দুই ভাগ, কেউ কোনো ভাগ না করে একটি বলেছেন। অবশ্য ইমানের মূল বিষয়টিতে প্রায় গবেষক প্রকমত পোষণ করেছেন। যে ইমানে আল্লাহর দিদার লাভ করা হয়েছে সেটাই আসল ইমান। এই রকম ইমান চলে যাবার বা বরবাদ হবার প্রশ্নই গুঠে না। কারণ দর্শনের পর আর অবিশ্বাস আসে কী করে? অনুমানের विश्वारम তथा অनुप्रात्नत रैप्तात्न অविश्वाम शाकाणा श्वाভाविक। यि वर्ण अ विश्वामि व्यामक भारत, ठा रत पर्मातत रैसानि रश नि, वतः वनुसालत र्हें सान रखिष्ट। यनुसातित रैसान यण्डे छेत्नुण व्हाक ना क्वन अवः यण्डे मार्किंग ३ छप्त हाक ना त्कन, छैरा यनुमानरै। यनुमातन रैमानि অনুমানই। কোরানের সূরা ইউনুসের একশত নম্বর আয়াতে বর্ণিত ইমানটি দर्भन्तित रैक्षान। कात्रप यान्नार्त रुक्ष ष्टाष्ट्रा रैक्षान याना मन्नव नग्न। रक्षत्र र ইসা নবির সাহাবারা নবি ইসাকে প্রশ্ন করেছিল এই বলে যে, প্রভু, আপনি मृठक क्रीविछ रश वनलर क्रीविछ रख याय, किन्नू व्यामता वनल रय ना কেন? ইসা নবি বললেন, আল্লাহতে ইমান এনে বলো, দেখবে মৃত তো জীবিত হওয়া সাধারণ বিষয়, বরং এর চেয়েও বিশ্বয়কর ঘটনা ঘটানো যাবে। এখন প্রশ্ন হলো, এই রকম ইমানের গভীরতা কয়জনের এবং কতটুকু হতে পারে?

অনেক দিন আগে কলকাতায় গিয়েছিলাম, অবশ্য আজমির যাবার উদ্দেশে। কিছু বই কেনার জন্য কলেজ স্ট্রিটের লাইব্রেরিতে বই দেখছি, এমন সময়ে একজন ভদুলোক এসে লাইব্রেরির মালিক অথবা কর্মচারীকে বলছেন, দাদু, আজ প্রচুৱ জল দিয়ে স্নান করেছি, পুরো তিন বালতি জল **फिया।** व्याप्ति व्यवाक रलाप्त व्यात छावलाप्त, व्याप्ति शालत करल शामल करत প্রচুর শব্দটি ব্যবহার করি না, আর উনি মাত্র তিন বালতি জলে প্রচুর শব্দটি বসিয়ে দিলেন। ভাবলাম, প্রচুর মাত্র একটি শব্দ, কিন্তু গভীরতা এবং ব্যাপকতার বাস্তবে আকাশ-পাতাল প্রভেদ। নবি ইসার ইমানের গভীরতা, আর তাঁর সাহাবাদের ইমানের গভীরতা! একটি সাগর, অপরটি মাত্র তিন वालि कल। रॅमान विषया कातान-राष्ट्रिय फिया विमातिल व्याध्या फिया যিনি অপূর্ব ভাষার শৈলীতে এবং নিখুঁত যুক্তি দিয়ে দুইটি বই রচনা করেছেন আজ হতে প্রায় দেড়শত বছর আগে উর্দু ভাষায়– যাহার অনুবাদ वाश्लाश कता रखिष्ट, সেই विश्वाण वर्षे पूरेंगित नाम मित्रदा रक कात्म नृत अवः भाठनाउँन उन्म- वाःनात भरिङेफिन रैवनून **आ**तावि यात्क वना रश्न, সেই পীরে কামেল মাগুলাউল আলা বাবা জান শরীফ শাহ সুরেশ্বরী। এই

पूरेंि वरें পড़ल আপनात सत्नत दिशा-दृष्ट्न, সংশয় আর প্রশ্নের অবসান হবে বলে বিশ্বাস করি।

ভাষাটি যে কেবলই ভাবের একটি হালকা বাহন মাত্র। ভাষার ঝানু পণ্ডিত या छाजित यानू পिष्ठि कथलार राज भारत ना अवः कालािमन रा ना॥ এই নির্মম সত্যটি সহক্রে চোখে ধরা পড়ে না। তাই আমরা সংশয় আর জিঞ্চাসার অনেক রকম রোগযাতনায় ভুগি। ট্যাবলেট-ক্যাপসুল খেয়েও কিছু মনে হয় না। মনে হয় সব কিছু মেইড্ ইন জিঞ্চিরা। ইংরেজি ভাষাটির ঝানু পণ্ডিত সাহেবের সামনে যখন রাশিয়ান, জার্মান অথবা ফ্রেঞ্চ ভাষার ঝানু পণ্ডিত ভাষণ দেন, তখন অবুঝ শিশুর মতো কেবল ফ্যালফ্যাল করে চেয়ে থাকেন। তখনই মর্মে মর্মে বুঝতে পারি ভাষা শেখা আর জ্ঞান অর্জন **মোটেই এক বিষয় নয়। ব্লিটিশ জাতি বড়ই চালাক জাতি। মালদহের** ফঙ্গলি আমের মতো। অন্য স্থানে গাছ রোপণ করলে ফঙ্গলি আম হবে সত্য, किन्नु সেই খুশবু আর মজাটি পাগুয়া যায় ना। একই ইলিশ মাছ- সাগর, মেঘনা আর পদ্মার– তিন রকম মজা। ব্লিটেনের মাটি আর বাতাসই এদেরকে আনু-চালাক বানায়। ব্লিটিশরা প্রথমে মাতৃভাষা ইংরেজি ফেলে দিয়ে পবিত্র (?) ল্যাটিন ভাষায় লেখাপড়া চালু করেছিল। এতে অনেক ছেলেমেয়ে ফেল করছে দেখে জাতির অপূরণীয় ऋতি হচ্ছে। তাই ল্যাটিনকে ফেলে মাতৃভাষা ইংরেজি চালু করেছিল। তারা তাদের ভুল পদক্ষেপটি ধরতে পেরেছিল। কিন্তু আমরা? দুইশত বছর ইংরেজদের গোলামি করার

বায়তুল মোকাদ্দাসে যেতে হলে চল্লিশ বছর লাগবে? এই চল্লিশ বছর वनळ कारहित मूतळ यावात श्रमूर ३ळं ना। वाळिन मूतळ खळ ठारेल, सरानित निष्मत नतुराण रात्रिल कतात मसराणि रैन्टिण फिर्स वरल फिर्लन। কারণ তৌহিদের শিক্ষাটি হলো, নিজের অভিজ্ঞতা এবং আদর্শ দিয়ে उपरिम एम अशा। मिचि भित्रिजाभ करत व्यभतरक उपरिम एम अशात व्यामर्भ হলো তৌহিদ। তাই মহানবির নবুয়ত পাবার বয়সটি তথা চল্লিশ বছর পর नवूश्र भावात कथाि भल कतित्य फिलन। क्राप्टित व्यर्स अर्थे शिफ्नि कि কোনো অবস্থাতেই প্রয়োগ করা যায় না। এবং প্রয়োগ করার প্রশ্নই ৪ঠে ना। ठा रटल वाळिन व्यर्विट उथा भादाकरण्टक क्यमन कदा व्यश्वीकात कता याग्न? यिष धरत निलाभ व्यश्वीकात क्षात करतह कता रला, ठा रल अर পবিত্র বাণীটির কোনো অর্থই করা যায় না। আর করলেও আজগুবি মনে হতে বাধ্য। কারণ মানুষের শেষ ভরসা হলো নিজের পায়ে হেঁটে যাগুয়া। এর চেয়ে ধীর গতিতে অগ্রসর হবার আর কোনো উপায় নাই। একটি মানুষ প্রতি ঘণ্টায় চার মাইল করে হাঁটলে এবং প্রতিদিন মাত্র চার ঘণ্টা করে হাঁটলে কত দিন লাগবে? আগে কাবা হতে বায়তুল শ্লোকাদ্ধাসের দূরত্বটি বাহির করুন। যদি ধরে নেই, কাবা হতে পাঁচশত মাইল দূরে वाश्रुल स्नाकाफात्र, ठा रत फिनिक छात घछा करत राँछिल वाश्रुल साकाम्हास लौष्टळ त्रभग्न नाए भाव अकविम हिन अक घणा। राजात মাইল দূরত্ব হলে লাগবে বাষট্টি দিন দুই ঘণ্টা। তা হলে সাহাবারা প্রশ্ন

করার সঙ্গে সঙ্গে মহানবি বলে দিলেন 'চল্লিশ বছর' সময় লাগবে। হাদিসটি আরবি ভাষাসহ অনুবাদ করে তুলে ধরা যায়, কিন্তু এতই পরিচিত হাদিস যে, তার আর দরকার পড়ে না। মহানবির প্রতিটি আদেশ-উপদেশ বাতেনি কথায় তথা মারেফতের গোপন কথায় ভরপুর। মারেফতকে অশ্বীকারকারী অনেকেই তাই গোঁজামিলের আশুয় নিতে বাধ্য হয়। অবশ্য ইহাও তকদির। সুতরাং সমালোচনা চলে, কিন্তু গালি নাই। উপলব্ধির বিভিন্নতা থাকবেই। বিভিন্নতা না থাকলে একপেশে হয়ে যায় এবং একপেশে কোনো মতবাদই পৃথিবীতে বেশি দিন টেকে না এবং প্রকৃতির নিয়মে টেকার কথা নয়। তাই গণতন্ত্র যতই ফ্রটিযুক্ত হোক না কেন, মানুষের বিভিন্ন গবেষণার বিষয়ণ্ডলো जूल थता याग्र। (कावा गतिक रूळ वाग्रजून स्नाकाम्हास्त्रत मृत्रज्ञ छिन्नग বছর, মহানবির এই বিখ্যাত হাদিসটির বিস্তারিত এবং অপূর্ব ব্যাখ্যা দিয়েছেন বাংলার বিখ্যাত ইসলাম গবেষক শাহ সুফি সদর উদ্দিন আহমদ চিশতি তাঁর রচিত বিখ্যাত গ্রন্থ মসজিদ দর্শন-এ)।

यिसन तमा रखिष्ट, विकामितित सूथ मिखि सिमिका स्वत- अत किया जातन विमि मूर्गिक एडिएस भिड़ा जामलार कि छारे? रा, जित्र मूर्गिक एडिएस भिड़ा कि छारे के कार्टित छेभवाप्म कि छे९कए पूर्गिक थाप्क, ना मूर्गिक? छा रल वाकिन रेक्छादित सका कि वाकिन वाकिन वाकित कथाणि वमा रखिष्ट? अस कर्ति भिनास। छेउति जाभिनर वारित कर्ति निन। भाष असाक जामास कर्ति भिरा जातिक क्षांक कर्ति भिरा जातिक क्षांक कर्ति भिरा जातिक कर्ति भिरा क्षांक क्षांक क्षांक कर्ति भिरा जातिक क्षांक कर्ति भिरा क्षांक क्षांक क्षांक क्षांक कर्ति भिरा जातिक क्षांक क्षां

চিহ্নটিকে আরবিতে এবং কোরান-এ ভাষায় 'সী-মা' বলা হয়। মহানবির আগের নবিদের উন্মতদের উপরও নামাজ ফরজ ছিল। কিছু ওয়াজিয়া নামাজের কথাটি নাই। তা হলে তাদের কপালেগু নামাজের চিহ্নটি কেমন করে ফুটে উঠবে কথাটি কোরান-এ বলা হলো? কারণ আমাদের মতো তারা নামাজ পড়তেন না তথা গুয়াজিয়া নামাজই ছিল না। তা হলে তাদের কপালে সেন্দার চিহ্নটি পাবার কথা কোরান-এ আছে এবং সেই চিহ্নটি দেখতে কেমন? কারণ পাঁচ গুয়াক্ত নামাজ তাদের সময় প্রচলিত হয় নি। প্রচলন করা হয়েছে আমাদের জন্য। সুতরাং কপালে কালো দাগ পড়ার কথা আমাদের। তা হলে সেজদার চিহ্নটি ফুটে উঠবে বলার মাঝে কি কপালের কালো দাণটিকে ধরে নেব, না অন্য কিছু? আপনি এই বিষয়টির व्याभ्या यामन भूमि क्रमन निभून ना क्नन, किन्नू निभापि পवित्र निश्चक खान्न तिक रूळ रूत। जात यि भनगमा व्याभा नित्थन क्या जान्नारत काट्य क्रवाविष्टि कत्रळ रख। अकर फिँम षिख मार्क्रन खात कमार्रेखत छाकू তৈরি হয়। দুজনেই কাটে। কিছু দুজনের দুরকম নিয়ত। একজন বাঁচানোর নিয়তে, অপরন্তন গোস্ত বিক্রির নিয়তে। তাই আল্লাহ্ কেবলমাত্র আপনার **बिश्च**छां हें फ्रियतन। আর কেউ যদি সব কিছু বুঝে গিয়ে থাকেন, তা হলে তাকে আর বোঝানো যাবে না। কারণ বুঝবার দরজায় যদি সামান্য ফাঁক ना शांक जा रत वूचावात विषश्चि का मत्रकाश धाका श्वरा कत्रज व्यामत्व। কেউ সব কিছু বুঝে যাবার কথাটি বলে এবং এটা তার তকদির। আবার

কেউ অনেক কিছু গবেষণা করার পরগ্র 'সব কিছু বুঝতে পারছি না' বলে এবং এই বলাটাগু তার তকদির।

পরিতৃপ্ত আত্মার জান্নাতলাভ সম্পর্কে আলোচনা

भरानि यथन সारावाप्तत वलिष्टिलन या, क्रान्नां लगा अवः एअजारा व्याकाम-क्रिसित व्यास उथन अक সारावा श्रम् कर्त्विष्टिलन या, ठा रल क्रारान्नात्मत सुनिटि काथारः भरानिव मत्म मत्म छेवत फिलन अर्रे वल या, রাত আসলে দিন কোখায় যায় এবং দিন আসলে রাত কোখায় যায়? এই কথায় কি আমরা এই বুঝতে চাইব না যে, যার জন্য জান্নাত তার জন্য সব किष्ट्ररे कान्नाछ अवः यात कना कारान्नाम छात कना भव किष्ट्ररे कारान्नाम। আপন অম্ভিত্নের প্রকাশ এবং বিকাশের উপরই জান্নাত-জাহান্নামটি নির্ভর করে। যিনি জান্নাতি তিনি সর্বাবস্থায় সর্বস্থানেই জান্নাতি এবং যিনি জাহান্নামি সে সর্বঅবস্থায় সর্বস্থানে জাহান্নামী। এত বিহ্র-বৈভবের মালিক रुद्धि भार्तीतिक अवः भानित्रक द्वारभत याजना कि ज्ञाभ कत्रज्ञ रुग्न ना। এর চেয়ে জীবন্ত পোড়া কপালটি কি আয়না দিয়ে দেখাতে হবে? গাধার খাটুনি খেটেই চলছে এক অদৃশ্য মরণ নেশায় এবং সবাই জানে যে, **ए** एंट्रेलीका रुळ विषाय ज्ञात अक्षय जात क्रें जायनक्रव शाकरव ना। কেবল অসহায়ের মতো বোবা বিলাপে চিরবিদায় নিতে হবে। জান্নাতের আসল রূপটি আল্লাহ্র গুলিরাগু জেনেশুনে বলেন না। হয়তো সমাজ গ্রহণ করে নেবে না বলে তাঁরাগু অনেক রকম রূপকতার আশ্রয় নেন। পরিতৃপ্ত नक्परकर नक्ष्य साउभारात्वा वना रश। यात नक्ष्य साउभारात्वारकर कान्नाक्य श्रदान कतात मुमःवामि कान्नान मान कत्रष्ट। এখन পतिज्ञुष्ठ वनळ की वाबाय? प्रत्वत क्रुधा, शिएंत क्रुधारि कि भित्रवृष्ठ नक्षित्र থেকে যায়? यि फ़र-3 পেটের ऋ्रुधा থাকে, তা হলে পরিতৃপ্ত বলা হয় क्षिन कर्तः? यात काला श्रकात ठाश्या-भाश्यात व्याकाश्रका शाक ना তাকেই তো পরিতৃপ্ত বলা হয়। তা হলে এই পরিতৃপ্ত নফ্সের জান্নাতে

প্রবেশ করে প্রতিদিন ষাটবার মজাদার খাদ্য খাবার কথাটি আসে কেমন করে? আবার মজাদার খাদ্যই কেবল ষাটবার খাবে না, সেই সঙ্গে অপরূপ হরদের সঙ্গে প্রতিদিন ষাটবার মিলন করবে? আব্বাসীয় খলিফা মোতাওয়াঞ্চিল, যিনি ইয়ায় হোসায়েন-এর য়াজার হালচাষ করে নায়-विभावा बििए ए एए एए एक विश्व कि विश्व की विश्व विष्य विश्व व মোতাওয়াক্কিলের কবরটির নাম-নিশানাও আজ আর নাই।। সেই বাদশা মোতাগুয়াক্কিলের যৌন আনন্দ করার জন্য রাজপ্রাসাদে সাড়ে চার হাজার উপপত্নী ছিল। বাদশা মোতাগুয়াঞ্চিল বলত, এক রাত একটি নারীর সঙ্গে योन भिल्लात अत वात्रि रुख याग्न। स्माठाश्रम्भाकिल वात्रि अष्टक् कर्त्व ना। তুলি খাঁর পুত্রধন জনাব হালাকু খাঁ বড়ই নির্মম, বড়ই বেদনাদায়ক শिक्रांটि क्वन या व्याक्वांत्रीय स्मय शिनका स्माठात्रिय विल्लाह, यिनि योन জীবনের প্রশ্নে সবাইকে ডিঙিয়ে গেছেন, তাকে শিক্ষা দিয়ে গেল বুঝতে পারি না। সুতরাং পরিতৃপ্ত নফ্স জান্নাতে প্রবেশ করেই অতৃপ্ত হয়ে যাবার क्याणित सात्य निक्त रें त्वात्ना शायन त्र त्या वृक्तित्य व्याष्ट्र या व्यान्नार्त अनिता ভाলा করেই জানেন।

ইমানের ধারক বাহক কারা?

क्षिण আছে অথবা ইতিহাস বলে যে, হালাকু খাঁ বাগদাদ আক্রমণ করে ১২৫৮ খ্রিস্টাব্দের ১০ ফেব্রুয়ারি। সন-তারিখের সত্যতা কতটুকু, আমার জানা নাই। তিনশতের কিছু বেশি আপনজন নিয়ে আব্বাসীয় শেষ খলিফা साठानिस विद्वार वाज्यनसर्भंग करत। रामाकू शाँ त्रवारेक निर्ससछात रठ्या করে এবং এই হত্যার বিষয়টির মুখরোচক কথাবার্তা জানতে পারি। रालाकू शांत निर्फर्ण खाल लक्ष भानुषरक रुगा कता रश। गतंभत रालाक् খাঁ তার খাস চামচার উপর বাগদাদের শাসনভার দিয়ে দেশে ফিরে যাবার পথে কিছুদূর যাবার পর হালাকু খাঁ কিছু লোকজনকে দেখতে পেলেন। জিজেস করল, এরা কারা? কিছু সৈনিক দেখে এসে বলল, প্রভু এরা সংসার ত্যাগী, এরা সন্ন্যাসী, এরা সৃষ্টিকর্তার সান্নিধ্য পাবার সাধক। হালাকু খাঁ वललन, अता जात की छाय़? छेछत अन, अता पूनियात किष्ट्र छाय ना, क्वित प्रकात प्रमाधन थाक। कथाधला ध्रत छालार नागन रानाक् शांत काष्ट्र। वनलन, वािक्ष पूनियात वाफ्गारित कना अठ लाक रठाा कतलाम व्यथम अता वाफ्गारि का पृत्व थाक, वतः पूनिशारे माश ना! वर् व्यवाक कत्रष्ट व्यामात्क। श्रमञ्ज त्कोष्ट्रश्य काशन। श्कूम श्ला, अप्नत शिनि প্রধান তাকে আমার কাছে আসতে বলো। কিন্তু এই সংসারত্যাগীদের যিনি প্রধান তিনি বললেন, যে আমাকে ডেকেছে, তাকে আমার এখানে আসতে বলো নতুবা চলে যেতে বলো। কথাগুলো গুনে হালাকু খাঁর আরগু কৌতূহল জাগল। তিনি নিজেই গিয়ে দেখা করলেন। দেখতে পেলেন, একজন সাধক

भाशा निष्टु करत क्रांश वुक्त वक्ष व्याष्ट्रन। शालाकु शाँ अक शिल ग्रुनंभूमा फान করলেন। সাধক প্রশ্ন করলেন, এই থলিতে কী আছে? হালাকু খাঁ বললেন, त्र्वभूष्ट्रा। मार्थक वनलन, ना এळ त्र्वभूष्ट्रा लप्टे, আছে কেবन सानुरस्त त्रङ। एसत्क शालाकू थां। राज फिल्ला भृषू एाल फिल्जरे प्रथल लिलन, একদম টাটকা রক্ত বেরুচ্ছে। তারপর? তারপর আর কী? হালাকু খাঁ সঙ্গে সঙ্গে মুসলমান হয়ে গেলেন এবং মুরিদ হতে চাইলেন। সেই সাধক सरापुरुखत नासि रला रकत्र थाका वातू रैशाकूत। रामाकू शांक उनि मूर्तिफ ना कदा उनातर श्रधान मूर्तिफ ७ थिनका रक्तिक थाका नूत स्नाराश्वफ **मात्रविम्तत युतिम कदा मिलान। ज्यानक क्षेठिशांत्रिक क्षेट्र मठा घ**छनाछि এড়িয়ে যান নি। হয়তো বিবেকের দংশনে আহত হয়ে। শিয়া ঐতিহাসিক সৈয়দ আমির আলীও ঘটনাটি নিশ্চয়ই পড়েছেন। কিন্তু তথাকথিত শক্তির পূজाরি, শান-শগুকতের পূজারি, এলিট সমাজের জার্সি যার গায়ে পরা, **इंद्रिक छायात व्यालक्ष्मातिक त्याशिक मन्द्र दिया तिहाएँ विताएँ** ডিগ্রির নরমুণ্ডু গলায় ঝুলিয়ে প্রক্ষাবান (?) ঐতিহাসিক আমির আলি মুসলিম জাতিকে সঠিক ইতিহাস দিয়ে যান নি। এভাবেই অনেক নির্মম সত্য হারিয়ে যেতে চায় ব্যক্তির অপছন্দের উপর নির্ভর করে। কারণ সৈয়দ আমির ছিলেন বহু ডিগ্রিধারী মার্জিত ভদ্র জ্যান্ত শয়তান। ফুসফুস যেমন যক্ষ্মা রোগে খেয়ে খেয়ে ঝাঁঝরা করে দেয়, জঘন্য শয়তান সৈয়দ আমির আলি সুফিবাদের উপর ভঙ্গিটিকে কলমের খোঁচায় ঝাঁঝরা করে দিয়েছে।

একটিবার নিরপেক্ষ মনে ভেবে দেখুন তো। এত বড় নিছুর প্রকৃতির হালাকু शांक करें वाशृन পतिवर्णन कता का मृत्त थाक, त्राक्षाना नतस कतात সাহসটি পর্যন্ত কল্পনাপ্ত করে নি। অথচ সুফিসাধক বাবা খাজা আবু रैशाकूत जात्क भूमनभान अवः भूतिम कत्त रमनतन अकमभ व्यनाशास्म। रैंछिराम व्यक्त पर्ध क्या छला अवः घष्टना छला श्रीकात करत जिश्र त्रश्रातात्कत विषयुष्टता वर्षना कद्व ना। त्र क्रनार्ट व्यामता प्रभूक পार्ट যে, ইতিহাসের ঝানু পণ্ডিত, কোরান-হাদিসের ঝানু পণ্ডিত হগুয়া এক कथा, जात जान्नारत अनि रश्या जातिक कथा। जात्र अकर्षे नक्र कत्त দেখুন ত্যো, সেদিনে বাগদাদ নগরীতে অনেকে কোরান-হাদিসের মহাপণ্ডিত ष्टिलन, किन्नु रालाकू शांक भूत्रनभान वानाता ळा मूदा शाक, वतः रानाकूत रेमनिकप्मत व्यञ्जत व्याघाळ श्राप राताळ रखाए। के उँ हु भार्यत আল্লাহর গুলি হলে বাবা খাজা আবু ইয়াকুব দেখা করতে না গিয়ে হালাকু शांत्र व्यापन शानकाट्य अत्न सुत्रनसान अवः सुतिष्ठ वानित्य ष्टाफुलन। मिलत পূজারি আর বৈভবের পূজারি আর দুনিয়াবি পণ্ডিত সন্ধানের পূজারিরা णाप्तत प्रश्रा रय नि। कूलत भाना गनाय भदा, अभिनादा ङानगर्छ ভाষণ **फिर्स अलिए त्रभारकत त्राभदा तारुता পाश्रमा नाभिएक विश्राण कतात** নেশায় যারা ডুবে থাকে, তাদের কাছে সুফিবাদের রহস্যের আর কতটুকু দাম হতে পারে? কারণ, এরা ভালো করেই জানে যে, সব বিষয়ে কিছু না

কিছু পাগুয়া যায়, কিন্তু সুফিবাদে সব কিছু হারাতে হয়। ইচ্ছা করে সব কিছু হারিয়ে অগ্রসর হবার মন-মানসিকতা খুব কম লোকেরই হয়। খাজা বাবা উন্তরাধিকার সূত্রে তাঁর পিতা গিয়াস উদ্দিন চিশতির একটি আধুরের বাগান আর গম ভাঙার পাথরের যাঁতাকল পেয়েছিলেন। আঙুরের বাগানটি বিক্রি করে দিয়ে সেই অর্থ গরিবদের দান করে দিলেন। আর গম ভাঙার যাঁতাকলটি এক বুড়িকে দান করে দিলেন। তারপর সবাইকে জিঞ্জাসা করলেন এই বলে যে, হাসান আলামপানার (খাজা বাবার আসল নাম) আর কিছু আছে কি? সবাই নাই বলে সাক্ষ্য দেবার পর খাজা বললেন, এখন পীর গু মুরশিদ খাজা উসমান হারুনি বাক্কার খেদমত করতে চললাম। त्रव किष्टू रातित्य शाका वावा त्रव किष्टू (अल्वन। (अफिलात छात्रञवर्स्व भाव ठात काणि लाकत वात्र हिन। नक्वर नक्क भूत्रनभान वानालन। रैभाभून আউলিয়া বাবা বায়েজিদ বোস্তামি বলেছেন, যখন সব কিছু হারাতে পারবে তক্ষুনি সব কিছু পাবে। এটা বৈষয়িক বিষয় নয়, বরং আধ্যাত্মিক বিষয়। অতএব, সুফিবাদের বইণ্ডলো ছাপিয়ে বিনা মূল্যে অথবা নামমাত্র মূল্যে ঘরে ঘরে বিতরণ করার তরে কিছু আর্থিক সাহায্য চাইলে কত শত প্রশ্ন उँकियूँकि भादा व्यात व्याभणा व्याभणा कतात ५ मा प्रभण रहा। जात उँभत সব কিছু হারিয়ে ফেলার দর্শনটি প্রচার করার সাহস। সুফিবাদে না व्यात्रुक, किन्नु अकिंग यांकि शाक। अकिंग त्राक्षाना शाक। अनिंग কিছুক্ষণ তোলপাড় করুক সেই আশাটি নিয়ে আর্থিক সাহায্য চাইলে

অবশ্যই কিছু ना কিছু সাহায্য পাগুয়া যায়। একদম জঙ্গলে কাঁদতে হয় না (অরণ্যে রোদন)। এখনগু কিছু মানুষ আছে। এখনগু জগতে সুফিবাদের দরদি হারিয়ে যায় নি।

ক্ষিত আছে যে, হালাকু খাঁ খাজা আবু ইয়াকুবের মুরিদ গু খলিফা খাজা नুর মোহাম্বদ দারবন্দির নিকট দুঃখ প্রকাশ করেছেন। হালাকু খাঁ তার সৈন্যবাহিনীকে হকুম দিলেন যে, আমি মুসলমান। তাই তোমাদেরকেগ্র व्यवगार्थे भूत्रमभान रूळ रूत, न्यूता भृत्युष्ट । भ्रथा अभिग्नात विमान स्थि रालाकू शांत अधीत हिल। छाष्या कदा हिलन, रग्न सूत्रनसान रछ, ना रग्न মৃত্যুবরণ করতে হবে। জীবন বাঁচানো ফরজ তাই অনেকেই মুসলমান হয়েছে। অবশ্য বলপ্রয়োগের প্রশ্নটি আসে। কারণ ইসলামে বলপ্রয়োগ নাই। আর তখন তো ছাপানো কোরান-এর প্রশ্নুই ৪ঠে না। সবই হাতের লিখা কোরান, আর হাতের লিখা কোরান কয়টি পাগুয়া যেত? বলপ্রয়োগ করে থাকলেগু হালাকু খাঁর বিষয়টি হয়তো জানা ছিল না। আবার এমন হিংসু প্রকৃতির জন্য জানা আর না জানা একই সমান। এ জন্যই হয়তো ঐতিহাসিকরা হালাকু খাঁর এ রকম আচরণটির মূল্যায়ন করেন নি। কারণ **१क़्त्र नाट्न शानाभ कून धत्रल घ्राप ना निद्य शावात क्रना क्रिखा ट्व**त कत्रत। यिभन भिष्ठता करत। किंद्र दैछिराम रामाकू शांति ऋभा करत नि, वतः फानवीरा मिकत প্রতিমূর্তি রূপেই চিহ্নিত করা হয়। শক্তিপ্রয়োগ করে निफ़र्क किष्टूिफ तित अना बापकर्ण तर्र आहित कता यारा। जात्र पत

ইতিহাস আঁষ্টাকুড়ে ফেলে দেয়। সামান্য একটি দৃশ্য অবশ্য নিজের চোখে দেখেছি। কিছুদিন পাকিষ্টানে ছিলাম আইয়ুব খানের আমলে। করাচির বড় বড় সরকারি অফিসে তিনজনের ছবি শোভা পেত : জিন্নাহ, ইকবাল আর আইয়ুব। ফাউভার, ড্রিমার, সেভিয়ার। প্রতিষ্ঠাতা, স্বপ্পদ্রুষ্টা, ত্রাণকর্তা। এখন দুটো ছবি শোভা পায় : জিন্নাহ আর ইকবাল। ইতিহাস অপর ছবিটি ফেলে দিয়েছে।

ভঙ্গি ৪ ভঙ্গির প্রকারভেদ

ভিচ্চ বিষয়টিতে কিছু কথা থেকে যায়। কারণ ভিচ্চ যদিও একটি বিষয়, কিছু দুইটি ভাগে ভাগ করতে বাধ্য হতে হয়। সুতরাং ভিচ্চ দুই প্রকার : একটি শর্তযুক্ত ভিচ্চ এবং অপরটি শর্তহীন ভিচ্চ। যে ভিচ্চর মাঝে কিছু পাবার শর্ত থাকে সেই ভিচ্চ কিছুদিনের জন্য তথা আপেক্ষিক এবং যে ভিচ্চর মাঝে দুনিয়াবি কিছু পাবার শর্ত থাকে না সেই ভিচ্চ চিরস্থায়ী। যে ভিচ্চতে শর্ত থাকে উহার রূপটি কখনও কখনও চাটুকারিতায় পরিণত হয়। অনেক সময় এমনই চাটুকারিতার সীমা ছাড়িয়ে যায় যে, লোকে তখন ভিচ্চির উপর সন্দেহ করে বসে। অনেক সময় বিষয়টি হাস্যরসে পরিণত হয়। এ রকম ভিচ্চর ধমক আর চমক দেখেই খনা বলে ফেলেছিলেন যে, অতি ভিচ্চ চোরের লক্ষণ। কারণ যে ভিচ্চর ভেতর কিছু পাবার বাসনাটি লুকিয়ে থাকে সেখানে চুরি করার মনোবাসনা জেগে ওঠে এবং দিনের

আলোর মতো প্রকাশ পায় এবং তখনই ভঙ্গিটি চোরের লক্ষণ রূপে ধরা পড়ে। এই রকম ভঙ্গিটি অর্থনৈতিক এবং রাজনৈতিক বিষয়ের মাঝে त्रीमावम्स थाक्त। व्यर्थ अवः मिक्त व्यक्षिकाती ह्वात श्रमूपि व्याष्ट वलहें ভিক্তিটি অতি ভক্তিতে পরিণত হয় এবং চোরের লক্ষণটি ফুটে গুঠে। ভারতের নামিদামি খবরের কাগজের বিখ্যাত সম্পাদকরা পর্যন্ত এক নেত্রীর প্রতি যে ভক্তি প্রদর্শন করেছিল তাতে পৃথিবীর তাবং জ্ঞানী-গুণীরা চমকে গিয়েছিল। মনে মনে বলেছে, এটা আবার কেমন জাতের ভক্তি প্রদর্শন? লাগামছাড়া ভক্তিটিকে তো বিখ্যাত পত্রিকার সম্পাদকরা হার মানিয়ে দিয়েছে এই বলে যে, মহাত্মা গান্ধী এবং গৌতম বুদ্ধের প্রতিমূর্তির মতো সেই নেত্রীর পুত্রের আচার-আচরণ। এবং সেই নেত্রীর পুত্রের সহসা মৃত্যু **रि. अंतर कि निक्षित्वर अंतर कि अंतर कि** আর প্রশংসা ও ভক্তির এক কলাম ইঞ্চিও লিখতে বেমালুম ভুলে গেলেন। এই জাতীয় বিখ্যাত সম্পাদকরা যখন অন্যন্তনের ভঙ্চিকে কটাক্ষ করে কলাম লিখেন, তখনি খনা বাবাজির কথাটি মনে ভেসে ৪ঠে, অতি ভক্তি চোরের লক্ষণ। সুচ আর চালুনির গল্পটির সার্থকতা এখানেই দেখতে পাই। नान পতाका राळ नित्रा अकम्न जिंठा यथन खिंठ वास्रत ल्लागाल लाফालांकि छक्र करत ५ ए.स. ७ थन अनुवात अक्टि वाश्मु वार्ट करत, वुकछता व्यामा निरा। जातभत? किष्टूिमन भत यथन व्यक्ति छानभिष्टरमत सङ्घी रुख यान, उथन ऋनठा हैं। कुद्ध ठाकिख छावळ शास्क ख, राय़! भूद्धशिद्ध তा দেওয়া ডিম হতে হাঁসের বাচ্চা বেরিয়ে পানিতে নেমে গেছে। अकलन भूमनभान गथ करत धूछि, शिक्या धत्रत्नत भाष्ट्राति, काँ ध द्वाक्षाध्य रेंभेठा, नामावित हामत शास्त्र मिस्स खात क्याल हम्मन स्रार्थ प्रकारन প্রাতঃভ্রমণে বের হতেন। অপরিচিত হিন্দুরা পথে দেখা হলে ভক্তি করত, অনেক সময় কিছুটা পথ অনুসরণ করত। কিছু যখন সকালের নাস্তা খাবার জন্য নাসু भिয়ার গরুর তেহারির দোকানে ঢুকত, তখনই সব ভুল ভাঙত व्यात क्रांथ पूर्का एड़क शाष्ट्रत मक्का विश्वास क्रिस प्रश्व नामाविन পता সাধুটির আপন মনে গরুর তেহারি সেবা করার দৃশ্যটি। এই জাতীয় ভেজাল ভঙ্গিটি আমাদের দেশেও হয়তো থাকতে পারে এবং এই ভেজাল ভিক্তিটিকেই বলে চাটুকারিতা। আর খনার ভাষায়, অতি ভক্তি চোরের লক্ষণ। কিন্তু যেখানে কিছু পাগুয়া তো দূরে থাক, বরং দিতে হয় এবং হারাতে হয়, সেখানে ভক্তিটি যতই আবেগে পরিপূর্ণ থাক না কেন, কিহু সবটাই খাঁটি সোনার মতো উজ্জ্ব। সেই ভক্তির ভাষা যতই লাগামছাড়া **रहाक ना क्वन, यण्डे डेनियाविनिया छिन्त एत्राम भिया छैर्जूक ना क्वन,** সেই ভক্তিটি পবিত্র এবং আন্তরিক। কারণ এ রকম ভক্তির মাঝে বৈষয়িক চাগুয়া-পাগুয়া থাকে না। থাকে না কোনো প্রকার শর্ত। তাই এ রকম छिङि कि तन भविञ्च नयु, वतः सराभविञ्च। **उष्या**प्मत उष्टा थाकक পারে। আবেগের চরম আবেদন থাকতে পারে। কান্নার হা–হুতাসের বিষাদ

ধ্বনি মাঝে মাঝে গর্জে উঠতে পারে এই শর্তহীন ভঙ্গিতে। লাইলির রাস্তার কুকুরের গায়ে মজনু লাইলির গন্ধ পাবার ঘোষণাটির মাঝে বিন্দুমাত্র চাটুকারিতা থাকতে পারে না। কারণ এটাই যে প্রেম। তাই যুক্তির যেখানে কবর, প্রেমের শুরু সেখান থেকে। তাই দেখতে পাই আল্লাহ্র গুলিদের ভিক্তির অবাক করা ভাষার বিশেষণণ্ডলো। আল্লাহর গুলিরা ভক্তির নামে চাটুকারিতা করছে এ রকম কথাটি পাষাণ হৃদয়ের মানুষটিও বলে না। আমি যে ভক্তিটির কথা বলছি সেটা হলো সুফিবাদের ভক্তি। আত্মজিঞ্চাসার ভক্তি। নিজের পরিচয় জানার সাধনার ভক্তি। এ রকম ভिङ्ठिक व्यर्वनीि अवः ताञ्चनीिवत विषश्चि नारे। यूठताः काद्वत नऋष মার্কা ভক্তিটি থাকার প্রশ্নুই আসে না। আমরা অনেক সময় দুটোকে এক করে ফেলি, তাই পার্যক্য করতে পারি না। এতে ভুল করি এবং উল্টাপাল্টা विक्छ व्याश्या हिट्छ टाँचा कति। ज्यातक न्रमस नुकिएनत काट्ट अस হিংসাপরায়ণ মানুষটিগু সাময়িকভাবে হলেগু ভক্তির কাছে মাথা নত করে দেয়। যেমন, হালাকু খাঁ। জহির উদ্দিন মোহাম্বদ বাবর তো তাঁর পীর গ্র মুরশিদ হজরত বাবা দরবেশ বন্ধুকে এতই ভক্তি করতেন যে, পুত্র হুমায়ুনের भत्रप भराग्र जनूद्वाभ कद्व ताङ्मश्रामाप्त एएक जान्नि। এই দৃশ্য দেখে সম্লাট বাবরের পাত্রমিত্ররা চমকে যেতেন। কিছু মানুষ যতই নিঠুর প্রকৃতির **टाक ना क्वन, भूकिमाधकफ़त्रक मधीर कत्रक छूल याग्र ना। कात्रप छाता** ভালো করেই জানে যে, সুফিরা দুনিয়ার লোভ-লালসা হতে মুক্ত এবং

এঁদের দোয়া আল্লাহ্পাকের দরবারে কবুল হয়। মোগল সম্লাট জালাল उँिष्क् न स्नाराञ्चम व्याक्तवत क्या रेष्टा करत राज मूक्षा करामित भक्षा तिंस খালি পায়ে বাবা সেলিম চিশ্তির মাজারে গিয়ে দোয়া চাইতেন। ধন-সম্পদের প্রতি মানুষের এত বেশি লোভ জন্মাতে থাকে যে, অবশেষে সেই লোভটি ক্যাসারে পরিণত হয়। ক্যাসার যেমন মৃত্যুর আগ পর্যন্ত আঠার মতো লেগে থাকে, লোভ-মোহ বেশিরভাগ মানুষের মধ্যে সে রকম মৃত্যুর আগ পর্যন্ত লেগে থাকে। হাবিয়া নামক তলাবিহীন গর্ত জাহান্নাম তার জন্য অপেক্ষা করে। মৃত্যুর কিছু আগেই একটি মানুষ তখন সব কিছু वूचळ भारत। वूचळ भारत, प्रश्लोका रुळ क्वनमान अकना विमास निळ হচ্ছে। যাদের এতকাল আপনজন ভেবে এত গাধার খাটুনি খেটেছি, যাদের জন্য কত রকম অন্যায় কাজ বিবেককে ফাঁকি দিয়ে করেছি, তারা কেউ আর আমার আপন নয়। বারবার সূরা ফজরের কয়েকটা তফসির পড়ে **रिश्वन, व्यापनात मन** मनिएक रहाळा जावित्य ठूनळ पात्त, यि जावित्य ळानात छकित वाथनात्क प्रभुशा रुख शात्क। ना रुल, त्राक्षाना বুদ্ধিমানের হাসি হেসে কোরান-এর সূরা ফজরটি পড়তে চাইবেন না। कािं छाकात सािक रल भे कािं छाकात त्राधवा कत्रव। भे कािं পেলে হাজার কোটি এবং আরগু আরগু। যেন সীমাহীন চাগুয়া, যেন প্রচণ্ড **अकिं जिमा। स्रत्यालमा हित्ताहैजित क्राह्म साताज्यक। कार्त्रप स्रत्यालमा** হিরোইন সেবন করতে পারলে ফুটপাতে লম্বা হয়ে শুয়ে পড়ে, কিছু ধন-

সম্পদের নেশা রাতের ঘুম হারাম করে দেয়। অধম লিখক কোটি কোটি টাকা কামিয়েছি, তাই এই নেশার সামান্য অভিক্ততা আমার আছে বৈকি! শত শত কোটি টাকার মালিক। হুদরোগ হয়েছে। বিড়ুলা ক্লিনিকে দিব্য শেঠজির বুকফাঁড়া অপারেশন আর পেস মেকার বসানো, তারপরগু টাকার লেশায় মশগুল। বললাম, পরকাল? উত্তর, পরেরটা পরে হবে। তা ছাড়া হজ করে এসেছি। হাজরে আসগুয়াদে চুমু খেয়ে সব পাপ পরিষ্কার করে এসেছি रेंगािक। यासन रिक्ता लाऋनवरकत ऋत्न ज्ञान करत वर्त रक्त, वांछा গেল। একদম সব পাপ খালাস করে দিয়েছি। প্রায় সব ধর্মে এ রকম ছোটখাটো কথা গুনতে পাবেন যদি সব ধর্ম পড়ে থাকেন। তকদিরের **लिখन तटल ञाপनि এ तक्य यहान (?) वाकिएनत खरक यूथि किति**खा निन। कात्रप व्याकािक व अप्तत्रक नात्मत वग्राष्ठ शिवात यद्या नित्व कित्व कित्व এরা আজাজিলের সভ্যতায় সভ্য সদস্য।

वश्रुत विक्रान ७ व्याच्यात विक्राप्नत युत्रभ

व्याभता भाषात क्यांन फिर्स त्रव किष्टू वूचा हाई। हाई वर्लाई त्रीभारीन काभना-वात्रना कलरवत क्यांनिएक एएक एम्स। वूचा हाई भारत ना ख, कलरवत क्यांने वात्र की तकभ? भाषात क्यांनेत भर्ता व्यांक्रांक्रिलत नाहन थाक। छिनिम क्षकात नाहात में हिल क्यांने व्यांक्रांक्रिल। हाई भाषात क्यांनीता खणाताई थाक ना कन, त्रधर्ष व्यांत यूफ्त थाकरवह। देवस्थिक त्रक्षांहि

যতই চকমক কৰুক না কেন, স্বার্থের যুদ্ধটি আঠার মতো লেগে থাকবেই। भाताभाति-कार्णकार्षि तैयशिक त्रख्याश शाकत्वर। त्यायप, यात्रन, क्रूनूस, অত্যাচার আর শ্লেকি মানবতার গান বৈষয়িক সভ্যতায় থাকবেই। বিজ্ঞান বৈষয়িক সভ্যতাটিকে অনেক দূর এগিয়ে এনেছে। কিন্তু কলবের শান্তিটি দিতে পারে নি। আর কোনোদিন পারবে কিনা জানি না। আল্লাহর গুলিরা বৈষয়িক সভ্যতাটিকে বিজ্ঞানের জয়যাত্রা অবশ্যই মনে করেন। কিছু কলবের জ্ঞানই শান্তিটি দিতে পারে। কলবের জ্ঞানীরা বৈষয়িক সভ্যতাটির প্রতি অভিনন্দন জানান সত্যি, কিন্তু কলবের জ্ঞান রহস্যটি দিতে পারে না বলেই, যতটুকু প্রয়োজন ততটুকুই প্রহণ করে নিতে বলে। কলবের জ্ঞানটির সঙ্গে মাথার জ্ঞানটির তথা বৈষয়িক জ্ঞান অর্জন করার প্রশ্নে সামান্য মিল নেই বলে, আমরা দুটোকে মনের অজান্তে এক করে ফেলি এবং কলবের छानीत काष्ट रिवरिय़क छात्नत नाना तकम श्रम करत उँछत পाँह ना वरल অবাক হতে হয়। আমরা ইচ্ছা করে জানতে গু বুঝতে চাই না যে, মাথার জ্ঞান বৈষয়িক সভ্যতা উপহার দিতে পারে আর কলবের জ্ঞান দিতে পারে गाञ्जि ७ व्याप्मामर्गन। सानवामरिक रैतसिशक विस्तरात मान असनछात কাটাতে চাইলে, প্রতি পদে পদে বৈষয়িক জ্ঞান ও সভ্যতার প্রয়োজন হয়। এই বিষয়টি নিয়ে মানুষকে এত ভাবতে হয় যে, কলবের জ্ঞানটিকে শ্লেনে নেবার মন-মানসিকতাটি তখন আর বাকি থাকে না। সবাই কিছু না কিছু কলবের জ্ঞান বিষয়ে কিছু না কিছু সময় ভাবে যখন দেখতে পায় এত কিছু পাবার পরও আরও কিছু একটা পাবার আছে বলে বিবেকটা বারবার (शां) मादा। भात-कृल भाग्न ना वटल मनगरु। अक्टा धात्रभा कदत वार्च भाग्नि খোঁজে। শান্তি পায় না তবুগু শান্তি পাবার ভানটি করে। বৈষয়িক সভ্যতা শক্তির পূজা করতে শেখায় এবং শক্তির পূজা করাটি মাথার জ্ঞানের ধর্ম। তাই দেখতে পাই আল্লাহ্র গুলিদের কথা গু উপদেশের বইণ্ডলো विশ्वविशाण रला एल शूव कथा राधिक, क्राप्ति, नायत्न णात्रिक, शनक, সানাই, লালন, জগদীশ আর মনোমোহন রচিত বইগুলো কম চলে। অথচ অবাক হতে হয়, একটি দেশের প্রাক্তন রাষ্ট্রপতির স্থ্রীর রচিত স্মৃতিকথার বইটি লেখার ঘোষণা দেবার সঙ্গে সঙ্গে প্রকাশক পঁয়তাল্লিশ কোটি টাকা जिथिस फिर्स वासना करत तारथ अवः अथस अकारमत मःश्रा फ्म नक्र रूत वल প্रচার করে। চিন্তা করুন হালকা কতগুলো কথা, শ্বামী কেমন वीतपूक्ष, माम्भण क्षीवलत চুका-िक्षण क्षाधला पड़ात की व्याधर। ष्टाभलत पूरे वाका पूर शाय, এক वाका অকারণেই আনন্দে নাচতে থাকে। এই আগ্রহটি জাগিয়ে তোলে বৈষয়িক জ্ঞানের শক্তি। চাগুয়া-পাগুয়ার কিছু না থাক, কিছু শক্তির তো পূজা করা যাবে। এত শক্তির পূজারকদের ভিড়ে कलरतत छानीरित कथा, उपरिम्य छाला लागला किছू भावात थारक ना, বরং হারাতে হয়। তাই মানুষ হারাতে চায় না, বরং কিছু পাইতে চায়। না **रश क्या भावात उँ९मार अवः कर्मुला**छला अछ छाला लाभरव रकन? व्यवभा

तिग किष्टू सानुष व्याक्र कनत्तत क्रानीएत कथा ७ उपएम प्राम्द अवः भुद्धात मत्म श्रर्थ करतन। प्रश्लोका फल्ल या एल याळ रूत अवः फ़्टलोकािं या कवत्र व्यथवा शुक्तिया कला रूत अहा जाला कदा काल এবং বোঝে। কিন্তু বৈষয়িক সভ্যতার শক্তিটি এতই প্রবল যে, এর খপ্পরে পড়ে মানুষ সীমাহীন চাহিদার গোলামি করে। বৈষয়িক সভ্যতার ধর্মটি **रला भीक्षारीन हाउग्ना जात भाउग्नात रिभात। मतात जाए**१७ रिवरियक সভ্যতার হালখাতা শক্ত হাতে ধরেই মারা যায়। বৈষয়িক লোভ-লালসা **अक्टा मुक्त मानुमक्क काशाय निया याळ भारत छात निक्रत रे**छिराप्त्रत পাতায় ভূৱি ভূৱি পাগুয়া যায়। नमुना তুলে ধরলে শেষ হতে চাইবে ना। यिश्वन रक्षन रेंगिन श्रुप्तानिनि। उनिगम' कुछि नात्नत फिल्क श्रुप्तानिनि ছিলেন একজন জাঁদৱেল সাংবাদিক এবং মানবতাবাদী। ক্ষমতার মোহনীয় শक्ति भूत्रानिनित्क त्काशा सनित्य अतना अवः भत्त त्काशा स्वान त्माप्रनीय পতনের শেষ বিন্দুতে একদম অসহায়ের মতো মৃত্যুবরণ করতে হলো! জার্মানির হিটলার একজন আনু আর্টিস্ট ছিল, অপূর্ব ছবি আঁকতে পারত। छिनिछ, गँगा, तूलन सूराल, रैनात जनमन, भावला भिकास्मात सर्ला জগৎজোড়া নাম কিনতে পারবে বলে অনেকেই আশার বাণী গুনিয়েছিল। কিছু তারপর? তারপর মানব ইতিহাসে সবচেয়ে ভয়ংকর খুনি বলে সবাই घृंभा करत। व्यान्नार्त वाका साँ लक्ष सानुस शून कत्रक्ट हिएँमास्त्रत विस्वकिएँ সামান্য কেঁপে ৪ঠে নি। শক্তির মোহ বিবেককে অন্ধ করে দেয়। পশুর

क्रिया नीक्र निष्ठ निष्ठ क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रिया

শয়তানের অবস্থান কোখায় এবং কীভাবে?

অন্ধ শক্তির মোহটি শয়তান অনেক রকম আশা দিয়ে ফুটিয়ে তোলে। আর শয়তানের মোহজালে মানুষ এমনভাবে জড়িয়ে পড়ে যে মৃত্যুই শেষ পরিণতিটি এনে দেয়। তাই সর্বশক্তিমান আল্লাহ্ রাব্বুল আল আমিন আমাদেরকে বারবার সাবধান করে দিয়েছেন এই বলে যে, বান্দার চাগুয়ার কোনো শেষ নাই। যদি দুনিয়াটা পুরোটাই একটি বান্দাকে দিয়ে দেগুয়া হয়, তো আর একটি দুনিয়া চাইবে। এ যেন মক্তৃমির মরীচিকার भळा। भल रश्र এर का काष्टर जलत करे, किंरू এ या भृष्युत स्निक জলের নিপুণ ছলনা মাত্র। এই নিপুণ ছলনা শয়তান খান্নাস-রূপ ধারণ করে আপন দেহের ভেতর থেকে প্রতিটি মুহূর্তে ধোঁকা দিয়ে চলছে। ধোঁকা মনে रश ना अ कना या, सांकाणि वारित रक्ष एक आ रश ना। कातप भानवफरहत वारित गराजान शास्क ना।। अप्रा स्वातातित श्रकागा धाराप। एउ रा। আপন দেহের ভেতর হতে। আপন নফ্সের সঙ্গে মিশিয়ে দেগুয়া হয়েছে शातात्रिंदिन। यसन पूर्ध कल समात्न दावा याग्र ना। विमान सानवर्फर्ट्य

হুদয়ঘড়ি জীবনঘড়ির কাঁটা টিক্টিক্ করে চলছে আর সেই সঙ্গে খান্নাসরূপী শয়তান মোহের জাল বুনে চলছে বিবেকটা গ্রাস করার তরে। কিন্তু বুঝবার উপায় থাকে না। জীবনঘড়ির কাঁটাটি থেমে যাবার কিছুক্ষণ আগেই শয়তানের ধোঁকাটি ধরা পড়ে। কিন্তু তখন আর কোনো উপায় থাকে না। কোরান-এর সূরা হাশরে অকপট বয়ানটি পাই শয়তানের। কিছু তখন যে সব কিছু শেষ হতে চলছে। জীবনের অর্থনীতি, রাজনীতি, পারিবারিক বিষয়ের উপর শয়তান সাথেই আছে। এমনকি প্রতিটি চলার ধাপে ধাপে শয়তান কাছেই থাকে, তবু আমরা বুঝতে পারি না। লোভ গ্র **सारित সুতা**ণ্ডলো খুবই শক্ত। ছিন্ন করার শক্তি আমাদের থাকে না। কারণ ছিন্ন করার উপায় আমাদের জানা নাই। কেউ শিখিয়ে দেয় নি। শিখিয়ে দেবার গুরু কোখায় পাব? গুরুর বেশেগু শয়তান মেকি গুরু সেজে বসে আছে। হেরা গুহার ধ্যানসাধনাটিকে কে শিখিয়ে দেবে? কেম্বন করে গুরুর সন্ধান পেলেগু অনেক সময় শয়তান রোহবানিয়াতের ধুয়া তুলে পথ ভূলিয়ে দেয়। কারণ শয়তান গুরু মানে না। গুরুকে জানবার বিধান শয়তানকে দেগুয়া হয় নি। তাই শয়তান নিজেই গুরু সেজে বসে থাকে। শয়তান আল্লাহর পূজা করে (সূরা হাশর), কিছু গুরুপূজা করে না। আল্লাহর কাছে শয়তান মাথা নত করে, কিছু আদমকে সেন্ডদা দেয় না। व्याप्तम क्वित हैन मान नय, वर्ष व्याप्तम हैन मान कारमण। व्याप्तम निव छ

রসুল। আদম শফিউল্লাহ। আদম-এর ভেতর নুর-এ-মোহাম্বদির জাগ্রত রূপ বিরাঙ্গিত। তাই ইনসানরূপী আদমকে মেনে নিতে পারে না শয়তান। শয়তান এক আল্লাহ ছাড়া আর কারো কাছে মাথা নত করে না। গুয়াহেদ वान्नार्क मग्रग्न स्नत्न तिश्च अवः अक्षा कदा, किन्नु वाराष्ट्र वान्नारक শয়তান মানে ना এবং সেজদা করে না। সর্বভূতে যে আল্লাহর সিফাত বিরাজিত সেই আল্লাহ্ সর্বশক্তিমান। সেই সর্বশক্তিমান আল্লাহকে শয়তান भाल ना, ठार व्याप्त्रस्क स्त्रक्षमा कत्रस्य उथा स्नित निस्य व्यश्वीकात कत्रन। याता व्याप्रस्मत व्यानुभठारक व्यश्वीकात करत वर्ता रा, अक व्यान्नार ष्टाड़ा व्यात कारात्क आनि ना, ठाता अग्नात्र वाल्लार्क स्नल जिया वाराम वाल्लार তথা সর্বশক্তিমান আল্লাহকে মেনে নেয় না। মুখে মেনে নেবার কথাটি বারবার বলবে, কিন্তু সাধনপদ্ধতিতে আল্লাহ্র নুরে নুরময় হবার প্রথাটিকে किष्टुळचे स्नत्न त्नत्व ना। गग्नजात्नत स्नत्न

लिवात मट्टा अप्तत सिल लिवात श्वश् मिल भारे। ठारे मानूमक श्रिट भफ्त भफ्त खाँका भावात ममूर विभफ्त मूत्थामूथि श्ट श्वा लक्क लक्क अलि, गाउँम, कूठूव, व्यावमाल, व्यातिका यूपा यूपा यूपा अर्थ अकि मान मूल म्मितक नाना छामाग्न, नाना छिन्नमाग्न श्वकाण करत पाष्ट्रन। छामा छिन्न, छिन्नमा छिन्न, भक्षि छिन्न, एमक-थमक छिन्न, नर्जन-कूर्नन छिन्न, भथ छिन्न, किन्न क्रल-छता माग्रत अकि । स्माताकावात क्लोणन अ भक्षि छिन्न, किन्न मूल म्मिन अकि । अथाल ध्रमीग्न मार्थनवार्छ छिन्न छिन्न श्रिट । स्माताकावात क्लोणन अ भक्षि । अथाल ध्रमीग्न मार्थनवार्छ । स्माताकावात क्लोणन अ भक्षि । अथाल ध्रमीग्न मार्थनवार्छ । स्माताकावार्ष छन्न छन्न श्रित । स्माताकावार्ष । समाताकावार्ष । समाताकाव्य । समाताकावार्ष । समाताकावार्ष । समाताकावार्ष । समाताकावार्ष । समाताकाव्य । समात

বিভিন্নতায়, পোশাক-পরিচ্ছদে ভিন্ন হতে পারে, খাগুয়া-দাগুয়া, চলা-বলার মাঝে ভিন্নতা থাকতে পারে, কিছু মূল দর্শনটি এক ও অখণ্ড (সূরা ইব্রাহিম)। এ জন্যই সুফিরা জাতের মধ্যে বাস করেও জাতের উর্ধের্ব বাস করেন। সংকর্ণিতার অন্ধণলিতে সুফিবাদ থাকতে পারে না। তাই নিজ নিজ পোশাকেও অভিন্ন মত ও পথের কথা বলা হয়। খসক্ল, লালন, কবির, কানাই, জগদীশ, মনোমোহন, দ্বিজদাশ, শাহ আবদুল লতিফ ভিটাই, বুল্লে শাহ, শাহবাজ, নজমুদ্দিন, ফারমাদি, মটকা শাহ।৷ এদের ভাষা ভিন্ন, গান ভিন্ন, সুর ভিন্ন, ঠমক ভিন্ন, শৈলী ভিন্ন, ময়ুখ ভিন্ন, কিন্তু মূল বিষয় অভিন্ন। এরা একই আতাসমর্পণের সাগরে ঝাঁপ দেবার বাণী শোনায়। এই আত্মজিক্ষাসার বাণী সবার পছক হবে না। সবাই এই আহ্বানে সাড়া দেবে না। এই মহাবাণী, এই মহামন্ত্র যতই কানের কাছে ঘ্যানরঘ্যানর করে শোনানো হোক না কেন, সবাই এর মর্ম এবং মূল্য বুঝতে পারবে না। অল্পসংখ্যক লোক আসবে, আসে এবং এসেছিল।। মহাকাল এর সাক্ষ্য বহন করে চলছে। এই হেকমতের জ্ঞান তথা রহস্যময় জ্ঞান মাথা খাটিয়ে অর্জন कता याग्र ना, वतः व्याण कता रग्न छ्या मान कता रग्न। कात्र कलत्वत छान, त्रिनात छान তथा अनस नामूनि मात्नत विषय, व्यर्कतत विषय नय। তাই তো কোরান এই বিষয়টির প্রশ্নে 'যাকে ইচ্ছা' দান করার কথাটি धाषभा कदाष्ट्र। यात्क प्रवात नग्न, मान कता रूत ना, ठात्क धानभाधनाग्न বসতেই দেগুয়া হবে না। জোর করে বসতে চাইলেগু লাখি দিয়ে উঠিয়ে

फिश्रा रत। अप्रा-मिप्रा तल जलक तकम कथात माना श्रनित्स, अस्रिं फिरिस्स यूक्रिएर्क्त सांधास किल्ल स्मानिमाधना रूट मत्नत जकात्र मित्रस फिश्रा रस, जथक तूपाळ भात्र ना। अप्रारे जान्नार्त व्हक्सण। विक्षित विधान। विक्षित कनात्नीमन।

গণতদ্বের দেশের এক বিদ্বান ব্যক্তি, যিনি বিরোধী দলে অবস্থান করছেন, তিনি সাধারণ মানুষের সমাবেশে একশত পার্সেন্ট গ্যারান্টি দিয়ে বলছেন যে, দেশের প্রেসিভেন্ট ৪ প্রধানমন্ত্রী বিবাহ করেন নি, তাই মেঘের দেবতা वक्रभ वृष्टि फिट्ट ना। मतकाति फलत अक जिलाक क्रानाता रल िनि বললেন যে, এই অখাদ্য কথার নিন্দা করার যোগ্যতাটুকুগু নাই। তেমনি আমাদের দেশে 'আধ্যাত্মিক' নামটি ধারণ করে অনেক প্রতারক একশত পার্সেন্ট গ্যারান্টির বার্ণী শুনিয়ে জনতার সাথে প্রতারণা করছে এবং এদের অখাদ্য খনকারিকে আধ্যাত্মিক কর্মকাণ্ড বলে সমালোচনা করতেগু ক্লচি গু বিবেক ঘৃণা করে। এসব অপদার্থরা সুফিবাদের উপর প্রশ্ন দাঁড় করাতে চায়। কিছু সুফিবাদে বিশ্বাসীরা এদের সামান্য আমল দিতেও ঘৃণা বোধ করে। সুফিবাদে বিশ্বাসীরা ভালো করেই জানেন যে, মোল্লা দিয়ে सरानितिक साभळ शिलर विताएँ छून कता रति। कातप सान्ना सान्नार, আর মহানবি মহানবিই। যাজক দিয়ে যিশুখ্রিস্টকে মাপতে, খাদেম দিয়ে খাজা বাবাকে মাপতে এবং কটুর পুরোহিত দিয়ে ভগবান কৃষ্ণকে মাপতে পেলেই বিরাট ভুল করা হবে। সাদা দই দেখে সাদা চুনের কথা মনে করা

ঠিক নয়। আর পথের ধারে দড়ি পড়ে থাকাটিকে সাপ মনে করাগু ঠিক नश्च। रेविनित्र खर्श्काती, ठारे खाष्ट्रस्क टाक्ष्मा करत ना। टाक्रमा ना कतात क्य युक्ति बात पिनन या रेविनिएमत बाष्ट, या बान्नारत व्यक्षिक प्रभक्त পেয়ে হাসতে থাকে। ইবলিসের মাথা আল্লাহ্ ছাড়া আর কারো কাছে নত হবে না বলার মাঝে কি স্থূল দৃষ্টিতে ভুল পাগুয়া যায়? আরবি-জানা পণ্ডিতের দলগু তো এমন কথাটি বলে। তা হলে ইবলিসের দোষটা কোথায়? আরবি জানা পণ্ডিত বলছে, আল্লাহ্ ছাড়া মাথা নত করি না। আবার ইবলিসগু ঐ একই কথা বলছে যে, আল্লাহ্ ছাড়া ইবলিসের মাথা ने रत ना। उँ द्यात कथा अक। उँ द्यात पर्मन अक। कातप कातान रूट जलक फ्लिल ठूटल धता याग्र या, जाल्लार ছाড़ा जात काद्वा काष्ट साथा नठ करता ना। ठा रल? ठा रल अत व्यामन तरमापि रताशाय नुकिया व्याष्ट? গুয়াহেদ আল্লাহ আর আহাদ আল্লাহ্র সূক্ষ্ম পার্থক্যটি না বুঝবার দরুন এ रश नि, वतः वना रखिष्ट 'कुनर वान्नार वाराम' 'वला वान्नार वर्षः, একক, স্বয়ং স্বয়ন্তু সন্তা।' নফ্স আর ক্রন্তের পার্যক্যটি পরিষ্কার বুঝতে না পারলে যেমন সব কিছু তালগোল পাকানোর গন্ধ পাগুয়া যায়, তেমনি গুয়াহেদ আর আহাদের পার্থক্যটি পরিষ্কার বুঝতে না পারলে এ রকম দশা रुक्त वाध्य। रेनमान बात बाफ्स अक विषय नय। कात्रप रेनमान रुक्त निव ३ त्रपूर्णत व्यागमन। जारे तर्ण भव रेनमान नग्न। रेनमात्नत मूत्रजरे व्याष्ट्रारत

সুরত, বলা হয় নি। বলা হয়েছে, আদমের সুরতই আল্লাহর সুরত। এই সূক্ষা विষয়টি ভালো করে বুঝতে না পারলে বিদ্রান্ত হবার সম্ভাবনা থাকে। भ्रशनितिक रेनिमान ना वल वागात किन वना रखिए? कातप वागात यात र्वेन प्राप्तित सात्य विताएँ भार्यकारि वर्णसान। क्रिस, राकिक, क्रािस, प्रानार, খসক্র, বেদম, হায়রাত, সাঞ্চর, তাবিশ, বাদায়ুনির পীরপূজার রহস্যটা এখানেই। তাই তাঁরা প্রকাশ্যে ঘোষণা করে গেছেন, রাফতি গুয়া নেসারে र्वुं जाता ख का ति एक भारत का পূজারি করেছি'। তাঁরা অন্যত্র বলেছেন, 'পীর পারাম্ভি হক পারাম্ভি' তথা 'পীরপূজাই হলো আল্লাহ্র পূজা'। এই কথাগুলো ইবলিস যাদের মাঝে প্রবলভাবে বিরাজ করছে তাদের শরীরে আগুন ধরিয়ে দেবে। কারণ रैविनम का थाक ना अवः शाकात व्यार्थन का तान-अ प्रभुशा रश नि, একমাত্র মানুষ এবং জিনের অন্তর ছাড়া। কারণ আল্লাহ্র সমগ্র সৃষ্টি তৌহিদে বাস করছে এবং সব সময় তসবিহ পাঠ করছে তথা গুণগান গাইছে। যাহা তৌহিদে বাস করে তাহাতে ইবলিসের বিচরণ করার व्यिधकात कातान- ध प्रभ्रशा रश नि। यूछता रेविनय सानुस धवः क्रित्नत सात्वारं मूर्जिसान। कथाय वत्न, रैविनिप्तत युक्तिगर्क अवः कत्गाया नाःघाणिक ধারালো। এই ইবলিসের ধারালো যুক্তির তলে যাদের মাথা কাটা যাবে তারাগু ইবলিসের শিষ্য তথা মুরিদ। দুনিয়াতে ইবলিসের অনুসারীর সংখ্যাই বেশি হবে॥ কোরান-এর পবিত্র বাণী ইহার জ্বলন্ত দৃষ্টান্ত। এখন

পাঠক পরিষ্কার বুঝতে পারছেন যে, গুহাবি মতবাদ আর ইবলিসি মতবাদ একই সূত্রে গাঁখা। গুহাবি মতবাদে বিদ্রান্তির মোহনীয় জাল বুনে রাখা হয়েছে আনুষ্ঠানিক কতগুলো প্রার্থনার লেবাসে। আর সেই জালে কত সহজ গু সরল মানুষগুলো পা রেখে ফাঁদে আটকে যাচ্ছে তার হিসাব কে রাখে?

আত্মপরিচয়ের জন্য সাধনপদ্ধতির শ্বরূপ

প্রতিটি মানুষের ভেতর রবরূপে রুহ ঘুমিয়ে আছে। অণু-পুরমাণুর চেয়েগু ছোট রুহটি বীন্ধরূপে বিরাজিত। ঠাণ্ডা-সর্দির ভাইরাস যেমন প্রতিটি मानुरवत मात्य नुकित्य व्याष्ट। त्यामिश्रभाषि श्रवूरवत मत्या। नवम (नग्न) শক্তিতে প্রষুধের অম্ভিত্ব একদম নাই, অথচ শক্তি আছে। নাম্ভি থেকে এর শক্তির অম্ভিত্ন। বর্ণহীন এর রং। প্রকারহীন এর আকার। পরিচয়হীনতা रियक्त अत পরিচিতি। অবিশ্বাসের মাঝে বিশ্বাস। नार्टे মলে হয়, তবুগু আছের অনুভূতির শ্বীকৃতি। মোহনীয় বিত্ত-বৈভবের চমক আর ঠমকের सात्य अका रुख यावात त्वावा कान्ना। शिठा-साठा, शूब-कन्या, छार्हे-त्वान সবাই আছের মাঝে একদিন একা চিরবিদায় নেগুয়া। ধন-সম্পদের লোভ গু নেশা মাদকদ্রব্যের চেয়েগু ভয়ংকর নেশা। গাধার মতো খাটুনি খাটায়। কত রকম রঙিন আশার কথা গুনিয়ে, তারপর সব আশাগুলো ধোঁকা দিয়ে একা কেবলই একটা দুনিয়া থেকে নিঠুৱভাবে বিদায় নিতে হয়। সব কিছু বুঝি, বুঝি সব কিছু মায়ার প্রচণ্ড নেশা। বুঝি মাদকের নেশা विषयान, उर्व थान कति। कल युक्त युक्त त्राप्तत एट निर्ह्म श्रीवीिए সেজেওঁজে নেচে চলছে। আর তাই দেখে নিজেকে হারিয়ে ফেলে। কত জয়যাত্রা বীরবচন শুনে শুনে দেহ-মনে শিহরণ জাগে। জয়-পরাজয়কে গাজি আর শহিদের কথাটি গুনিয়ে কাছে টেনে আনতে চায়। মানুষ দলে দলে ঝাঁপিয়ে পড়ছে এবং পড়বে। কিছু অতি সামান্য অতি নগণ্য কিছু লোক মুখ कितिया वाज्यभितिएय कानात माधनाय पूर्व याय अवः यात्वरं अवः अतारं वाल्लारत अलि। वाँधन अप्तत्रत्व न्यार्ग करत, किन्नु तिंक्ष रक्षण पारत ना। কাদায় বাস করা মাছের মতো। কাদার স্পর্শে আছে, কিছু কাদা মাছের फिट लिए। शांक वा। वषीक छलभाव जोकात भका। ऋलत ऋर्ग वाष्ट्र। কিছু পেটে পানি ধারণ করে না। সুফিরা আত্মপরিচয় জানবার বারবার णिष षिद्य एलष्ट्व। त्रुकिता पूनियात एाअया-भाअयात रिगावणा प्टाण করার বারবার উপদেশ দিচ্ছে এই বলে যে, তুমি দশের সঙ্গে মিশে যেয়ো ना, বরং দশের বাইরে দাঁড়িয়ে ঘোষণা করতে চেন্টা করো যে, তুমি সম্পূর্ণরূপে এগারো। সম্পূর্ণরূপে আলাদা। বাড়ি-গাড়ি, বিত্ত-বৈভবের মাঝে गांत्रि (थाँकात कना गांधात शाँद्रिन शाँदेशा। रय्या तर्व किष्टू (अल। किंडू শান্তির পাশেই কাঁটার খোঁচা খাবার যন্ত্রণাটি সব সময় উঁকিঝুঁকি মারার বোবা শব্দটি শুনতে পাচ্ছ? তখন ভুল ভেঙে গেলেও সব কিছু ত্যাগ করে व्यात अभिद्य यातात मिक शास्त्र ना। सारमायात मूर्थ प्ररू-मनि অনেকখানি গিলে ফেলেছে। ছেলেমেয়েদের মাঝে বেঁচে থাকতে চাইছ?

কিছুদিন বেঁচেও থাকবে সন্তানদের শ্বৃতিতে। তারপর? তারপর नाणिপूणिएत सृष्टि रूक सूष्ट यात्त। अरे ठूनत्का क्रीवनणा क्रामात्क किष्ट्रर **फिल ना अवः फिरात विधान व्यान्नारुभाक तार्थन नि। योन मूथ व्यात विछ-**বৈভবের সুখ যে কত ঠুনকো কাচের মতো তা ভেঙে গেলেই কাচের গ্লাসের पूँक द्वाञ्चला हित्य या शांत्रि वानाता रखिष्टल जा बात वूचवात बवकान থাকে না। মনগড়া ফতোয়ার বাঁধনে মনগড়া এবাদত করে চলছ? কিছু कनि य विताएँ अकिए भूना छ। भृष्युत দ्वात्रश्वात्त्र अस्य वुषास्य भातत्व। मरानित एता छरात निर्मन সাধनात পনেরটি বছরের কথা হৃদয়ে একটিবার স্থান দিতে পারলে না? একটিবার কিছুদিনের জন্য নির্জন সাধনাটি করতে পারলে না? একটি বার সূরা তগুবার দুই নম্বর আয়াতটির व्याप्तम भावन कत्रका भात्रल ना? हाति मात्र प्रत्वत मात्य प्रमं कतात क्थाणि तिभानुभ छूल शिख्य विष्ठ-तिভবের নেশায় অমরত্বের ফাঁকি-মারা প্রতারণার খপ্পরে পড়ে মৃত্যুর কাছে এতিম আর সর্বহারার মতো দাঁড়িয়ে রইলে? একণ্ডঁয়েমি, ঘাড়মোগরামি, সব-বুঝে-গেছি, উদ্ধত অহংকারের व्याकालन या एक भिर्तिपछित पृत्गा कछ निर्मम, कछ निर्मूत कछ বেদনাদায়ক তা হাড়ে হাড়ে টের পাবে। নিতাইগঞ্চের (নারায়ণগঞ্জ শহরের একটি অংশ) মামা রফিক ভূতের মতো পরিশ্রম করত। কোটি কোটি টাকার মালিক। মাঝে মাঝে উপদেশ দিতাম। হেসে উড়িয়ে দিত। অবশেষে कुमकुम क्यामादा व्याक्वान्त रहा। फ्रम-विप्हत्मत मव हिक्शिमा त्मस्। मृत्युत

পথযাত্রী। মামা বুঝতে পারলেন। দেখা করলাম। হোমিও ডাক্রার হিসাবে অধমের নাম কম ছিল না। তাই শেষ চিকিৎসা চাইল। বললাম, চিকিৎসা लागरत ना, পড़ा পानि খान। सासा क्यालक्याल करत करत तहल। भिष्ठत भळा। तनलन, तिश्वात्र करता, छाला रुख शिल ळाभात कथा भळा त्राधना করব, সুফিবাদে জীবন উৎসর্গ করব। কিছু তা কি আর হয়? নিয়তির অমোঘ বিধানটি যে অবধারিত। এ রকম কত দৃশ্য চিকিৎসকজীবনে দেখতে হয়েছে। মানবদেহটির অনেক রূপক নাম। একটি হলো দেহকেতাব। এই দেহকেতাবটি যতদিন আছে, মনে হবে সবই আছে। দেহকেতাব কবর অথবা শাশানে শেষ হয়ে যায়। কত শক্তিধর দেহকেতাবিদের কথা শৃতিতে মলিন হয়ে থাকে। আবার কিছুই থাকে না। **मु**णताः कातान- अत भिवत कालास्त्रत उपारमि किष्टुरितात क्रना स्नत बाउ। साब हात साम प्रत्य सात्य स्रम कत्रक करूं। कर्ता। साब हातिह মাস তিন ভাগ করে চল্লিশ দিনের নির্জন সাধনাটি করে যাগু। দেখতে পাবে কোরান-এর বাণী আর বু আলী শাহ কলন্দরের সাধনপদ্ধতিটি কত বড় প্রুব সত্য। এখানে বাকি নাই। এখানে পরে পাবার কথা নাই। এখানে ফাঁকি নাই। সাধনায় পাবার নগদ দৃশ্যটি দেখতে পাবে। এ কথাগুলিগু অপ্লিয় সত্য या, छाभारक यण्डे तूबारे ना कन, यि जकिरत ना शाक जा रल व्यासात क्याञ्चला व्यथाम् तल सल रत। सल सल व्यासात या-ठा शालाशालि कत्रत्व। वार्घत छकित्र नित्य याता व्यात्म छाप्नित्रत्क राछित

शावात मविक फिल्म क्या ताथ कताएँ। अकान श्वाणाविक। व्यासात अर्थे भूम किएँ वाधात ठकित नित्य याता पूनियाक अत्मष्ट ठाप्तत क्रना निशि नि। ठाता त्यन छून-कता शामाण रक्त सूथ कितित्य ज्वाय अवः ज्वात कात्य मविक वाधात काष्ट व्यशमा किन्न राठित काष्ट शामा। राठित मासज वाधात शामा छूल धतल मूथ कितित्य ज्वात कात्य मूथ कितित्य ज्वाणा रे राठित मासज वाधात राठित कात्र मूथ कितित्य ज्वाणा रे राठित मासज राठित ठकित। अक्त पूःश थान्याणा मवात क्रनार त्वाकािस। मिल्त भूकाितत्क व्यवस्थ वाधा त्वाकािस। वाधात त्वाकािस। वाधात वाधात वाधात व्यवस्थ वाधात वाधात व्यवस्थ वाधात वाधा

শয়তান উনিশ রকম রূপ ধারণ করে। প্রতিটি রূপের মাঝে থাকে স্থুল আর সূক্ষা প্রতারণার নানা কোশল। শয়তানের যুক্তি এতই ধারালো যে, বড় বড় মাথাগুয়ালারা পর্যন্ত বোকা বনে যায় এবং গেছে এবং এর দলিলও কম পাগুয়া যায় না (ইমাম ফখকদ্দিন রাজি)। তা ছাড়া শয়তান যে আমারই মাঝে মিশে আছে এবং সূক্ষা ধোঁকার মোহে টোপ ফেলছে তা টের পাবার উপায় সহক্রেই বোঝা যায় না। শক্তির পূজারিরাগু পীর সাক্রে, গুরু বনে বসে। প্রতিটি বিষয়ে নকল, ভেজাল আর প্রতারণা। সাবধান করেও খুব একটা লাভ হয় না। চোখে আছুল দিয়ে বোঝালেও অবুঝের মতো পা বাড়ায়। বল্লমের মাথায় কোরান-এর বাণী ঝুলিয়ে হিন্দার ছেলে মোয়াবিয়ার মতো শান্তি চাগুয়া। এটা যে সম্পূর্ণ একটা ধোঁকাবাজির স্টাইল তা বারবার মাগুলা আলি বলার পরও অনেকেই বুঝতে পারেন নি। বড় বড়

सरिউफिन व्यावपून कार्फत किनानिकिश व्यतिकर तूवाळ ना शिदा जून পথে পা বাড়িয়েছে। स्नाङाएफ खालफ जालिक । ब्रिड्र एक त य ठिनिए কোণ থাকে তা একজন অতি সাধারণ বিদ্যানগু বুঝতে পারে। কিছু উনি **ত্রিভুজের দুই কোণ বলাতে অনেকেই ভুল বুঝেছে এবং এই সেদিনও মরহম कित्र हिमिछि विक्रांक्षित क्षर्छा विश्वक्र प्रक्षां क्षांक्रा कर्द्धा** পান নি। এই ত্রিভুজটি কি জাগতিক ত্রিভুজ না অন্য কিছুর রহস্যময় ইশারা नुकिया बाष्ट ठा द्रुन पृष्टिक विषात करत या-ठा भन्नवा कताएँ। कि বোকाभित পরিচয় বহন করে না? এই একইভাবে পাঞ্চাবের বাবা বুল্লে শাহ এবং সিন্ধের শাহ আবদুল লতিফ ভিটাই এবং দিল্লির হন্ধরত আমির খসক্রকে স্থূল দৃষ্টিতে বিচার করতে গেলে পদে পদে ভুল করা হবে। যারা गाउँत्रुम बाक्रम भीताता भीत मञ्जभीत मारतूरत मावरानि कूलूरत ताक्तानि गाउँए माभ्रमानि त्मश रेमग्रम भाउनाना भरिउँ फिन व्यातपून कारम्त किनानि व्यान रात्रानि अग्रान स्थात्राग्ननित्क निग्नाप्तत्व প্रভाবে প্रভाবानिত रुख গালিগালাজ করেন তারা ইসলাম বিষয়ের বিরাট পণ্ডিত হতে পারেন, কিছু আধ্যাত্মিক জগতের উচ্চতর মোকামে অবস্থান করার প্রশ্নুই ৪ঠে না। কারণ বড়পীর সাহেব বলেছেন, আমার পায়ের চিহ্ন যে ব্যক্তি মাথা পেতে ना तित त्र कथलार कित रक्ष भातत ना, ततः रत अकि कक्त। বড়পীর সাহেব বলেছেন, এই সব ফক্করদের থেকে সাবধান! কারণ এরা त्र**ण अथ २०० विभर्स नित्य यात्व अवः शाम**तारिक नाकानाकि छक्न कर्त्व দেবে। মনে হবে এরাই আসল ফকির, অথচ এরাই আসল ফক্কর। क्राँদরেল সমাজতন্ত্রের নেতার সামনে হঠাৎ বৈজ্ঞানিক সমাজতন্ত্রের ধুয়া তুলে বিভ্রান্ত করেছে জাতিকে একজন প্রক্তাবান নেতা। ম্যাসাচুসেট্সের শিক্ষিত **लक्षा চুल** अशालात 'तैत्र क्षां निक' कथा ित सात्य क्रव कक्षात जात्व मार्टित त খুশবু লুকিয়ে থাকার রহস্যটি আমাদের কয়জনের মাথায় ঢুকবে? লেবাসে ধর্মের পোশাক, আসলে ধর্মের ধার যারা ধারে না তারা যদি তৌহিদি জনতার কথা বলে এবং যারা গরিবের রক্তশোষণ করে, এতিমের হক মেরে **फि**र्स विभान विङ-रैवङरवत सानिक रूस १९विन्नरवत वास्कानत याँ। भिर्स পড়ার ডাক দেয়, তা হলে পরিষ্কার বুঝে নিতে হবে যে, কোখাও খুব বড় রকমের মারাত্মক গলদ দেখা দিয়েছে এবং এটা পরিষ্কার ভণ্ডামি ছাড়া আর কিছু নয়। পীর-ফকিরদের মাঝেও নকল, ভেজাল আর প্রতারক দিয়ে দেশ ছেয়ে গেছে। আসল পীর-ফকির চিনে নেগুয়াগু ভীষণ কন্টসাধ্য ব্যাপার। তবু আপনাকে খুঁজতে হবে, তবু আপনাকে পীর ধরেগু বারবার পীর বদলতে হবে। কারণ আত্মপরিচয় জানবার নিশ্চিত ফর্মুলাটি আপনাকে জেনে নিতেই হবে। কারণ সমাজতন্ত্রের সঙ্গে যেমন বৈজ্ঞানিক यक्षि नाशिख एमक छिति कता रश, छमनि शीत-कित्तत नाम 'शीत कासिन' मक्छि नाभित्य एसक छिति कता रश। त्य भीत पूनिशात मासाना व्यिधकार्ति किटा भारत नि, म व्याचात अनि रय क्यान करत? अकरें

किंटलत रेठित पूरि छाकू, अकि पिर्स व्यादिशन करत सानूस वाँछात्र, व्यात व्यावि पिरस करवर करत शांगठ विक्रि करत। व्यापनारक धूव प्रावधात छित निर्छ रूप रावधात व्यापन, व्यात रानि निर्छ रूप रावधात व्यापन, व्यात रानि निर्छ रूप रावित्रा, सारतायान, व्यातू पूर्कियानस्त श्रेठातपात कांग्स पर्ड व्यातक प्रतन-परक सानूर्य साँका श्रेरित व्यातक प्रतन-परक सानूर्य साँका श्रेरित व्यातक प्रतन-परक सानूर्य स्वात व्यातक प्रतन-परक सानूर्य स्वात व्यातक प्रतन-परक सानूर्य स्वात व्यातक प्रतन-परक सानूर्य स्वात व्यातक प्रति हिरस हमस्य प्रत व्यातक व्यावि स्वात हमस्य हम

अरेगत सरागराणान भूक्षपति सत्या निनिभियाछ-अत पर्मनिए अण्डे साताण्यक अतः व्यण्जि मृक्ष्म िकन त्यांकातािक त्य, यराः साछ त्म प्रः-अत सत्णा ित्य कांपत्तन नि। निनिभयाछ-अत पर्मनिए राम, अक्ष्मन सानुष यण्णूक् छत्यत व्यक्षिकाती, णात्क यिष स्वःम करत ित्र हाछ त्या मण्डेण वािज्ञ रेनित्राविनित्रा छाषात हाणूर्व श्रमःमात भत श्रमःमा कत्रत्य यात्का। व्यासात्मत त्रत्यत त्वाता अक निर्वात भूवत्क निनिभयाछ नासक छारेतात्म व्याक्ष्मण कत्रत्य हारेष्ट, णत्व वृष्किसान राम राम व्याप्त का स्वात हारेष्ट स्वात वत्न सन्व राम व्याप्त का स्वात हारेष्ठ साताण्यक। व्यानक हारेष्ठ का क्ष्मिन। सत्य राम् विष्ठ का क्ष्मिन। सत्य राम् विष्ठ का क्ष्मिन। सत्य राम् विष्ठ का व्यानक हारेष्ठ साताण्यक।

फ्रम्बिट रला, लाल পठाकािटिक यिह क्षत्थ्य करत हिन्छ हाउ छा, ठूक्षिउ ঠিক সে রকম লাল পতাকা হাতে তুলে নাগু। কোনটা আসল আর কোনটা नकल तुवाळ ना त्यत्न क्रनेण रुणमाश्च पूर्गत। এळ यात्रन नान পতাকাপ্তয়ালা কোনোদিন ক্ষমতায় যেতে পারবে না এবং পাল্লা দিয়ে ব্যাঙ यियन साभा याग्र ना, ध्यमनि अफ्तरक अक्षां कता यात ना। कातप लाकालांकि कतल পाल्लात सानम्ङि लिंश लाकालांकि कतरव। त्रुकिवाम्रक ध्वःत्र कतात क्रवा छराविता वावा कोमल खवलञ्चव कदा। जात सर्धा अकिं रला भाताञ्चक कोमनी टाटक अभन निशूंछ অভिनय कतळ रद या, পাবলিক বুঝতেই পারবে না এবং ঝাঁকে ঝাঁকে মুরিদ হতে থাকবে। अভाবেই उरावि मण्वाप्तत छाङ वास्त्र वास्त्र मात्रत्ण शादन वापन त्रुकिएमत विक़प्तः लिलिया माठ 'वाक्यन' मक्छि व्यवहात करत। व्याभता ছवि ठूनि ना कार्त्रप ছित ळाना रातास, जत्व भात्रापाळिंत ছित ळाना रानान, টাকার মধ্যে আরবি বাদশাহদের ছবি হালাল; আমরা গান বাজনা করি না, কারণ গানবাজনা হারাম ইত্যাদি প্রচার করে আসল সুফিদের থেকে মনটাকে ঘুরিয়ে দাগু। যদিগু ডালেস সাহেব ছিলেন আনু কূটনীতিবিদ। কিছু দার্শনিক তত্ত্বের প্রশ্নে আসল দার্শনিক নিটশে, শোপেনহাগুয়ার, বার্গসঁ, বার্কলি, দেকার্তে আর হেগেল হয়তো অবাক বিশ্বয়ে তাকিয়ে থাকতেন। এভাবেই नकल আসলের রূপ ধারণ করে। যুগে যুগে অনেক ধোঁকাবাজির रैंछिरात्र लिशा रखिष्ट, किन्नू ठवूछ व्यामता व्यात्रल-नकल পार्थका कतळ

পারি না এবং একটু সামান্য চেষ্টাগু করি না। মাইজভাণ্ডার, সুরেশ্বর, নুরুল্লাপুরের শানাল ফকির, পণ্ডিতসারের গোলাম মাগুলানা চিশতি গুরফে শামপুরি শাহ সাহেব, দাগনভূঞার জয়লশ্করের শাহাপীর চিশতির **म्ह्रवा**त्र छात्म आट्ट कार्लि आट्ट कि निकार कि क्थात तावा तरनकाती नकन मुकि फिर्स एम प्रस्ता शिष्ट्र। अधू मामाना गत्वरा कत्रलं कीवापुछला धता পढ़ याग्र। क्रात्थ गत्वरात सार्टकारकापि नागिरा पतिक्षात जल जीवापू फरश रामन एमरक अर्छ, ळभनि अप्तत्रक धतात क्रफा जानिया याळ रत। खनाथारा ज्रित क्रंकृत ठूल অবশেষে भृত্युत काष्ट फाँड़िया অতৃश्वित চুका পानि भूখ फिया বেরিয়ে আসবে। এজন্যই মহানবি বারবার আমাদেরকে সাবধান করে দিয়েছেন এই বলে যে, আমার আসল উন্মতেরা নকল উন্মতদের এত বেশি বেশি এবাদত-বন্দেগি দেখে দেখে অবাক হয়ে যাবে। কিন্তু এরা জমিনের মাঝে সবচেয়ে নিকৃষ্ট প্রাণী হবে এবং এদের থেকে খুব সাবধান থাকতে হবে। (মেশকাত শরিফ)।

व्याभता व्यवगार भूव त्रावधान थाकळ क्रिंग कित् वर्षकातात्मत क्रिल ताथा व्यक्ष क्लात क्षालकाश या कठ व्यक्ष व्याष्टा थ्या उनिष्टि, ठात रिगाविं कि क्वित ठकित्वतर कलक्षत निथल रुख थाकत्व? राशाठ- भठेळत भानिक क्ष्मात त्रवंभिक्षान व्यालार। क्षेण त्रवार क्राल ३ व्याव्य। कित्र त्रांठवा रुळ रेक्ष कर्त नाक फिल कि व्यालार वांठावन? ना,

वैं। ए। तिन ना। कार्य छाट्या-सक्त या ए। है-वाष्ट्रा करा द्वार विषयि छोटू प्रान करा रखा हि पर्वीका करा र करा करा विषयि छाटू वट्य छा असार , अभार अदे वा करि विषयि छा अदि करिया है । वहें भूट्य दिया छा आत अरीका थाटक ना, वर नकम रख याय। खान्नार छा हैट्य कराट्य अप सानुस्त अकर छेन्ना खान आन्द्र विषय अप अप है हिम्स कराट आन्द्र होने प्राय अस्त है छा कर्त ता है हिम्स विषय अरोक साथ होने करा अरोका वा अरोक होने करा अरोका है हिम्स वा अरोक वा करा है हिम्स वा अरोक होने हिम्स वा अरोक होने करा है हिम्स वा अरोक होने हिम्स होने हिम्स

পবিত্র কোরান-এর সার্বজনীনতার সাক্ষ্য

শয়তান বিষয়টি পবিত্র কোরান-এ এত সুন্দর এবং সপষ্ট করে বারবার তুলে ধরা হয়েছে যে, পৃথিবীর কোনো ধর্মীয় প্রস্তে এ রকমটি আর পাগুয়া যায় না। মুসলমান বলে বলছি না, বরং নিরপেক্ষ গবেষণার মাধ্যমে জানা- অজানা বহু ধর্ম বিষয়ে অধ্যয়ন করেই বলছি। শয়তানটি যে আপন আপন দেহেই অবস্থান করছে, তারই বিশদ এবং নিপুণ ব্যাখ্যা-বিশ্লেষণ একমাত্র কোরান-এই পাগুয়া যায়। মানুষ মনে করে শয়তান আলাদা থাকে। এটাই মানুষের মারাত্মক ভুল। তাই শয়তান বিষয়ে জ্ঞান না থাকলে সুফিবাদে প্রবেশ করার প্রশ্নই ৪ঠে না। অবশ্য মৌখিক শিক্ষা নয়, বরং প্রাকটিক্যাল শিক্ষা। এই বিষয়টি আপন পরি হতে শিখে নিতে হয়। কারণ এই বিষয়টি খুব ভালো করে জেনে রাখতে হবে য়ে, শয়তানের আল্লাহর সয়য় সৃষ্টির

কোখাও থাকার বিধান নাই, কেবলমাত্র মানুষ এবং জিনের অন্তর ছাড়া। প্রতারণার কেন্দ্রস্থল অন্তরে। মাথায় নয়। মাথা কাজ করে আর অন্তর করায়। চিত্রপরিচালক পর্দার পেছনে থাকে আর নায়ক-নায়িকা বাহিরে शाकि। वाश्वितंत भितिष्ठिणिक मुश्र मत्न रुत। व्यामत्न जा नग्न। भग्नजात्नत স্থানটি যে কেবলমাত্র মানব-অন্তর এটাই কোরান বারবার অনেক রকম ভাষার শৈলীতে বুঝিয়েছে। সুতরাং মানুষ মনে করে সে একা। আসলে একা नश्र। गश्राचान त्राक्ष वाष्ट्र वितर्ष्ट 'उप्तर्धना' च्या पूर्वेकन वना रखिष्ट। यात শয়তানকে সাধনার মাধ্যমে সরিয়ে দিতে পারলে হয় 'উদউনি' তথা একা। णारे मूता सामित्नत याण नश्त वाशाक तला रखिष्ट, उपछेनि वाशाकत লাকুম তথা তুমি একা ডাকো অবশ্যই জবাব পাবে। দুইজন থাকলে হাজার ভাকেগু জবাব পাবে না। তথা আপন পরিচয় পাবে না। তাই বারবার নিজেকে চিনতে বলা হয়েছে। তথা তোমার ভেতর তুমি একা নগু, বরং দুইজন।তেথা তুমি ৪ খান্নসরূপী শয়তান। এই খান্নাসরূপী শয়তানকে **শ্লোরাকাবার ধ্যানসাধনায় তাড়িয়ে দিতে হয় নতুবা একা হগুয়া যায় না।** আর একা না হলে আল্লাহর ডাকের জবাব পাগুয়া যায় না। 'আস্তাজেব'-अत भूल मक्छि रुला 'ञाल अकावा' उथा नारथ नारथ कवाव प्रशा। अठ ভাকাভাকি করি, কিন্তু জবাব পাবার নাম-গন্ধটিগু নাই। কারণ শয়তানকে সঙ্গে নিয়ে ডাকলে 'উদ্উনা' তথা দুইজন হয়ে যায়। অথচ কোৱান क्तिवनभाव अका छाकळ वल्ए , अवः अञ्च वल्ए या, यि अका छाकळ

পারো তো সঙ্গে সঙ্গে জবাব পাবে। তাই খাজা বাবা হাসান মইনুদ্দিন চিশতি বলেছেন যে, আমি ডাকার সঙ্গে সঙ্গে জবাব পাই, আর তোমরা পাও না! তোমরাও পাবে, যদি মোরাকাবার ধ্যানসাধনায় হাস্তি (শয়তান)-কে মিটিয়ে দিতে পারো। মাগুলা আলি বলেছেন যে, সেই আল্লাহকে আমি কোনোদিন ডাকি নি, যে আল্লাহকে দেখি নি। সুফিবাদের এই মহামূল্যবান কথাগুলো অনেকটা বোবা চ্যালেঞ্চ, অথচ এই শয়তানের খপ্পরে পড়ে দুনিয়াটাকেই একমাত্র বিষয় বলে মনে করে নিয়েছি। এই মনগড়া মনে করাটাপ্ত শয়তানের নিপুণ ধোঁকা। সূক্ষ্ম প্রতারণা। মৃত্যুর সামান্য কিছু আগেই সব কিছু যে শয়তানের ধোঁকা, পরিষ্কার বোঝা যায়। অনেকটা ক্যাসার রোগীর চিকিৎসাবিহীন যন্ত্রণার মৃত্যুর মতো। ঝানু ডাঙ্গারেরা क्राय क्राय व्यवसायात मक्रा मृत्रु यञ्चभात पृग्र प्रथष्ट, व्यवच कतात किष्ट्रहें शाक ना। कर्ष्ट्रकू व्यमश यञ्चमा व्याक्तसम करत मृद्युत फिक्क निर्ध एनए, এটা একজন সুস্থ লোক কিছুতেই বুঝতে পারে না এবং পারার কথা নয়। কেবল অপরের মৃত্যুযন্ত্রণাটি দেখে বেদনা অনুভব করে। সুতরাং ক্যাসার ব্যক্তিকেন্দ্রিক, তথা যার হয় সেই বোঝে এবং অপরের বোঝার কথাও নয়। তাই আসল সুফিবাদের প্রচার কম হয়। নকল সুফিবাদের প্রচার গু धूमधा शाका थूव विभि। नकल प्रकिता कथा य कथा य त्या विकास विभाग विभा পায় এবং কথায় কথায় ফতোয়া মারে। অনেকটা চোরের মায়ের গলার আগুয়াজ বড় হবার মতো। আবার এটাগু সত্য যে, মিখ্যা, ভেজাল, নকল

আর অন্ধকার আছে বলেই মানুষ আলোর সন্ধান করে। কেউ পায়, কেউ পায় না। যার ভেতরের শয়তানটা যে রকম, সে রকমই আশা করতে হয়। শয়তান মনের আকাশে (পৃথিবীর আকাশে নয়, কারণ পৃথিবীর আকাশ তৌহিদে বাস করে) সাধকদেরকে আগুনের গোলা নিক্ষেপ করে। কিছু আল্লাহ্ই হেফাজত করেন। বাস্তব আকাশে শয়তান থাকার প্রশ্নুই ৪ঠে না। সুতরাং আগুনের গোলা নিক্ষেপ করাটাও অবান্তর। সুফিদের অন্যতম শ্রেষ্ঠ सनीची सरिউफिन रैवनून व्यातािव क्यूराक सकी नासक क्यांत वातवात এই কথাটিই বুঝিয়ে গেছেন যে, সামাগুয়াতে গুয়াল আরদ্ বলতে আকাশ **७ भृथिवी का**ना काना क्रिक्र वाचाल मृन्य मन ७ फ्र्डिंग्कि বোঝানো হয়েছে। হঙ্গরত আমির খসক তো স্পর্ট ভাষায় মন ৪ দেহটির কথা বোঝানোর কথাটি বলেছেন এবং সেই সঙ্গে এক ধাপ এগিয়ে বলেছেন या, प्रमध पृष्टि ३ प्रकारिक (भक्त राज राज वापन फरहत एउटाउँ वाष्ट्र अवः পাবে। स्नाताकावात धानमाधना विश्व क्वित क्वित वाचा कथा याश। লেখাপড়া করে অনেক কিছু জানা যায়, বোঝা যায়, কিছু দর্শনটি পাগুয়া যায় না। তাই তো অনেক বিশাল বিদ্বান মানুষটিকেগু অনেক সময় এত किषूत ভालामक कानात পत्र वाजान्या कत्र प्रिश एकि । एकि अध्य गास्त কি এমনতেমন বিদ্বান! নোবেল পুরস্কারটিগু আত্মহত্যা হতে তাঁকে বাঁচাতে পারল না। কী অদ্ভূত শয়তানের প্রতারণার শক্তি। কোথা হতে কোথায় এক मुट्टर्ज नामित्रा रकल। यिष्ठ व्याज्यव्या अवः व्याज्याष्ट्रि अक विषय् नग्न।

এটার ব্যাখ্যা এখানে অপ্রাসঙ্গিক। তাই বাবা জান শরীফ শাহ সুরেশ্বরী বারবার বলেছেন যে, আগে পথঘাট ভালো করে চিনে নাগু, তারপর মোরাকাবার ধ্যানসাধনাটি করো।

> नूत्व रक रक वाष्ट रक हिता वाण। भवाष्ठ भादा यिष कदा त्मेष छाण ॥ ना हिनिया भवाष्ठ कदित्व कारात। छूळत वत्किंग रुत, रुत ना स्थाषात ॥

আমার লেখা সবার জন্য নয়। যারা কেবল আল্লাহ্র প্রেমিক, যারা কেবল আল্লাহর নৈকট্য কামনা করে, কেবল তাদের জন্য লিখেছি। প্রেমিক ভালো করেই জানে যে এই পথে কেবল হারাতে হয়, এই পথে নিজেকে বলি দিতে দিতে অগ্রসর হতে হয়। কারণ আমারই মাঝে আরেক নকল আমি লুকিয়ে আছে। যে নকল আমিটি অবিশ্বাস্য ছদ্মবেশ ধারণ করে আসল আমিটাকে প্রতিটি মুহূর্তে ধোঁকার ফাঁদে ফেলছে, সেই নকল আমিটাকে তাড়াতে পারলেই সব সাধনার শেষ হয়ে যায়। তাই তো কোরান বলছে, ইয়াকিন অর্জন না করা পর্যন্ত এবাদত করো। হঙ্গরত বাবা দাউদ তায়ি বলেছেন, হাঁটতে হাঁটতে অনেক কন্ট ৪ সাধনা করার পর ইয়াকিনের ঘরে প্রবেশ করতে পেরেছি। এখন আর হাঁটার প্রয়োজন নাই। বড়পীর হজরত গাউসুল वाक्रम तलएवन, वार्तिक रवात भत वात ध्रवाम्छ शास्त ना। वार्सिक्रम বোষ্টামি বলেছেন, নকল আমিটার যখন আর কিছুই রইল না, তখন

व्यात्रम व्यक्ति तमळ मानम, व्यक्ति त्र्वामि, त्रव मान व्यासातरे। मिलत पूर्मितिएत काष्ट्र अत्रव कथा वमळ शिल्म गार्य किरतात्रिन क्रिल्म एम्वात सळा व्यवहा रवि। कात्रम व्यक्ति किष्टू भावात भत अवः या शिराष्ट्र गारे थिया श्रम्म कतळ भात्रव ना ठवूछ व्यात्रछ गारे, व्यात्रछ गारे अवः व्यवश्यक्ति या गारे गारे गारे कर्ष्य अवः भाष्ट्र, श्ररे अकिमन नारे रखा याण्ट्र। की व्यष्ट्र त्वभूश्यत मानमात थामा! त्रव किष्टू जूनिया एम्या असनिक व्याद्ध व्याद्ध सानूर्यत श्रम त्रम त्रम विरवक्षूकू थ्या भाव्य भाव्य रात्र व्याद्ध, किष्टू क्रिला सानूस (क्षेत्र) भाग्र ना।

सूत्रलक्षानए त পত दात सूल कातप!

व्यामानगठक मानिकाना मत्न कर्त मूमनमानत्मत भग्नत छक रहा। व्यामानग (अहानगती रिकात प्रत्य क्षामानिहा रूग्ध अर्थ उँचान-भग्नत प्रम्ध (अप्त क्षामानगती रिकात प्रत्य क्षामानिहा रूग्ध अर्थ मानिहास प्रत्य भग्नत प्रत्य क्षामाना अर्थ मानिहास प्रत्य क्षामाना अर्थ मानिहास प्रत्य क्षामाना अर्थ मानिहास प्रत्य क्षामाना क्षामानिहास प्रत्य व्यापात व्

व्याप्त याञ्च, तत्रञ्च क्या व्याष्ट्रहें ।।हेन्छािक छैं चू याःका दित भान भूतप कत्रक ह्या। याता अहे भानछला भाहें एक कार्का क्षांचेतात त्रूर्याभ ३ क्ष्म्ब किति कद्ध किर्याष्ट्र ठाप्तत क्षांचा? तूक हांचे द्धांचे वाहें कि विद्याप्त कार्का कार्या का कर्द्ध छेंडति हांहें कि विद्याप्त कार्या का कर्द्ध छेंडति हांहें कि विद्याप्त कार्या कार्या

कातान वलए, वाकाम धवः क्रिमल या किছू वाए त्रवार ठमविर পार्ठ করছে। তৌহিদে বাস করলেই তসবিহ পাঠ করা যায়। তাই সমগ্র সৃষ্টিজগৎ তৌহিদে বাস করছে। যাহা তৌহিদে বাস করে, শয়তানের সেখানে আসার প্রশ্নুই ৪ঠে না। তাই শয়তানের থাকার কোনো স্থান নাই। সামান্য পরিমাণ স্থানত সৃষ্টিজগতে নাই যেখানে শয়তান থাকতে পারে। শয়তান যেখানে शांक छोटिष प्रशांक शांक ना। गशंछान ३ छोटिष পागांभांगि शांकात काला वार्रेन प्रमध कातान-ध नार्रे। छार्रे वामता प्रभळ পार्रे ख, শয়তান কেবলমাত্র দুইটি স্থানে থাকে এবং থাকার অনুমতি আল্লাহ কর্তৃক **ए** इंशा हा हा है । प्राप्त के प्र के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप র। এই দুইটি অন্তর ছাড়া শয়তান আর কোথাগু থাকার অনুমতি পায় নি। णारे व्याक्षाप्तत्रक त्रव त्रवश्च अकिं कथा वातवात व्यव ताथळ रुत या, শয়তানের থাকার একমাত্র স্থানটি হলো মানুষের অন্তর। আমার, আপনার

এবং সব মানুষের অন্তরেই কেবল শয়তান থাকতে পারে। অন্য কোথাগু নয়। প্রতিটি বিষয় ভালো করে জানতে হলে যেমন সেই বিষয়ের কিছু मृलमूब शाक्त अवः मृलमूबछला स्मलार व्यथमत रूळ रश, ठिक क्रमनि শয়তান বিষয়টি ভালো করে জানবার আগে প্রথমেই মেনে নিতে হবে যে, শয়তান কেবলমাত্র মানুষ এবং জিনের অন্তরেই থাকে। অন্য কোথাগ্ত শয়তানের থাকার স্থান নাই। এই প্রধান মূলসূত্রটিকে অবহেলা করলে শয়তান বিষয়টির পরিষ্কার ধারণা হারিয়ে যেতে পারে। কারণ শয়তান মানুষের অন্তরে থেকেই মূলসূত্রটির বিষয়ে চিকন ধোঁকা দিতে পারে। যখন আমার অন্তরটিকে বাদ দিয়ে শয়তানকে অন্য কোখাগু খোঁজার ধারণা জন্মাতে থাকবে তখনই বুঝতে হবে যে, শয়তান চিকন ধোঁকা দিয়ে চলছে এবং ধোঁকার ফাঁদে পা বাড়িয়ে দেগুয়া হয়েছে। শয়তান দুই প্রকার : রূপক শয়তান এবং আসল শয়তান। ব্ৰূপক শয়তানটিকে আসল শয়তান মনে कत्रल विताएँ छूल कता रूटा। कात्रभ त्रभक मग्रेणान ना शाकल यात्रल শয়তানের ধারণা করা কন্টকর। ইসলামের প্রতিটি বিষয়ে তাই আসলকে চেনার জন্য রূপকটিকে খাড়া করা হয়েছে। রূপক আসলের ধারণা দেয়। মূর্তের কান্সটি হলো বিমূর্তকে পরিচয় করিয়ে দেগুয়া। মন্ধায় যে তিনটি পাথর দিয়ে বানানো শয়তান আছে উহা নিছক রূপক শয়তান : বড় শয়তান, মেজ শয়তান এবং ছোট শয়তান। প্রতিটি শয়তানকে পাথর ছুঁড়ে मातात विधान टिवित कता रहाएए। त्रुं भक्त गरायानटक त्रुं भक्त भाषत मातात

মধ্য দিয়ে আসল শয়তানকে কেমন করে আসল পাথর মারতে হবে সেই विষয়টিকে মনে করিয়ে দেগুয়া। মক্কায় অবস্থিত এই তিনটি রূপক শয়তানকে শয়তান মেনে নেগুয়াটাকে বলে শরিয়ত। এই শরিয়তি তিনটি শয়তানকে অশ্বীকার করলে শরিয়তের একটি অংশকে অশ্বীকার করা হয়। जालक अनि गतिश्र साल लश्न, किन्नू यांता सक्कूव अनि अवः कनक्तिशा তরিকার অনুসারী তাঁরা রূপকটিকে মেনে নেন না। কলন্দরিয়া তরিকার व्यनुत्रातीता तलन या, ज्ञानक स्माल निल व्यलक त्रभग्न ज्ञानकार ठात्राठात्रिक्ट व्यात्रनिष्ट या शतित्य याय्य। कात्रप प्रत्या याय्य, त्रप्रक्तत ष्ट्राष्ट्रि-साथासाथि अठ तिभि रय ता जामन तत्न त्य किष्टू अक्टा जाष्ट **ा जात मल कतिया फिलाउ मल ताथक छारा ना। अवः उथनर उशारि** भेठवाप्तत क्रवा रहा। कातप अराविता त्रिक्ष भावत, व्यात्रम भावत ना। গুহাবিরা কাঠের বানানো ঠ্যাং টিকেই আসল ঠ্যাং বলে এবং কাঠের বানানো ঠ্যাংটিকেই আসল ঠ্যাং বলে প্রচার করে। অতি হালকা এবং বাহিরটিকে নিয়েই শ্লেতে থাকে এবং রূপকের সঙ্গে যে আসলটি আছে এটা स्रात त्वरा ना। ठार अशांवि यठवाम गर्छीत्व श्रातम कत्व ना। अवः गर्छीत्व যারা প্রবেশ করতে চায়, তাদেরকে গালিগালাজ করে। শয়তান যে কেবলমাত্র জিন আর মানুষের অন্তর ছাড়া আল্লাহ্র সমগ্র সৃষ্টিরাজ্যের কোখাও থাকে না এবং থাকতে পারে না এবং থাকার কোনো প্রকার আইন রাখা হয় নি, এই অতি সামান্য কথাটুকু অনেকেই বুঝতে পারে না। এই

সামান্য প্রাথমিক মূলসূত্রটি বুঝতে না পেরে যারা ইসলামের গবেষক হয়ে यान, তाদেরকে বলার কী-বা থাকতে পারে? যে-পাথর দিয়ে মন্ধার তিনটি রূপক শয়তান বানানো হয়েছে, সেই পাথর খণ্ডগুলোগু তৌহিদে বাস করে এবং তসবিহু পাঠ করে। কারণ পাথর শয়তান নয়। আসল শয়তানটিকে বুঝিয়ে দেবার জন্য এবং আসল শয়তানটিকে কেমন করে চেনা যাবে, জানা যাবে, তারই জন্য এই রূপক শয়তান। রূপক শয়তানটিকে পাথর **एँ** आतात পत भारात कुठामाात्छन भर्यन्न भातत्व प्रभा यात्र अवः त्रभक শয়তানটিকে পাথর মারার জন্য এমন হড়াহড়ি ধাকা শুরু হয়ে যায় যে, প্রতি বছর বেশ কিছু মানুষের পায়ের তলায় পিষ্ট হয়ে মারা যাবার খবরটি খবরের কাগঙ্গে দুঃখভরা মন দিয়ে পড়তে হয়। অথচ মক্কায় অবস্থিত এই তিনটি শয়তান নিছক ৰূপক শয়তান। আসল শয়তানটি যে প্ৰতিটি মানুষের অন্তরে বহাল তবিয়তে বাস করছে। অন্তরের শয়তানটিকে কেমন कर्त्व ठाष्ट्राट रत, किश्वन कर्त्व व्यात्रम भाषत षूँद्ध भातट रत, किश्वन করে দুর্বল করে তুলতে হবে সেই প্রেসফ্রিপশন (ব্যবস্থাপত্র)-টি যাঁরা দেবার যোগ্যতা রাখেন, তাঁরাই গুরু। তাঁরাই পীর। তাঁরাই মুরশিদ। व्यानुक्रानिक ठात ष्रकृष्टिक ित्य नय, लाक-एए थात्ना अवाष्ठ - वत्कि वित्य नग्न, ततः कास्मल भीरतत मन्नान करत।। यह ममग्रहे लाञ्चक ना रकन अवः ये कफेंरे खाक ना किना। अर्रे कासिन भीत भावात भत अर्रे कासिन পীরের মুরিদ হয়ে কেমন করে সালাত, জিকির আর শ্লোরাকাবা করতে

रत (अर्थे विषय्रधला क्रत्न नित्यं त्राधना कत्रत्व रत। वा ना कत्त क्वान व्यक्षकादा ि ए डूंट्र सात्रल काला कल भावात व्यामा कता याग्र ना। अशिव শাষ্ত্রজ্ঞরা অনেক সময় বলে থাকে যে, কোরান-হাদিসই তো যথেউ, আবার পীর-ফকিরের কী প্রয়োজন? কথাণ্ডলো শুনতে খুব ভালো লাগবে। আমার এবং আপনার অন্তরে শয়তান আছে বলেই ভালো লাগবে। শয়তান কোনো साध्यस सात्न ना। यिष्ठ व्याल्लार् ताक्तूल व्याल व्यासिन साध्यसिंटिक स्मत निराधका। वाल्लार्भाक ठाँत भिवन कातान श्रथस क्रम वामिनक দিলেন এবং ক্রন্থল আমিন মহানবিকে দিলেন এবং মহানবির পবিত্র ঠোঁট মোবারক হতে আমরা কোরান পাই। সুতরাং আল্লাহপাক যে মাধ্যম सात्नन, रेंशरे ठांत कुला क्षसाप। শराठान व्याप्तसत्क ट्राक्षमा करत ना। শয়তান গুয়াহেদ আল্লাহ মানে, কিছু আহাদ আল্লাহকে মানে না, মানতে পারে না। আদমের ভেতর যে রুহটি নুরে মোহাম্বদি-রূপে বিরাজমান সেটা শয়তান মেনে নিতে পারে নি। কামেল পীরের প্রয়োজনের কথাটি গুহাবিরা অশ্বীকার করে কোরান-হাদিসের দোহাই দিয়ে। অতি সাধারণ একটি প্রশ্ন করা যায় যে, উচ্চ শিক্ষার জন্য বইণ্ডলোই তো যথেষ্ট আবার শিক্ষক এবং প্রফেসরের কী প্রয়োজন? যে কোনো প্রকার জ্ঞান অর্জন করতে গেলে শিক্ষকের প্রয়োজন হয়।। তা সেই জ্ঞান বৈষয়িকই হোক, আর আধ্যাত্মিক छान टाक। भिक्रकत छॅनिना ছाछा, भिक्रकक साध्यसन्तर्भ स्रात्न ना नित्न, যে কোনো ধরনের ফ্রান অর্জন করাটা প্রায় ক্ষেত্রেই সম্ভবপর হয়ে ৪ঠে না।

অবশ্য যত সুন্দর করেই বোঝানো হোক না কেন, তকদিরে না থাকলে বোঝালেগু বুঝতে চাইবে না। এটাসেটা বলে আমতা আমতা করে পালিয়ে যাবে। তাই এই ধরনের লোকদেরকে বোঝানো সম্ভবপর নয়। কারণ হেদায়েতের মালিক হলেন একমাত্র আল্লাহ্ রাব্বুল আল আমিন। তা ছাড়া আর একটি কথা বলতে চাই যে, হজ্জাতুল ইসলাম ইমাম গাজ্জালি (যদিও रिक्षाम शाक्तानि একশত খণ্ডে কোৱান-এর বিশাল তফসিরটি রচনা করেছিলেন এবং এত বড় কোরান-এর তফসিরটি আজগু কেউ করতে পারেন নি। যদিগু সেই বিশাল কোরান-এর তফসিরটি সেলজুকি রাজা দ্বিতীয় মোহাম্বদ প্রকাশ্যে সবার সামনে ফ্লালিয়ে দিয়েছিল। আশা করি এই বিষয়টি সবারই কমবেশি জানা থাকার কথা), মাগুলানা জালাল উদ্দিন ক্লমি (ই. বি. ব্লাউন এবং রেয়ন্ড নিকলসন একবাক্যে শ্বীকার করেছেন এবং জগৎকে এই বলে ঘোষণা করে জানিয়ে দিয়েছেন যে, এত উঁচু মাপের भाउनाना रॅंत्रनात्मत रॅंजिरात्म व्यात रश नारे, रश ना अवः छविषात्ज रति । ना), राकिक त्रितािक, वाल्लाक्षा व्यावपूत तरमान क्रािक, व्यारम द्रिकािश, वर्ज़ीत जाररव, शाका वावा सर्वेनुष्टिन िमिछि, क्रुवारसम् वागमामि, क्रुवनुन भित्रति, भाक्क कूकति, भूकि-ध वाक्रभ भाठनाना राद्विजादिर, रैभाभून व्याउँ निया वाद्यिक ए वाञ्चािभत भक्ता व्यत्नक शीत-भूति भक्त कि कातान-राष्ट्रियत छान ज्यत्नक तिथि हिन ना? किन्नु छाता त्कन भीतित राज्य भूतिष रुख त्रामाल, क्रिकित अवः स्नाताकावा कत्रळ शिलन?

जूनि थांत प्रत्न कि यांत नाि रानाकू थां वाशनाक अठ स्वःत्रयक **ঢालातात अभग्न अछ वर्**छ देशलाभ भत्विकता कि हू कता छा हूत थाक, অঘোরে প্রাণ হারাতে হলো। আর সবার চোখের আড়ালে থাকা পীর বাবা খাজা আবু ইয়াকুব এবং তাঁর প্রধান মুরিদ ও খলিফা পীর বাবা খাজা নুর साराश्वम मात्रविमत काष्ट माभाना किष्टू मभग्न व्यवश्वान करत निष्मत धर्भिए পर्यञ्ज छा न करत करनमा भर्छ रानाकू था भूमनमान रखा शन। अछा कि नाभाना वाजा वर्षा वर्षा वर्षा अक पूर्विक्ट छेड़िया फिट्ट जान? व्यञ्जद শয়তানটির অবস্থান প্রবল হলে তো তা উড়িয়ে দিতে চাইলে অবাক হবার কিছু নাই। কারণ শয়তান পীর-মুরশিদ কখনোই মানে না, বরং পীর-মুরশিদের নামটি শুনলে ঘৃণায় শয়তানের শরীর রি রি করে ৪ঠে। শয়তান यात অন্তরে প্রবল শক্তি ধারণ করে বসে আছে সেই মানুষটিরগু পীর-মানুষটির পক্ষে শ্রেনে নেবার প্রশ্নুই গ্রঠে না। কারণ, সে বাহিরের শয়তানটিকে মানে এবং অন্তরে শয়তানের অবস্থানটিকে অশ্বীকার করে। বাহিরের শয়তান তিনটিকে পাথর ছুঁড়ে মারতে সে বেহুঁশ, কিছু নিজের অন্ত রের ভেতর যে শয়তানটি বসে মিটিমিটি হাসছে সেই বিষয়ে সামান্যতম হঁশটিগু নাই। তাই বলছি, যখন আচার-অনুষ্ঠান আসল উদ্দেশ্য গু লক্ষ্য रातित्य रफल ठथन प्ररे वाषात-व्यवृष्ठान छला क्वतमात्र वालक्षातिक रुख अर्फ। अकि मानुष वाष्ट्रारक भावात माधनाय क्रीवन-मत्रप वाकि द्वरथ

অগ্রসর হতে থাকে এবং আল্লাহ্র রহমত যখন সেই সাধকের উপর বর্ষিত হতে থাকে তখন সেই সাধকের চোখ দুটো আল্লাহর চোখে পরিণত হয়, राज पूर्णा वाल्लार्त राज পतिगज रहा अवः अर राष्ट्र राज पिखा वाल्लार् काक कदान, किर्ता वाल्लारत रुख याग्न अतः अरे किर्ता फिख वाल्लार कथा तलन।। **এভাবে সাধকের প্রতিটি অঙ্গ আল্লাহ্র হয়ে** যায় এবং এই রকম অবস্থায় সাধক যখন উপনীত হন, তখন সেই সাধককে অনেক রকম নামে ভাকা হয়। यেसन জासाल, সারাপা, রিন্ধি, বান্দা নেপ্তয়াজ, প্রয়াজহল্লাহ এবং हिन्दूता বলেন নর নারায়ণ, নররূপী নারায়ণ ইত্যাদি। আবার পরক্ষণে একটি মানুষ যখন শয়তানের খপ্পরে পড়ে যায় এবং শয়তানকে অনুকরণ গু অনুসরণ করতে থাকে তখন আন্তে আন্তে পরিপূর্ণ শয়তানে পরিণত হয়ে याय्य। তখन সেই মানুষটির চোখ শয়তানের চোখে পরিণত হয়। কারণ সমস্ত হৃদয়–মন জুড়ে শয়তান বসে থাকে। শয়তান খুবই চালাক–চতুর তাই শয়তান কখনোই ঘোষণা করবে না যে, 'আনাশ শয়তান' তথা আমি শয়তান। কারণ এতে শয়তানের শয়তানি করার মগুকা দুর্বল হয়ে পড়ে। সাধকের হৃদয়-মন জুড়ে আল্লাহ্ যখন রবরূপ ধারণ করে প্রকাশিত হন, তখন সাধক 'আনাল হক' বলেন। কিছু শয়তান একটি মানষের হৃদয়-মন यथन मन्पूर्न वास्त्र वास्त्र श्रास्त्र रकल अतः वाभन मूर्जिक मूर्ज रुख अकं, তখন কিন্তু ভুলেগু একবার 'আনাশ শয়তান' তথা আমিই শয়তান বলবে ना। এটাই শয়তানের চালাকি, প্রতারণা, নীতি এবং ধর্ম। তাই সাধকেরা

বলে থাকেন যে, শয়তান তার আপন রূপে একইভাবে চল্লিশ বছর অবস্থান করতে পারে, কিছু সাধক প্রতি বছরে নব নব রূপ ধারণ করেন। শয়তানের প্রভাবে আচ্ছন্ন হয়ে সেই মানুষটির জিহ্বা শয়তানে পরিণত হয় এবং সেই জিহ্বা দিয়ে যা কিছু বলে শয়তানই বলে। কিছু শয়তান এতই ভয়ংকর চালাক যে, সাধারণ মানুষ তো দূরে থাক বড় বড় মাথাগুয়ালাদেরকে धालपानि रतमभ पान कताएए। तूबाळर पादा ना या, अर क्याछला সাধকের পবিত্র বাণী নয়, বরং শয়তানের পচা বচন। শুনতে কতই না মধুর লাগছে। আসলে একদম পঢ়া বচন। বড় বড় বিদ্বানেরা বুঝতেই পারেন না যে, মানুষ ছাড়া অন্য কোথাগু শয়তান থাকতেই পারে না, থাকার কোনো দলিল নাই। বিদ্বানেরা বারবার একথাটি মনে রাখে সত্যি, কিছু আসল জায়গায় এসে মনের অজান্তে শয়তানের গোপন চালবাজিতে সব কিছু ভুলে যায় এবং শয়তানটিকে দেবতা মনে করে ফেলে। শয়তানটিকে দেবতা মনে করার কৌশলটি শয়তানের জানা আছে বলেই বারবার হোঁচট খেতে হয়। অবশ্য তকদিরের অবশ্যম্ভাবী নাচনটি জন্মের আগেই লিখা হয়ে আছে। णारे जाधरकता वर्तन, कर्स करत याञ्च, कर्सकन की रूत जा प्रश्रफ राश ना। ठारे अरे क्यांि तलल भूत अक्टा तिन तला रत ना त्य, सानुस ष्टाड़ा শয়তান পাগুয়া যায় না এবং মানুষ ছাড়া শয়তানের কোনো দলিল নাই। আবার ঠিক উল্টো করে বললেও খুব একটা বেশি বলা হবে না যে, মানুষ ष्टाफ़ा व्याल्लार् भाअशा याश ना अवः सानुष ष्टाफ़ा व्याल्लार्त कात्ना फिलल নাই। তাই মাগুলা আলি বারবার বলেছেন, যে আল্লাহকে আলি দেখেন না সেই আল্লাহকে আলি ডাকেন না। মোজাদ্দেদে আলফেসানি বারবার তাঁর মুরিদদেরকে মোরাকাবার সাধনা করার পূর্বে বলেছেন, পীরে তাসত আউয়াল মাবুদ তাস্ত তথা তোমার পীরই হলো তোমার প্রথম মাবুদ। कार्त्रप क्षरम मातूष अ क्रवारे वना रखिष्ट, जायन थीत मात्र छिनिए घटत छथा মোকামে তথা স্তরে তথা স্টেজে অবস্থান করেন। তারপর চার নম্বর মোকামে আর পরিকে খুঁক্তে পাগুয়া যায় না। কারণ চার নম্বর মোকামে যখন সাধক অবস্থান করেন, তখন দেখতে পান যে, আপন পীর বাবা ডান **फिक फिर्स्स एटल यान এবং শয়** जान वास फिक फिर्स्स भानिरस यास। कार्त्रप লাহত মোকামে আপন পীৱন্ত থাকে না এবং শয়তানটিত থাকে না। সাধক আপনার ভেতর চেয়ে দেখেন যে, আমার পীরগু আমি এবং আমার মুরিদগু আমি। এখানেই তৌহিদ-এর আগ পর্যন্ত শেরেকে অবস্থান। সুতরাং পীর ধরাগু শেরেক। কারণ তখনগু আমি এবং তুমি আছে। অথচ পীর ধরাটাই শেষ শেরেক। এর আগে প্রতিটি মানুষ শেরেকে ডুবে থাকে, যদিও তৌহিদে থাকার ঘোষণাটি দেয়। এই ঘোষণাটিতেও শয়তানের চালবাজি থাকে, যা বড় বড় বিদ্বানেরা মালুমই (টের) পায় না। কথার বস্তা মাথায় চেপে এই त्ररात्र वागाभाशा किषुर तावा यात ना। त्करनर कथात नागत वानि, সাগর আলি হয়ে সমাজে বাহবা পাগুয়া যায় এবং নিজেকে খুব বড় একটা किष्टू रुख़ शिष्ट वर्त भत्न भत्न वाञ्च ठृष्ठि नाङ कता याग्न। छारे সाधकता

বারবার বলেন যে, মোরাকাবার ধ্যানসাধনা ছাড়া আসল বিষয়টির কিছুই বোঝা যায় না। কারণ মোরাকাবার ধ্যানসাধনার দ্বারাই আপনার ভিতরের শয়তানটিকে তাড়াতে হয়। তাগু আবার শয়তান আঠার মতো লেগে থাকে। সাধক মোরাকাবার সাধনার দ্বারা যখন মালাকুত মোকামে যায়, তখনগু শয়তানটিকে আপনার মাঝে দুর্বলরূপে দেখতে পায় এবং অবাক বিশ্বয়ে তাকিয়ে থাকে। তারপর সাধক আবার মোরাকাবার व्यवश्वान श्ररण करत व्यवाक रुख प्रभुक्त भान या, मश्चान व्याभनात सार्य এখনগু অবস্থান করছে, তবে খুবই দুর্বল, খুবই অসুস্থ অবস্থায় শয়তান অবস্থান করছে। তারপর সাধক আবার মোরাকাবার ধ্যানসাধনায় কিছুদিন কাটিয়ে দেবার পর দেখতে পান যে, তিনি লাহত নামক মোকামে অবস্থান করছেন এবং অবাক বিশ্বয়ে চেয়ে দেখেন যে, আপনার ভেতরের শয়তানটি চিরতরে পালিয়ে গেছে। শয়তানের নামনিশানাটাগু নাই। তারপর আরগু বেশি অবাক হয়ে যান সাধক যখন দেখতে পান যে, আপনার পীর এতদিন একটানা যাঁর ধ্যানসাধনা করেছি, সেই পীরগু আর নাই। এখন কেবলই আমি আর আমি, যেদিকে তাকাই কেবলই আমাকেই দেখতে পাই। দুই আর দেখতে পাই না। তখনই সাধক বলে ফেলেন, व्यानाल रक- व्याक्षिर क्षकषाव मण्डः व्याना मूतरानि क्षा व्याक्षाभूगानि- व्याक्षि त्र्वरानि, गान क्ववन वाक्षात्रहे; नाहेत्रा की क्रुक्वाळ त्रिश्रा वान्नाठाना-

এই সুবার ভেতর আল্লাহ ছাড়া আর কিছু নাই; জামালে খুদ জামালে र्हेशाद्य हिमास व्यासात शीत्र व्यासि व्याचात व्यासात सुतिम् व्यासि; शीद्वत **मूत्रक नित्रक फ्रिंगांस ७** छा नित नग्न, ततः युग्नः वाल्लाः तामाकल শায়েখে দিদাম মোম্ভফারা, না দিদাম মোম্ভফারা বালকে খোদারা এবং व्यवस्पर्य राक्षा राविवूल्लार, भाजा कि रुक्वूल्लार, भारतनभारर अलि, व्याक्यात्व अति, त्रूत्वानूत रिक्, रिकात अति, व्यायाद्य तत्रूत रहा वावा त्रारेखिर साउनाना सन्नेनुष्टिन रात्रान त्राञ्जाति जान त्रात्रानि उग्नान राजानित পবিত্র বাণীটি তুলে ধরলাম : ই-মানাম ইয়ারাম কে আন্দার নুরে रक कानी छमास, साल्नारा व्याताशादा काळ त्रुवरानि छमास ठ्या 'व्यासात ভেতর আমার বন্ধুটির নুরে হকে ফানা হয়ে গেছি, তাই যে নুরের বিকিরণ रुष्ट प्राप्ट नूत क्वतनभाव **प्रातरानित।' [इँउँद्वाप्पत এक श्र**णाण সুফিবাদের গবেষক অকপটে তার লিখনীতে প্রকাশ করে গেছেন যে ভারতবর্ষে আজ হতে প্রায় আট শত বছর পূর্বে চার কোটি মানুষ বাস করতেন। তখন ভারতবর্ষে প্রধান চারটি ধর্মের অনুসারী ছিল। সেই চারটি धर्सत नाम रला किन धर्म, रिक्टू धर्म, भात्रिधर्म अवः तोक्स धर्म। शाका वावा প্রচার করে নব্বই লক্ষ মানুষকে মুসলমান বানিয়েছিলেন। যদি খাজা বাবা वनळन, वािक्षर त्रव, वािक्षात्क व्यनुक्तप-व्यनुत्रतप कत्रत्व, जा रत्न वािक ভারতবর্ষের মুসলমানেরা খাজা বাবার নামটি ছাড়া আর কিছু গ্রহণ করে निक्ष भातका किना मत्मर। यथष्ठ यवाक रवात कथा रला या, छिनि

नक्वरें लक्ष नवा भूत्रलभानफत्रक श्रकार्णा वर्ल फिल्नन या, व्याभि क्ववलभाव सरानित अक्छन नगपा शालास। कार्तित छात्राय रुवर ठूटन धर्तलास : বারদ্বার গাহিশ গাদায়েম সুলতানে মা মোহাম্বদ । ইসলামের ইতিহাসে এত বিধমীকে মুসলমান বানাবার দৃষ্টান্তটি আর নাই। ইহা যদিও অপ্রিয়, কিছু সত্য কথা। গুহাবিদের চাপে এবং ব্যাপক প্রচারে খাজা বাবার মূল্যায়ন দিনে দিনে কিছুটা শ্লান হয়েছে বৈকি! কারণ সুফিবাদের ভাণ্ডারটি যে ফারসি ভাষায় রচিত সেই ফারসি ভাষাটিকে মুসলিম দেশের শিক্ষা প্রতিষ্ঠান হতে জীবন্ত কবর দেওয়া হয়েছে। আজ দুঃখভারাক্রান্ত ভ্রদয়ে বলতে চাই যে, ভারতবর্ষের মুসলমানদের কৃতজ্ঞতা খাজা বাবার উপর কতটুকু তা প্রত্যেকের বিবেককে প্রশ্ন করে দেখুন।] এখানেই সাধক निफ़र्क रिनळ পादान, त्रवक्क क्रना रख शष्ट वलन (वर्जीन्नान)। এখানেই বান্দান্ত নাই, আঁকান্ত নাই। এখানেই গোলামন্ত নাই, মান্তলান্ত बार्ट। এখানেই নিজের সেজদা নিজেই করেন। এখানেই সাধক বান্দা নেগুয়াজ। এখানেই সাধক আরিফ বিল্লাহ। এখানেই প্রতিটি সাধক গাউসুল আজম। (অভিক্রতা ৪ ক্লানের অভাবে এই গাউপুল আজমের রহস্যটি বুঝতে পারেন না)। এখানেই সাধক মাগুলাউল আলা। এখানেই সাধকের চরম ও পরম পাগুয়া। এখানেই সাধকের আপন রব বিশ্বরবের সুরতে ধরা দেয়। এখানেই 'নাই কোনো ইলাহ একমাত্র ইলাহ ব্যতীত প্রশংসিত আল্লাহর রসুল ছাড়া' কথাটির রহস্য পরিপূর্ণরূপে ধরা পড়ে। এখানেই সাধক দেখতে পান, 'সব প্রদীপে একই আলো।' এখানেই সাধক দেখতে পান, বহু প্রদীপের আলো ফুলছে, কিন্তু এই বহু আলো একই আলো। আপন প্রবৃত্তির বৃত্তে শয়তানের একমাত্র থাকার স্থান। এই বিষয়টিকে বাদ দিয়ে এবং এই বিষয়টির প্রাধান্য না দিয়ে ধর্মীয় গবেষণা কেমন করে চলতে পারে তা মোটেও বুঝতে পারি না। শয়তান যেমন খান্নাসরূপ ধারণ করে প্রতিটি মানুষের সঙ্গে অবস্থান করছে, ঠিক আবার আল্লাহ্গ রুহরূপে প্রতিটি মানুষের মাঝে আছেন। সুতরাং সত্য কথাটি বলতে কি, একটি **क्षानुरवत बार्ट्य क़र, नक्त्र अवः शान्नात्रक्ती मग्न**े गार्टान। स्वाप्ट िनक्रन तात्र করে। রুহকে মোরাকাবার দায়েমি সালাতের মাধ্যমে জাগিয়ে তুলতে হয়। কেননা মহানবি বারবার বলেছেন, সালাতুদ দাগুয়ামি আফজালুম মিনাস্ সালাতিল গুয়াক্তি অর্থাৎ সার্বক্ষণিক নামাজ গুয়াক্তিয়া নামাজের চেয়ে উত্তম। किञ्च मञ्चानत्क काभित्य जूनळ रय ना, कातम मञ्चान भव भयय साँका দেবার জন্য জেগেই থাকে। অনেকটা জমিনে ধান-গম রোপণ করার পর দেখা যায় আগাছাণ্ডলো আপনি গজিয়ে উঠেছে। কারণ কৃষক আগাছা রোপণ করেন না, আগাছা আপনিই গজায়। ঠিক সে রকম, আগাছার सळा, শয়তানকে জাগাতে হয় ना। सकाग्र ठिनिं गग्ने गांतर श्राप्त डूंट्र মারতে হয়, কিন্তু ইহা মোটেই শয়তান নয়, বরং একদম রূপক শয়তান। প্রতীকী শয়তান। প্রতীকী রূপক শয়তানটিকে আসল শয়তান মনে করলে বিরাট ভুল করা হবে। কারণ এই রূপক শয়তানটিকে এ জন্যই রাখা

रुखा एक व्यात्रन ३ क्षक्ठ मञ्चला हित धात्र पा क्रिया क्रिया कार्य । कार्य আসল শয়তান মানব অন্তরে থাকে, মক্কায় থাকে না। মক্কায় অবস্থিত পবিত্র কাবাঘরটি অবশ্যই আল্লাহর ঘর। কিন্তু প্রতিটি মানুষের দিল-কাবাঘরটিগু আছে এবং মোমিনের দিলই হলো জ্যান্ত কাবাঘর। (এই বিষয়টি কোরান-হাদিসের দলিল দিয়ে বিষ্ণারিত ব্যাখ্যাসহ কেবলা ও নামাজ বইটি রচনা করেছেন বাংলার বিখ্যাত ইসলাম গবেষক শাহ সুফি সদর উদ্দিন আহমদ চিশতি। তাই পাঠকদের অনুরোধ করছি বইটি পড়তে)। কারণ स्राताकावात माधनाग्र फार्यिक मानाक्य पूर्व खरक बान्नार्व विस्पेष त्रश्वक **फिलिंग्टिक अग्राम कावाय भिर्मिक करा गाया। यिनि ठाउ फिल-कावारक अग्राम** কাবাতে পরিণত করতে পেরেছেন তার কাছে মুরিদ হয়ে কেমন করে व्यापन फिल-कावारक ऋग्रह कावाश प्रतिषठ कता याश स्नर्हे क्रफी कर्त यেळ रत। स्नामित्नत क्रान्न फिल-कावात क्रान्न ळाग्नाक कमन करत कतळ হবে সেটা মোমিনই শিখিয়ে দেবেন। (একটি সত্য কথা বলতে চাই। বলতে চাই, কিছুটা ঢাকনা দিয়ে, কিছুটা গোপন করে, কিছুটা ইঙ্গিত-ইশারায় या, আগের দিনের গুলি-আল্লাহদের নামের আগে আলহাজ শব্দটি থাকত ना। यिक्षन व्यानराक तू व्यानि गार कनम्त्र, व्यानराक निकास उँिफ्न আউলিয়া, আলহাজ হজরত আমির খসক্র, আলহাজ বাবা ফরিদ উদ্দিন गर्अभकत, वानराक वावा वानाउँ फिन कानियात मार्वित। ङानीकन আমার এই ইঙ্গিত-ইশারাটি সহজেই বুঝতে পারবেন। কিছু মডার্ন যুগের

रा**७**शा-वाठाप्र संडार्न यूपात वाउँ विशाप्तत नात्मत वाएग वावराक संस्ति দেখতে পাই। অধম লেখকের পীর ও মুরশিদ কেবলায়ে কাবা মাওলানা गार कालाल नृती व्यक्ति व्यानश्व सकाग्न शिद्ध भितव रक्त कार्यि भालन করেছেন এবং তিনিগু নামের আগে আলহাজ শব্দটি ব্যবহার করতেন এবং আমি অধম লিখক পীর বাবার দিকে ফ্যালফ্যাল করে চেয়ে থাকতাম। পীর বাবাকে হয়তো প্রশ্ন করতে পারতাম এবং হয়তো তিনি উত্তরটি নাগ্ত দিতে পারতেন। কিন্তু প্রশ্ন করি নাই। কারণ 'সেন্ডদা ভি কারে শেকোয়া ভি কারে বান্দে কা ইয়ে দায়ুর নাহি হ্যায়' অর্থাৎ 'আপনাকে সেন্ধদাগু করব আবার প্রশ্নপ্ত করব এটা মুরিদের লক্ষণ নয়'। অথচ অধম লেখকের দাদা भीत गार त्रुकि गाउँत्रुम व्याक्रम साउमाना नृती छान गार এই সেদিন পर्দा গ্রহণ করেছেন, কিন্তু তাঁর নামের আগে আলহাজ শব্দটি নাই। অধম লেখকের বড় বাবা মাগুলাউল আলা গাউসুল আজম, বাংলার মহিউদ্দিন रैवनून बातावि वर्ण शिनि त्रूनितिछ (फिनिक यूनान्नत), वावा कान नतीक गार मूरतभूतीत नास्मत व्याण्य व्यानराक मक्ति नार भवः वावा मूरतभूतीत भीत त्रमूल लाभा, क्रण्वाख व्याना, वान्हा लभ्रशक वावा मार मुकि फळर আলি শাহের নামের আগেও আলহাজ শব্দটি নাই)।

व्याप्त अ भानू (स्वत अक्त पिषदा व्यात्मा एना

একেক মোমিনের নিয়ম-কানুন একেক রকম হতে পারে, কিছু পরমে গমন করার প্রশ্নে সবাই একমত। সুতরাং ইসলামের প্রতিটি বিষয়ের একটি বাহিরের দিক আছে এবং অপরটি ভেতরের দিক আছে। (মানবদেহেগু আমরা দেখতে পাই, কিছুটা বাহিরের দিক আছে আবার কিছুটা ভেতরের দিক আছে। মানবদেহের ভেতরের দিকটি দেখতে হলে এক্সরে, এন্ডোসকপি, আল্ট্রাসনোগ্রাম, সিটি স্ক্যানিং ইত্যাদি পদ্ধতির মাধ্যমে দেখতে হবে)।

শয়তান বাহির নিয়ে থাকার পরামর্শ দেবে এবং ভেতর বলে কিছু নাই বলে, একদম ফাক্কা বলে অনেক প্রকার ধারালো যুক্তি প্রদর্শন করাবে। सामितात जीवन िमन-कावािंग भाभन तराया छत्रभूत। अर्थे एक तराया व्यामसित सात्य ष्टिन तत्नरे वाल्लार् वाक्रािक्रनत्न वानुभळात स्नक्रमा मिळ বলেছিলেন। কিন্তু আজাজিল কিছুতেই ধারণা করতে পারে নি এবং গোপন ভেদ রহস্য বুঝতে পারে নি এবং আদমের ভেতর আল্লাহ স্বয়ং কেমন করে নুরে মোহাম্বদি রূপে বিরাজ করছেন এটা বুঝে উঠতে পারে নি। আদম সুরতের ভেতর আল্লাহ আহাদ-রূপে বিরাজ করছেন এই রহস্যটুকু আজাজিলের জানা ছিল না। আজাজিল আল্লাহ্কে সর্বশ্রেষ্ঠ শক্তিয়ানরূপে ধারণা করেছে, কিছু আল্লাহ্ যে সর্ববিষয়ে শক্তিমান তথা সর্বশক্তিমান এই ধারণাটুকু করতে পারে নি। তাই আহাদ-আল্লাহর আনুগত্যের সেজদাটি **फिट्ट अश्वीकात करतिष्टिल। आत्र अवाक रवात क्यां** रिटला या,

আজাজিল ওয়াহেদ-আল্লাহ্র আনুগত্যের সেজদাটিকে অশ্বীকার করে না। তাই আল্লাহ বলেছেন, আদমকে আল্লাহর সুরতে বানানো হয়েছে। এখানে একটি বিষয় লক্ষ করার মতো আর সেই বিষয়টির আলোচনা করতে भिरा श्राश्र हुन कित। जात मिंग हला, श्रिणि भानुषक जान्नाहत मूतळ मृष्टि कता रखिष्ट। **श्रिटि मानुषक वा**न्नार्त मूतळ वानाला रग्न नि। कात्रप ठा रल बाल्लार्क वनक रका, शानाकान्नार रॅनमाना बाना **मूतािछरी। किन्नु बाल्लार् रेनमान मक्**षि व्यवरात ना कदा बाएस मक्षि ব্যবহার করেছেন। ইনসান আর আদমের মাঝে পার্থক্য আছে। ইনসান निव नग्न, किन्नु व्याप्त्र निव। टैनमान मिक्छैन्नाट् नग्न, किन्नु व्याप्त्र শिक्छिल्लार। रेनमान तमूल नय, किन्नु व्याप्तम तमूल। रेनमात्नत छिछत नूद्व মোহাম্বদি আছে। জাগ্রত নয়, বরং ঘুমন্ত। কিব্লু আদম জাগ্রত নুরে सारामिक नुत्रमय। ठार वाष्म अकिरक रैनमान रखि भित्रपूर्वस्त्र र्वेन प्राप्त कारम न, भित्रभूष सामिन अवः श्रीवञ्च कावा। छार व्याप्तम रेनपालत জন্য জীবন্ত কেবলা। তাই আদমের চেহারা আল্লাহ্র চেহারা। তাই আদম वाल्लार्त तरमा अवः वाल्लार् वाष्ट्रस्त तरमा। वाष्ट्रस मिरुउल्लार्, वाष्ट्रस नित। व्याप्तम तुर्युत । व्याप्तम नुद्ध सारामिष्टि नुत्रभग्न। व्याप्तम रैनेत्रात कासिन। वाष्म सामित्वत श्रीतिभूति। वाष्म वातिकविन्नार। वाष्म व्यावपूर। व्याप्तम भाउनाउँन व्याना। व्याप्तम भारतूरव সावरानि। व्याप्तम कुठूत तात्वानि। वाष्म गाउँम नामपानि। वाष्म वाफ्ठात अनि। वाष्म

<u> ওয়াজহল্লাহ। আদম জামাল। আদম শারাপা। আদামের আদা (রূপবৈচিত্র্য)</u> রহস্যপূর্ণ। তাই সবাই বুঝতে পারে না। আদম গাউসুল আজম। আদম সোবহানि। আদম রাব্বানি। আদম মাগুলা। আদম সুলতানুদ্ দুনিয়া। তাই তিনি কলুষিত বস্তুবাদীর দৃষ্টির অন্তরালে থাকেন। কলুষিত বস্তুবাদীর पृचित पर्गता व्यापम वातवात व्यवमानिङ रतन। वश्चवापीत पर्गतात वालाश আদমকে মাপা যায় না। বস্তুবাদী দর্শন অজানা-অদেখা-অচেনায় ডুবে থাকতে ভালোবাসে। কছুরিপানার মতো ভাসমান যুক্তিতর্ক দিয়ে আদমকে तूबाटा टार्स रार्श रहा। व्याप्तसं क्षा क्षा क्षाताकातात धानमाधनाह व्यामभत्त रिनक्क रहा। व्यन्तरशाह्य व्यप्तस्वत । व्यामस्मत त्रर्रे क्रानक्क भातत्व वाल्लाहरक काना यारा। वाष्मध्यक्ष पूर्व फिल्म क्रांश पूर्णा वाकारमत फिर्क शाला ना द्वरथ व्यापन कलदात फिट्क काथ पूर्की वन्न कदा धान पूर्व থাকতে হয়। কারণ কলবের জ্ঞান লাভ করতে হলে চোখ দুটো কলবের **फित्क शाकरत। कात्रप कलरतत छान खात साशात छान এक विষয় नग्न।** কারণ কলবের জ্ঞান বুকে চাপ দিয়ে দেগুয়া হয়। কলবের জ্ঞান দানের বিষয়, কিছু অর্জনের বিষয় নয়। তবে দানের বিষয় হলেগু মোরাকাবার धानत्राधनार्षि व्यवगार्थे कत्रक्ष रत्। स्नाताकावात धानत्राधनार्षि वाप पित्र কেবল দানের বিষয় ভেবে বসে থাকলে কিছুই পাগুয়া যাবে না। কপালে क्वित कें। एक लाएँ। व्याद्यकि कथा वर्ल ताथा छाला या, অনেকেরই ধারণা যে মোরাকাবার ধ্যানসাধনায় বিরাট ধনী হতে পারবে

कि-ना, विभाव विञ्व-देवछद्वत साविक रूळ भात्रत्व कि-ना रूळाहि। सरानिव क्षा शाष्टिकारक विद्य कतात পत्र, क्षा शाक्रिमा ठाँत **प्रक्ष**स्र ধন-সম্পদ मरानितिक मान करत मिराइिलन। ঐতিহাসিকরা একমত যে, সেই দিনে জাজিরাতুল আরবে সবচেয়ে বড় ধনী ছিলেন মা খাদিজা। এমন কথা শোনা याग्न या, सा शांकिकात ये उठ उठ हिल ठा अक्टात त्याहत व्यात अक्टा फें छ कतिया फिल्म श्राय िन सार्रेन नशा रूळा। এখन विताएँ এकिए श्रम रूला, सरानितिक अरे विभाग मन्भिष्ठ দान कतात भत्र সেই मन्भिष्ठ जात सरानित কাছে দেখতে পাই না কেন? কোথায় চলে গেল এত প্রচুৱ ধন-সম্পদ? কোথায় চলে গেল তিন মাইল লম্বা উটের কাফেলা? এ জন্যই খাজা গরিবে নেগুয়াজ বলেছেন যে, তুমি দুনিয়াটাগু ষোলআনা চাইবে, আবার আল্লাহকেণ্ড চাইবে, এটা আজব কথা, মনগড়া কথা। মনে মনে হাজারগ্ত আনন্দ পেতে পারো, কিছু প্রকৃত অর্থে তো পাবার কথা নয়। (দিগুয়ানে খাজা)। রূপক শয়তান যেমন আসল শয়তান নয়, বরং আসল শয়তানটিকে চিনিয়ে দেবার একটি অপূর্ব সুন্দর মহড়া (ট্রেনিং), তেমনি তিনটি রূপক শয়তানকে যে পাথর ছুঁড়ে মারতে হয় উহা নিছক রূপক পাথর। আসল পাথর নয়। আসল পাথরটিকে চিনিয়ে দেবার একটি অপূর্ব সুন্দর মহড়া (ট্রেনিং)। যে পাধর-দিয়ে-বানানো কাবাটিকে তোয়াফ করা হয় সেই कावा ३ ळाग्राक हित्य सामिन नामक जीवन कावािंटक ळाग्राक कमन করে করতে হবে সেটা চিনিয়ে দেবার অপূর্ব সুন্দর নিদর্শন। পবিত্র মিনাতে

या पश्चि कार्यानि कराक्ष्य हा अर्थ पश्च कार्यानिपि फिया प्राप्त कार्यान मुकिय़ थाका व्यात्रम পশুটिकে किश्वन कदा कात्रवानि कत्रक रूत ठात्रहें अकि ज्ञेष्ट्रं त्रुष्ट्रत सर्डा। ज्ञाकात त्रुपि िष्ट्रि निताकाद्वत धात्रेपा क्रव्याय। পশুর গোশ্ত আল্লাহ্পাকের দরবারে গৃহীত হয় না, বরং গৃহীত হয় আপনার ভেতরে বাস করা পশুটি কোরবানি করার মহান তাকগুয়াটি। কারণ আল্লাহ যেমন ধৈর্যশীল তথা সবরকারীর সঙ্গে থাকেন, তেমনি তাকগুয়াকারীর সঙ্গে থাকেন। কেউ ধরতে পারেন, কেউ পারেন না। কারণ ধরার বিষয়টি তকদির দ্বারা নির্ধারিত। যেমন বনের হাতি মাংস খাবে না, খাবে সবজি এবং বনের বাঘ সবজি খাবে না, খাবে মাংস। কারণ এটাই হাতি আর বাঘের জন্মের আগেই নির্ধারণ করে দেওয়া শক্ত তকদির। এই विষয়টির ব্যাখ্যা দিতে গিয়ে আমাকে খুব সাবধানে কলম চালাতে হয়েছে। কারণ বিষয়টি খুবই স্পর্শকাতর। রূপক নামক শব্দটি সব বিষয়ে খাটলেগু লিখতে পারলাম না। ইহা আমার কৃপণতাগু নয়, উদারতাগু নয়। কারণ याता छानी, याता तात्वा, ठाप्तत रूपीण-रूपाता फिल्सर तूवाळ पात्व। यात याता मरक तूबाळ भारत ना जाएततक बाल्लारत उँभत एडए फिळ হয়। মারেফতের অনেক অনেক গোপন বিষয় সাহাবাদের জানা থাকা সত্ত্বেপ্ত যুগের পরিবেশ ও পরিস্থিতির পরিপ্রেক্ষিতে বলতে পারেন নি, তবে অতি গোপনে একান্তজনের কাছেই বলতে পেরেছেন। হজরত আবু হোরায়রা বর্ণিত বোখারি শরিফ-এর পঁচানবাই নম্বর হাদিসটি এবং হজরত ইবনে

আব্বাস বর্ণিত হাদিসটি পড়লেই বোঝা যায়। তবে এই অত্যাধুনিক বিজ্ঞানের যুগে বাস করে সব কিছুরই বিশ্লেষণ করতে হয়। ছবি তোলা হারাম কথাটি এখন অনেকটা অচল। কারণ বিদেশ ভ্রমণে পাসপোর্টের ছবিটি যে তুলতেই হবে। এখন তো খোদ আরব দেশের টাকার মধ্যে রাজা-বাদশাহদের ছবি দেওয়া হয়। ছবির জন্য যদি ফেরেশতার আগমন না হয়, তো সমগ্র আরব দেশের মুসলমান ভাইদের পকেটে ছবিগুয়ালা টাকা যে অবশ্যই রাখতে হয়। এসব কথা ধরতে নাই। চুপ করে থাকাটাই ভালো। তবে কিছু কিছু বিষয়ে প্রতিবাদ অনেকটা বাধ্য হয়েই করতে হয়। णारे क्या खालात जागत वाराक्रन छेनुस रुद्धालून रेजनास रैसास गाद्धानि वातवात এर कथाणि वटन मावधान कदा ि द्याष्ट्रन या, भामना-भामायान, राफिन-एक वार्, अक्रमा-किय़ान जात कातान छकनित काना अक कथा, व्यात निष्क्रत्क क्रना ३ क्रानात व्याधायिक्व विषय्यि मन्पूर्य व्यानामा कथा। उँनात भीत সাহেব रজते जातू जानि कात्रभाि अकलन नित्रक्रत हिएनन। প্রশ্ন উঠতে পারে, নিরক্ষরের কাছে কোন জ্ঞানের খনি লুকিয়ে আছে যে रिसास शाक्कालित सळा सराङानीत्म अ सूतिम रळ रत्ना? এ तमसञात तर **पृ**ष्णिञ्च ठूटन थता याग्र। छतिष्टि रामाकू शांत भीत मार्टित रक्ततं शाका नूत মোহাম্বদ দারবন্দিগু নিরক্ষর ছিলেন। এই নিরক্ষর পীর খাজা নুর মোহাম্বদ **फाরविक रालाकू थाँ-कে भूमलभान वानाक्य श्वर्वाष्ट्रलन। वागफाफ**র वर्ড़ वर् एाउँम व्यात्मस, उनासा, साकात्म्हत ३ माराभून राष्ट्रिता सूमनसान বানানো তো দূরের কথা, বরং হালাকু খাঁর বর্বর হিংসু সৈনিকদের হাতে নির্মমভাবে খুন হয়েছেন।

আমার একটি ক্ষুদ্র অভিজ্ঞতার কথাটি বলতে চাই। নারায়ণগঞ্জের কোনো এক মসজিদের ইমাম সাহেব বেলতলির বাবা সোলায়মান শাহ লেংটাকে অকথ্য ভাষায় গালাগালি করতেন। একদা পরিস্থিতির স্বীকার হয়ে জুমার नाभाक व्यापाय कत्रक रखिष्ट अर्थ भगिकत्त। এठ क्रघना व्यापीन छाषा व्यवरात कतळ भादान अकञ्जन रैसास मास्टव, ठा व्यासात ज्ञाना हिल ना। যেহেতু বাবা সোলায়মান লেংটা থাকতেন, তাই তাঁর লক্ষাস্থানটির বিশদ व्यभीन वर्षनाि वाधा रखा छनळ रला अवः व्यवस्थि स्थ कथाि रला, যারা বেলতলির লেংটার গুরসে যায়, তারা জাহান্নামের ঠিকানা করে নেয়, ইত্যাদি, ইত্যাদি। নিয়তির কী অপূর্ব লিখন, অনেক দিন পর, প্রায় বিশ-পঁচিশ বছর পর, রোগী দেখার জন্য নারায়ণগঞ্জ যেতে হলো। রোগী দেখার পর অনুরোধ করা হলো একজন হাক্বানি (?) আলেমের চিকিৎসার জন্য। शिलाम अतः त्वागीत्क फ्रिंश एमत्क उठलाम। कागक्रभव फ्रिंश फ्रिंश उ পেলাম, রোণটির নাম 'মেটাস্টাইটিস কারসিলোমা' তথা ছড়িয়ে পড়া क्रामात। ठाञ्ज व्यावात लक्षाञ्चाता रुखाष्ट्र। की छीषप, की कक्रप व्यवज्ञा या দেখার মতো নয়। পরে অপারগতার কথাটি জানিয়ে বিদায় নিলাম আর অনেক কিছু ভাবলাম। তথাকথিত ডিগ্রিধারী এলিট সমাজের জার্সিপরা বিদ্বানেরা হয়তো অন্য কারণে ক্যাসার হয়েছে বলে বয়ান দেবেন। কারণ তারা পীর-ফকির মানেন না। যেমন মহাবিদ্যান শয়তান আদমকে মানে না। বাবা সোলায়মান আড়ফুঁক আর তাবিজ্ব–তুম্বাগুয়ালা খনকার নামক পীর নন যে, যা মুখে আসে তাই বলে দেবেন। মোল্লা মোল্লাই। তাই মোল্লা দিয়ে মহানবিকে বিচার করা ঠিক নয়। গির্জার যাজক দিয়ে যিশুখ্রিস্টকে বিচার করা ঠিক নয়। খাদেম দিয়ে খাজা বাবাকে বিচার করা ঠিক নয়। কার্ছ পুরোহিত দিয়ে কৃষ্ণকে বিচার করা ঠিক নয়। মাতাল দিয়ে मराप्त्रिक विषात कता ठिक नग्न। यिष्ठ मराप्त्रिक छाः नामक जिमा अवन করতেন। মহাদেবের একটি মূল্যবান বাণী তুলে ধরলাম। তিনি বলেছেন, যে ধর্মের মাঝে অধ্যাত্মবাদ নাই, সেটা কোনো ধর্মই নয় (সির্রে হক জামে নুর)। এটা একটি বাস্তব সত্য যে, আজ বাবা সোলায়মান শাহ লেংটার উরসে বেলতলিতে কম করে হলেও দশ লক্ষ ভক্তের সমাগম হয়। আর সেই कालिश्र ना। व्यात कालिनिक कानितिश्र ना। कालित व्यक्षाघ मक्छात विচाद्ध একজন চিরতরে হারিয়ে যায়, আর অপরজন অমর হয়ে থাকেন।

সুফিবাদের দৃষ্টিতে আমি ৪ আমার বলার রহস্য আমি আর আমিত্ব এক বিষয় নয়। যে আমি ৪ আমার বলে তার মধ্যে আমিত্বের তৃ-টি থাকতেও পারে আবার নাও থাকতে পারে। এটা বোঝা কন্টকর। কারণ কোন আমির মধ্যে তু-টি আছে আর কোন আমির মধ্যে তু-টি नार्रे रेंश प्रश्क तावा याग्न ना। তু-এর মধ্যে খান্নাস আছে কি नार्रे এটা সেই বুঝতে পারবে যার মধ্যে খান্নাস নাই। মাগুলানা ক্রমি তাই একটি সুন্দর চমৎকার এবং সূক্ষা শিক্ষণীয় কথা বলেছেন এই বলে যে, মনসুর হাল্লাজ আমিই একমাত্র সত্য বলেছেন আবার ফেরাউনও 'আমিই খোদা' বলেছে। মনসুরের দাবি আল্লাহ্র দরবারে গ্রহণীয় হলো, আর ফেরাউনের माि वर्जनीय रला। कात्र^५ कात्रुं कार्य या 'वािक्षि' वास्ट উহাতে তু-টি আছে তথা খান্নাস আছে তথা খান্নাসটিকে সঙ্গে নিয়ে আমি বলেছে, অথচ মনসুর হাল্লাক্ষের আমিটির মাঝে তু নাই তথা খান্নাস নাই তথা খান্নাসটিকে বাদ দিয়ে বলেছেন। অথচ দুইজনই মানুষ, দুইজনেই सानवगतीत निया তৈরি। দেখতে দুই জনই सानुस। কিন্তু জটিল বিষয়টি **रला या, क् पृ-िएक वाफ फिर्स याभि वलए यात क पृ-िएक मार्थ** রেখে আমি বলছে এই বিষয়টি সাধারণ মানুষ তো দূরের কথা এমনকি ঝানু ইসলাম গবেষকগু তালগোল পাকিয়ে ফেলেন। তাই কিছু গবেষকেরা तल शास्त्रन या, व्याक्षि ७ व्याक्षात तलाएँ। टें प्लायपीय। व्याक्षात व्यन्यान्य বইতে এ রকম কথাটি পাবেন, তবে ব্যাখ্যা দেই নি। পরে যখন বুঝতে পাतनाभ या, अरे क्यांपित किषूपा व्याशा ना फिल रस्टा व्यातक जून वुषा भारतन व्यथना छूल कत्र भारतन। व्यक्ति ३ व्यासात नलात सारव অহংকার থাকে তখনই যখন খান্নাসটি সঙ্গে নিয়ে বলা হয়। আবার আমি গু আমার বলার মাঝে অহংকারটি থাকে না তখনই, যখন খান্নাসটিকে

সঙ্গে ना त्राथ वना रहा। এখন প্রশ্নটি হলো, কে খান্নাসটিকে বাদ দিয়ে আমি ৪ আমার বলছে এই বিষয়টি বোঝা খুবই কন্টকর। তাই মহান গুলিদের দরবারে গিয়ে কিছু শুনে তবে ভেবেচিন্তে সিদ্ধান্ত নেগুয়া উচিত। সুতরাং আমি ৪ আমার বলার মাঝে পাইকারিভাবে শয়তানের কথা বলাটা মোটেই সঠিক নয়। কারণ কোনো গুলি (যাকে গুলি বলে চেনা যায় না অথচ গুলি) যদি আধি গু আধার বলেন তো উহা কখনোই শয়তানের কথা হতেই পারে না। কারণ ইহা খান্নাস-বর্জিত কথা। হজরত মনসুর হাল্লাজের পীর ও মুরশিদ হজরত জুনায়েদ বোগদাদি বলেছেন যে, আল্লাহকে আমার সঙ্গে রেখে অহংকার করা যায়, নতুবা অহংকারই করা যায় না। তিনি (জুনায়েদ) অনেক সময় মাস্তির হালে মুরিদদের সামনে বলে क्षिनळन, नारमा कि जूत्वािठ प्रभा वानार्गाना ग्या 'बरे जूतात सक्ष আল্লাহ ছাড়া আর কিছুই নাই।' সুতরাং এই কথাগুলো সম্পূর্ণরূপে খান্নাস-वर्षिण कथा। त्रुषि कवि बाल्लामा रॅकवान या शूमित्क मिल्लिमानी कत्रत्ण বারবার উপদেশের ভাষায় বলেছেন, সেই খুদিটি সম্পূর্ণ খান্নাস-বর্জিত খুদি। খান্নাস-বর্জিত খুদিকে ফেরেস্তারা সব সময় পাহারা দিয়ে রাখে এবং সেই খুদির নিকট শেখার মতো অনেক কিছু আছে। সুতরাং খান্নাস-বর্জিত খুদিটি তথা আমিটি পবিত্র এবং এই কথাটি কোরান-এর সূরা মুমিনুনের ষাট নম্বর আয়াতেগু বলা হয়েছে : ফা কালা রাব্বুকুম উদ্উনি আস্তাজেব

लाकु स-त्रु उताः जा साम्हत तत तिललन, 'छात्का (এका) व्यवगार ऋतात भारत।'

'छेष्छेन'- अत साममात रला माछेन छथा छाका। अशाल 'छेष्छेनि' छथा अका छाका छथा शात्ताम-वर्किछ छाका। जात यिष शात्तामरक मार्थ निर्य छाका रया छाता छ्या प्रहें केन राय यार्व : जािस अवः शात्ताम। मूछताः 'छेष्छेना' छथा प्रहें केन (जािस अ शाताम) रल छात्कत क्रवाव भाश्या यार्व ना। 'जाम्छात्कव'- अत साममात रला जाल अकावा जात जाल अकावात जर्यि रला मत्म मत्म क्रवाव भाश्या। मूछताः रकातान 'छेष्छेनि' (अका) वर्ला छ, 'छेष्छेना' (जािस अ शाताम) वर्ला नि। शाताम- वर्किछ जािसिटि छाकात मत्म मत्म राम राम छाता क्रवाव रहा छाता हरा।

मूनठानून हिन्ह शाका गित्रत तिश्राक सूतिम्पत तनळन, व्याप्ति छाकता मिल्र मिल्र कराव भारे, किंद्र ळामता भाश ना। त्माताकावात धानमाधनाय निल्ठ थात्का, त्म्थळ भार्व अकिन छात्कत कराव मत्म मिल्र थात्का, त्म्थळ भारव अकिन छात्कत कराव मत्म मिल्र वाखिकिम त्वाञ्चाप्ति तत्म वाला मूवरानि मा व्याक्षाम् भानि उथा 'व्याप्ति मृवरानि अवः ममञ्ज मान व्यामातरे।' रक्षतळ वाखिकिप्तत अरे कथात मत्था 'द्र' नारे उथा शाह्माम नारे। मूळताः अरे व्याप्ति अ व्यामात वनात मात्य मःमग्न थाकात किंद्र नारे।

অবশেষে বাংলার বিখ্যাত গুলিয়ে কামেল, নলতা শরিফে যাঁর সৌন্দর্যের প্রশ্নে অদ্বিতীয় মাজার, সেই শাহ সুফি খান বাহাদুর আহ্সানউল্লাহর দাদা भीत रक्ति श्रादिम कत्ति वानाज्य श्रभान भिन्या रक्ति दिन्स जाँति कानात्म नित्थ शिष्ट्रन, भूम कामीत्म कम नारि राग्न नृद्ध रेम्क त्म वांर का क्रिक् कात्र कात्

কোরান-এর কিছু আয়াতের অংশবিশেষ যাহা প্রচলিত অনুবাদের সম্পূর্ণ ব্যতিক্রম

পবিত্র কোরান মজিদ-এর ১৭ নং সূরা বনি ইসরাইলের প্রথম আয়াতে বলা হয়েছে, সুব্হানাল্লাজি আস্রা বে-আবদেহি লাইলান। 'ভাসমান ঐ সত্তা যিনি তাঁর বান্দাকে ভ্রমণ করিয়েছেন রাত্রির মধ্যে।'

এই আয়াতের আবদেহি শব্দটির টীকায় বলা হয়েছে, কালা বে-আবদেহি দূনা নাবীয়্যেহি লাইলান ইয়াতাগুয়াহামু ফিহে নাবুগুয়াতান গুয়া বেলায়েতেহি। কালাল্ ইমামু ফি তাফসিরেহি আন্নাল অবুদিয়াতা আফজালুন মিনার রেসালাতে।

वना रला, ति-व्यावप्रिश्। निव वाजींछ। (व्यथ छ अर्थे व्याग्राट निव वना रग्न नि)। क्षेत्राक्षिट याराट व्याभन्ना वूचट भाति छात्र भर्षा नवूग्रण अवः तिभानण्टक वना रग्न नि।

ইমাম সয়ুতি তাঁর তফসিরের মধ্যে বলছেন, নিশ্চয়ই উবুদিয়াত (দাসতৃ) রেসালত হইতে উত্তম। (তফসিরে জালালাইন ২২৮ পৃঠায় দুর্ফব্য)।

এখানে বাক্যে আবদেহি বলা হলো অথচ নবি বলা হয় নি। নবুয়ত এবং বেলায়েত এবং রেসালত কখনোই আবদিয়াতের (দাসত্ত্বের) সমতুল্য নহে। णारे नतूराज, तिनाराज अवः तित्रानज मक्छलात त्नाता अक्णित्न अरे আয়াতে না এনে আবদিয়াতের (দাসত্বের) মর্যাদাকে সমুন্নত করা হয়েছে। মেরাজের মতো গুরুত্বপূর্ণ গু মর্যাদাসম্পন্ন ঘটনাতে আবদিয়াত শব্দটি ব্যবহার করে আল্লাহ রাব্বুল আল আমিন নবুয়ত, বেলায়েত এবং রেসালতের শব্দগত অবস্থানকে আমাদের সামনে তুলে ধরেছেন। क्तनना, वाशाळ कातिभाळ वाल्लार तास्तून वान वाभिन भूतरानान्नािक আসরা বে-নাবিয়েহি অথবা বে-বেলায়েতেহি অথবা বে-রেসালাতেহি না বলে, বরং বে-আবদেহি শব্দটি নির্বাচন করে প্রয়োগ করেছেন। ইহাতেই পরিষ্কার বোঝা যায় যে, নবুয়ত, রেসালত এবং বেলায়েত লাভ করা यण्डूक ना कर्षेकत जात एए जातक जातक छन तिन कर्षेकत राला নিজেকে আবদিয়াতের (দাসত্ত্বের) পথে এগিয়ে নেগুয়া গু প্রতিষ্ঠিত করা। (रेंरा जिक्षा मठा रत्न वनक रहा या, कातानून राकिष्म- अत अरे छाति छ শব্দের প্রতিটির ক্ষেত্রে যে কোনো ব্যক্তির শব্দের গুণে গুণাৰিত হওয়া **अक्साब बाल्रार तात्वुल बालाभित्वत वित्मेष त्ररम्य वार्यीय बाल्रार**)। সূরা বনি ইসরাইলের ৭৮ নং আয়াত : আকিমিস সালাতা লেদুলুকিশ্ भासत्म रेना भामािकन नारेल अशा त्कातानान् काऋत्त, रेन्ना त्कातानान् काञ्चत काना सागर्यान।

त्रामाठ कार्यिस करता (व्याकिसूत्र त्रामाठा) त्रूर्य एटन यावात कार्त्य (ट्रामून्किन् मास्रात्र) ताद्वित व्यक्षकार्त्वत फिर्क (हेना भात्राकिन नाहेटन) क्षवः ट्याद्वत कार्त्वान (कार्त्ववानान् काञ्चर्त्व)। निक्यहें ट्याद्वत कार्त्वान ह्य, क्षसापिछ। (हेन्ना कार्त्ववानान् काञ्चर्त्व काना सान्हान)।

সূরা মোদ্দাছেরের ৩১ নং আয়াত : গুয়া মা জাআল্না আস্হাবান নারে ইল্লা মালাইকাতান।

এবং আমরা নির্বাচন করি না (গুয়া মা জাআলনা) আগুনের অধিবাসী (আস্হাবান নারে) ফেরেশতা ব্যতীত (ইল্লা মালাইকাতান্)।

त्रुता वाकातात ५৯ नः व्याशाण : व्याश कात्राहेरश्विन भिनात्र त्राभारश किर्ल्ट अनुभाजून श्रशा ताव्यापून, श्रशा वातकून, हॅशाअव्यानूना व्यात्रात्ववाष्ट्रभ कि व्याकात्निष्टिभ भिनात्र त्राश्रशात्यक हामातान भाउँक्ज, श्रशान्नाष्ट भूहिजून विन कारकतिना।

व्यथवा (व्याञ्ठ) छें श्रवन वृष्टिभाळत मळा, (कात्राहेराविन) यां वर्षण हरा व्याकाम हरेळ (मिनात्र त्रामारा) छें हात मक्षा तिहिशाष्ट व्यक्षकात (फिर्ट क्रूनुमाठून) अवः वक्ष (ताव्यापून) अवः विपूरः (वातकून)। (छां छ छां हाता) विविध्त कर्तत (हेशाक्रव्यानूना) छां हास्तत व्यक्रुनित्रमूह (व्यात्राशाद्यहम) छां हास्तत कर्षत्रमूहत मक्षा (कि व्याक्रात्विम) वक्ष्यविन हरेळ (मिनात्र त्राञ्जारायक) यथन छें भिन्न हरा छां हास्तत मुठ्ठा (हामातान माठेळ) अवः

व्यान्नार (अग्नान्नार) পরিবেশ্টিত রহিয়াছেন (মুহিতুন) কাফেরদের দ্বারা (বিল কাফেরিনা)।

সূরা হিজরের ৯ নং আয়াত : ইন্না নাহনু নাজ্জাল্নাজ জিক্রা গুয়া ইন্না লাহ লাহাফেজুনা।

निশ্চয়ই আমরা (ইন্না নাহনু) নাজেল করি (অবতীর্ণ) জেকের (নাজ্জাল্নাজ্ জিক্রা) এবং নিশ্চয়ই আমরা তাহার জন্য (গুয়া ইন্নালাহ) অবশ্যই হেফাজতকারী (সংরক্ষণকারী) (লা হাফেজুনা)।

কোরান-এর ১৯ নং সূরা মরিয়ম-এর ১৭ নং আয়াতের অনুবাদ গ্র

काञ्जाशाकाञ भिन पूनिरिभ एकातान। का व्यातमान्ना रैनारेंरा क्रशना काञाभाम्माना नारा तामातान माउँरेरांग।

সুতরাং সে তাহাদের হইতে (পরিবার পরিজন) পর্দা গ্রহণ করিল। সুতরাং আমরা তাহার দিকে আমাদের রুহকে পাঠাইলাম। সুতরাং তাহার জন্য উহা বাশার (আদম)-রূপে প্রকাশিত হইল।

তারও দলিলটি পেলাম। এখানে এই কথাটি বলা হয় নি যে, সুতরাং আমরা णशत फिट्न नक्त्रक পाठारेनाम एथा का व्यात्रत्रानना रेनारेंश क़राना वना रुख़ाष्ट, किन्रु का व्यातमानना रैनारेंरा नाकमाना वना रश नि। (আমাদের অনুবাদ এতই হবহ হয় যে ভাষার লালিত্য রাখতে কন্ট হয়)। व्यापिन या काता कातान-अत व्यनुवाम ३ छक्तित भूटन एमभून या, भागानार, अरे क़र वनक किवितन नाभक कर्त्वमठाक वाचाना रख्टा। বলা হয়েছে। অথচ আল্লাহ্ পাক কেবলমাত্র আদমের ভেতর রুহ ফুৎকার করেছেন। ইহা একটি কোরান-এর জাজ্বল্যমান স্পর্য্ট দলিল। কেবল জিবরিল কেন, আল্লাহ্ সমস্ত ফেরেশতাকে এই বলে প্রশ্ন করেছিলেন যে, তোমাদের জ্ঞান কি আদমের সমান? প্রতি-উত্তরে সমস্ত ফেরেশতারা अक्वारका वर्ष रक्षणलन, ला रेल्सालाना रेल्ला सा व्याल्लास्याना उथा আমাদের কোনো জ্ঞান নাই আল্লাহ্ যা আমাদেরকে শিক্ষা দিয়েছেন তা ব্যতীত। পাঠক বাবা, আপনি সরল বিশ্বাসে যে কোনো জাঁদরেল আলেমের এই অনুবাদটি পড়ে জিবরিল ফেরেশতার কথাটি মনেপ্রাণে বিশ্বাস করে ফেলবেন। কিন্তু ইহা যে একটি মারাত্মক এবং জঘন্য ভুল, এটা সেই মুহূর্তে বুঝে উঠতে পারবেন না। এভাবেই কোরান-এর অনুবাদ ও ব্যাখ্যা অনেক স্থানে এমন উল্টাপাল্টা দেওয়া হয় যে, সরল পাঠক সত্য-মিখ্যার পার্থক্যটি আর বুঝে উঠতে পারেন না। ঢাকার পুরাতন শহরে অবস্থিত ভেজাল দুধের আড়ৎটির নাম রথখোলার দুধের আড়ং। এই ভেজাল দুধ খেতে খেতে পেট

অনেকটা ভেজাল-প্রফ হয়ে যায়। তখন পল্লীপ্রামে গিয়ে কোনো আত্মীয়-পরিজনের বাড়িতে দু-একদিন অবস্থান করে খাঁটি দুধ পান করলে পেট খারাপ হবার সমূহ সম্ভাবনা থেকেই যায়। ঠিক সে রকম ভেজাল অনুবাদ ও ব্যাখ্যা পড়ে পড়ে আসলটাকেই ভেজাল মনে হয় এবং নানা রকম প্রশ্ন ও জিক্সাসা মনের মাঝে ভেসে ওঠে এবং এটাই শ্বাভাবিক।

সুফি কবি আল্লামা ইকবাল এই জাতীয় কোৱান-এর অনুবাদ গু
তফসিরগুলো পড়ে একটি খাসা মন্তব্য করেছিলেন এই বলে যে, এই সকল
আলেম-উলামাদের কোরানের অনুবাদ গু তফসিরের নমুনা দেখে আল্লাহ,
মহানবি এবং ফেরেশতারা সবাই অবাক। সুফি কবি আল্লামা ইকবালের
উপর কাফের ফতোয়া দেবার প্রথম সূচনাটি এখান থেকেই শুরু হয়, তবে
আলেম-উলামারা তখনগু প্রকাশ্যে কিছু মন্তব্য করার সাহস পায় নি।
কোরান-এর উনিশ নম্বর সূরা মরিয়মের একচল্লিশ নম্বর আয়াতের অনুবাদ
: গুয়াজ্বুর ফিল্ কিতাবে ইব্রাহীমা। ইন্নাহু কানা সিদ্দীকান নাবীয়ান।
তথা এবং জিকির (স্মরণ) করো কেতাবের মধ্যে ইব্রাহিমকে। নিশ্চয়ই
তিনি ছিলেন সত্যবাদী (সিদ্ধিকান) নবি।

কেতাবের মধ্যে ইব্রাহিমকে কেমন করে মনে করবে তথা স্মরণ করবে তথা জিকির করবে? কারণ তখন কেতাবের সন্ধান কোথায় পাবে, যদি উহা কাগজ অথবা অন্য কিছুতে লিখা থাকে? আর তা ছাড়া কেতাব পড়ার মতো অক্ষরপরিচয় তাঁর জানা ছিল না। তা হলে এই কেতাব বলতে কি वाल्लार्त क्षकाम ३ विकारमत व्यविताम षूटि एलात गिठक वुवात्ना रखाः ? यि ठारे रय, ठा रत नूत्रभग्न किठाव रक्ष रेत्रारिभक्त कानवात उपिरम দেগুয়া হয়েছে। কারণ হজরত ইব্রাহিম আনুমানিক পাঁচ হাজার বছর আগে **एल शिष्ट्रन। আম্বরা দেখতে পাই, কোনো বিষয় জানার জন্য আল্লাহ** কেতাবের জিকির করার কথাটি বারবার বলেছেন। সুতরাং এই त्रश्यात्कत नृति क्लावि रक्ष किषु कानक रल त्रश्यात्क श्रवि ना করা পর্যন্ত সম্ভব নয়। তা হলে অধ্যাত্মবাদকে কেমন করে অশ্বীকার করা যায়? আর যদি ধরে নিলাম উহা কাগজের কেতাব, কিন্তু সেই সময় কাগজ পাবার প্রশ্নুই ৪ঠে না। আর ভাষাটিকে আক্ষরিক রূপদান করে সাজাবার यक्ता जायाञ्चानी कि जथन हिन? जा रतन कि भित्रभात कावात्ना रक्त ना या, रेंरा अनस्य नामुनित किठात? ठा रत अनस्य नामुनिक की कदा অশ্বীকার করে গুহাবিরা এবং শিয়ারা? আরগু উল্লেখ্য যে, কোরান-এ কেতাব বলতে কোখাও কোরান-কেই বুঝিয়েছে, আবার আল্লাহ্র প্রকাশ গু বিকাশের অবিরাম ছুটে চলার গতিকেগু কেতাব বলা হয়েছে। সুতরাং अक्प्परम करत तूबाळ शिलारे छून कता रहा। मुकिवास विश्वामी व्यक्तकर কোরান-কেণ্ড যে কোনো কোনো স্থানে কেতাব বলা হয়েছে এটা মানতে नाরাজ। আবার পরক্ষণে আল্লাহর প্রকাশ ও বিকাশের অবিরাম ছুটে চলার <u> १७ित्वर या क्लाव वना रख़ाष्ट्र भ्रेटार व्यक्तिक स्नात निक्ल नातास्र।</u> অনেকটা যারা শরিয়ত মানেন তারা মারেফত মানেন না, আবার যারা

सादाकण सात्नन जाता मित्रश्चण सात्नन ना। कात्रण वाल्लार्व कालाह्म भाक कात्रान्त राक्ति-अ छेछ्छात प्रसन्धाणि एएथळ भारे। यसन व्यासता क्रानि अरि नित-तपूलत काष्ट्र नाळल कत्रा रश्च, व्यष्ठ रक्त्रज भूपा (व्याः)-अत साद्यत काष्ट्र अरि व्यापात क्याणि क्रानळ भाति अत्य व्यात व्याण रवात क्याणि रला या, पूता नरलत ७५ नः व्याशाळत अयह्म ह्यासाष्ट्रित काष्ट्र अरि नाळल कत्रा रश्च वल छासणा कत्रा रह्मार्थ अरि अकणि साध मक् रला जिनणि द्याल जिन क्या जारे वल अकक्रन विद्यक्वान सानूय ह्यासाष्ट्रित नाह्मत भद्ध वलार्थ व्याणार्थ प्राणार्थ प्राणार्थ व्यापार्थ क्यालार्थ क्यालार्थ व्यापार्थ काण्य व्यापार्थ काण्य व्यापार्थ काण्य व्यापार्थ व्यापार्य व्यापार्थ व्यापार्य व्यापार्थ व्यापार्थ व्यापार्थ व्यापार्थ व्यापार्थ व्यापार्थ व्यापार्थ व्यापार्थ व्यापार्थ व्याप्य व्यापार्थ व्यापार्य व्यापार्थ व्यापार्थ व्यापार्य व्यापार्य व्याप्य व्यापार्थ व्यापार्य व्यापार्य व्यापार्य व्यापार्थ व्याप्य

अशा बाह्मा स्था बार्रा का अशा बार्का।

প্রবং নিশ্চয়ই তিনি (তোমাকে) হাসান (আদ্হাকা) প্রবং (তোমাকে) কাঁদান (আব্কা)।

व्याच्या : अर्थे व्यायाणि পड़ात भत व्यवाक रूथे, किंद्यू अणा क्या मर्वमिक्सान व्यानारत कानास, जार्थे साथा (भक्त क्षात निक्रें रुत्व। जत अकि कथा सत्न भक्त्र वातवात व्यात (मर्थे कथाणि रुत्ना, वाश्नात मरक्र-मतन वाजेन यथन नान मानू काभड़ भद्ध थान वा नहींत जीद्ध वा क्याता निर्मन श्वात

আপন মনে দোতারায় সুর তুলে গাইতে থাকে বাংলায় বিখ্যাত সুফি সাধক খালেক দেওয়ানের পিতা আলেফ দেওয়ান রচিত তুমি যেমনি নাচাও **छिमिन नाि पूज्रा**लं कि प्लांच? कानजाम ना अवः क्षे प्रतन-प्रश्क वाछेन्छ **रशक्या काल ना या, अ**ष्ठा कातान-अत्तर व्यलक्ष्ठा छावार्य, अष्ठा भूता নঙ্গমের তেতাল্লিশ নম্বর আয়াতটির কিছুটা দর্শন গেয়ে চলছে। কোরান কী অপূর্ব ভাষার শৈলীতে প্রকাশ করছে যে, একমাত্র সর্বশক্তিমান আল্লাহ্পাকই সবাইকে হাসান এবং সবাইকেই কাঁদান। আম্বরা অবশ্য কালামটিতে ব্রাকেট তৈরি করে আমাদের বুঝবার জন্য মানবজাতিকে বোঝাতে চেয়েছি। যদিও জিনজাতির কথাটি ইচ্ছা করেই বাদ দিয়েছি। কিন্তু কোৱান বলছে, তিনিই হাসান এবং তিনিই কাঁদান। কালামটি কিন্তু সার্বজনীন। অবশ্য আমরাগু সার্বজনীন বলতে কেবলমাত্র মানবজাতিকেই বুঝি। কিন্তু আল্লাহপাকের সার্বজনীন শব্দটির অর্থ হলো সৃষ্টিজগতের সবার तिना श्र श्र राज्य । जिनि जांत मृष्टिक भळत मवार्टे त्व रामान अवः मवार्टे त्व কাঁদান। নবি সোলায়মান পগু-পাখি, কীট-পতঙ্গের ভাষা বুঝতেন। বুঝতেন এদের সুখ-দুঃখের ভাষা। বুঝতেন এদের হাসি আর কান্না। হদহদ পাখি তো বলেই ফেলল যে, আমি যা জানি নবিবর সোলায়মান তা জানেন ना। একটু গবেষণা করুন। সব বিষয়ের গবেষণা চলছে এবং গবেষণায় नृতन नृতन विষয় বেরিয়ে আসছে আর আমরা সেইসব দেখে অবাকের পর অবাক হচ্ছি। গবেষণায় ভুল থাকতে পাৱে, কিছু ইচ্ছাকৃত নয়। কিছু

शक्षिय ५ ७ अया है। कार्य कार्य कार्य कार्य कर्म अपने स्वाद क्रिया किया क्रिया क्रिय क्रिया क्रिय क्रिया क्रिया क्रिय क्रिया क्रिया क्रि वलष्ट या, त्रसञ्च शाष्ट्रधत्ना यिक कलस रहा, जात शानिष्ठत्ना कालि रहा, ठवूछ কোরান-এর ব্যাখ্যা লিখে শেষ করা যাবে না। আমরা মতের বিভিন্নতার **फक्रन स**ञ्छिष एएখळ পारे। তবে हिश्त्रु**टा, वर्वत**टा এবং জानसालत নিরাপতার প্রশ্নে মহানবি আগেই সাবধান করে দিয়েছেন এই বলে যে, সে-🔁 भूत्रमभान, यात राज त्रवंश्रकात व्याभानल अवः व्यनिष्ण रूक शास्त्र। र्रेजिराम খুल प्रभून या, सूमनसानता यथन मछाजात भीर्स, जथन रेजेद्वाभ আর আমেরিকার অবস্থাটি কেমন ছিল? জংলি রেড ইন্ডিয়ানদের বাস ছিল আমেরিকায়। এটা সবাই জানে। ব্লিটেন গোঁয়ারগোবিন্দ আর বর্বরতার অন্ধকারে যে ছিল তার অনেক অনেক প্রমাণ পাই। পৃথিবী সূর্যের চারদিকে घूत्रष्ट अर्थे मेठा क्यांपि क्षणात कतात फ्रक्त अर्थे स्मित्ति केठ वर्ष वर्ष সভ্যতার মশালটি মুসলমানের হাতে ছিল সেই মশালটি এখন গোঁয়ারগোবিন্দদের হাতে শোভা পাচ্ছে। আর আমাদের স্থান কোখায় নেমে গেছে সেটাগু কি বলতে হবে? হয়তো যুক্তির খাতিরে বলতে পারেন যে, আল্লাহই যখন হাসান এবং কাঁদান তা হলে তাদেরকে হাসাচ্ছে আর আমাদেরকে কাঁদাচ্ছে! (সিরিয়ার রাজধানী দামেস্কে যখন আগুলাদে রসুল ইমাম জয়নুল আবেদিন (আঃ)-কে মোয়াবিয়ার পুত্র ইয়াজিদ সূরা আল र्वेषतात्वत पातित्रम नष्गत व्याग्राण्णि भनित्य फिला, ज्थन रेषाष मास्वि

কেবলমাত্র একটি কথাই বলেছিলেন যে, শয়তানের মুখেও আজ আমাকে কোরান-এর বাণী শুনতে হলো)। এর উত্তর আমার জানা নাই। তবে আল্লাহ এটাও বলে দিয়েছেন যে, যে জাতি তার নিজের ভাগ্য নিজেরা পরিবর্তন করে না আল্লাহ সেই জাতির ভাগ্য পরিবর্তন করেন না। ভাগ্য পরিবর্তন করা যায় না।বেলা হলে এখানে ভাগ্য পরিবর্তনের কথাটি আসে কেমন করে? ভাগ্য তথা তকদির দুই প্রকার : একটি বদলানো যায় এবং আর একটি যায় না। তথা মুবরাম তকদির নির্দিষ্ট। মুবরাম তকদিরের পরিবর্তন হয় না। (তকদির বিষয়েটি নিয়ে তৃতীয় খণ্ডে বিস্তারিত লিখার আশা রাখি। বাকি আল্লাহপাকের ইচ্ছা।)

কোরান-এর পঞ্চান্ন নম্বর সূরা আর রহমানের ৫০ নম্বর (ছোট্ট একটি) আয়াতের অনুবাদ ৪ সামান্য ব্যাখ্যা : ফীহিমা আইনানে তাজরিয়ানে। তাহাদের মধ্যে রহিয়াছে (ফিহিমা) প্রবহমান (তাজরিয়ানে) দুইটি চঙ্কু (আইনানে)।

व्याच्या : व्यार्थेनात मक्षिण्ट व्यवना नित्थष्टन त्रवारे श्ववरमान मक्षि व्यावात कात्रपा व्यक्त रेरात व्यर्थ रत्ना पूरेणि क्रम् व्यथवा पूरेणि कृषा कृष्ण-त्क व्यवाप्तकाती श्रर्थ कत्वन ना। कात्रप कृष्ण श्ववार थात्क ना। किश्रू क्रम्प व्यवश्य व्यवश्य श्ववार विष्णुमान रेरा व्यत्क वृव्य प्रवार पादन ना। व्यार्थ व्यत्ना व्यथवा श्ववार श्ववार प्रवार व्यवसा व्यथवा श्ववार व्यवसा व्यवस्यवसा व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य स्यवसा व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य स्यवस्य व्यवस्य व्यवस

ডিকশনারি খুলে একটিতেও ঝরনা অথবা প্রসবণ শব্দটি পেলাম না। क्रार्थित श्रवार य त्रागदात श्रवार रक्क जलक दिन मिक्रमानी अवः প্রবহমান নদী-নালার তো চোখের প্রবাহের সামনে তুলনাই চলে না। व्यनुवामक पूरेंगि काथ, पूरेंगि कृत्य श्रवारि ए भक्त ना त्यस पूरेंगि एक्नुत्क पूरेंि क्षेत्रवन खरवा खत्रवा खनुवाम कत्रत्य वाधा रन। खनुवामक অকপটে যদি লিখে দিতেন যে, এই আয়াতটির হবহ অনুবাদ করে গেলাম, কিছু অর্থটি বুঝতে পারলাম না, তা হলে অনুবাদকের মহয়ই প্রকাশ পেত। 'त्रव किष्टू वृत्य शिष्ट', वनाणा या भाभ अणा श्राय व्याफ़ारे राक्षात वष्टत আগে দার্শনিক সক্রেটিস বারবার বলে আমাদেরকে সাবধান করে দিয়েছেন। বুঝতে পারলাম, না বলার মাঝে মূর্খতা নাই, আছে ভবিষ্যৎ প্রজন্ম যাতে বুঝবার দরজাটি খুলতে পারে তারই অকপট শ্বীকৃতি। চীন দেশে একটি প্রবাদ আছে, সামান্য জিহ্বাটি কত মানুষ খুন করতে পারে। কিন্তু দুইটি চক্ষুর যে কত শক্তিশালী প্রবাহ আছে এবং দুইটি চোখ অন্ধ থাকলে সভ্যতার প্রবাহটি কি ধেই ধেই করে এগিয়ে যেতে পারত? দৈহিক প্রেম এবং আধ্যাত্মিক প্রেমের প্রশ্নেপ্ত বড় বড় কবিরা বলেছেন যে, আখুকা এক ইশারাই কাফী হ্যায়। তথা চোখের একটি ইঙ্গিতই যথেষ্ট। ধনাঢ্য सार्थशान, सार्वित राँडिभाठिन वानाश असन कूत्सात्वत त्यत्य जारनित একটি দৃষ্টিতেই প্রেমসাণরে ডুবে মারা গেলেন। শরিয়ত এবং মারেফতের মিলন পাই কোৱান-হাদিসের বাণীতে। আমরা ইচ্ছা করে একপেশে হয়ে

यार्ट। अराविता क्या साद्यककात्र राष्ट्रिमधलात्क अक्षस सात्व वा। अ ऋनार्ट হয়তো ঝানু গুহাবি আর ঝানু শিয়া গবেষকদের সাহাবা আবু হুরায়রাকে যা-তা মন্তব্য করতে দেখি। কিন্তু সূরা কাহাফের খিঙ্গির যে এলমে গায়েব জানতেন সেই বিষয়টি সযতনে এড়িয়ে যান। এড়িয়ে যান সূরা আল रुषतात्वत ८५ वश्त वाशात्वत अनस गास्यत कावात প्रतिष्ठात प्रनिनिधि। **अक क्राँमिदान अशिव अधिव क्राँगिक विश्व क्राँगिक** আপনারা বলেন মৃত আত্মাকে জ্ঞান দিয়ে জীবিত করেন। আপনাদের এই व्याश्या स्नत्न निल्न अकिं कथा खित्क याश्च, व्यात स्निंग रला अर्थे तकस জ্ঞান দেবার বিষয়টি যে যে স্থানে কোরান-এ আছে সেখানে কিন্তু 'বেইজ্নিল্লাহ' তথা আল্লাহর হকুমে কথাটি নাই, কিন্তু লাশের মধ্যে প্রাণ দেবার প্রশ্নে 'বেইজ্নিল্লাহ' তথা আল্লাহর হকুমে থাকতেই হবে। আর भार्षि फिर्स वानात्ना পाशिक्ट कुश्कात प्तवात मारा मारा क्रीवन भाशि रुख छेट यावात कथाि या कातान वलए ट्राप्टात व्याभ्या की फिरवन? शाखिकाता वलन या, अभताधी किष्टू ना किष्टू भाषाना रला अभताधित চিহ্ন রেখে যায় এবং চিহ্ন দ্বারা যদি অপরাধী ধরা পড়ে তো কিছুই বলার शात्क ना। ज्थन भाशा निष्टू कदा किंड जानताथ श्वीकात कदा, जानात किंड এই জলজ্যান্ত প্রমাণ দেখেও অশ্বীকার করে। একজন এই বিষয়টি মানবে কি মানবে না, তা জন্মের পূর্বেই নির্ধারণ করে রাখা হয়েছে। মেশকাত শরিফ-এ তকদির বিষয়ে হাদিসণ্ডলো পড়ে দেখলে পরিষ্কার বুঝতে

পারবেন। সুতরাং গালি না দিয়ে আল্লাহর হাতে ছেড়ে দিন। আর এলমে গায়েবের কথা? শত দলিল দাঁড় করালেগু গুহাবিরা মানবে না। তবে যদি কেবলমাত্র একটি দলিল দিতে চাই, আর তা হলো ফারুকে আজম হজরত গুমর ফারুক মসঙ্গিদে খুৎবা পড়ার সময় বহু দূরে যুদ্ধে রত সাহাবাদেরকে সতর্ক করে দিয়েছিলেন। আশা করি এই দলিলটি যথেষ্ট। কারণ সাহাবার শান যদি এমন হয়, তো গায়েব সম্পর্কে মহানবির শান কেমন হতে পারে? বনি ইসরাইল সূরাতে মুসা ও খিজিরের বিষয়টিতে বলা হয়েছে, আমি তাকে (शिक्रित) रॅनस नापूनि फान कर्त्विश शिक्रित निवेश नन, त्रयूनश नन। छिनि अनि। क्लातान-अत भृता व्यान देसतात्नत উनপकाम नश्त আয়াতের শেষে হজরত ইসা (আঃ) তাঁর সাহাবাদেরকে বলেছেন যে, তোমরা কী খাবার খেয়ে এসেছ তা আমি বলে দিতে পারি এবং তোমাদের প্রত্যেকের বাড়িতে কোখায় কোন জিনিস রাখা আছে তাগু বলে দিতে পারব। এখানে একটি কথা বলে রাখা ভালো যে, এই একবিংশ শতাব্দীতে আমাদের মধ্যে কারো তার নিজ বাড়িতে কোখায় কী রাখা আছে তা বলা এক প্রকার অসম্ভব বলতে চাই। কোরান-এর এই আয়াতণ্ডলো কি এলমে গায়েবের প্রকাশ্য প্রমাণ বহন করে না? একইভাবে মুসলিম জাতির পিতা হজরত ইব্রাহিম (আঃ)-কে আল্লাহ কোরান-এ বলছেন যে, 'আমি এইভাবেই ইব্রাহিমকে আকাশ ও ভূমণ্ডল পরিব্যাপ্ত আমার (আল্লাহর) বাদশাহি অবলোকন করাই।'

ठकितित क्रन्स त्यान अतः ठकितित कित अतः ठकितित शायन-अ तर्पना कता रखिल, नित रक्षत्र रुष्टेमूक (आः) तलन, 'आिस क्रामाफतित तिभेठ ७ छितिष्ठः फिनछलाक्त क्रामाफत तिक्रिक अतः यात्रजीय व्यवश्चा महक्त्र तल फिक्ट भाति। क्रामाफत क्रमा व्यामा शामाभा क्रामा रक्षाया रक्ष अला अतः अत्रभत काथाय यात्व, व्यामि अर्थे विषयिष्ठि क्रानि अतः क्रामाफतिक क्रानित्य कित्र भाति। व्यामि अर्थे विषयिष्ठ क्रानि अतः भाति त्य, अर्थे शावात अर्थे क्रामिक क्रामाफत रुप्त भाति। व्यामिक व्यामाफतिक मिक्क भाति त्यामाफतिक क्रामान व्यामाफतिक रुप्ता वा शाकिल अत्रक्ष क्रामा ना शाकिल अत्रक्ष क्रामा ना वा शाकिल अत्रक्ष क्रामाखन वा वा व्यवस्थित।

ফারুকে আজম হজরত গুমর ফারুক হতে এই হাদিসটি মেশকাত শরিফ-এ
আছে যে, মহানবি সৃষ্টির আদিকালীন সংবাদ দিচ্ছিলেন। এমনকি
বেহেশতি এবং দোষীদের নিজ নিজ ঠিকানায় পৌছে যাগুয়া অবধি
যাবতীয় ঘটনাবলির বিশ্বারিত বর্ণনা করেন। সাহাবা হজরত হজাইফা
বলেছেন যে, মহানবি উল্লেখিত সমাবেশে কেয়ামত পর্যন্ত যা কিছু ঘটবে সব
কিছুর খবর দিয়েছেন। তাদের মধ্যে যারা জ্ঞানী তারাই সেই সকল বর্ণনা
মনে রাখতে পেরেছেন। মেশকাত শরিফ-এ আছে যে, সাহাবা হজরত
সগুবান বলেছেন যে, মহানবি বর্ণনা করেছেন, 'আল্লাহ আমার (মহানবি)
সামনে পৃথিবীকে এমনভাবে সংকুচিত করে দিয়েছেন যে, আমি পৃথিবীর
পূর্বপ্রান্ত হতে পশ্চিমপ্রান্ত পর্যন্ত সমস্ত কিছু অবলোকন করেছি।' মেশ্কাত
শরিফ-এ আছে যে, সাহাবা হজরত আবদুর রহমান ইবনে আয়েয

तलष्टन या, भरानित तलष्टन 'ग्राभि ग्रामारक मुन्दत्वस ग्राक्ठिक फ्रिंशि।

তিনি (আল্লাহ) তাঁর কুদরতের হাত আমার বুকের উপর রাখেন, যে হাত পাকের সুশীতল পরশ আমি আমার অন্তরের অন্তন্ততে অনুভব করি এবং श्रुत करल जािक जात्रमान-ऋकितात त्रमञ्ज विषय त्रम्थर्क जवगठ रखिह।' মেশ্কাত শরিফ-এ বর্ণিত আছে যে, হজরত উন্মূল ফজল ভবিষ্যদ্বাণী করে এরশাদ করেন, 'খাতুনে জান্নাত মা ফাতেমাতুজ জোহরা (আঃ)-এর কোলে अकलन পুত্रসন্তানের আবির্ভাব ঘটবে এবং সে পুত্রসন্তান উন্মূল ফজলের কোলে লালিতপালিত হবেন।' বুখারি শরিফ হতে সাহাবা হঙ্গরত ইবনে আব্বাস বলেছেন যে, 'মহানবি একদিন দুইটি কবরের পাশ দিয়ে याष्टिलन, उथन करत पूर्रेटिळ बाकार रिष्टन। छिनि (सरानिर) त्रश्री সাহাবাদেরকে উদ্দেশ করে বলেন, এই কবর দুইটিতে আজাব হচ্ছে। কিছু কোনো বড় धनार्त कना नग्न।' उখन मरानि अक्थानि अकूद्वत काँा। जान নিয়ে সেটিকে ভেঙে দুই টুকরা করলেন এবং সেই দুইখানিকে একটি করে এক এক কবরে পুঁতে দিলেন এবং এরশাদ করেন যে, যতদিন পর্যন্ত এই খেজুরের ডাল শুকিয়ে না যাবে, ততদিন পর্যন্ত এদের কবরের আজাব কম रत। अत्रनरू रैक्षाभ राञ्चल रक्क वर्षिण আছে या, भरानित जांरूत काष्ट এমনভাবেগ্ত বর্ণনা করেন যে, পৃথিবীতে একটি পাখির ভানা নাড়ার কথাগ্ত সেই বর্ণনা থেকে বাদ পড়ে নি। তিরমিজি শরিফ-এগু এই বর্ণনাটি আছে,

सरानित तलन, 'छथन প্রত্যেক কিছু छाँत (सरानित) काष्ट असनछात छेसूङ করে দেগুয়া रয়েছে য়ে, তিনি (सरानित) এইগুলি চিনতে পেরেছেন।' আল্লামা জুরকানি এই হাদিসখানি সম্বন্ধে छाँत শরহে মাগুয়াহেব কিতাবে লিখেছেন য়ে, মহানিবির সামনে দুনিয়াকে এমনভাবে তুলে ধরা হয়েছে যার ফলে তাঁর (মহানিবি) দৃষ্টি সেই সমস্ত বস্তুকে পরিবেউন করেছে। সুতরাং তিনি (মহানিবি) পৃথিবীকে এবং যা কিছু কেয়ামত পর্যন্ত ঘটতে থাকবে এমনভাবে দেখতে পেয়েছেন য়েমনভাবে তাঁর (মহানিবি) হাত মোবারককে দেখতে পান। হাত মোবারকের তুলনা এই কারণেই দেগুয়া হয়েছে য়ে, কোনোরকম দিব্যদৃষ্টি বা কল্লদৃষ্টি নয়, অতি বাস্তবতা দিয়েই তিনি (মহানবি) সেই সমস্ত কিছু প্রত্যক্ষ করেছেন।

सिम्काठ मित्रक-श्रत 'सामाकिक' व्यक्षात्य क्रिलन कक्त मारावा श्रवः व्यामरात मूक्कात व्यन्यत्य श्रवान व्यापु क्रत भिकाति रूट वर्षिठ श्रक्थानि राफित छेल्ल्रिण व्याष्ट त्य, वर्षत्वत यूक्तत व्याक्षत किन सरानित कत्यकि हान ठाँत राठ सावात्रकत व्याध्र्म कित्य निर्फ्ण कत्व श्रतमाम कत्वन, 'श्रेटेंग व्यस्क्तत (व्यक्तित नास छेल्ल्र्थ कत्व) পिठ्ठ रश्यात निर्फ्ष हान। श्रक्ट मत्म ठिनि सग्रमात्वत व्यात्रश्च किर्ण्य हान निर्फ्ण कत्व प्रशित्य वर्णन, श्रथात्न, श्रथात्न।' भत्वत किन यूक्त मश्यिष्ठ रवात मसग्च प्रश्चा याग्य त्य, ठाँत (सरानित) निर्फ्णिठ हानमसृत्र मारावाणण माराम्छ वर्षण कत्वन श्रवः भठिठ रन्न श्रत वार्षेत्व श्रक्तिश्च न्या।

सिन्ताल मितिक-अत 'सूक्षिकाल' व्यक्षात्य रक्ततल व्यातू रतायता रल वर्षिल व्याद्ध त्य, क्रंतिक व्यक्ति वत्तिष्टिन, त्य अकिन अकि जिक्छ वाघत्क वन्ति छत्तिष्ट (जिक्छ वाद्यत क्रवान भूत्न भित्यिष्टिन अत हारेळ व्याक्ष्यक्रनक व्यात की व्याद्ध!) त्य, अरे पूरे सक्ष्याष्ठत्व प्रमानिल व्यक्ति (सरानित) व्याद्धन, चिनि क्लासात्मत्रत्क व्यलील अवः उतिसा विसयमसूर क्राल कर्तात्वन।

म्ब्हालत विक्रफ्त युम्त कतात श्रञ्जि श्रन्थकातीरमत विषया जालाछनाय संशानि वर्लाष्ट्रन या, 'जािस जाम्मत नाम कािन, जाम्मत वाभ-मामामत नाम कािन उ जाम्मत यां प्राप्त ता स्वाम कािन उ जाम्मत यां प्राप्त ताम कािन उ जाम्मत यां प्राप्त ताम कािन जाता है रिवन भिष्ति मर्वस्थि कािन यां प्राप्त यां प्राप्त विवास कािन वां प्राप्त वां प्त वां प्राप्त वां प्त वां प्राप्त वां प्त वां प्राप्त वां प्त वां प्राप्त वां प्त वां प्राप्त वां प्र वां प्राप्त वां प्राप्त वां प्राप्त वां प्राप्त वां प्राप्त वा

सिन्तां मित्रक-अत 'सानां किरत वार्ति ताकातिन अग्ना छैसाता' व्यक्षात्य तिर्में वार्ष्ट, उन्नून सामिनिन रक्ति वार्तिमा निष्क्ति अकि सरानित निक्षे वात्रक अन कर्तन, 'वान्त्रनालां वान्त्रनाम् वालारेका रेग्ना तानूनालार! असन कर्ड वार्ष्टन कि, यात तिक्रमसूर वाकारमत ठातकातां कित नसन्धाक रुत्त?' सरानित तनलन, 'रंडा, अतः छिनि रुलन अस्त।'

उफिति शाक्रन-ध वर्षिण रखाष्ट या, भरानिव वर्षाष्ट्रन, स्मताक्र तक्रनीक्ष्य 'व्याभात उम्मण्टक व्यापन-व्यापन भाणित व्याक्रिक्षण राक्षित कता रखाष्ट्र, यभनजात रक्षतण व्यामस्मत निक्ष राक्षित कता रखिष्टन। व्याभाक्त वर्षा फिश्रा रखिष्ट कि व्याभात उँभत रैमान व्यानत, व्यात कि व्यानत ना।' मरानित अर्रे धामणा कारफतफत लाएतीप्रूठ रल ठाता विफ्रुभाञ्चक राभिमरकात वलिष्टिन, 'मूमनमानफत नित ममस मानूखत कर्मात व्याणरे क कारफत व्यात कि क्षामिन धामणा फिरा वत्म व्याष्ट्रन, व्यथण व्यामता ठात णातभाग व्यश्चान कित, व्यामाफतक छिनि छित्नन ना।' कारफतफत अर्रे छैकि मरानित निकण लेशिष्टाल छिनि ममिक्फ नवित्र मिश्रतत उँभत व्यातार्थ करालन अवः धामणा करान, 'अकमान श्रमःमा व्यान्नार तास्त्रन रेक्षिणत क्रा। अर्रे मक्न लाकफत अमन की रला खा, ठाता व्यामात क्रान नित्र ममालाणना करा। अथन खिक कान क्रियामण करात विस्र मम्पर्क व्यामाक क्रिकामा करा द्याक ना किन, व्याम व्यवम् रेक्ष व्यामात क्रिकामा करा हिन।'

ইফতার বিষয়ে কতিপয় হাদিস

আমরা সুফিবাদ আত্মপরিচয়ের একমাত্র পথ নামক বইটির তৃতীয় খণ্ডে ইফতার, সাপ্তম (রোজা) ও অজুর (আধ্যাত্মিক) শরিয়তভিত্তিক মূল লক্ষ্যকে সামনে রেখে বিশদ আলোচনার আশা রাখি। তাই এখানে ইফতার বিষয়ে মাত্র তিনটি হাদিস আপাতত তুলে ধরলাম। হনায়েনের যুদ্ধটি

- ১. আন্ সাহলিন কালা কালা রসুলুল্লাহ (সা) কালাল্ লাভ তায়ালা আহাব্ব, এবাদি ইলাইয়া আজালুহম ফেতরান। (তিরমিজি)। সাহাল হতে বর্ণিত আছে, রসুলুল্লাহ (সা) বলিয়াছেন, আল্লাহ তা'আলা বলিতেছেন, আমার নিকট আমার বান্দাদের মধ্য হইতে ঐ ব্যক্তিই সর্বপেক্ষা প্রিয় (আহাব্বে এবাদি ইলাইয়া) যে তাহাদের মধ্য হইতে ইফতারকে তাড়াতাড়ি করে (আজালুহম ফেতরান)।
- ২. আন সাহলিন কালা রসুলুল্লাহ্ (সা) লা ইয়াজালুন্ নাসু বেখায়রিন মা আজজেলুলী ফেতরান। (বুখারি ৪ মুসলিম)। সাহাল হইতে বর্ণিত আছে, রসুলুল্লাহ্ (সা) বলিয়াছেন, মানুষের উত্তম (দিকটি) দূরীভূত হইবে না,

(ना ইয়াজালু) যদি তাহারা ইফতারে তাড়াহড়া না করে (মা আজজেলুনা ফেতরান)।

৩. আন উম্রিন কালা কালা রস্লুলুহ (সা) ইজ্ আক্বালাল্ লাইলু মিন হাহুনা প্রয়া আদ্বারান নাহাক্ত মিন হাহুনা প্রয়া গারাবাতিশ শামসু ফাকাদ আফতারাস সায়েমু। (বুখারি প্র মুসলিম)। প্রমর হুইতে বর্ণিত আছে যে, রসুলুলুহে (সাঃ) বলিয়াছেন, 'যখন রাত্রি আমাদের নিকট হুইতে (মিন হাহুনা) অপ্রবর্তী হয় (আক্বালা) প্রবং দিবস যখন আমাদের নিকট হুইতে পিছাইয়া যায় (আদ্বারা) প্রবং সূর্য ডুবিয়া যায় (গারাবাতিন) সুতরাং অবশ্যই রোজাদার (সায়েম) ইফতার করিবে।'

त्रुकित्राधक व्याल्लामा ऋामित अकिं कालाम-अत ভावार्थ

त माञ्चलात का तालात व्यावम द्वावावी।
त्रिक्त त्रिल्टियंत गेठियुराण निरसर व्यावि व्यावि त्रिल्टियंत गेठियुराण निरसर व्यावि व्यावि का त्रिल्टियंत गेठियुराण निरसर व्यावि का त्रिल्टियंत व्यावि का त्रिल्टियंत व्यावि का त्रिल्टियंत का त्रिल्टियं का त्रिल्टियं

হন্তরত বাবা আমির খসক্র রচিত কালাম-এর ভাবার্থ

বুয়ে দিল আজ গুবারে মি আয়েদ। আমার অন্তর তোমার সৌরভে আজ সম্পূর্ণ ভরপুর, যখন আমি নিজেকে পেয়েছি তোমাতে। भारत्र हैं। भार भारत्र सि व्यास्त्र है।

আমাকে তোমার মাঝে বিক্রি করতে পেরেছি বলেই তো, রাজাধিরাজের শুভ আগমন হয়েছে।

খাবারাম রাশিদে ইন্শাব কে নিগায়ে খাহি আমদ।

আমার ধারণাও ছিল না যে, রাজাধিরাক্তের গোপন বাণী ধ্যানসাধনায় আমিকে তাড়িয়ে দেবার পরেই আসবে।

সারে মান ফেদায়ে রাহে কে সাগুয়াবে খাহি আমদ।

সবটুকু মন সম্পূর্ণ উৎসর্গ করার পর দেখি পরম আপনরূপে মূর্তিমান হয়ে আসেন আমারই মাঝে।

रामा या रहा সেर्टिता भारत भूमी निरामा कार्ति।

পরম তাঁর নূতন রূপে নববধূর মতো আগমন করেন যখন আমিকে আমি নাই করতে পেরেছি।

वाउँ कि का वांकि वूँ कि वानिणादा शाहि वानि।

পরমের আগমন আমারই মাঝে আসে যখন আমিটা আর আমার মাঝে থাকে না।

कांभारम क रूभक हाताह ना छकात ठाक्साहिहा।

र्नेमर्कत र्वम्ना, क्रामा-यद्व्या रात्रिभूत्थ वत्रय करत निष्ण ना भात्रत भत्रस्ति मर्मन माछ रय ना।

वाकाना नाकात वाभात ना वाशि वा साकात्व शांटि वासम।

আমার মাঝে আমি থাকলে পরম আসেন না, আর না থাকলে আমি সবার তীর্ষস্থানে পরিণত হই।
বয়াক আহমদাল অঙ্কুদে দিল দ্বীনগু সবরো খসর
আমার অস্তিত্বের সবটুকু এমনকি খসরুর অন্তর এবং ধর্মটিগু।
চে শাবাদ আগার বাণিসা দোসেদারে খাহি আমদ।
পরমের দরজায় আসলে পর সামান্য চাগুয়া-পাগুয়াটুকু সঙ্গে রাখা যায় কি!

তিনটি কবিতা/শাহ সুফি সাইয়েদ মোহাম্মদ নাঈম

व्यासात श्रापिश्च ताताकान मार पूरिक प्रारंदिए स्नाराञ्च नामस प्राट्टतत व्याधाण्यिक विषयात उपत तिषठ िनिए किनिए किन

প্রতিষ্ঠাতা। চট্টগ্রামের মীরেরসরাই উপক্রেলায় অবস্থিত এই বিশ্ব দরবার শরিফ।

ভেদ রহস্য-১

এ কি খেলা খেলছো তুমি, মাথায় চক্কর মারে তোমার মকরামি দেখে।
মক্করের মক্কর তুমি, চক্করের গোলক ধান্দায় চোখে যে সরষে ফুল ফোটে।
কত দোষ দেখতে পাই, তবু তোমার দোষ নাই, কোরানে তার সাফ জবাব পাই।

তুমি নিখুঁত, সৃষ্টিগু নিখুঁত, ভুলের কিছু নাই, সূরা মুলকের বাণীতে সব কিছু যে ভুলে যাই।

ना तूत्य खतूय मन प्रश्न शानि, उत्कंत थाठा र क्यात क्याता छेडत नारे। खाङाङिन क्वात्मठात मतमात, अकि रक्ष ना क्षाता रश्च मग्न ग्राठान, ना मानात क्याणि त्मथात्ना क्वान मग्न छान? छ्यात रहे त्मित्वमान। मग्न वात्म ग्राठान नारे, नमीत मिनन माम्य भारे। थान नमीळ मित्म, नमी माम्य मित्म, माम्य क्वाया मित्म अत ङ्वाव हारे।

শয়তানের যত দোষ যে খাসা একটা নক্ষ ঘোষ শয়তানের আগে শয়তান কে ছিল প্রশ্ন করাটা যে বড় দোষ। সব গোমর ফাঁক হয় সবার চোখ খুলে যায় বুঝেগু না বুঝার করি ভান, ভেদ রহস্য চক্কর খায়। व्याना शाराक्रम मिन २, उँउम व्यामि व्याप्स २००, क त्मशाला वार्षीिए? शामा क्राप्ताश फाष फर्ट कान प्रक्र। শাষ্ত্রির কথায় পরান কাঁপে, 'জি হাাঁ, হজুর' করি সবে। তোমার প্রেমিক ভয় করে না তাই বলে ফেলে সবার কাছে। সর্ব দোষে দোষী তুমি, কালাম পড়ে পরিষ্কার বুঝি ভীতু বলে তুমি দয়াল প্ৰেমিক বলে, ভেদ বুঝি না আমি। त्रुकि नामेक्ष तत्न अभव कथा तनक नारे। श्रिक्षिक यि रिट्ट हा आपन काँ स्थि ये प्राप्त साथा श्रिट ने খোদাকে না দুষে আপনাকে দোষ, হাসি মুখে সব বিষ পান করে নাগু। बे विस्त्रत क्रालाग्र साछला भतात्व व्याभन रवात कुलसाला মনসুর কয় আনাল হক। এক বিনে দুই আর থাকে না তখন कानात साकास भीत-सूतिष अक रश त्मर्क-त्वषाळत रश सत्तर। त्रुस्सा फाना काठाफाल्ला का काना कावा काञ्जाहेत्न আञ्ज व्यापना আহাদ আর আহমদ এক হয়, গুহাবি আর শিয়া তো তা বোঝে না!

ভেদ রহস্য-২ রূপকথার গল্প শুনতে লাগে বড় মজা সত্যকথার সত্য গুনতে লাগে তেমন তিতা, यि ना शास्त अन घरत छि , छ छ र र कासिन भीत মনের ঘরে সোনা হয় পিতল এ ভেদ যে কত গভীর। व्यात्रल रकटल बकल धर्त भनावाकि कत्रष्ट याता **ठकिरतित विश्व क्याल वाट्य श्वात क्याल ठाता?** লিখন-পড়ন জ্ঞান-গবেষণায় পাবে তুমি অনেক সভ্যতা **टिता छ** हा अरावित्राधवा अर्थे विकास किया है किया है। राक्षात जानाभ क्रानार क्यान-गत्वस्थात व्यवाक यङ कन তৃপ্তি আছে, শান্তি আছে, মরীচিকায় আছে মেকি জল! **जा ना रल कि अज किছু পেয়ে** अग्र ना किছू দেহঘরে আত্মা কাঁদে কেন ছোটে কামেল গুরুর পিছু। व्यापनारक िनक्ष रल रय ना मतकात छान-विम्यात ध्यक छक्रक स-यूगल, वाभ वूक महार यिष ताथळ भारता সব রহস্যের জট খুলে দেখতে পাবি আপন চমক। नेत्रा, भूत्रा, तुम्न, कृष्म त्रवारे कद्धाः व्यापन त्राधन महानित महावाणी व्यापन व्यात त्रत्वक्त शास्त्र ना स्वास्ता वाँ। **क्तित्र वा रक्ति पूँचित्र विकार अकस्रत्व गरवस्या छानिएस या** ना रटल भिष्टित्य शाकित अरे पूनियाय हास भावि ना अक भयमा। किंकित बात किंकत वाभ बात छान राज

अक्टा रक्टल আदिक्टा धतटल दाकात वर्गवाम। सन वांध, मक्ट रूछ, कांद्ध ल्र रेवत्न भिना आत क्रिस मुक्ति नामस वटल अक कांद्ध आसात विक्रान, अभति मुक्ति।

জেদ রহস্য-৩ গোপনের গোপন কথা মন দিয়া শোন জনগণ साथाय राज, कात्थ कल, सत्त छात्म यज गञ्जलाल। ना मानिया रुक्स व्याष्ट्रस-राश्रया शक्कस शार्रेटना द्व।। দোষ না করিয়া তাদের দোষে হইলাম দোষী যে। তালা ঝুলিয়ে দাগু মুখে, যুগের ভাষায় ভেটো মারে ठूकि वाल्ला, वाकि तान्हा, शांति वा ळाक्षात छन् तूचिळ। সূরা মুলকের মা তারাফি খাল্কির রাহ্মানি মিন তাফাউত বাণীটি শুনে মানে বুঝি, ভেদ রহস্য ঘাঁটতে গিয়ে হই ফতুর। कासिन अनित्क श्रम कत्रल राज मत्न मत्न এজিদকেও গালি দেয় না খাজা বাবা, গুনতে কেমন লাগে! বাবার পাপ ছেলেকে দাও না তুমি, পাপ-পুণ্যের হিসাব নেবে প্রতিজনের কাছে মরণ কেয়ামতে পাপ-পুণ্যের হিসাব দেখতে পাবে সবার হাতে হাতে। এ কী আজব খেলা খেলছো তুমি ভবের বাজারে?

ভেবে পাই না পার-কূল জবাবটি থেকে যায় আঁধারে। व्याप्त न्या वात्र कता शास्त्र सका वय व्यवस्थि, দুনিয়া নামক জেলখানাতে ফেলে দাগু সেই অপরাধে। জান্নাতে যাই নি আমরা, মানা করা গাছের মজা তো অনেক পরের কথা, তবে কেন আগমন এই দুনিয়ায় জীবন রহস্য পড়ছে না যে ধরা। যার যার হিসাব সে সে দেবে আমলনামা উঠে আসবে হাতে তবে কেন আদম-হাওয়ার হিসাব পড়ছে তোমার আমার কপালে? এই কথার উত্তর চাই, কোরানের বাণীতে এমন কথা নাই। উন্তরের উন্তর চাই, বিদ্যার খাল ভোবাতে ডুবিয়ে যাই। त्रुकि नान्स एउटा रहा प्यदिगान भागन रवात प्रश একজনের বোঝা বইবে না অন্য জনে এই কালামটি শুনে। তিনটি কবিতা/ অধ্যাপক জামাল

ইমাম হোসাইন
শত কোটি প্রণাম, হে হোসাইন, তোমায়।
তুমি ফ্লালিয়ে দিয়েছ প্রেমের অনল
রক্তে রাঙানো হাহাকার করা কারবালায়।
তোমার সেই অনল ছড়িয়ে গেছে বিশ্বময়
ফ্লালিয়ে পুড়িয়ে ছারখার করে দিয়েছে

সারা বিশ্বের প্রেমিকের হৃদয়।

कामाय याता महिन करतष्ट कातवानाय हिन ना ठाता हिन्दू, तोम्न, श्रिकांन हिन ठाता माछि-पूॅि भिश्रयाना मूमनमान। श्रिक्त ठांतूक व्याक्षान रखिन स्मार्थे व्याक्षान रखिन स्मार्थे व्याक्षान रखिन स्मार्थे व्याक्षान रखिन स्मार्थे व्याक्षान रखिन व्याक्षित ठांतूक ठा-रू, मिमले विनय वामािक कारान विनय विनय वर्षेमान?

मारावि विनव काटक व्याप्ति,

भूमनभान विनव काटक?

ट्रिफिन ट्रामार्थेटनत विक्रफ्त अकूम राकात

मारावि व्यञ्च धदाष्टिन भाटं,

जाता ष्टिन द्याराफ्त्म, द्याकाट्ष्यद काभान,

राक्क, काती, भाउनाना,

अथनअ कतभान भाउनाना माट्य

कता यात्व ना त्कात्ना सञ्जवा **সাহাবিরা যে আকাশের নক্ষত্রতুল্য। टा**त्राह्म तत्विष्ट कातावावाश আমি কী অপরাধ করেছি य रुग कत्रत वाक्षाय? তোমাদের মধ্যে একজনগু মুসলমান নেই যে সাহায্য করবে আমায়? वाषी छत्न अक्रिम खरक एता अत्नन হর, হরের ছেলেসহ তেগ্রিশ জন युদ्ध करत गरिष्ट रटलन ठाँता यूजनभान छाता, ना अर्डे जारावाता? সেই সাহাবারা নবির বংশের রক্তে नान कदाष्ट्रिन कात्रवाना তবু হোসাইন, তুমি মাথা নত করো নি, তোমার প্রেমিকেরাগ্ত করবে না क्रवस क्रवााग्रदा। তুমি দেখিয়ে দিয়েছ সূক্ষ্যভাবে আসল আর নকলের কত ফারাক তুমি বুঝিয়ে দিয়েছ

मािं पूरित थाक ट्रांस हा सूत्र ना सूत्र ना सांका ता सांक

সাহাবিরা আমাদের মাথার তাজ ও আকাশের নক্ষত্রতুল্য, কিছু তাদের কথা নয় যারা নবির বংশকে পদে পদে নির্যাতন করেছে।

খারেজিদের চেহারা

श्रति भारति ।
भारति भारति की कारता?
भारतिक सारति की कारता?
भारतिक स्टला फ्लठ्यांगी।
कात फ्ल ठ्यांग करतिष्टिल ठाता?
स्टिश्म भूरल प्रभ्य व्याभता
पूमाञूल क्रम्मलत तायरक व्यभान्य करत व्यालित श्रम ठ्यांग करत वात राक्षात रंगन्य भिलिए रय राक्षता नामक श्राम्यत जिंग जारमत निर्वाष्टन करत जावमूल्लार विन अरावरक। जानिरक जाभ करत वरन: ना रुक्सा रेल्लार विल्लार॥ अतार भारतिक।

আলি আছে সত্যের মাঝে, भठा আছে আলির মাঝে॥ তা কী দিয়ে বুঝানো যাবে? व्यानि य फिरक याश সত্য সে দিকে যায় भरावित जा कत्रभाव, সেই সত্যকে ছেড়ে দিলে মিখ্যা ছাড়া কী পাগুয়া যায়? খারেজিরা তো সেই সত্যকে ছেড়ে मिथारक वूरक निखिष्टल, शाद्धिक्रा मुक्ता भारव रत व्यानि भिरात भाट्य পড़ याय, **ा रत्न या नितत वानी भिराग रा**स यास তা কী করে সম্ভব। সম্ভব বলে মেনে নেয় যারা এরাই খারেজি।

अज्ञारे नार्थशात्नत श्राष्ठद्व শিবির স্থাপন করে আন্দোলনের তরে व्यानि সংবাদ পেয়ে তাদের ঘোলা পানি খাইয়ে ছাড়ে নাহগুয়ানের প্রান্তরে তারপরগু যত ঝামেলা করেছে याता अर्थे पुनिशा कुट्ड এরাই খারেজি। **ब्रह्माट व्यामिटक रेमनास्मत मा**न्नि विनर्छेकाती वल, रुठात रुख्य छानाश অবশেষে তারাই খারেজি সম্প্রদায়ের व्यावपूत तरमान रेवता मुलयाक्रक फिर्स কুফার মসজিদে নামাজরত অবস্থায় শহিদ করেছে আলিকে হত্যা করেছে সত্যকে এরাই খারেজি।

এরাই হাদিস জালকারী यथन খूमि यिछात्व খूमि शिष्ट्र वाबाळा ठाता श्रथम राफिन कालकाती हिल रेवत नार्रेशा नास পরিচিত लार्रेशा ष्टिल খারেজি দলভুক্ত কিতাবুল মগুজুয়াত গ্রন্থে প্রমাণিত वित्युत त्छकाल राफिएमत कवा फार्सी याता খারেঞ্জি নামেই পরিচিত তারা এরাই খারেজি। भूत्रनिभ काराज कम विग्का थना সৃষ্টি করে নি তারা উसारेशा व्यासल विশ्वाशना करत्रष्ट नार्ठिपिछा अखराष्ट আব্বাসি আমলেও করেছে नार्ठिपिछा अखराष्ट পেটা খাইতে খাইতে পালিয়ে মিশরে আসতে বাধ্য হয়েছে भिगदा अस्तर भदाए

ফাতেমীয়দের হাতে রাজনীতি ছাড়তে বাধ্য হয়েছে विপদে পড়ে ধর্মীয় ক্ষেত্রে সীমাবদ্ধ হয়েছে এরাই খারেজি। আজ সত্যের দাপ্তয়াত দেয় তারা সত্যকে হত্যা করে, আন্ত ইসলাম প্রতিষ্ঠা করে তারা रॅमनाभक्त विछ्क करत, व्याक सानुषरक तः-तितः स्यात शिष्ट्र भागाय जाता व्यर्था९ ठाएम् समारवार वर्जभावन **ভেজাল হাদিসের কারখানা।** अता व्यानि सात्न नार्हे व्यानि सात्न ना साक्षात सात्न ना মরদুদের পথই তাদের বেহেশত খানা আমার কবিতার প্রাণে তাই দিয়েছি र्रेणिराप्त या (পर्सिष्ट গ্রহণ করবে তারা তকদির যাদের খাড়া

গ্রহণ করবে না তারা তকদির যাদের মরা এরাই খারেজি!

কী করে সাহাবি বলি তাকে की कदा प्राशिव विन ठाक যে করেছিল সিফ্ফিনের প্রান্তরে হঙ্গরত আলি (আ.)-এর সাথে প্রতারণার খেলা! वर्षात व्यथलार कूतवान वृतिदा মানব কুরআনের সাথে করেছে বেইমানির খেলা। या वानि (वा.)-क त्रभून तलिष्टन वानि वाभा रळ, वाभि वानि रळ; या ভानवारा वानित्क, स्र वास्र वासात्क; যে যুদ্ধ করে আলির সাথে, সে করে আমার সাথে। মোয়াবিয়া যুদ্ধ তো করেছিল আলি (আ.)-এর সাথেই ना! ना! এই युদ्ध जानि (जा.)- अत जारा नश এই যুদ্ধ করেছিল স্বয়ং রসুলের সাথে কী করে সাহাবি বলি তাকে! यে করেছিল ইমাম হাসান (আ.)-এর সাথে চরম প্রতারণা সারা আরব জাহানে সৃষ্টি করেছিল বিশৃক্মখলা। শান্তির জন্য ইমাম হাসান (আ.) সন্ধি করেছে তার সাথে তবুও সে অশান্তি সৃষ্টি করেছে সবখানে। मिश्रिक विश्विण किल स्माग्नाविश्वा भाग्निण रदल হাসান থাকবে আবারগ্র সেই মসনদে। ना शांकिएन राजान এ स्रुवतन হোসাইন বসবে সেই মসনদে। কিন্তু করেছিল সে কী? कर्त्विष्टल अक्षात थु९वाय व्यालि (व्या.)- अत বংশের উপর অভিশাপের প্রচলন। तिरुपानि कदा ऋरत शाउशास्य ইমাম হাসান (আ.)-এর করেছে প্রাণনাশন। এই তো সেই নিঠুর মোয়াবিয়া, কী করে সাহাবি বলি তাকে। সে মৃত্যুর আগে, সন্ধিভঙ্গ করে स्रमनर तमारेशा श्रष्ट कू-পুত्रक्रन। **टा**त्राहेन (**या.**) ठा स्नत त्वग्न नि तत्व রক্তে লাল হয়েছে কারবালার প্রায়র। হোসাইন (আ.) শহিদ হয়েছে কারবালায়

বিশ্ব কেঁদেছে, কাঁদছে, কাঁদতে থাকবে যতদিন থাকবে এ বিশ্ব ধরা। কাঁদে নাই তারা যারা ছিল মোয়াবিয়ার গোলাম। যাদের মাথায় টুপি ছিল, দাড়ি ছিল মুখে পড়িত পাঁচগুয়াক্ত নামাজ। আজন্ত কাঁদে না তারা হোসাইন (আ.)-এর জন্য कळाश्चा सादा व्याक्रश्च साग्चाविद्यात वः भता कांफिल टात्रारेन (आ.)-धत कना काग्रमा रूत ना त्रश्रय शाकत्व ना ध्रताय। এরা তো তারই ফয়েজপ্রাপ্ত की कदा त्राशित विन ठात्क! যার পিতা সুফিয়ান সারাটি জীবন त्रगुलक कद्बिष्टल श्राह्म श्राह्म कुलाउन কালেমা পাঠ করেছিল মৃত্যু দেখেছে যখন। যার মাতা হিন্দা, রসুলের প্রাণের চাচা হামজার কলিজা চিবিয়ে খেয়েছিল। সেই ডাইনির সম্ভান ভালো হয় কোন গুণে। व्याभि व्याभात भूट्यंटम्त कर्छ कर्छ बिलिख वलक्य ठाउँ॥

एन अरथ यिन याक रहा याव उत् त्रारावित श्रीकृष्ठि कान भूथ एन वर् रुभाभ वश्यात उपत अठ निर्वृत्तठात प्रत त्रारावित थाठाग्र नाभ थाक की कदा? त्रारावि रत व्यात भूराश्वरत उपत निर्भभ निर्वृत व्यठागत कदा की कदा? ठार व्याभि की कदा त्रारावि विन ठाक!

উপরের ছবিটি যাঁর, তিনি আমার শিক্ষাগুরু। পরম পূজনীয়। পীরপূজারি। সুফিবাদের আদর্শে জীবন ও দর্শন অবগাহন করেছেন। লা-মোকামে খোদার অবস্থান, এটা সবারই কমবেশি জানা। কিছু জিন ও মানুষ নামক দুটো প্রাণীর মাঝেই যে খোদা জাতরূপে লুকিয়ে আছেন, এটা বোঝা কউকর। যারা বুঝতে পারেন তারা সুফিবাদে আসতে বাধ্য। কোরান-এ খোদা বলেন যে, আমরা তোমাদের জীবন-রগের (শাহারগের) নিকটেই আছি। এই থাকাটার জন্যই মানুষ সৃষ্টির শ্রেষ্ঠ জীব। খোদা কখনো অন্য কোনো জীব-জন্তুর শাহারগের নিকটে থাকেন না এবং থাকবার আইনটি কোরান-এর একটি আয়াতেও নাই। এমনকি পাহাড়-পর্বত, নদী আর সাগরের নিকটে আছেন, খোদা এ কথাটিও বলেন নি। আর সমন্ত সৃষ্টিরাজ্য, তা যতই বিশাল ও ব্যাপক হোক না কেন, খোদা নিকটেই

আছেন–এ কথাটি বলা হয় নি। তাই সমস্ত সৃষ্টিরাজ্য সেফাত তথা গুণাবলি। খোদার এই জাত ও সেফাতের ফর্মুলাটি জানা না থাকলে কেমন कर्त्त रॅंत्रनाम गर्विषक रय अवः श्रीत-कित रय ठा व्यामार्फत काना नारे। नक्त्र उथा श्राप उथा क्षीताञ्चा जात क्रन्थ उथा প्रतक्षाञ्चा पूर्णा त्रम्पूर्प जानामा विषय। रेंरा कथलारे अवः काला खवशाळरे अक विषय नय। कात्रम, नक्म তथा श्राप তथा जीवाञ्चा मृठ्यत श्वाम श्रर्थ करत, किन्नू क़र उथा পরমাত্মার মৃত্যুর স্বাদ গ্রহণ করার কথাটি কোরান বলে নি। নফ্স জনাগ্রহণ করে, তাই মৃত্যুর স্বাদ গ্রহণ করতে হয়। যে নফ্সটি জনাগ্রহণ করে সেই নফ্সটি জন্ম দিতেও পারে। নফ্স জন্ম-মৃত্যুর অধীন যেহেতু, সেইহেতু বিশ্ৰাম, পরিশ্রম, ক্লান্তি, অবসাদ, ঘুম, খাদ্য-পানীয় গ্রহণ, প্রতিযোগিতা ইত্যাদি লোভনীয় বিষয়ণ্ডলো আন্টেপৃঠে তথা গিরায় গিরায় বাঁধা থাকে। রুহ তথা পরমাত্মা এই জাতীয় সর্বপ্রকার ঝুটঝামেলা হতে সম্পূর্ণ মুক্ত। আবার মৃত্যুর স্বাদ গ্রহণ করাটা মোটেই ধ্বংস হওয়া নয়, বরং পরিবর্তন। নফ্সটি তথা প্রাণটি তথা জীবাত্মাটি দেহ নয় তথা শরীর নয়, वतः नक्त्रिं कि उथा श्रापि कि उथा श्रीवाञ्चाि कि धात्र कतात भाव रुला শরীর। এই পাত্র হতে নফ্স তথা প্রাণটি বিদায় গ্রহণ করলে পাত্রটি সঙ্গে সঙ্গে নাম ধারণ করে লাশ। সুতরাং লাশটি মেজাজি কবরে যায় এবং रिकुएत नागि भागात यारा। सिकािक कराद बाकार रस रत सानळ হয়, কিছু নফ্স তথা প্রাণটিকে যে পাত্রটি ধারণ করে আছে সে পাত্রটি

তথা জীবন্ত দেহটিকেই প্রতিদিন কবরের আজাব ভোগ করতে হয়। এই ভেদ-রহস্যগুলো যিনি বা যারা জানতে পেরেছেন তারা সুফিবাদে আসতে বাধ্য। সুতরাং জনাব লুংফর রহমান চৌধুরী এসব বিষয়ে বিশেষ জ্ঞানে জ্ঞানী। তাই উনি অধম লিখকের শিক্ষাগুরু।

বংশ পরিচয়ের প্রশ্নে এত উন্নতমানের বংশ সমগ্র কেরানীগঞ্জ উপজেলায় আর একটি আছে কি-না আমার জানা নাই। উচ্চশিক্ষা এবং ধনসম্পদ দুটোর একসঙ্গে এত সুন্দরভাবে অবস্থানটির কথা বিশ্বয়কর। উনার পিতা राकि वाकिकुत तरमान क्रोधुती अतरक क्रून क्रोधुती ष्टिलन श्राक्रन मध्यम সদস্য এবং এন্ট্রাস পাস এবং সেইদিনের কোটিপতি। উনার দাদা হাজি ইব্রাহিম চৌধুরী মাদ্রাসা-শিক্ষায় শিক্ষিত এবং লাখপতি। উনার বড় বাবা জনাব খতিব চৌধুরীও মাদ্রাসা-শিক্ষায় শিক্ষিত এবং লাখপতি। আমার শিক্ষাগুরুর তিনটি শ্লেয়ে : প্রথম কোহিনুর চৌধুরী, যিনি ইংরেজি সাহিত্যে व्यवार्त्र ३ अम्ब ; द्विजीय स्मर्य गाहिनूत क्रोधूती, यिनि ভূগোলে व्यवार्त्र अवः এমএ; তৃতীয় মেয়ে সুরাইয়া চৌধুরী হোম ইকোনমিক্সে অনার্স ও এমএ। छैनि ফরিদপুর জেলার নগরকান্দা উপজেলার লশ্ধরদিয়া গ্রামের অ্যাডভোকেট শাহ মুহাম্বদ ছাদেকুর রহমানের মেয়ে ফেরদৌসি বেগম क्रीधूरीक विवार करतन। उनात भ्री कारतफीम विश्व क्रीधूरीक व्यामात **पृष्टिक्ट जाभनी तला याग्न। कात्रप व्यामात निका**छक्रत श्रष्टद्वत तः म रक्तरज गार पुकि रेप्रयुष व्यावपूत तरमान দानियम र रेट व्याग्छ।

আমার চোখে যিনি অনেক বড় মাপের মানুষ, সেই শাহ সুফি সলিমুল্লাহ সাহেবকে আমার রচনার দুয়ারে রেখে দিলাম

পরম শুদ্ধেয় শাহ সুফি সলিমুল্লাহ সাহেব একজন শিল্পপতি এবং পরিশ্রমী।
উনাকে পরিশ্রম এবং শৃক্ষখলার প্রতিমূর্তি বলা যায়। উনি কেবল
সুফিবাদেই বিশ্বাসী নন, বরং প্রচুর পড়াশোনা করেছেন এই বিষয়ে। উনি
বাংলার বিখ্যাত পীর সৈয়দ শাহ সুফি বাবা খান বাহাদুর আহসান উল্লাহ
সাহেবের ভক্ত। উনি আমার রচিত প্রতিটি বই পড়েছেন এবং গুয়াজের
অডিগু-ভিডিগু ক্যাসেটগুলো গুনেছেন গু দেখেছেন। উনার মুখের প্রশংসা
এবং আমার শিক্ষাগুরু জনাব লুংফর রহমান চৌধুরীর প্রশংসা প্রায় একই
রকম। উনারা এবং আরগু অনেকে মনে করেন যে, বর্তমান বিশ্বে
সুফিবাদের উপর আমার রচনার আর কোনো তুলনাই হয় না। অংকের
হিসাবের মতো প্রতিটি বিষয় তুলে ধরার কথাটি তারা বলেন। তবে দুইটি
কথায় উভয়ে চমকে গুঠেন। প্রথম কথাটি হলো, লাহত মোকামে প্রবেশ

করার সঙ্গে সঙ্গে আপন পীর ডানদিক দিয়ে চলে যান এবং বাম দিক দিয়ে খান্নাসরূপী শয়তান পালিয়ে যায়। তখন সাধক নিজের মধ্যে দেখতে পান যে, তার পীরগু তিনি, মুরিদগু তিনি। এখানে আসতে পারলেই তৌহিদ। কারণ, পীর ধরাটাগু শেরেক। তবে ইহাই শেষ শেরেক। কারণ, তখনগু দুইজন আছে। তৌহিদে বিধান নাই দুই থাকার, নতুবা আমরা সবাই হাকিকি শেরেকের মাঝে ডুবে আছি। কারণ, মেজাজি শেরেকটা হলো রূপক শেরেক, অনেকটা রূপক শয়তানের মতো।

िष्ठिरी स्व क्यां हि स्टला, स्वाताकावात क्षानमाथना हां मिनात अलंब रामिन कता यात्र ना (सामात कांठ अनित कथा व्यानामा)। क्छिंद्रला कथात वज्रा कांना यात्र अवर अहे कथात वज्रा मित्र एकक दें ति कता यात्र। किंद्र तहरम्पत क्षान व्यर्कन कता यात्र ना। हिव्छ वाच-मिश्ह प्रभात स्टा। वाज्यव नत्र। छा हां मुक्तिवाम वाक्टि मिट कांना। कांट्य न्य स्व स्वात में किंद्र वाकिट भावात कथां वि वल, छथा सद्व यावात भत्र भावता यादा। मूनित्राट त्य व्यक्ति वक्त प्रवात्य व्यक्त। सहानित स्त्रा छहात्र त्य भावतीं वहत क्या क्या यात्र। सहानित स्त्रा छहात्र त्य भावतीं वहत क्या क्या वाक्टि वहत क्या क्या क्या व्यक्ति क्या व्यक्त वाक्ट वाकिट क्या क्या क्या क्या व्यक्ति व्यव व्यक्ति व्यक्त व्यक्ति व्यक्त व्यक्ति व्यक्ति

গাধা বলে গালি দিয়ে লাভ নেই; কারণ, আল্লাহপাক এদেরকে ছাগল আর গাধাই বানিয়েছেন।

व्यक्ति (निथक) स्नाताकावात धानमाधना कतात अकि कर्मूना ि स्ति हि। व्यक्तित अर्थे कर्मूना व्यनुमत्रम कर्ति मात्र अकमण विम (১২०) ि हिन धानमाधना कर्ति रम्भून, तरमारात्मादक किष्टू ना किष्टू रम्भरण भारतन। यि किष्टूरे ना भान त्या व्यक्तित भाषा निष्टू कर्ति थाक्ति। अक्ष्रन थाम अर्था विष्टूरे ना भान त्या व्यक्ति माथा निष्टू कर्ति थाक्ति। अक्ष्रन थाम अर्था व्यात्मस व्यामात अत्रक्ति व्यक्ति कर्मा क्रां क्ष्रानमाधना तर्म रमस्ति। व्यवस्मर अर्थोना अर्कि वष्ट्रत धानमाधना कर्ति रम की क्ष्रम कान्ना! व्यामात अर्थे तक्ष्म केष्या धानमाधना कर्ति रम की क्ष्रम कान्ना! व्यामात अर्थे तक्ष्म केष्या क्ष्रम व्यक्ति भानमाधना कर्ति क्ष्म मार्थे मिस्स्ति मार्थे मार्थे विष्ट्रम धानमाधना कर्ति क्ष्म कार्ये विष्ट्रम विष्रम विष्ट्रम विष्ट्

আমার লিখনীর পাশে গাউসুল আজম বাবা ভাণ্ডারীর মুরিদ বাবাজান ইস্লাফিলকে অমর করে রাখলাম

যে-অমরতাটি ঠুনকো নয় যে ভেঙে যাবে, যে-অমরতার কথা কয়টি সবাই না জানুক, কিছু যারা সুফিবাদে বিশ্বাসী তাদের হৃদয়ে চির-উদ্ধৃল হয়ে शाकरत अवः समग्र रूळ पू 'राज जूल फाग्ना कतरत। कात्रभ, वर्रेणि ष्टाभिख পাঠকের হাতে তুলে দেবার মতো সামর্থ্য বর্তমানে আমার নাই বললেই **एल। আমি আণেই বলতাম এবং স্পষ্ট ভাষায় বলতাম যে, বর্তমান** বাংলাদেশে মাত্র দুইজন ইচ্ছাকৃত গরিব পীর আছেন, যাঁরা জীবন বাজি রেখে সুফিবাদটিকে ব্যাখ্যা-বিশ্লেষণের মাধ্যমে তুলে ধরছেন। প্রথমজন হলেন শাহ সুফি সদর উদ্দিন আহমদ চিশ্তী এবং অপরজন অধম লিখক। কোনো সন্দেহের অবকাশ নাই যে, দুইজনের লিখনী অত্যন্ত শক্তিশালী। দেখেছি, যারা সুফিবাদটি শ্লেনে নিতে চান না তারাগু দু'জনার লেখা পড়ে একটা প্রচণ্ড ধাক্কা খান। আর যারা আবু জাহেল-আবু লাহাব মার্কা মানুষ णाप्तत गण मसात्नाचनाराञ्च किছू यारा-व्याप्त ना। सत्न करत निर्हे या, ब तकम मानूष আगেत यूण्य हिल এवः এখन আছে এवः পরেও থাকবে। বাজারে আজ সুফিবাদের উপর রচিত বইয়ের বড়ই অভাব। বাবা জান শরীফ শাহ সুরেশ্বরী রচিত সিররে হক জামে নূর, মাতলা উল উলুম আর নূরে হক গঞ্চে নূর এই তিনটি অপূর্ব বই পাই। সৈয়দ আবুল ফজল সুলতান আহমদ রচিত নুরুল আসরার তথা নুর তত্ত্ব বইটি, দুই খণ্ডে রচিত, চন্দ্রপাড়া দরবারে পাই। মানিকগঞ্চের গড় পাড়ার পীর সাহেব রচিত শরফুল ইনসান বইটি পাই। আরগ্র কিছু কিছু যে সুফিবাদের উপর রচিত বই কিছু কিছু দরবার হতে বের হয়েছে তা-ও দেখতে পাই। শাহ সুফি সদর উদ্দিন আহমদ চিশতীর রচিত বইগুলো তাঁর মুরিদ এবং ভক্তদের शाका गितित तिश्राक व्याप्रतादा शिकिक नामक श्रद्ध तलाइन या, याता शानाम जाएन कानाज नाहै। याता नक्त्रत शानामि कताइ जाएन तक नक्त्रत शानामि हळ मूक कताळ कानाज माश। अप्राहे शिकिन। व्याप्रनाएन कानाळत प्रानाग्न अहे शापाता तहे पढ़ यि देण्या व्याप्त, व्यक्तनात हळ व्यात्ना व्याद्ध तत्न धात्रमा क्रमाग्न, क्रानाज मिळ प्राप्त व्याप्त, व्याप्त क्रमाग्न, क्रमाग्न क्रमाग्न, क्रमाग्न क्रमाग्न, क्रमाग्न क्रमाग्न, क्रमाग्न क्रमाग्न, व्यात व्यात्न त्यात्म क्रमाग्न, व्यात व्यात्न विश्व नाहै। क्रमान क्रमान क्रमान क्रमान क्रमान व्यात्म व्यात्म क्रमान व्यात्म क्रमान व्यात्म व्याप्त व्यात्म व्याप्त व्यात्म व्यात्म व्यात्म व्यात्म व्यात्म व्यात्म व्याप्त व्यात्म व्यात्म व्यात्म व्यात्म व्याप्त व्यात्म व्यात्म व्यात्म व्यात्म व्याप्त व्यात्म व्यात्म व्याप्त व्यात्म व्यात्म व्याप्त व्

এইসব বাধা-বিঘ্ন পরগুয়া না করে যে দুইজন আমার পাশে এসে দাঁড়িয়েছেন তাদেরকে ভক্তরা আন্তরিক শুদ্ধা জানাবে। সহসা আমার পাশে

अस्य फ्रांफ़िय़क्रिव हें शुक्ति सिया। छैनात व्याप्ति वाफ़ि राला शायानगर्थ জেলার মোকসেদপুর থানার আলীপুর গ্রামে। উনার বাবা হাঙ্গি মন্তাজ **क्षिया। বাবা ই**স্রাফিল **क्षियाই ছেলেদের মধ্যে বড়। উনি বর্তমানে ফরিদপুর** সদরে গুহ লক্ষ্মীপুরে স্থায়ীভাবে বসবাস করছেন। উনি গাউপুল আজম বাবা ভাণ্ডারীর আগুলাদ শাহ সুফি বাবা সৈয়দ মজিবুল বশর ভাণ্ডারীর মুরিদ। বাবা ইস্লাফিল যত বড় ধনী তার চেয়ে বহুগুণে ধনী তার হৃদয়। এ রকম হৃদয়বান মানুষ কমই দেখা যায়। সর্বঅবস্থায়, এমনকি প্রতিটি গুরসে, সাহায্যের হাত নিয়ে পাশে এসে দাঁড়ান। অবশ্য উনার স্ত্রী, রাজবাড়ি জেলার মজলিসপুর গ্রামের সন্ধানিত আবদুস সাতার মিয়ার কন্যা নাজমা পারভীন, আমার মুরিদ ৪ সাধক খলিফা। বাবা ইস্লাফিল মিয়ার দুই ছেলে : বড় জনের নাম নাজমুল হাসান আসাদ এবং ছোট एटलत नाम गार मशहूम नारिए।

যার সার্বিক সহযোগিতায় ইতিহাস নয় সুফিবাদের রহস্য লিখতে পেরেছি সেই রিয়া আক্রার জবাকে পাঠকের চোখেই রেখে দিলাম

क्षे उपदात ष्टिविधा यात प्रथण पाष्ट्रम, अत नाम तिया व्याङात क्रवा। प्रमें प्रवाम प्रमें प्रम

সুফিবাদে বিশ্বাসী। আমি নিজ হাতে আমার প্রাণপ্রিয় সাধক-খলিফা ডা. সোহেলের সঙ্গে বিয়ে দিয়েছি। এতগুলো কথা কেন লিখলাম? প্রয়োজন আছে কি? হয়তো হাঁা, নয়তো না। আমি (লিখক) আমার সন্তর বছর ধর ধর বয়সে এত ত্যাগী, এত আদর্শবাদী, এত পীরপূজারি আর দেখি নি এবং সহজাত যে হিংসাটুকু থাকে তার মধ্যে তার একটি ফোঁটাও দেখতে পাই নি। ইতিহাস নয় সুফিবাদের রহস্য লিখতে চাই নি। গ্রকে বলতাম, ছাপাবার পয়সা নাই। কারণ, হাত পাততে জানি না। কিছু এই রিয়া নামক শ্রেয়েটি আমাকে অনেকটা জাের করে লিখিয়েছে। আমি রাত দুইটার পর বই লিখি। কাগজ, কলম এবং সাজানোর বিষয়গুলো আমার সামনে সুন্দর कर्त्र त्राक्षिया ताथळा। विष्टानाय उँत्रुष्ट रया वूक वानिम फिया वर्रे निशि। টেবিল-চেয়ারে বসে লিখতে পারি না। বই লিখার সময় পায়ের তলায় মৃদু তেল মালিশ করত আর আমি আরামে বই লিখতাম বাকি রাতটুকু। কখনগু কফি গরম করে খাগুয়াত, কখনগু একটু সময় আমার প্রিয় একটি বাংলা গান রবি ঠাকুরের রচিত দেখাতে পারি নে কেন প্রাণ খুলে গো তারে শোনাত। তারপর আবার লিখতাম। লজ্জায় বলছি যে, আমি কোনো বাংলা गान छनि ना; छनि क्वित कार्ति छात्राय खासित भन्नक, तू खानी गार কলন্দর, হাফিজ সিরাজি, আল্লামা জামি, শামসে তাব্রিজ গু বেদম প্তয়ারসির গানণ্ডলো। রবি ঠাকুরের গানগুলো প্রায় সবই নেগেটিভ তথা না-সূচক এবং নেগেটিভ গান সবাই রচনা করে গেছেন। একমাত্র আমির

খসরুর গানগুলোই পঙ্গিটিভ তথা হঁ্যা-সূচক। নিজে ভালো আর প্রেমিকার মাঝে সংশয়ের বিলাপ পায় সব কবি। 'ভবের নাট্যশালায় মানুষ চেনা দায়'– এই নেগেটিভ তথা না-সূচক গান সবাই পছন্দ করে, কিন্তু কেউ যদি পজিটিভ তথা হাঁ্য-সূচক গান 'ভবের নাট্যশালায় নিজেকে চেনা দায়' গায় তো পছন্দ না হবারই কথা। মানুষ সৃষ্টির মাঝে নেগেটিভ তথা না-সূচক খোঁজে। কারণ, মানুষ জানে না যে তারই সঙ্গে শয়তানকে খান্নাসরূপে দিয়ে দেগুয়া হয়েছে। খান্নাস সব সময় নেগেটিভ তথা না-সূচক কথা-কবিতা-গান পছন্দ করে। সুতরাং যখনই পঙ্গিটিভ তথা হাা-সূচক বিষয়ণ্ডলো পছন্দ করবে তখনই সুফিবাদের দিকে ধাবিত হয়। হজরত আমির খসরুতে পাই প্রেমিকাকে দেবতার আসনে বসিয়ে নিজেকে ছোট कतात करूप कान्ना जात श्रिमिकारक वूरक जूरल जिवात मार्गनिक रेमनीत কতো রকম ঠং। রিয়া আজার জবা, তুমি আমার নারী-দর্শনের উপর **अकिं रानका व्यश्व मक्ट व्याघा**ठ कदा बाँकित हिखा है। तथा द्यांक व्याधात জীবন। অমর হয়ে থাকো আমারই পাশে।

> व्यक्ष भीतभूकाति जिश्याक वाली, जूमि क्या वामातर वादतक काग्रा

रक्तरं व्यक्ति अनक तलाष्ट्रन, भीत भाताशि रक भाताशि, रक्तरं भूकाएकए व्यान क्यांनि निर्वारम् तलाष्ट्रन, भीति ठाश व्याउँशान भातूम ठाशः, अरे व्यक्ति उप्तानत पर्मन थूत व्यङ्ग मःशाक भानूसरे तूवाळ भाता। व्यस्त, व्यार्थनम्हारेतत श्रान्य मन्ति भूभितीत राळाभाना कव्यक्रन विक्रानी तूवाळ भाति। मूठताः व्य वा याता अरे उप्त मनिष्ठ त्वारं। कात्रम, भूतंक्रत्वात विक्रम सञ्जा कव्यन ठाएम् तक्य एमा मिळ नारे। कात्रम, भूतंक्रत्वात कर्सकन नामक ठकितिष्ठि विम्नाश ना।

कीवनिं यात मधासित सें फिर्स छक रसिष्ट, प्राप्टितनास वावा रातिस सास्त्रत व्यानस्त व्यम्पत कर्षे कर्त लंधाने मिर्थ व्यन्न वस्त्र त्यों कि व्यात्तर निर्स देवसिक उन्निवित क्ष्म वाल्य वाल्य वस्त्र विद्या वाल्य वस्त्र वस्त्र विद्या विद्य

ছবিসহ এই কথাগুলো লিখলাম। টাকা না দিলে বইতে ছবিও যেত না, এই কথাগুলিও লিখতাম না। শুনতে শ্বার্থপরতার একটি বিকট গন্ধ আসে, কিছু উপায় নাই। কারণ, সমস্ত মুরিদানের সিদ্ধান্তটি হলো যে, পঞ্চাশ হাজার টাকা যিনি দান করবেন তারই ছবি দেওয়া হবে ও তার সম্পর্কে কিছু কথা লিখতে হবে। মানুষের ভেতর খান্নাসরূপী শয়তানটি জাতসাপের মতো এই কথাগুলো শুনে বারবার ফণা তুলে ছোবল মারার সুযোগ খুঁজবে। কেরানীগঞ্জ উপজেলার বাস্তা ইউনিয়নের ভাওয়ারভিটি প্রামে তোমার জন্ম এবং নিজ গ্রামে সবার কাছে কমবেশি ইক্ষত পাওয়াটা সহজ কথা নয়। এদিক দিয়ে তুমি ভাগ্যবান। আল্লাহপাকের দরবারে দোয়া করি, তোমার জীবনটি আরও সুন্দর, আরও সার্থক হোক।

वावा कख्रक्र- ठूमि क्रा वामात्रह

राजत वाधून रामन वाग्नना किरा प्रथण रग्न ना, त्र तकम जामात उँभत ताला कथा एल ना। व्यलक किष्ट्र रग्नजा अकर्ष्ट्र अधिया निभजाम, किष्ट्र निभज्ञ ताला कथा एल ना। व्यलक किष्ट्र रग्नजा अकर्ष्ट्र अधिया निभज्ञाम, किष्ट्र निभज्ञ ताला मतम कर्ता। कातम, व्यामात आपिश्च्र स्माया राज्य राज्य जामात राज्य क्राप्ट क्रिया किरा क्रिया क्राप्ट क्राप्ट क्राप्ट व्यामात स्माया राज्य व्यासात क्राप्ट क्राप्

দিয়েছি। হাজার হাজার কোটি টাকার গুহাবি মালিকের একমাত্র ছেলের হাতেও আমার মেয়ে তুলে দিব না, এটা তুমি ভালো করেই জানো। অবশ্য আর একটি কথা বলতেই হয়, আর সেটা হলো : ম্যাট্রিক হতে এমএ পর্যন্ত প্রথম শ্রেণীতে প্রথম হয়েছ। সুফিবাদ এবং অন্যান্য ধর্ম বিষয়ে তোমার প্রচুর পড়াশোনা আছে এবং এত সুন্দর করে গুছিয়ে কথা বলো যে, আমি নিজেই एमर्क यारे। ठूमि वर्लाष्टल একটি কথা আর সেটা হলো, যারা আগাছামার্কা মুরিদ, ওদের চলে যাগুয়াই ভালো। কারণ, এই আগাছামার্কা মুরিদরাই সুফিবাদের দুয়ারে পায়খানা-প্রস্লাব করে সুফিবাদকে নন্ট করে দেয় এবং অনুষ্ঠানের অনেক রকম অলঙ্কার পরাতে চায়। নীতিশাস্ত্র আর श्रम साएँ है अक विषय नय, वतः पूरे सक्ट व्यवश्वान कदा अवः अरे দুটোকে এক করে লাবড়া পাকিয়ে তারা অনেক ভক্ত মুরিদকে বিদ্রান্ত করে।

ठूमि अकाम राकात छाका वर्षे ष्टाभाळ माराय करतष्ट वर्लरे ष्टित ३ किष्टू कथा नि निश्त ममस मूतिमालत मिम्नाइछित व्यभमान कता रहा। व्यन्य छात क्षायत कामारे वर्षेळ छाका किया माराय करतष्ट, किन्नू भकाम राकात छाका क्राय नार्थे; ठारे ष्टित ३ किष्टू कथा निश्त श्रमुरे ३ळं ना। ळामात भिठा मुक्तस मरिडेफिन छारेकान अवध्यात मारा व्यानमात छिम्न व्यारम मतारे मुद्रमतीत मूतिम। ळामाकत

वािं ए। का जिल्लात प्राचात उपज्रमात यूठातथाः । इतिशक्त भूभिकाका शास्त्र।

আমার প্রাণপ্রিয় খলিফাদের মাঝে সিরাজ বাবাজান একজন

व्यापनात्क एमिट्टि तष्टत घुतातात पत सृतिए कर्तिष्टिनास। कठ तकस क्था तत्न ठाछिता एक्टि कर्तिष्ट, किन्न भाति नहि। कात्म, मश्केल्य व्यद्ध क्या वार्ववार भेटा विकि वेलि एता या वासात शाम भारत ठार्क ठोड़ाएँ भारत नाः राभन खाँग विडाल अट्टा-लिए स्था सूथ फितार्त कारत शृहिंग वश्चार छत्व अतनक दूर्त रकता एस, किंड आवार लिए किंदी व्यार्ज। व्यात रेय शैंकिय निय रेज में में में में निया ते किया के तात शित्र जा सामग्री क्यार्ज। व्यार्ज। किता के मिश्रास्त्र वावाकान क्रिताक व्यासात रेज तक सर्वे शेनिका। वर्रे ष्टाभात एका छाए : राजशत्र, जिनिए अतस्पत शत्र , वश्र ा वर्षी ख्राल, बाह्र, <u>भविष्ठ रेट्ट खाठात भर्यत्र फिर्ट्स यान। क्राकाट्यत काभर</u>ु व्यातं मुक्ति ब्रिकोर्र व्याप व्याप्तात साधारम फान करतेन। या दलव छार्र कतर्व যদি বলি দাঁড়িয়ে থাকেন, তো অজ্ঞান না হওয়া পর্যন্ত দাঁড়িয়েই থাকবৈন। এ জন্য খুব সাবধানে কথা বলতে হয়, অদ্ভূত এক ভুক্ল সিরাজ বাবাজান। উনার দীদাজান হতে সবাই সুরেশ্বরীর উক্ত। গুহাবিদের গরম বাতায়ু ठाएँत शार्रा निर्ण नि। जात निर्णित तेले जा मत्न रेश नी। धेनात बेलिए तिल : भने एक्स धन एक्स किया धन एक्स मन कार्र निर्ण केल्या प्रतासन कार्र निर्ण केल्या प्रतासना रेख मुक्त द्वारा, जानार्भात्र— এই দোয়াই করি। আর একটি প্রানুরোধ আর উপট্রেশ্র দিয়েই শ্রেষ কুরাছ। <u>जनुतार्रां एटला, योर्ह क्लात्नां हिने शादान छा अर्काए अर्क्स्य विभ हित्न त</u> <u>क्षित्राकावात धार्मत्राधनां है करून, एत्थळ शास्त्र त्र्राक्षणळ केंछे (धूनों)</u> কারণ মোরাকাবার ধ্যানসাধনা ছাড়া দনিয়ার উন্নতি হতে পারে. কিন্ত व्यार्थनेन रेशांकिनीए रत ना। व्यात राक्षन रुशांकूत्नत स्नाकास एश्टि शार्तन रा, वार्षन प्रशंत प्रति वार्षन हैं साने एक कि निर्धा है । इतित तार वात प्रिक्ट एस्थात है सान रूट ता अदुत तुर्घ वात प्रिक्ट एस्थात में कोत डिलेंट्यॉर्ड में निर्मार्ट में कि ते शिंदन : ब्रिटें मुनियाते मानुद्रित के निर्मार्थ निर्मार्थ के नि

ডা. ইউসুফ, তোমার ভালোবাসার গভীরতা সবাইকে অবাক করে

প্রথমেই বলতে হয় যে, তোমার পীর-মা বেগম রোকেয়া আল सार्रेक्डा छात्रीत कार्थत सपि **ছिलে। जलक उँ**फ भिक्रिट रेंडे द्वाप-আমেরিকার বাঙালি ভক্তদের মাঝেও তোমার আসনটি ছিল সবার উপরে। এটা সবাই কমবেশি জানে। ধর্মের অনুষ্ঠানটি নিয়ে যারা মন্ত থাকে, তারা ळा वाभात भूतिम कभरें रग्न। তবে किष्टू रग्न। कातप, अकिं वावा छात्मक्ष षिद्यिष्टि। **यात प्राटे ताता छात्मक्षि** रिला : यात्रा, तत्रा, भूतिष रि <u>ज्यथेता भिक्राञ्चकृत्वत्थ श्रष्ट्य कत्त्व जामात्र कथा मत्त्रा सात्राकातात्</u>व ধ্যানসাধনাটি করে দেখো সুফিবাদ সত্য কি-না। সুফিবাদ নগদ কি বাকি এটাও বুঝতে পারবে। কথার বস্তা শিখা ভালো, তবে কথার মাঝে দর্শন হয় না, বরং অপরকে জব্দ করে আমিফ্বের আনন্দটি উপভোগ করা যায়। কথার মাঝে খোদা নাই আর খোদার মাঝে কথা নাই। চোখ খুলে বইপড়া বিদ্যাটি সুফিবাদ নয়, বরং চোখ বন্ধ করে মোরাকাবার ধ্যানসাধনাটি করাই হলো সুফিবাদ। হেরা গুহার ধ্যানসাধনাটিতে আমাদেরকে এই भिक्राणि क्रात्थ बाधून मित्रा प्रशाला रत्राष्ट्र। किउं वात्व, किउं वात्व না। কেউ মানে, কেউ মানে না। কত রকম নন্ট কথার মারপ্যাচ। মাথাটি খাইতে চায় এবং অনেকের মাথা নষ্ট করে দেয়। তবে যারা বুঝতে পারে তারাই মোরাকাবার ধ্যানসাধনাটির দিকে অগ্রসর হন। তাই তো তোমাদের সাহায্য ও সহযোগিতায় একটি পঁচিশ বিঘা জমির উপর

মোরাকাবার মুল খুলেছি। অহংকার করে বলছি না, বরং অপ্রিয় সত্য কথাটি বলছি যে, বাংলাদেশের পরম পুজনীয় পীর-ফকিরেরা আজ পর্যন্ত একটি মোরাকাবার ধ্যানসাধনার স্কুল খোলা প্রয়োজন মনে করেন নি। তবে যারা বুঝতে পারেন, তারাই মোরাকাবার ধ্যানসাধনাটির দিকে অগ্রসর হন। তাই তো তোমাদের আর্থিক সাহায্য ৪ সহযোগিতায় একটি পঁচিশ বিঘা জমির উপর মোরাকাবার স্কুল খুলেছি। মোরাকাবার স্কুলের প্রথম এবং প্রধান শর্তটি হলো একদম নির্জন স্থান। বর্তমানে ষোলটি ঘর আছে। সবার **मान रहाळा এ तकम विषया व्यान्नारभाक श्रर्थ कदान ना। वावा छा.** ইউপুফ, তোমার দানটিগু বুঝতে দেগু না। দাতার নামফলকটি লাগাতে মানা করেছ। অথচ বই ছাপার প্রশ্নে পঞ্চাশ হাজার টাকা দান করার मुतिमालत विधान व्यनुत्रात ष्टिवि ि मिलाम। यिष्ठ अठाँ ठाँ नि, किंदू আপন পীরের অনুরোধটি রক্ষা করেছ। আল্লাহপাক তোমাকে সর্বপ্রকার বিপদ এবং শক্র হতে মুক্ত রাখুন।

তোমার দেশের বাড়িতে চার বার গিয়েছি। এমনকি তোমার পীর ভাই-বোনেরাপ্ত গিয়েছে। নোয়াখালী জেলার সেনবাগ উপজেলার মতইন ইউনিয়নের পলতি নামক গ্রামের বাড়িতে থেকেছি। তোমার বাবা শুদ্ধেয় চান মিয়া সাহেব দাগন ভূঞার জয়লম্কর দরবারের মুরিদ। তোমার ছোট ভাই ডা. ইব্রাহিম প্ত ইসমাইল আমার মুরিদ প্ত খলিফা। কানকির হাট, জরতুলা, বাবুপুর, শ্রীপুর, বীরকোট এবং গাজি বাবার মাজারে গিয়েছি— সেই স্মৃতিটি কি ভুলতে পারি?

त्रानाउँ फ़िन: भीं त्रभूकात এक ि उनऋ नास राफिक मिताकि, वू वाली गार कलकत, भाउलाना कालाल उँकिन क्रिभ, শাহ আবদুল লতিফ ভিটাই, বাবা বুল্লে শাহ, হজরত আমির খসক্র, वाल्लामा क्रामि, সामनुन स्मात्टव, वगत्व राकि, वावा मर्छेका गार, राकि सिलाक गार वित्रिक्षिल बैता राधन शीतशूकाति, व्याधात श्रापिश वावाकान সালাউদ্দিনপ্ত তেমনি। একটি কথা নাই, একটিপ্ত প্রশ্ন নাই; কেবল প্রতিটি কাজের মধ্য দিয়ে ফুটে গুঠে পীরপূজার কথা। এইসব কথা গুনে গুহাবিদের गतम वाजान बात्र गतम राम उंग्रेत। कात्र मुकिवाम अराविप्तत पूरे চোখের বিষ। তিনদিন বয়সে ইসা নবি তথা যিশুখ্রিস্টের কথা বলার কথাটি কত চমৎকার করে গুহাবিরা অশ্বীকার করে, নীলনদের পানি ভাগ रुद्धा यावात कथा, सरानवित स्रतात्क भसन, सरानवित अनस भाद्यव काना-এইসব বিষয় কী সুন্দর যুক্তি দিয়ে তুলে ধরে, তা পড়লে অবাক হতে হয়। ইসলামের এক অঙ্গে কত প্রকার যে তালি পরানো হয়েছে তা দেখে ও পড়ে অবাক হই। অবাক হই এই কারণে যে, মহানবি এই জাতীয় ভবিষ্যদাণীটি আগেই করে গেছেন এবং এই ভবিষ্যদ্বাণীটিই কি এলমে গায়েব জানার

अकि हिनन नय् । त्र्वा काराकि अरावित्हत साथाय श्रम्भ व्याघाठ। कात्रभ, सूत्रात सट्या क्राँमत्तन निवत रेथर्य धात्रभत व्यश्नीकात व्यात व्यान्नार्त अनि धिकित्तत अनस्म भारयव कानात ठिनि क्रम्म श्रम्भ वित्य अराविता छीस्थ सूत्रित्न भट्य याय।

श्रे त्रामाउँ फिनट व्यक्ति कित वर्ष जाकि। व्यामात छङ, भूति प्रश्नाश कित छाँ वर्ष जाटा। अत वावा त्रूमणान उँ फिन अवः भाणा ताग्रशाना दिश्वात्री। वाजि भग्नमनिष्ट छ्लमात श्रक्तशां उँ अछलात प्रक्रमात प्रक्रित वाक्षात देउँ निग्नदात भाष्ट्रीम श्रामनिष्ट छोत्र कित श्रीवनिष्ट त्राप्त व त्रुम्हत द्राक्षा स्थाताकावात धानत्राधना कतात त्रमग्न अत्र त्रुप्तां कद्र प्राञ्जा अरामावत व्यवगारन कतात त्रमग्न कद्रा, व्यामारमावत व्यवगारन कतात त्रमण क्रांच कर्ता, व्यामारमावत व्यवगारन कर्ता तरमण कर्ता व व्यवगारन कर्ता तरमण कर्ता, व्यामारमावत व्यवगारन कर्ता तरमण कर्ता क्रांच कर्ता व व्यवगारन कर्ता तरमण कर्ता कर्ता व व्यवगारन कर्ता तरमण कर्ता क्रांच कर्ता व व्यवगार कर्ता व व्यवगारन कर्ता तरमण कर्ता क्रांच कर्ता व व्यवगारन कर्ता व व्यवगार कर्ता व व व्यवगार कर्ता व व्यवगार क्रिक्त कर्ता व व्यवगार क्रिक्त व व्यवगार क्यवगार क्रिक्त व व्यवगार व व्यवगार क्रिक्त व व्यवगार क्रिक्त व व्य

দোহারের মোফাজ্জল

করেছিলেন, 'প্রভু, কাকে হত্যা করলাম?' ভগবান কৃষ্ণ বললেন, 'প্ররে অর্জুন, ৪ যে আমাতেই ফানা হয়ে গেছে। তাই তুমি নিজ হাতে বাতুনি কৃষ্ণকেই হত্যা করলে।' এই রকম উচ্চ আসনে বসা বেশ কয়েকজন মুরিদ আছে আর তাদেরই একজন হলো মোফাজল হোসেন। যারা সেজদাগু করে আবার পীরের কথামতো চলে না, তারা মুরিদ বটে তবে আলো আর অন্ধকারের মতো পার্থক্য। যারা পীরের দোষ খুঁজে বেড়ায় তাদের সুফিবাদে না এসে গুহাবি হগুয়াটাই ভালো। কারণ তাজিমি সেজদা ফেরত নেপ্তয়া যায়, কিন্তু রহস্য জগতের কিছু দেখা ভক্তদের সেজদাটি চিরস্থায়ী। अलमुल अकिन छशा विश्वास्त्रत रैमान खात निक्र क्षार्थ प्रशा तरमास्त्रत দर्मन लाछ कता आर्रेनुल अकिन नामक रैमान अक कथा नग्न। अकिए पूर्ण যেতে পারে আর অপরটি ছুটে যাবার প্রশ্নুই গুঠে না। যারা সাধক মুরিদ তাদের ইমান হারাবার প্রশ্নুই ৪ঠে না। ঢাকা জেলার দোহার নামক উপজেলার নারিশা ইউনিয়নের দক্ষিণ শিমুলিয়া গ্রামের ছেলে আমার প্রাণপ্রিয় বাবাজান মোফাজন হোসেন সুধন, তোমার জীবন সার্থক হোক। পীরের নামে গান লিখেও অন্ধ মুরিদ চলে যেতে পারে, কিছু সাধক মুরিদ কী করে যায়! কারণ চোখের দেখাটি অশ্বীকার করতে পারে না।

वावा ताकिछेन व्यानम, की फिव ट्यंत পाই ना

কেউ চমকে গেলে আর কাঁদতে পারে না। তোমার ভালোবাসায় চমকে शिद्यिष्टिनाम। तावात मळा क्रद्य शांकि यथन দत्तवादा व्याटमा। कातिम ভাষায় রচিত গুলিদের কাপ্তয়ালি, লালনের মুরশিদি গান, হাসন রাজা, পार्षु गार, पूष्ट्र गार, मतात्मारन, दिक्रमाग, क्रगमीग, क्रिगात मुतामारापि, काक्षात कालालवाहि, गाकिल वाहाउँनि, काछिल गाकाशि, विषक्ष अशातित्र, আরজু শাহারানপুরি, সানজার গাজিপুরি, নাতেক, ইনশা, তাবিশ, নাজা শোলাপুরি, আনোয়ার বেছেজাজ, মীর তকি মীর, আমির মিনাই, দাণ, व्यागत, नाफिस, सुक्षिन, त्रांकित, साञ्च, गालित, व्याल्लासा रॅकताल এतः व्यातञ অনেকের সুফি সঙ্গীত, পল্টনের বাজনা আর সুফি নৃত্য গু জিকিরের মধ্য **फिराइं** वासाफित अतरात छक्न अ **ए**गरा। या सिमाफित वानूकानिए वारिम त्रुताल जान काभाळत जनुत्रातीता जनगुत्राननीय भारत करतन, उँराञ् আমরা করি না। কারণ আমরা কলন্ধর। আনুষ্ঠানিকতার বিন্ধুমাত্র অনুষ্ঠান व्याक्षाप्तत प्रत्ववादत रय ना। यिष कात्र अष्टक ना रय का एल यक भादत। আবার যারা সব রকম অনুষ্ঠান পালন করেন তাদেরকেণ্ড সমান-শ্রদ্ধা করি। সবাই একঘেয়ে গংবাঁধা বৃত্তে অবস্থান করে না, এটাই মহান আল্লাহর সৃষ্টির নৈপুণ্য। তারাই বিরূপ মন্তব্য করবে যারা অবুঝ : জ্ঞানের প্রসারতার অভাবে অথবা নিজের ভেতর লুকিয়ে থাকা খান্নাসরূপী শয়তানের কুমন্ত্রণায়। শয়তান প্রতিটি মানুষের ভেতরে অবস্থান করে, অথচ

ठाक वाश्वित श्रांका। भृगनाछित उँ९क गन्न श्रितात श्रेंकि। यठ वृद्धि, क्षान, व्यात ग्रांनिक कित ना कन, व्यान्नाश् शास्त्रिन। कात्रप, छिनि त्रवर्षे क्षात्निन।

वावा ताकिछन, व्यासात एउशा छिछि कारासता, विनिष्टिमन, तिछि-भूशात, मिस त्रिनात वातठ कठ की। मतवात रनिष्ट वानातात প्रष्टल व्यासात व्यवमान कम नशा ठूमिट त्रवंश्रयम वलिष्टल, 'वावाकान, नित्थ यान, किछ भार्म वाक ठाट ना थाक, व्याप्ति व्यथम ताकिछन व्याष्टि।' ठूमि थाका ठाट ना थाका, किडू व्यसन व्यामात वाधीं कि कवन ठूमिट श्रथम छनियाछ।

थना त्याक क्रीवन। त्रूत्थ शात्का भ्री, शूब व्यात वावा-भात्क नित्य, এই দোয়াই করি।

व्याकदाका मानिक, ठूमि व्यात এक मा

সই সাতাশ বছর আগে, আশি সালে, চিকিৎসার জন্য এসেছিলে। ডাক্রার-রোগী সম্পর্ক ডিঙিয়ে মা আর ছেলের অবস্থান। কখন যে ভিজিট আর উষধের টাকার কথাটি উধাও হয়ে গেল, কেউ টেরও পাই নি। আমার পাঁচ सिद्ध यात पूरे प्टलिश मामि वर्ल छारक। प्रशासात मंछिद्ध था पूँद्ध मानास करता। सर्सम्भित्त প্রতি দুর্বলতা আছে বলেই আনুষ্ঠানিকতার অনুষ্ঠানগুলো পালন করো। আমি কারো ধর্মীয় স্বাধীনতার বিরুদ্ধে এতটুকু হাত বাড়াতে ঘৃণা করি। তুমি দেখতে, আমার খ্রিস্টান, হিন্দু আর বৌদ্ধ ধর্মের অনুসারীরা আমাকে ভক্তি করছে। কোনোদিন আমার লিখা বই পড়ার অনুরোধটুকু করি নি। তুমিই চেয়ে নিলে। দিলাম মারেফতের গোপন কথা বইটি। পড়লে, অবাক হলে, তারপর আর একটা। এ রকম করে সবগুলো। তারপর কোরান-এর শুধুমাত্র অনুবাদ। তাগু পুরো নয়। একদম হবহ অনুবাদ, তাই অনেকবার লিখে দিয়েছি যে, এই আয়াতের অর্থটি জানা নাই। ভূমিকায় লিখেছিলাম, অন্য দশটা কোরান-এর অনুবাদ সামনে রেখে পড়ুন, দেখতে পারেন ব্যবধানটা কতটুকু।

ठातेनत नम्ट क्रिक रिमास मार पूकि रिमास मिरत छै फिन वारस किमठी ति किठ रिमातान-अत ठिक मित्र , जिन भए, रिमातान पर्मन नारस। तलरा, 'अ क्षा प्रामित्त , 'यान क्रूलत सिघ रिमारि तराष्ट्र , स्मानास रिमाता क्षा कराय तलास रा, 'शाका सर्ने फिन किमिरि तराष्ट्र , स्मानास शालास शालास शालास शालास हमारान ठथा "रिमास रमारायात शालास यिनि, व्याप्ति (शाका ताता) ठातर शालास।" शाका तातात अर कथा छला छरातिस्त काष्ट्र तिस अत्र स्मात्तक।' व्याप्त रातास।" शाका तातात अर कथा रातास, 'अरातिता तलरा, 'विमास व्याप्ति व्याप्ति हमारा हमारान हमारान

वानार। वानामा कामि तलाष्ट्रन या, "रैशा साराम्नम, वामि कतन আপনারই গোলাম নই বরং আপনার বংশধরদেরও গোলাম।" বাসাদ কো त्रामा गागठा विषातात्व काभी- शानात्म शानामात्व व्याल त्मारात्रम्। গুহাবিরা চুটকি দিয়ে আল্লামা জামিকে উড়িয়ে দিয়ে বলবে যে, "এই কথাগুলো ঠিক নয়, কারণ আমরা সবাই আল্লাহ্র গোলাম।" গুনতে ভালোই লাগে, তাই সাধারণ মানুষ এদের ফাঁদে পড়ে যায়।' অবশেষে আমার প্রাণপ্রিয় বাবাজান শুদ্ধেয় আতিয়ার রহমান মালিককে क्रानारे वाभात वाष्ठितक विधनक्रन वात भत्रभ ख्राट्त पूरे छारे वाठाउँभ সোপান মালিক এবং আতাউর রিপন মালিক এবং দুই বোন ডা. ইসরাত মেহজাবিন মিল্কি আর মুশরাত মেহজাবিন ছন্দা, তোমাদেরকে আমার এই ক্ষুদ্র রচনার পাশেই রেখে দিলাম। যতকাল পাঠক বাবা ও মায়েরা বইটি পড়বে ততকাল তোমাদের পরিচয়টুকু জানুক, এটাই অধমের মনের বোবা जृष्ठि।

আমার প্রাণপ্রিয় খলিফা এনায়েত হোসেন বাবাজান

व्याक्रत अक छक्त। व्याक्रत व्याप्तव। व्याक्रत प्रामप्तव। व्याक्रत छाट्यावात्रा। ফিতা দিয়ে জায়গাজমি মাপা যায়, কিছু প্রাণপ্রিয় বাবাজান এনায়েতকে क्षाभा याग्र ना। व्यारटल राफिन मन्नुफारमत व्यनुनाती भतिवात-भतिकन। क्रिया अधिक स्वार्थ विद्यार्थ के स्वित्राची के स्वार्थ के स्वर्ध के स्वार्थ के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध के स কিন্তু আপনি সুফিবাদের অনুসারী এবং উচ্চ শিক্ষিত। কলেজের অধ্যাপনা ছেড়ে ব্যবসায়ে নেমেছেন এবং বৈষয়িক উন্নতির একটি মর্যাদাকর অবস্থানে আছেন। কোৱান-এর প্রথম খণ্ডের প্রকাশে বেশিরভাগ টাকা আপনিই দিয়েছেন। অবশ্য বইতে দান, গুকুর বাড়ির উঠানটি বড় করতে প্রায় তিন लक्ष টाका দান করেছেন, অথচ কেউ জানে না। আমি বিবেকের ধাক্তায় কৃতঙ্গতাটুকু জানালাম। আপনার দেশের বাড়িতে এক দিন এক রাত থেকেছি এবং যথেষ্ট আপ্যায়ন করেছেন। যত সুন্দর নকশি করা সিরামিকের দামি বাসনই হোক না কেন, যদি অপরিষ্কার অবস্থায় থাকে তো পরিষ্কার করেই খাদ্য পরিবেশন করা হয়। কারণ অপরিষ্কার বাসনে কেউ খাদ্য পরিবেশন করে না। তেমনি আল্লাহপাক দিলের বাসনটি পরিষ্কার না হগুয়া পর্যন্ত রহমত ঢেলে দেন না, তা বাসনটি যত সুন্দর আর कक़क ना कन, यि ि दिलंद वात्रनि व्यथित आदि या वाल्वार्था कर त्रश्ये एाटन ना। कात्रप सम्दात वात्रनि व्यभित्रभात अवः व्यभित्रभात বাসনে বান্দাও খাদ্য রাখতে চায় না তো আল্লাহ কী করে অপরিষ্কার

फिलात वात्रता तरमण णानविन? त्रारं क्रनारं वाल्लार कवन निरंगणीरं किरान, उपदात कराता-मूत्रण यण मून्तरं व्हाक ना किरान मानमान कारिम वर्षिण वूथाति मित्रक-धत क्षयम राफिमणि धरं कथारं वाचाक करावाह। मर्वमिनमान वाल्लारभाक करावादा व्यथमत धर्म करियान क्रियान क्रियान व्हाला विभिन्न करावादा व्यथमत धर्म करावादा व्यथमत धर्म करावादा व्यथमत धर्म करावादा व्यथमत व्हाला व्हाल

वाञ्चातासभूदात श्रापश्चिय पूरे शिवका कासावछिष्टिन जात साम्रेनछिष्टिन

व्याभात क्रांश पूर्विष्ट नाम यान पूर्विष्ट कून। त्रश्मा कराक वष्टत व्याण वािंक्ट फ्रिंग कराट अलान। वननाम, 'की कराट भाित?' वनलान, 'व्याभनात वर्षे ष्टाभात करा किष्टू प्रांका मान कराट अलािष्ट।' कथा रला यम किष्टूक्षण। व्यानक श्रम्भ, व्यानक छेंडत। अछाव किष्टूमिन व्यामा-यांडगा। जातभत मूर्तिम अवः भवत थिन्छा। प्रमत्कात मानूष। प्रमत्कात रूमग्र। निम्नमधाविङ, किष्टू रूमग्र छेष्ठिविङ। अकिन व्यामाक प्रमिक्य मित्र वल किन्नमधाविङ, किष्टू रूमग्र छेष्ठिविङ। अकिन व्यामाक प्रमिक्य मित्र वल क्षिन व्यामाक व्यामाक व्यामात करा क्षित्र प्रांति हित्र वल क्षिन व्यामात व्यामात व्यामात करा क्षित्र प्रांति हित्र वािंग व्यामात करा क्षित्र करात्र हित्र वािंग व्यामात करा क्षित्र करात्र हित्र वािंग वा

বিপদমুক্ত-শক্রমুক্ত জীবন রহমতরূপে দান করো। অধম তোমার গুলি হতে পেরেছি কি-না তা তুমিই জানো। তোমার দরবারে গুলির ফরিয়াদ ফিরে যায় না যেমন, অভিশাপগু ফেরত যায় না। জোর করে বাড়ির জায়গা দখল করেছে। চেয়ে দেখেছি, কিছু কিছু বলি নি। আড়াইশত বছরের একমাত্র বাড়ির রাস্তা বন্ধ করে দিয়েছে, তাতেগু কিছু বলি নি। জরুরি অবস্থার সময়ে সেনা ক্যাম্পে সামান্য একটি অভিযোগগু করি নি। কারণ কুমিরের ডিম দিয়ে হাঁস বাহির হয় না, যদিগু উপাদান একই।

জীবনযুদ্ধে যত কন্টই হোক, কিন্তু হারব না-র নামটি নগুগাঁর জমাদার খান সাহেবের পুত্র মহসিন আলী খান– আমারই এক অবাক করা খলিফা

কত কন্ট, কত যাতনা, কতো জীবনযুদ্ধে মানুষের মতো বেঁচে থাকার সংগ্রাম আর ধৈর্য নিয়ে একটি সার্থক সফল মানুষ হয়েছ, তা যদি কেউ জানে তো বলবে, এটাও কি সম্ভব! একদিকে উচ্চশিক্ষিত, অপরদিকে ওকর প্রতি ভক্তি এবং ওকর বাণীওলো সমাজের বুকে কেমন করে প্রচার করা ও তুলে ধরা যায় তারই একটি স্থায়ী পরিকল্পনার নকশা বিজ্ঞাপনের আকারে ভক্তদের হাতে তুলে দিয়েছ। সবাই অবাক হয়েছে তোমার এই পরিকল্পনাটি পড়ে এবং সমর্থন দিয়েছে। তবে বাস্তবে কতটুকু সফলতা পাবে তা পরে বোঝা যাবে। তবে আশার একটি আলো কমবেশি সবার চোখেই ফুটে উঠেছে।

লিখনীর চলমান গতি অনেক সময় হোঁচট খায়। লিখকের লেখার উৎসাহটির মাঝে ভাটা পড়তে চায় : কিছু তুমি, মহসিন বাবাজান, আমার लिখनीटा उँ९नार यूभियाष्ट नव नमरा। वल्ष : लिए यान, कार्तन ভाষारा त्रिक भूतत्वा फिलात अनिए त फिछशान छत्नात व्यनुवाफ – श्रद्धाऋत भून छ उँकात्र अवः खनुवाम ७ व्याभागर। वाःलाप्तरमत वरः वरः शीत-कितप्तत দরবার এই কাজগুলো করার দরকার মনে করে নি, কিছু আমরা মনে कित तलहें वाभिन नित्थ यान। रुगम रुवात किष्टू नारे। वाक रहाक वात দু'দিন পরে হোক, আমাদের আন্তরিক প্রচেষ্টায় ছাপাতে পারব। বাবা सर्शिन, क्षासात कथाछला या वर्ल वर्ल प्रका प्रतिषठ रुष्ट ठा का দেখতেই পাচ্ছি। তুমিই বলেছ, 'বাবা, আপনি এবং আপনার পুত্র কন্যারাপ্ত যদি একটি বই নিতে চায় তো মূল্য দিতে হবে।' এবং তোমার এই কথা আজ সবাই অন্ধরে অন্ধরে পালন করে চলছে। তুমি একটা কথা বলতে-বলতে, 'ধনী হতে হলে একটু না একটু ধূর্ত হতে হয়। তা সেই ধূর্তামিটা ভদুই হোক আর নোংরাই হোক। তাই ধনী মুরিদদের আশায় বুক না বেঁধে আমরা গরিব মুরিদরাই একত্র হয়ে একটি কমিটি করে এগিয়ে যাব।' আর সেই এণিয়ে যাবার সফলতাটুকুর আলো একটু হলেও দেখতে পাচ্ছি। আর এ সব কিছুর মূলেই তো তুমি, বাবাজান মহসিন। আর তোমার পেছনে উৎসাহ দিচ্ছে তোমারই স্ত্রী, ইংরেজি সাহিত্যের ছাত্রী, পাবনার भानभातियात क्रांकित त्यात्मत्वत कन्या काळ्या व्याङात निका।

বৈষয়িক স্বার্থটা মানুষকে অনেক সময় পশুর চেয়েগু খারাপ করে। প্রচুর আছে, কিন্তু আরগু চাই। এই 'আরগু চাই' নামক নেশাটা মরণনেশার চেয়েগু ভয়ঙ্কর দানবীয় নেশা। মানুষের বুকের উপর দিয়ে হেঁটে চলে

এই নেশা। কোরান-এর সূরা তাকাসুর পড়লেই কিছুটা বোঝা যায়। তাই গুলিরা বলেন যে, তোমার চাহিদাণ্ডলো তুমি যত ছোট করতে পারবে, তত সুখী হতে পারবে।

হজরত বাবা শরফুদ্দিন বু আলি শাহ কলন্দর পানিপথির ফারসি ভাষায় রচিত দিগুয়ান হতে সামান্য কিছু অংশ তুলে ধরলাম

व्यनुवाम कदा श्रष्ठात कतात व्यामा ताशि। रास्त्र मात भिनास्य सा ऋनू क्रानानास्य सा

वूछ পরস্তম দিল মাসাত সানাম খানায়ে মা।

व्याभातं तूक व्याभातं भाष्टकतं नृत्वं छत्तभूतं। तूठ भत्रष्ठभ ठथा व्याभि किवनरे भीतभूका कति। किनना व्याभातं समग्रिण रला, ठथा व्यञ्जतिण रला, भीतभूकातं भनभणना।

গুফতে উখানদা জানানে গারিয়া টুঁ কারদাম বদরশ বু আলী হাস্তে মাগার আশিকে দিগুয়ানায়ে মা।

यथन व्याप्ति बाञ्चरकत फतकारा नूष्टिरा পড़नाम उथनर व्यामात माञ्चक

तनतन : तू वानी वाभातर श्रिभिक, वाभातर िष्ठशाना।

व्यायात्न त्राति क वार् भारवूव मात्रभ

शातात ना'तूष कताभान काछितिन ता।

िक्ष नागानकार तू व्याली रातिशक त्थारा व्याकात शूरि

यू राभि श्वामारे वाति मात कावार्य वाक यात्रवारभाता।

व्यक्ति ३ व्याभात भाष्ठक्तत भाष्य या शाभन तरमा मूक्तिया व्याष्ट उँरा किताभान काळिवन३ काल ना।

হে বু আলী, খোদাকে খুদির মাঝে কখনগু সম্পূর্ণ ধরে রাখা যায় না, তাই তো খুদিকে পুনরায় কাবার দিকে নিয়ে যেতে চায়। কলন্দর বু আলী আজাদে গাশ্তাম नामानाम क्रमसा तार क्यूत मीलता। धर्म ७ क्यूतित मण ७ भर्यत व्यामात व्यात त्काला मतकात नार, यथन वू व्यामी कमम्बत मुक्ति (भम। याता व्यामात्मत श्रकामनात जन्म माराया कतळ जान जात्मत जन्म वस्ति

<u>যুদি আপুনারা মনে করেন্ন যে, স্রফ্রিবাদের উপর রচিত্র বইণ্ডলেরে ব্যাপক</u> श्रेष्ठांदाते श्रेरोकिन बेर्वः भैकिरोर्न्ड फिट्ट भीद्रते खेश्वितं क्रीर्वतं बर्केष्ट खोंजाते भार्ति, ठा रहेन वाभनाता आसारम्बदकं व्याश्चिकं मार्शिया कर्वट भारतन। अर्थे मार्शिया कर्वट भारतन। अर्थे मार्शिया कर्वट भारतन। अर्थे मार्शिया कर्वे खासता खात्र अर्थे मार्शिया कर्वे खासता खात्र अ श्रीरा राज भावत। क्वांत्रवानित छास्रुगाँछ जाभनात क्रना रासन नाकाराक, अ तकस जासारित क्रना उत्त नाकाराक। किन्न जाभनामित प्राण प्राण দারে আমরা আরেও প্রচার করতে পারব এআমরা ইতিমধ্যেই অংখাউড়ায় यांग्रे। व्यामात किं छु छेक्ने मेट्स निरंग वर्हेरात तोचा निरंकतार वरन केंद्र मछन्द्रत त्वन्छनित्छ वर्षां छु रक्षत्र वांचा त्मानाग्रमात मार व्यावपुरत साक्रात, ताङ्गातास्त्रपूर्व व्यविश्वेण रक्षतेण वाचा ताराण वाली मास्त्रत साक्षात, रक्षतेण वाचा गींग मास्त्रत साक्षात्र, नवीनगत्तेत स्वाणारस्त्रत किंना अनि र्रेज ते तो तो सिशिएल में मार्ट, भी ने गर्दा के लेके हिंदी ताता जात के लेके मिर्ट, निवास के लिखा के ल फत्तवात, विश्वभाव संशोधिमंग्रें, अंश्वितशाटीत कालाई वानांश जावशिंठ वातां १कृत गाँर रिगीठ, क्रिंठलाटलत गाँर आभाटलत माजात, क्रिंशांत लालन गरि, शांकु गांह, त्यांकी वर्तने, मेरीने गांहे, फुक्ने गाहे, विकित्त विवा गिरि मध्दूम, वाघात वावा कालगमक, छालाहनवावनत्कत त्यांना मनकित्त वावा

<u> निशाक्ष्य भाष्ट्रत् क्षाकात्, कारानुत्र वावा कानु, भार, नद्वशिक्षीत्, वाद्रा कावन</u> <u>শহ্নে, বারা দেওয়ান শরিফ, ববিত্র পেশোয়ারী, বাবা ইউপুফ চিশীঞ্চ, ববিত্র</u> क्रिक्ट, डिफ़िन भार, सर्वारत्रुहीत, वावा साङ्ग्राक्त अञ्चान মোলাব). বেলাবোর বাবা শাহ ইরানরি মাজার. কলিয়ার চরের বাবা আব আলত্রিয়াখতার শাহ কলন্দর, ভূরেবের ক্রালিকসাহের বাব্যু সিরাজ মন্ত্র লে. শ্রিবপুরের গরিবলাহ কারী. বর্মীর রাঙ্গামাটির গরিবলাহ শাহ পাণীরের রাব্য হায়দার শাহ্র ব্যবহঁচার বন্ধবিল भितेश्रेत 'शाबा अश्लश्च ताता विश्वविद्या गार, वर्ताभः हित लक्ष्या छित काष्ट्रह পাগলা মেলিবির 'মাজার, আড়াইহাজারের বৈনজীর পট্যাখালীর কলাপাড়ার বিশানবাড়িয়া দরবার শরিফ, **क्तिया** मितान कोकेत्र, वाईश्वाराष्ट्रित् मांगन मिकमात्र, वाञ्चात পরনি ফাঁকর গুজুপুরের বাকা মোলাব, ঝিটকার কসের শাহ, ফ্রন্দা শাহ, রশদি শাহ विद्विष्टिमाण्ड व्याखाः, भागणात् कान् भताभागिक, वक्रातनभदात् भाष् ফাকর কুকুরহাটের তাববুর রহমান, আলালপুরের বাবা সালাম ফকৈর? সাতকানিয়ার মজিনাখন দরবার শারিফ. कारुन नगत দূরবার কয়ারশ্রেই দরবার শারফ, অট্রেলিয়াপুরের বারা কালু व्याभुलेलीत कल्वेन्य्रेत एतेनात गतिक, श्रेष्ट्रांशालीत रूक् एत्नेनात गतिक মুঞ্জিপ্রেরে গৈড়িছে খানকা শুরিফ, কিশোরণঞ্জের ব্যুউতি শুরিফ, বগুড়ার ঠনঠানীয়া দরবার শার্ফ, পাঁট্য়ার আমারি ভাণ্ডার শার্ফ, কুমিলুরি দ্যুক্তল শরিক, সিরাজগঞ্জের ববরে শাহী কুদুর্য়া– **গুয়ারাস** দরবার व्याक्षान्र ५ ततात সিরাজাদখানের দরবারে পার সাহেবদের अভाবে বহু মাজুত্রি গুরুসের সময় বিনামুল্যে <u>বই ব্রিতরণ করে চলছি। যারা কেবলমাত্র</u> क्रोंकिति नार्रेजित जाप्नत राखिर जुल मिष्टि। अভाবে সারা বाংनाफ्रिंस वर्रे বিতরণ করতে গেলে কত বইয়ের প্রয়োজন তা আপনারা ভালো করেই বুঝুতে পারেন। ফাকরদের ক্রথা ফাকরেরাই বোঝে, অন্যরা হাছে। তাই कार्कात नार्टित याता विश्वाभी अवश्र छक्ष योष्ट्र अस्त कर्तन रेय, वर्रेष्ठेरनात अपात रुश्या अर्थाञ्चन हो। रेटन कि कि पान, कि श्रू भारतीं प्रारंगित <u> श्वाभाना व्योधकार्ताण कार्ति कराळ श्वार्ति नी? अञ्छला क्या विलाद श्वधान</u> উদ্দেশ্য হলো, যার যার বিবেকের উপর একটি হাল্পা বোঝার দায়েত্ব মনে করিয়ে দেওয়া।

সর্বনিম্ন একটানা চার মাস যারা মোরাকাবার ধ্যানসাধনা করেছেন তাদের প্রত্যেকের নামের আগে শাহ সুফি পীর বাবা কেবলায়ে কাবা এবং নামের শেষে আল-সুরেশ্বরী লকব দেগুয়া হয়েছে।

১. गार मुकि भीत वावा क्ववनारा कावा बाक्रम गार बान-मूर्तभूती, পিতা-ইউসুফ আলী, গোয়াল চামট বাসস্ট্যান্ত, ফরিদপুর। ২. সৈয়দ তারিক, পিতা-সৈয়দ গুয়ারিস হোসেন, ১৭১, উত্তর বাড্ডা, ঢাকা। ৩. सदाक उँिफ्न आ. व्यावपूत तिमही, त्रिण-व्यावपून राष्ट्र, त्रिक्ष घाएँना, বড়বাড়ি, বেগমগঞ্জ, লোয়াখালী। ৪. ডা. মোহাম্বদ আলী, পিতা–ফজর वानी सान्ना, निक्रुती, तुछाउँछ वाक्षात्र, छानूका, सग्नसनित्रः ए. व्याताशात भूमि, छालातराएँ, एापार नतातगञ्ज। ७. गार व्यालप्त साल्ला রিপন, পিতা-আবু হোসেন মোল্লা, সদর রোড, জয়পুরহাট। ৭. খোরশেদ আলম, পিতা–ইয়াকুব আলী খান, রাজ্ঞামেহার, দেবীদ্বার, কুমিল্লা। ৮. কারী মো. সুলতান গুয়াদুদ, পিতা–শেরের উদ্দিন চিশতী, মেজভালাম, পবা, রাজশাহী। ৯. আলী হোসেন, পিতা–হাফেজ আলী বেপারী, পূর্ব लालपूत, कालीपूत वाकात, मठलव, छांफपूत। ১०. व्यावपूल गणि माठकात, পিতা-গণন মাতব্বর, খামারপাড়া, বান্দবদৌলতপুর, মাদারীপুর। ১১. व्यावपूर्व कुफूम कृाती, भिठा-व्याक्रभठ व्यानी, साग्नारंव, त्वानकुशा,

ভाলুকा, भग्नभनिभ्रश्। ১২. ইয়াকুব আলী শেখ, পিতা-ইউনুস আলী শেখ, বগাজান, বড়াইত, ভালুকা, ময়মনসিংহ। ১৩. জাহিদুল ইসলাম, পিতা-नुक्रन रॅंत्रनाम, स्रिक्र छानाम, পवा, ताक्र गारी। ১৪. माञ्जनाना काक्रि व्याकशत उँिक्त, भिठा-काकि वम्त्रउँिक्त, ठाकू निया, नगतकूञा, त्राভात, ঢাকা। ১৫. ইসহাক মিয়া, পিতা–আবদুর রাজ্জাক মিয়া, বাউশিয়া, वाउँ निया वाकात, शकातिया, भूमिशः । ५७. भाउनावा वावून वानात, পিতা–व्यावषून कृष्ट्रम, कानिয়ात छात्रा, नवींगञ्ज, रिवाञ्च। ১৭. ससठाञ भाग्रांत, भिठा-राकि भिशाकान वाली, দুगारी, দत्रगाठना राएँ, জয়পুরহাট। ১৮. আবুল হোসেন, পিতা–নিজাম উদ্দিন মোল্লা, বিদুপাড়া, রামেশ্বরপুর, বণ্ডড়া। ১৯. নজকল ইসলাম, ভোলারহাট, চাঁপাই नवावग%। ६०. व्याठाउँत त्रहसान, त्रिठा-ट्राकाठून्नाह श्रासापिक, वानुवाकात, सान्ता, नरुगा। ६५. सासिका शाठून, निठा-रुशाष्ट्रित उँिक्न सञ्चन, पूगाणी, प्रतगाणना, ऋश्वभूतराष्ट्र। ५५. जूनरक व्यानी, विण-राक्रि আবদুস সাত্তার মণ্ডল, আঁচলগাতি, পূর্ব বংকিরাট, লাহিড়ী মোহনপুর, উল্লাপাড়া, त्रिताজगअ। ६७. निक्रवृत त्रहसान, त्रिणा–देना साम्हात, कारानुवाकात, कारानु, वध्रुग। ५८. भाउनावा खात्वाग्रात स्राप्तव, পিতা–মাফেল হাগুলাদার, চরপুরুসন্ধি, বাগদি, মোকসেদপুর, গোপালগঞ্চ। ২৫. আবদুল খালেক, পিতা-মো. ইসহাক সর্দার, চরপুকুরিয়া, উদয়কাঠী, পিরোজপুর। ২৬. মো. শাহীনুর আহমদ চৌধুরী,

পিতা-সারাজ চৌধুরী, শাশানঘাট রোড, হবিগঞ্চ। ২৭. মো. মঈনউদ্দিন খান , পিতা–सा. त्रिताऋ খান, কালিয়ারভাঙ্গা, নবীগঞ্জ, হবিগঞ্জ। ২৮. भी श्रकाम एफ्ट ताय, निठा-ऋखिफ्ट नाथ ताय, शाहाता, ছाउनी, राकिसपूत, फिनाळपूत। ५৯. साराश्वफ वाली, पिठा-सा. वारॅंडेंच वाली, হাকিমপুর, হাজিপুর, বেগমগঞ্জ, নোয়াখালী। ৩০. বসিরউদ্দিন, পিতা– আবদুল লতিফ মিয়া, বারঘরটোলা, জিনজিরা, কেরানীগঞ্জ, ঢাকা। ৩১. गारुवारान, निजा-लालाम साम्रका, मध्य जाश्गात नाम्ना, तामग्रभ, लक्ष्मीপুর। ৩২. মো. কবির হোসেন, পিতা–আবদুল লতিফ, শারাশিয়া, কচুয়া, সফিপুর, টাঙ্গাইল। ৩৩. আশরাফুল হক, পিতা– আবদুল ছেয়াদ, वाभपूत, वर्ष विन, भन्नाष्ठ्रा, त्रःपूत्र। ७८. धनाभून रक, भिठा-राविवृत রহমান, বীরপাল্লা, মুরাইল, কাহালু, বণ্ডড়া। ৩৫. কামাল উদ্দিন व्याप्पन, पिठा-किम उँिक्त मतकात, भाषावान्ता, िष्टमाती, कूछिश्राभ। ७७. छा. ইব্রাহিম ইবনে নুর, পিতা-আলী নুরে হুসাইন, বলিয়া, राकिगक्ष, हाँफ्यूत। ७१. वातून कानाम वाकाफ, भिठा-वानिम उँफिन মণ্ডল, সুলতানপুর, পীরগঞ্জ, নাটোর। ৩৮. মমতাজ উদ্দিন সরদার, পিতা– আছের আলী, বালুবাজার, মান্দা, নগুগাঁ। ৩৯. মাগুলানা হাকুন অর রশীদ (ডবল টাইটেল), পিতা– আবুল হারেজ মিয়া, আশেক মঞ্জিল, শরিফাবাদ, ঘারুয়া, ভাঙ্গা, ফরিদপুর।